RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 17
नई दिल्ली, मंगलवार, 19 नवंबर, 2019
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

पता था, काम पाने के लिए काम करके दिखाना होगा
विविध-16

हजारों छात्रों का उग्र प्रदर्शन जाम-लाठीचार्ज-गिरफ्तारी

देर शाम रिहा हुए छात्र, विवि परिसर लौटे, दिन भर जाम से जूझते रहे लोग-मेट्रो सेवाएं भी प्रभावित

● पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग से किया इनकार, कहा-आरोपों की जांच कराएंगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हॉस्टल की बढ़ी हुई फीस को पूरी तरह वापस लेने की मांग को लेकर जेएनयू के हजारों छात्र सोमवार को सड़कों पर उतर गए। शीतकालीन सत्र के पहले दिन संसद की ओर मार्च कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा कथित लाठीचार्ज में कुछ घायल हो गए तथा छात्रसंघ अध्यक्ष आइशी घोष समेत करीब 100 छात्रों को हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद छात्र सड़कों पर बैठ गए जिसके चलते अरबिंदो मार्ग पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया और जल्द ही यह आसपास की सड़कों पर फैल गया। देर शाम तक पुलिस के आला अधिकारी छात्रों को मनाने में जुटे रहे। बाद में जेएनएयू छात्रसंघ के पदाधिकारियों को पुलिस मानव संसाधन मंत्रालय के सचिव से मुलाकात कराने ले गई। छात्र संघ अध्यक्ष समेत हिरासत में लिए सभी छात्रों को रिहा कर दिया गया है।

पुलिस अधिकारियों ने चार जेएनयूएसयू के सदस्यों रोक लिया और सफदरजंग मकबरे के पास जमे छात्रों को कैंपस में वापस जाने को कहा। छात्रों और शिक्षकों का आरोप है कि उन पर लाठियां बरसाई गई और वहां से खदेड़ दिया गया। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि भीड़ के कारण एम्स और सफदरजंग अस्पताल जा रही एंबुलेंस का रास्ता बाधित हो रहा था, लेकिन उसने लाठीचार्ज के सभी आरोपों की जांच का आश्वासन दिया है। दक्षिण पूर्वी रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त देवेश श्रीवास्तव ने कहा कि विस्तृत बातचीत के बाद शाम साढ़े सात बजे के करीब प्रदर्शन खत्म हो गया और छात्र कैंपस में चले गए। यह पूछने पर कि अपनी मांगों को लेकर छात्र मंगलवार को फिर वापस आ सकते हैं, श्रीवास्तव ने कहा कि इसके बारे में कोई सूचना नहीं लेकिन हम सतर्क है और सुनिश्चत (शेष 10 पर)

जेएनयू में फीस वृद्धि का मामला

संसद की ओर मार्च करते जेएनयू के छात्र-छात्राएं और उन्हें रोकती पुलिस व अर्धसैनिक बलों के जवान

मामला देखने के लिए केंद्र ने बनाई समिति

नई दिल्ली। मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्रालय ने सोमवार को तीन सदस्यीय एक समिति गठित की, जो जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की सामान्य कार्यप्रणाली बहाल करने के तरीकों पर सुझाव देगी। एचआरडी सचिव आर सुब्रह्मण्यम ने कहा, सभी पक्षों के साथ बातचीत के जरिए जेएनयू की सामान्य कार्यप्रणाली बहाल करने और विवादित मामलों के समाधान के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन को सलाह देने के लिए सरकार ने तीन सदस्यीय एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की है। इस समिति में पूर्व यूजीसी अध्यक्ष वीएस चौहान, एआईसीटीई अध्यक्ष अनिल सहस्रबुद्धे और यूजीसी सचिव रजनीश (शेष 10 पर)

मोदी ने सराहा, सोनिया से मिले पवार लेकिन सस्पेंस बरकरार

महाराष्ट्र में सरकार गठन

● कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकात के बाद बोले पवार-नहीं हुई सरकार गठन-सीएमपी पर कोई चर्चा, अन्य सहयोगियों से भी करेंगे बात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महाराष्ट्र में शिवसेना, राकांपा, कांग्रेस गठबंधन सरकार का रास्ता फिर से अटकता दिख रहा है। महज दो दिन पहले साझा न्यूनतम कार्यक्रम (सीएमप) पर तीनों दलों के सहमत होने और जल्द ही सरकार बनाने का दावा करने वाले राकांपा सुप्रीमो शरद पवार के सुर सोमवार को बदले गए। तय कार्यक्रम के अनुसार, मराठा छत्रप यहां कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिले लेकिन सरकार गठन पर पत्ते नहीं खोले। सस्पेंस बरकरार रखते पवार ने कहा कि उन्होंने सोनिया को सिर्फ मौजूदा राजनीतिक हालात से अवगत कराया। उनके बीच सरकार गठन को लेकर कोई बात नहीं हुई।

राजनीतिक और आर्थिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण सूबे में सरकार बनाने में आई अनाम रुकावट से पहले, राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसा संकेत दिया था जिसे शिवसेना के लिए अशुभ माना जा सकता है। प्रधानमंत्री ने उच्च सदन के 250 वें सत्र के अवसर पर भारतीय राजनीति में राज्यसभा की भूमिका...आगे का मार्ग विषय पर (शेष 10 पर)

नई दिल्ली में एक पत्रकार वार्ता में राकांपा प्रमुख शरद पवार

रास में शिवसेना सदस्य विपक्षी सीटों पर बैठे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद को लेकर भाजपा से किनारा कर चुकी शिवसेना के सदस्य सोमवार को राज्यसभा में विपक्ष की सीटों पर बैठे नजर आए। संसद के शीतकालीन सत्र की सोमवार को शुरुआत हुई। उच्च सदन में अब तक सत्ता पक्ष में बैठने वाली शिवसेना के लिए आज बैठक व्यवस्था अलग थी। शिवसेना के सदस्य संजय राउत विपक्षी सदस्यों की सीट पर बैठे नजर आए। लंबे समय तक भगवा दल की सहयोगी रही शिवसेना की भाजपा के साथ बिगड़े रिश्तों को लेकर तल्खी भी जाहिर हुई। उच्च सदन में जब पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा सदन के पूर्व नेता दिवंगत अरुण जेटली को श्रद्धांजलि दी जा रही थी तब शिवसेना के संजय राउत ने कहा जेटली संघर्ष का दूसरा नाम थे और हमने उनके हर संघर्ष में साथ दिया था। उन्होंने कहा जेटली के साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध थे। हमने उनसे सीखा कि रिश्ते कैसे निभाए जाते हैं।

मौसम

अधिकतम	26.5°C (-1)
न्यूनतम	15.3°C (+3)

बाजार

सेंसेक्स	40,284	↓ 72	
निफ्टी	11,884	↓ 11	
सोना	38,775	↓ 85	/10g
चांदी	45,250	↓ 290	/kg

क्विक न्यूज

आरएसएस, विहिप नेताओं की राम मंदिर ट्रस्ट पर चर्चा

नागपुर। आरएसएस और उससे संबद्ध संगठन विहिप के शीर्ष नेताओ की सोमवार को यहां एक बैठक हुई, जहां माना जा रहा है कि उन लोगो के नामो को अंतिम रूप दिया गया, जिन्हे अयोध्या मे बनने वाले राम मंदिर के लिए केंद्र द्वारा बनाए जाने वाले ट्रस्ट मे शामिल किया जा सकता है। आरएसएस सूत्रो ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत और उनके सहयोगी भैयाजी जोशी इस बैठक मे शामिल थे। आरएसएस मुख्यालय मे सोमवार को हुई इस बैठक मे विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय पदाधिकारी भी मौजूद थे। उन्होने बताया कि बैठक मे अयोध्या मंदिर ट्रस्ट के गठन पर चर्चा हुई। उच्चतम न्यायालय ने राम मंदिर - बाबरी मस्जिद विवाद के बारे मे 9 नवंबर के अपने फैसले मे मंदिर निर्माण के लिए ट्रस्ट बनाने का फैसला दिया था। सूत्रो ने बताया कि बैठक मे ट्रस्ट के सदस्यो के नामो को अंतिम रूप दिया गया और ए नाम सरकार को बताए जाएंगे, हालांकि उन्होने इन नामो का खुलासा नही किया।

सड़क हादसे में 12 की मौत, 14 लोग हुए घायल

जयपुर। राजस्थान के श्री डूंगरगढ़ के पास सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे मे 12 लोगो की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि सुबह साढ़े सात बजे बीकानेर-जयपुर राजमार्ग संख्या 11 पर झंझेऊ गांव के पास यह हादसा उस समय हुआ जब सवारियो से भरी एक बस सामने से आ रहे ट्राले से टकरा गई। हादसे मे 12 लोगो की मौत हो गई जबकि 14 अन्य घायल है जिन्हे बीकानेर के अस्पताल मे भर्ती करवाया गया है। मृतको की पहचान अरुण कुमार, विदिता, भैरू सिंह, धन्ने सिंह, काजल, माया, अनीता, ललित मिश्रा, राजू मीणा, यासीन खां, ओम सिंह व कोजू खां के रूप मे हुई है। बस बीकानेर से जयपुर जा रही थी और टक्कर के बाद उसमे आग लग गई। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने हादसे पर शोक जताते हुए घायलो के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री रूस के गागरिन केंद्र में 2020 में प्रशिक्षण लेना शुरू करेंगे

भाषा। दुबई

भारत के 2022 में पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन के लिए चयनित भारतीय गगनयात्री अगले साल रूस के गागरिन कॉस्मोनॉट प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण लेना शुरू करेंगे। रूस के एक वरिष्ठ अंतरिक्ष अधिकारी ने सोमवार को यहां यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन के लिए रूस भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को प्रशिक्षण देगा। 2022 में अंतरिक्ष में जाने वाले इस मिशन में तीन अंतरिक्ष यात्री होंगे जिन्हें भारतीय सशस्त्र बलों के टेस्ट पायलटों में से चुना जाएगा। मोदी ने चार सितंबर को रूस के सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तोक में बातचीत के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि रूस गगनयान परियोजना के लिए भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को प्रशिक्षित करने में मदद करेगा। रूस की रोसकॉस्मस अंतरिक्ष एजेंसी का हिस्सा ग्लावकॉस्मस के (शेष 10 पर)

न्यायमूर्ति बोबडे ने देश के प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

नई दिल्ली में न्यायमूर्ति शरद अरविन्द बोबडे का शपथ दिलाते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश शरद अरविन्द बोबडे ने सोमवार को देश के 47वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की। निजता के अधिकार के प्रबल समर्थक न्यायमूर्ति बोबडे ने अनेक महत्वपूर्ण फैसले सुनाए हैं और वह अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद में ऐतिहासिक निर्णय सुनाने वाली संविधान पीठ के भी सदस्य रहे हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन के दरबार कक्ष में आयोजित संक्षिप्त समारोह में न्यायमूर्ति बोबड़े को प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति बोबडे ने अंग्रेजी में ईश्वर के नाम पर शपथ ली। प्रधान न्ययाधीश के रूप में न्यायमूर्ति बोबडे का कार्यकाल 17 महीने से अधिक रहेगा और वह 23 अप्रैल, 2021 को सेवानिवृत्त होंगे। न्यायमूर्ति बोबडे ने शपथग्रहण करने के तुरंत बाद अपनी मां के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया। न्यायमूर्ति बोबडे की मां को स्ट्रेचर पर राष्ट्रपति भवन लाया गया था।

न्यायमूर्ति बोबडे के शपथग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री (शेष 10 पर)

ताज की नगरी आगरा को मिल सकता है नया नाम

आगरा (पीएनएस)। शहरों का नाम बदलने की सूची में ताज नगरी आगरा का नाम भी शामिल हो सकता है। शासन ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय से इस मामले में साक्ष्य मांगे हैं और पूछा है कि आगरा का नाम अग्रवन क्यों किया जाए। साक्ष्यों को लेकर विश्वविद्यालय का इतिहास विभाग पूरे मामले पर मंथन कर रहा है और साक्ष्य जुटाने में लगा हुआ है। साथ ही ताजनगरी के प्राचीन इतिहास को खोजने की कवायद शुरू हो गई है। इसमें आगरा का नाम कब, किसने और कैसे अग्रवन के रूप में प्रयोग किया, इसके साक्ष्य जुटाए जाने की प्रक्रिया और शोध कार्य किए जा रहे हैं। इसके लिए डॉक्टर भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय को जिम्मेदारी दी गई है। साक्ष्य जुटा लेने के बाद विश्वविद्यालय शासन को रिपोर्ट सौंपेगा। विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रमुख सुगम आनंद के अनुसार शासन के पत्र के आधार पर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगरा के नाम को लेकर अलग-अलग मत है, लेकिन हम लिखित प्रमाण या अभिलेख पर शोध कर रहे हैं।

हिरासत में फारुख-नहीं आए लोकसभा, विपक्ष का हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नेशनल कान्फ्रेंस के नेता फारुख अब्दुल्ला को श्रीनगर में हिरासत में रखे जाने का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस, द्रमुक और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने लोकसभा में सरकार पर निशाना साधा और लोकसभा अध्यक्ष से सरकार को अब्दुल्ला को तत्काल रिहा करने का आदेश देने का अनुरोध किया। इस मुद्दे पर विरोध जताते हुए कांग्रेस के सदस्यों ने सदन से बर्हिगमन किया। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन लोकसभा की बैठक शुरू होते ही कांग्रेस, नेशनल कान्फ्रेंस, द्रमुक और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने इस विषय पर हंगामा शुरू कर दिया। उनके साथ ही शिवसेना के सदस्य महाराष्ट्र में किसानों के मुद्दे पर नारेबाजी कर रहे थे। कांग्रेस के सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन के निकट पहुंच गए। उन्होंने फारूख अब्दुल्ला को वापस लाओ और लोकतंत्र की हत्या बंद करो के नारे लगाए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हंगामे के बीच ही प्रश्नकाल चलाना शुरू किया। उन्होंने इस दौरान विपक्षी सदस्यों से अपनी सीटों पर जाने का आग्रह करते हुए कहा कि वह हर विषय पर चर्चा को तैयार हैं और सदन में नारेबाजी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, सदन सबकी सहमति से चलता है, सभी सदस्य सदन की गरिमा बनाए रखें। सदन में नारेबाजी के बीच संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। कार्य मंत्रणा समिति में जो मुद्दे तय होंगे उन पर नियमों के अनुसार चर्चा होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी खुद इस बारे में आश्वासन दिया है। प्रश्नकाल में कांग्रेस, द्रमुक, (शेष 10 पर)

उत्तरी सियाचिन में सेना का दल बर्फीले तूफान की चपेट में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तरी सियाचिन में सेना का आठ सदस्ईय एक दल बर्फीले तूफान की चपेट में आ गया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह दल शाम करीब तीन बजे तूफान की चपेट में आया। जिस वक्त ये हादसा हुआ उस समय यह दल गश्त पर था। सूत्रों ने बताया कि दल की तलाश के लिए तलाश और बचाव अभियान शुरू किया गया है। सियाचिन ग्लेशियर काराकोरम पर्वत शृंखला पर 20 हजार फीट की ऊंचाई पर है और यह दुनिया का सबसे ऊंचा सैन्य क्षेत्र है। सर्दियों के मौसम में यहां जवानों का सामना अक्सर बर्फीले तूफान और भू-स्खलन से होता है। पारा भी यहां जवानों का दुश्मन बनता है और इस इलाके में तापमान शून्य से 60 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला जाता है। इन हालात में सेना का काम करना बेहद कठिन है लेकिन जवान देश की सीमाओं की रक्षा के लिए तमाम जोखिम लेते हुए अपनी ड्यूटी निभाते हैं।

पारंपरिक पोशाक के बजाय चुस्त वर्दी-पी कैप में दिखे मार्शल

सफेद कलगीदार पगड़ी-बंद गले का औपनिवेशिक ड्रेस बदलने की लंबे समय से कर रहे थे मांग

राज्यसभा का 250वां सत्र

● सैन्य कर्मियों की तर्ज पर नेशलन इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन ने बनाई है गहरे नीले रंग की यूनीफॉर्म, गर्मियों में रंग होगा सफेद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राज्यसभा में पुराने ढंग की वर्दी (दाएं) की जगह नए ढंग की वर्दी पहने मार्शल (बाएं)

राज्यसभा में 250वें सत्र के पहले दिन सोमवार को पारंपरिक वेशभूषा के बजाय सैन्य कर्मियों की भांति आधुनिक वर्दी पहने मार्शलों ने सबका ध्यान बरबस अपनी ओर खींच लिया। उनकी यूनीफॉर्म में आए इस बदलाव को देख हर कोई हैरान था। आसन (सभापति) की सहायता के लिए उनके अगल-बगल मौजूद रहने वाले मार्शल अभी तक सफेद रंग की कलगीदार पगड़ी और सफारी सूट पहनते थे परंतु आज वे गहरे नीले रंग की चुस्त यूनीफॉर्म और पी-कैप में अपनी ड्यूटी निभाते नजर आए। मार्शलों की नई यूनीफॉर्म की डिजाइन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन ने तैयार की है।

उच्च सदन की बैठक कलगीदार पगड़ी पहने किसी मार्शल की सदन में आकर लगाई गई इस पुकार से शुरू होती है कि माननीय सदस्यों, माननीय सभापति जी। इसके पश्चत सभापति (उपराष्ट्रपति) का आगमन होता है। राज्यसभा सचिवालय के सूत्रों ने मार्शलों की पारंपरिक पोशाक के बदले आधुनिक वर्दी के बाबत कहा कि यह बदलाव उच्चस्तरीय फैसले के बाद लिया गया है। नए ड्रेस कोड के तहत सदन में तैनात मार्शलों को कलगी वाली सफेद पगड़ी और पारंपरिक औपनिवेशिक परिधान की जगह अब गहरे नीले रंग की वर्दी और कैप पहननी होगी। गर्मियों के लिए डिजाइन यही होगी लेकिन वर्दी का रंग नौसेना की तर्ज पर सफेद होगा। हालांकि, मार्शलों की यूनीफॉर्म सेना से भिन्न होगी।

ड्रेस कोड बदलने की मांग मार्शलों द्वारा पिछले कई दशक से की जा रही थी। उच्च सदन में सभापति सहित अन्य पीठासीन अधिकारियों की सहायता के लिए लगभग आधा दर्जन मार्शल तैनात होते हैं। एक अधिकारी ने बताया कि मार्शलों ने उनके ड्रेस कोड में बदलाव कर ऐसे परिधान की मांग की थी जो न सिर्फ पहनने में सुगम हो बल्कि उसका दिखने में आधुनिक लगे। इस मांग को स्वीकार (शेष 10 पर)

दिल्ली में सबसे खराब पानी पर केजरीवाल, केंद्र आमने-सामने

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के पानी को लेकर सियासत तेज हो गई है। बीआईएस के गुणवत्ता परीक्षण में राष्ट्रीय राजधानी के पानी के खरा नहीं उतरने के कुछ दिन बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को केंद्रीय मंत्रियों पर गंदी राजनीति करने और यह बयान देकर लोगों को डराने का आरोप लगाया कि शहर का पेयजल जहरीला है। केजरीवाल ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड से सार्वजनिक रूप से औचक तरीके से पानी के पांच नमूने लिए जाएंगे।

उधर, केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान ने लोकसभा के शून्य काल में दिल्ली में पेयजल की खराब गुणवत्ता का जिक्र करते हुए केंद्र और दिल्ली सरकार के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम द्वारा पानी के नमूने एकत्र किए जाने और प्रयोगशाला में जांच कराने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा, हम ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) के दो-तीन अधिकारी देते हैं और दो-तीन अधिकारी आप (दिल्ली सरकार) दे दीजिए। वे जिस इलाके में भी चाहे संयुक्त रूप से पानी के नमूने एकत्र करें। पासवान ने शनिवार को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें कहा गया है कि दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई के पेयजल 11 में से 10 गुणवत्ता मापदंडों पर खरे नहीं उतरे।

केजरीवाल ने कहा कि इस साल जनवरी से सितंबर के बीच दिल्ली जल बोर्ड ने 1.55 लाख पानी के नमूने लिए जिसमें से सिर्फ 1.5 फीसदी परीक्षण में विफल रहे। मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह गंदी राजनीति है, केंद्रीय मंत्री जिस तरह से कह रहे हैं कि दिल्ली का पानी जहरीला है, उससे लोग डर गए हैं। केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन ने शनिवार को कहा कि केजरीवाल मुफ्त जलापूर्ति के नाम लोगों को जहर दे रहे हैं और मांग की कि उन्हें मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा, विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों (शेष 10 पर)

प्राधिकरण के 62 संस्थागत बकायेदार डिफॉल्टर घोषित

तीन नोटिस जारी होने के बाद भी नहीं जमा की रकम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

तीन नोटिस का वार आवासीय सेक्टरों में व्यवसायिक गतिविधियों को बंद करने तक ही सीमित नहीं है बल्कि संस्थागत के डिफ ॅल्टर आवंटियों पर भी प्राधिकरण की नजर टेढ़ी हो चुकी है। आवंटियों को तीन नोटिस जारी किए जाएंगे। इसके बाद आवंटन निरस्त किया जाएगा। बकाया वसूलने के लिए आरसी जारी होगी। इसमें उन आवंटियों को भी शामिल किया गया है जो प्राधिकरण की रि-शड्यूलमेंट स्कीम में शामिल हुए लेकिन, उन्होंने बकाया नहीं चुकाया।

गौरतलब है कि प्राधिकरण की आर्थिक स्थिति खराब है। इसकी वजह आवंटियों द्वारा बकाया पैसा जमा नहीं करना है। बकाया जमा करने के लिए प्राधिकरण कई बार स्कीम तक निकाल चुका है लेकिन, आवंटियों पर इसका असर होता नहीं दिख रहा।

प्राधिकरण ने संस्थागत सेक्टरों में ऐसे 62 आवंटियों की सूची तैयार की है जिन पर 500 करोड़ रुपए से ज्यादा का बकाया है। इनको डिफ ॅल्टर की सूची में डाल दिया गया है। इनमें 80 प्रतिशत ऐसे डिफॉल्टर हैं जिनको प्राधिकरण पहले भी दो बार नोटिस जारी कर चुका है। जबकि 20 प्रतिशत को पहली बार नोटिस जारी किया जाएगा।

यानी 80 प्रतिशत डिफॉल्टर 15 दिनों में बकाया रकम जमा नहीं करते तो इनका आवंटन निरस्त कर आरसी जारी की जाएगी। निरस्त किए गए भूखंडों की स्कीम निकाली जाएगी। नीलामी के जरिए इसे बेचा जाएगा जिससे प्राधिकरण को राजस्व में बढ़ोतरी होगी।

इनके आवंटन हुए निरस्त

ग्रेनाइट डेवलपर्स प्रा लि बकाया 4,23,44,145 रुपए। एसकेवीआर सॉफ्टवायर साल्यूशन 1,51,30,024 बकाया रुपए। संस्थागत डिफ ॅल्टर आवंटियों को तीन बार नोटिस जारी किए जाएंगे। तीसरा नोटिस अंतिम नोटिस होगा। इसके बाद भूखंड निरस्त कर आरसी जारी की जाएगी।

संतोष उपाध्याय, विशेषा कार्यधिकारी नोएडा प्राधिकरण

एसटीएफ ने कुख्यात सुंदर भाटी गिरोह के एक बदमाश को दबोचा

नोएडा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश एसटीएफ की टीम ने सुंदर भाटी गैंग के एक सदस्य को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। आरोपित का नाम सतपाल भाटी बताया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, सतपाल भाटी को खानपुर थाना साइट 5 इलाके से पकड़ा गया है। सतपाल पर विवादित संपतियों में दखल देना, सुंदर भाटी की मदद से जमीन ख़ाली कराना और लोगों को डराने-धमकाने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, सतपाल भाटी पर सेक्टर 39 में कई मामलों में मुकदमा दर्ज है।

निरीक्षण में खामियां देख भड़के मुख्य सचिव

नगर आयुक्त को चेतावनी, लाइट इंस्पेक्टर व सैनिटरी इंस्पेक्टर निलंबित

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

सब्जी मंडी ने निरीक्षण के दौरान जनता से संवाद करते मुख्य सचिव आर.के. तिवारी।

प्रदेश मुख्य सचिव आरके तिवारी सोमवार को औचक निरीक्षण करने शहर पहुंचे। सब्जी मंडी में गंदगी देख मुख्य सचिव भड़क गए। साथ ही उन्होंने निरीक्षण के दौरान मिली खामियों के बाद नगर आयुक्त को चेतावनी दी। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्य सचिव ने नगर निगम के विद्युत इंस्पेक्टर विशंबर शर्मा व सफाई इंस्पेक्टर सतीश को सस्पेंड करने व मुख्य अभियंता मुइनुद्दीन को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्य सचिव अव्यवस्थाओं को देखकर काफी नाराज हुए और निगम अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। इसके बाद निगम के साथ ही पुलिस, प्रशासन एवं अन्य विभागों के अधिकारियों में अफरा-तफरी मची रही। खासबात यह है कि मेयर आशा शर्मा व नगर आयुक्त दिनेश चंद्र के बीच काफ़ी लम्बे समय से निगम की कार्यशैली व भ्रष्टाचार को लेकर खींचतान चल रही है । दोनों ने शासन से एक दूसरे के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप भी लगाए। भाजपा संगठन ने भी इस पूरे प्रकरण से पार्टी हाई कमान को अवगत कराया था। इस औचक निरीक्षण को इसी विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। यह पहला मौका है कि मुख्य सचिव को खुद औचक निरीक्षण करने गाजियाबाद आना पड़ा।

मुख्य सचिव आरके तिवारी सोमवार को करीब साढ़े नौ बजे नगर निगम कार्यालय पहुंचे। नगर आयुक्त दिनेश चंद पहले से ही कार्यालय में मौजूद थे और सफाई व्यवस्था का जायजा ले रहे थे । जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय, एसएसपी सुधीर कुमार सिंह भी उनके साथ इस दौरान मौजूद थे।

लूट की घटना छुपाने पर चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर

गाजियाबाद। लोनी कोतवाली क्षेत्र की डीएलएफ अंकुर विहार पुलिस चौकी क्षेत्र में शनिवार शाम हुई लूट की घटना छुपाने और चोरी की तहरीर लेने पर एसएसपी ने चौकी प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई की है। चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर किया गया है। उनके आदेश पर पुलिस पीड़ित से तहरीर लेकर लूट की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करने के बाद बदमाशों की सुरागकशी में लगी है।

बता दें कि शनिवार शाम मोटरसाइकिल सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने डीएलएफ अंकुर विहार कॉलोनी में सर्राफा कारोबारी की दुकान में घुसकर करीब चार लाख रुपये कीमत की ज्वैलरी और दस हजार की नकदी लूट ली थी। आरोप है कि डीएलएफ चौकी प्रभारी रामनारायण सिंह ने पीड़ित से चोरी की तहरीर ली। साथ ही घटना से आलाधिकारियों को भी अवगत नहीं कराया। मीडिया में वारदात की खबर आने के बाद ही आलाधिकारियों को इसकी जानकारी मिली थी।

पीएफ घोटाला : बिजली कर्मियों का 48 घंटे का कार्य बाहिष्कार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

पीएफ घोटाले के बाद प्रदेश सरकार द्वारा गजट नोटिफिकेशन जारी करने की मांग को लेकर बिजली अधिकारियों व कर्मचारियों ने सोमवार से प्रदेश स्तरीय 48 घंटे का कार्य बाहिष्कार शुरू कर दिया। प्रदेश स्तरीय आह्वान पर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने राजनगर मुख्यालय पर धरना भी शुरू कर दिया।

बता दें कि पीएफ घोटाले के विरोध में 13 दिन से बिजली कर्मचारी प्रदेश भर में धरने, प्रदर्शन और सभाएं कर अपना आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी पीएफ भुगतान की गांरटी लेते हुए गजट नोटिफिकेशन जारी करने की मांग कर रहे हैं। साथ ही घोटाले के मुख्य आरोपी पावर कॉरपोरेशन के पूर्व चेयरमैन व अन्य आईएएस अधिकारियों की गिरफ्तारी करने, सीबीआई जांच शुरू करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

सोमवार से बिजली कर्मचारी 48 घंटे के कार्य बाहिष्कार पर हैं लेकिन, उपभोक्ताओं की सुविधाओं को देखते हुए उत्पादन गृहों, चार सौ केवी विद्युत उपकेन्द्र, सिस्टम ऑपरेशन की शिफ्ट में काम करने वाले कर्मचारी व अभियंता इसमें शामिल नहीं हुए।

लाठीचार्ज के विरोध में रालोद का प्रदर्शन

गाजियाबाद। रालोद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। इसके साथ ही राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित कर गन्ने के दाम तुरंत घोषित करने तथा उन्नाव में किसानों पर किए बल प्रयोग पर भी नाराजगी व्यक्त करते हुए विरोध जताया।

रालोद नेताओं का कहना था कि गन्ने के दाम अभी तक घोषित नहीं किए गए हैं और कुछ मिल भी अभी तक नहीं चल पाई हैं। इससे किसानों को गेहूं बोने में परेशानी हो रही है। साथ ही सरकार द्वारा अभी तक गन्ने का बकाया भुगतान भी नहीं किया गया है जबकि, मिल चालू होने के बाद गन्ने का भुगतान 14 दिन में होना चाहिए।

गन्ने के रेट तय करने की मांग को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते रालोद नेता और कार्यकर्ता।

बाजार का रास्ता बंद करने से नाराज व्यापारी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● विरोध में धरने पर बैठे, मेयर के पहुंचने के बाद हुआ मामला शांत

रमते राम रोड सब्जी मंडी में पुरानी और जर्जर हो चुकी पानी की टंकी को तोड़ने के दौरान बिना किसी पूर्व सूचना के रामानुज दयाल मार्केट का रास्ता बन्द करने के विरोध में व्यापारी सड़क पर धरने पर बैठ गए। मेयर आशा शर्मा ने हस्तक्षेप कर टीनशेड हटाने के निर्देश देकर व्यापारियों को शांत कराया।

सब्जीमंडी और रामानुज दयाल मार्केट के व्यापारी सोमवार को जब अपने प्रतिष्ठानों को खोलने के लिए सुबह आए तो पाया कि दुकानों के सामने टिन शेड लगाकर रास्ते को बंद कर दिया गया है। इससे गुस्साए व्यापारियों ने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों से शिकायत दर्ज कराते हुए धरने पर बैठ गए। बाद में व्यापारियों ने बाजार को भी बंद कर दिया। व्यापारियों के साथ पार्षद राजीव शर्मा भी धरने पर बैठ गए।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचीं महापौर ने तुरंत टिनशेड्स हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अब जब टंकी तोड़ी जाएगी तब चार दिन पहले टंकी के नीचे की दुकानों को बंद करा दिया जाएगा ताकि कोई अनहोनी न हो। तुराबनगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुभाष छाबड़ा ने बताया कि टंकी तोड़ने से पहले दुकानदारों को कोई जानकारी नहीं दी गई। ठेकेदार ने रविवार रात को टिनशेड लगाकर सभी दुकानों की ओर जाने वाले रास्ते को बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि दुकानों को बंद कराने का कोई आदेश नगर निगम ने नहीं दिया है जबकि ठेकेदार का कहना है कि टंकी तोड़ने के दौरान कोई घटना न हो, इसके लिए टिनशेड लगाकर रास्ता रोका गया।

संक्षिप्त समाचार

चोरी की योजना बनाते थाना हापुड़ देहात पुलिस द्वारा पकड़े गए चारों आरोपी।

चोरी की योजना बनाते 4 गिरफ्तार

हापुड़। थाना देहात पुलिस ने चार चोरों को चोरी की योजना बनाते हुए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। देहात थाना प्रभारी ने बताया कि एसपी संजीव सुमन के आदेश अनुसार जनपद हापुड़ में चलाए जा रहे चोर, लुटेरों के धरपकड़ अभियान के तहत थाना हापुड़ देहात पुलिस ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर गढ़ फाटक के पास फ्लाईओवर के नीचे चार-पांच लोगों को ट्रक की आड़ में बैठे चोरी की योजना बनाने की सूचना मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने 4 आरोपितों को खड़े ट्रकों से चोरी की योजना बनाते हुए गिरफ्तार किया। अपर पुलिस अधीक्षक सर्वेश मिश्रा ने बताया कि पकड़े गए चारों युवकों ने बताया कि 16 व 17 नवंबर की रात्रि में पंजाब से आए एक ट्रक से साबुन व सर्फ की पेटियां उन्हीं लोगों ने चोरी की थी। पकड़े गए चारों अभियुक्तों को जेल भेज दिया है।

प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने वाली डीडीपीएस संजय नगर की टीम।

खो-खो प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

गाजियाबाद। डीडीपीएस संजय नगर के खो-खो खिलाड़ियों ने सीबीएसई राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक गाजियाबाद की झोली में डाला। प्रतियोगिता का आयोजन 9 नवंबर से 15 नवंबर तक हांसी हिसार के हिन्दू पब्लिक स्कूल में किया गया था। कोच राकेश कुमार ने बताया कि इस नेशनल प्रतियोगिता में पूरे भारत से कुल 93 टीमों ने अलग-अलग वर्गों की प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। इसमें अंडर-19 बालक वर्ग में गाजियाबाद के डीडीपीएस स्कूल की संजय नगर ब्रांच की टीम ने तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। शहर लौटने पर स्कूल कैम्पस में टीम का जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर स्कूल की प्रधानाचार्या प्रिया ढल ने टीम के साथ-साथ कोच राकेश कुमार, अंकेश प्रताप सिंह एवम आरती सिंह को शुभकामनाएं देते उनसे भविष्य में और मेहनत करने की बात कही।

विडीयो वायरल होने के बाद मंडी सचिव को हटाया

हापुड़। गढ़ रोड स्थित नवीन सब्जी मंडी में सरकारी गाड़ी से सब्जियों को कुचलने के मामले में मण्डी सचिव पर गाज गिरी है। उत्तर प्रदेश शासन ने कार्यवाही करते हुए मण्डी सचिव को पद से हटाकर प्रतिक्षारत सूची में डाल दिया है। बता दें कि बीते 8 नवंबर को मण्डी सचिव सुशील कुमार द्वारा मण्डी की सड़कों पर फैले अतिक्रमण को हटाने के लिए फुटकर विक्रेताओं की सब्जियों को अपनी गाड़ी से कुचलवा दिया था। इसके विरोध में धरना-प्रदर्शन कर कांग्रेसियों ने मंडी सचिव पर कार्यवाही की मांग की थी। सब्जी कुचलने की विडीयो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

वेंडिंग जोन पॉलिसी के तहत प्रतिमाह का किराया तय

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

वेंडिंग जोन पॉलिसी के तहत ड्रॉ में चुने गए आवंटियों को स्थान के लिए कितना किराया चुकाना पड़ेगा इसका निर्धारण कर दिया गया है। निर्धारित किया गया किराया प्रतिमाह वेंडर को प्राधिकरण में जमा करना होगा।

वेंडिंग जोन के हिसाब से किराए की तीन श्रेणी बनाई गई हैं। औद्योगिक, संस्थागत व्यवसायिक व आवासीय सेक्टर में वेंडर के लिए किराया दर अलग-अलग होगी। किराया नहीं देने वाले आवंटियों का लाइसेंस रदद कर दिया जाएगा। वेंडिंग जोन के तहत कुल 2400 स्थान आवंटित किए गए हैं। इन स्थानों पर ड्रॉ के जरिए चुने गए आवंटियों को स्थान दिया जाएगा।

सर्वाधिक किराया वाणिज्यिक संस्थागत सेक्टरों का होगा। यहां बैठने वाले वैंडरों को प्रतिमाह करीब 3000 रुपए देना होगा। आवासीय सेक्टरों में बैठने वाले वेंडरों को प्रतिमाह 2400 रुपए किराया देना होगा। इसके अलावा औद्योगिक सेक्टरों में बैठने वाले वेंडरों को प्रतिमाह 1800 रुपए देना होगा।

'आविष्कार 2019' विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

गाजियाबाद । मोहन नगर स्थित कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में सोमवार को 'अविष्कार 2019' विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें जनपद के 30 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपने मॉडल पेश किए। प्रदर्शनी में संजय नगर सेक्टर 23 स्थित रामकिशन इंस्टिट्यूट स्कूल की छात्रा प्रेरणा और तनीषा (कक्षा 12) के मॉडल को प्रथम पुरस्कार दिया गया।

इस मॉडल को तैयार कराने में आरकेआई की शिक्षिका रुचि सिंह और शिक्षक दीपक राय का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर आरकेआई के निदेशक डॉ आलोक गर्ग ने दोनों छात्रों को बधाई दी।

सड़क हादसों में दो की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में दो सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस उपाधीक्षक नगर विमल कुमार सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के सेक्टर 73 यू-टर्न के पास बीती रात एक अज्ञात कार चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए वेद प्रकाश शर्मा (35) की स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि स्कूटी और कार दोनों के परखच्चे उड़ गए।

उन्होंने बताया कि गंभीर हालत में उसे नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वहीं एक अन्य घटना में थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के महामाया फ्लाईओवर के पास रविवार देर रात स्कूटर से जा रहे भोले पुत्र चंद्रपाल को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

गंभीर हालत में पुलिस ने उसे नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तीन मिनट में गाड़ी चुराकर हुआ फरार

गाजियाबाद। साहिबाबाद स्थित शालीमार गार्डन में एक चोर ने पुलिस चौकी के पीछे से इको गाड़ी चोरी कर ली। 3 मिनट में गाड़ी चोरी की यह तस्वीर वहां लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

शालीमार गार्डन पुलिस चौकी के पीछे महागुन सोसाइटी के फ्लैट में रहने वाले रोहित ने अपनी मारुति इको गाड़ी सोसाइटी के बाहर खड़ी की थी। सुबह उठे तो देखा की गाड़ी वहां नहीं थी। इसकी शिकायत उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम और साहिबाबाद थाने में की। रोहित ने पड़ोस के फ्लैट के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज को चेक किया तो चोर की सारी करतूत उसमें कैद पाई गई।

मुठभेड़ में बदमाश को लगी गोली, साथी फरार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

थाना कोतवाली पुलिस और बदमाशों के बीच रविवार रात हुई मुठभेड़ में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। वहीं उसका एक साथी फरार होने में कामयाब हो गया। पुलिस ने घायल बदमाश को गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने इसके पास से एक तमंचा, दो कारतूस और बाइक बरामद की है।

एसएसपी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि रविवार रात आठ बजे कोतवाली पुलिस जस्सीपुरा मोड़ पर चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान एक व्यक्ति से बाइक सवार दो बदमाशों द्वारा बैग लूट करने का प्रयास किया गया। उक्त व्यक्ति द्वारा शोर मचाने पर बाइक सवार बदमाशों भागने लगे, तभी पुलिस टीम ने बदमाशों का पीछा किया गया। भागते हुए बदमाशों द्वारा जान से मारने की नीयत से पुलिस पार्टी पर फायरिंग की गई। पुलिस ने पीछा करते हुए साईं उपवन के पास बदमाश को घेर लिया जिसमें पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। वहीं उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है।

एसएसपी ने बताया कि घायल बदमाश वसीम पुत्र जमील निवासी दफ्तर वाली गली लोनी का रहने वाला है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से एक तमंचा, दो कारतूस व दो खोखे बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्त के अपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।

प्लास्टिक इस्तेमाल पर छापेमारी, लगाया जुर्माना

नोएडा। सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध के बाद भी लोग प्लास्टिक का प्रयोग कर रहे हैं। प्राधिकरण ने सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग करने वाली संस्थाओं पर छापेमारी की।

यहां से प्रतिबंधित प्लास्टिक को जब्त किया गयाए साथ ही इन पर 1 लाख 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। प्राधिकरण ने एक सूचना के आधार पर सेक्टर-26 व 37 में प्लास्टिक विरूद्ध अभियान चलाया। प्राधिकरण की टीम ने जेएसबी एयरग्रीन स्वीट्स पर 25 हजार, दिलेश बीबीक्यू रेस्टोरेंट पर 20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया।

सोमवार को चौकी इंचार्ज के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन करते कांग्रेसी।

सलाहकार कंपनी के चयन में जुटा नोएडा प्राधिकरण

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यूनिटेक बिल्डर के मामले में प्राधिकरण सलाहकार कंपनी की तलाश जल्द शुरू करने जा रहा है। साथ ही सलाहकार कंपनी और को-डेवलपर को एक साथ चयनित किया जाएगा जिससे कार्यों को समय पर शुरू किया जा सके। प्राधिकरण ने पहले ही साफ कर दिया है कि उनके नियम व शर्तों का पालन करने वाली कंपनियों को ही प्राथमिकता दी जाएगी।

साथ ही यूनिटेक के खरीदारों से भी आपत्ति व सुझाव मांगे जाएंगे। सलाहकार कंपनी और को-डेवलपर को एक तय समय में अधूरे पड़े 17 टावरों का निर्माण करना होगा। इसके अलावा सलाहकार कंपनी के द्वारा यूनिटेक के अधूरे प्रोजेक्ट में लगाए गए पैसों और बिल्डर को दिए गए पैसों का ऑडिट किया जाएगा। इससे यह जानकारी मिलेगी कि कितना पैसा अभी खरीदारों पर शेष है और कितना पैसा बिल्डर को दिया जाना है। पैसा सीधे को-डेवलपर को ना देकर एक नया अकाउंट के द्वारा प्राधिकरण बिल्डर के बीच खोला जाएगा जिसमें यह पैसा जमा होगा और को-डेवलपर को दिया जाएगा। इसके साथ ही समय-समय पर इस पैसे का ऑडिट होगा जिसकी जानकारी खरीदारों को दी जाएगी।

नियमों का किया उल्लंघन

यूनिटेक ने नियमों का उल्लंघन करते हुए मैसर्स सेठी रेजिडेंट्स व मैसर्स जीएमए डेवलपर्स के साथ 19,181.50 वर्गमीटर पर एग्रीमेंट टू सेल कर थर्ड पार्टी बनाने, तय अवधि तक निर्माण कार्य पूरा न कर अधिभोग प्रमाणपत्र न लेने, बिना मानचित्र स्वीकृत कराए 17 टावरों का आंशिक व पूर्ण निर्माण करने के तहत प्राधिकरण ने कार्रवाई करते हुए 21 अक्टूबर 2019 को आवंटन निरस्त कर दिया गया है।

नोएडा ने निरस्त किया है एक भूखंड

नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-113 में आवंटित एक भूखंड जो यूनिटेक को आवंटित हुआ था उसे निरस्त कर दिया। इस भूखंड का क्षेत्रफल करीब दो लाख वर्ग मीटर है। इसके आंशिक भाग में ही 17 टावर का निर्माण है। साथ ही अधिकांश जमीन खाली है। इस जमीन को बेचकर प्राधिकरण राजस्व वसूली करेगा। साथ ही फ्लैट निर्माण में को-डेवलपर की मदद कर सकता है। इसके अलावा जो पैसा बिल्डर पर बकाया है वह जिला प्रशासन भूलेख विभाग की तर्ज पर वसूल करेगा। इसके लिए प्राधिकरण पहले ही बिल्डर के खिलाफ आरसी जारी कर चुका है।

प्राधिकरण का है बड़ा बकाया

बिल्डर पर करीब 1205 करोड़ बकाया है जिसे वसूलने के लिए कई बार नोटिस जारी किया जा चुका है। प्राधिकरण पिछले लंबे समय से अपने बकाये की मांग रहा था। इसके लिए कानूनी नोटिस कई बार जारी हुए। भूखंड निरस्त करने से पहले भी प्राधिकरण ने अंतिम सूचना भेजी थीए लेकिन कोई कार्रवाई कंपनी की ओर से नहीं की गई। प्राधिकरण सभी बिल्डर्स के मामलों को लेकर सख्त नियमावली बनाने में जुटा है, जिससे राजस्व वसूली की जा सके।

चौकी इंचार्ज पर बदसलूकी का आरोप, कार्रवाई की मांग

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● एसएसपी ऑफिस पर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

कांग्रेस पार्षद दल के नेता व वार्ड-95 के पार्षद मोहम्मद जाकिर अली सैफी के साथ कांग्रेसियों ने पुलिस मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए एसएसपी को ज्ञापन सौंपा। जाकिर का आरोप है कि घंटाघर चौकी इंचार्ज ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और जातिसूचक शब्द प्रयोग किए। पार्षद ने मांग की है कि उनके साथ दुर्व्यवहार करने वाले चौकी इंचार्ज एवं उनके साथी सिपाहियों की जांच कराकर कानूनी कार्रवाई की जाए।

जाकिर का कहना है कि कल उन्हें अज्ञात फोन पर सूचना मिली कि कुछ पुलिसकर्मी सड़क पर महिला के साथ मारपीट कर रहे हैं और उसे उठाकर पुराने महिला चिकित्सालय के कमरे में ले गए हैं। वे उस समय एमएमजी अस्पताल में ही मौजूद थे। मौके पर जाकर देखा तो घंटाघर चौकी इंचार्ज और सिपाही महिला के साथ चिकित्सालय में मारपीट कर रहे थे।

जाकिर अली सैफी का कहना है कि जनप्रतिनिधि होने की वजह से उन्होंने महिला का बचाव करना चाहा तो चौकी इंचार्ज दिनेश कुमार व पुलिसकर्मियों ने अपशब्द कहते हुए गाली गलौच की और जातिसूचक शब्द भी कहे।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

दिल्ली में नया सीवर कनेक्शन भी मुफ्त

केजरीवाल ने किया शुल्क माफी का ऐलान, करीब 15 हजार बैठता है खर्च

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सीवर कनेक्शन पर लगने वाला शुल्क दिल्ली सरकार ने माफ कर दिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में सोमवार को कैबिनेट ने इसे मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री मुफ्त सीवर कनेक्शन योजना के तहत अब लोगों को सीवर कनेक्शन लेने के लिए डेवल्पमेंट, कनेक्शन और रोड कटिंग चार्ज नहीं देना होगा। पहले इसपर करीब 15 हजार रुपये का खर्च आता था। केजरीवाल ने कहा कि 31 मार्च 2020 तक आवेदन कर विभिन्न कालोनियों में रह रहे लोग इस योजना का लाभ ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कैबिनेट की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह योजना विभिन्न कालोनियों में रह रहे लोगों के जीवन स्तर को सुधारने के साथ यमुना नदी को साफ करने में मील का पत्थर साबित होगा। अभी विभिन्न कालोनियों के सीवरेज का पानी नालों व अन्य माध्यम से यमुना में ही जाता है। साथ ही ग्राउंड वाटर भी दूषित करता है। नई योजना के बाद इसपर लगाम लगेगी। सीएम ने कहा उन क्षेत्रों के लिए जहां सीवर लाइनें नहीं बिछाई गई हैं। उनके लिए मुख्यमंत्री सेप्टिक टैंक योजना पहले ही घोषित की जा चुकी है। जिसके तहत कालोनी के सभी सेप्टिक टैंक को मुफ्त में साफ किया जाएगा।

केजरीवाल के अनुसार मुख्यमंत्री

● 31 मार्च 2020 तक कर सकते हैं आवेदन

मुफ्त सीवर कनेक्शन योजना का अभी करीब 2.34 लाख परिवार को तत्काल लाभ हो रहा है। यह संख्या बढ़ भी सकती है। विभिन्न कालोनियों में रह रहे इन सब परिवारों को मेरी ओर से इस योजना के बारे में पत्र भेजा जाएगा। जिसमें उन्हें इस योजना के तहत सीवर कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग इसका फायदा उठा सकें।

यमुना को गंदगी व लोगों को बीमारी से मिलेगी राहत

अभी सीवर का पानी या तो यमुना में जाता है या आसपास के खाली क्षेत्र में जमा होता है या नालों में बहता है। इससे गंदगी होती है। साथ ही मच्छरों का प्रकोप बढ़ता है। इससे संक्रामक बीमारी फैलने की आशंका रहती है। इस योजना के तहत सीवर कनेक्शन लेने के बाद इन समस्याओं से निजात मिल जाएगी। एनजीटी भी कह चुका है कि आवासीय क्षेत्र में सीवर कनेक्शन नहीं होना यमुना नदी में प्रदूषण की बड़ी वजह है। यमुना की सफाई के लिए बड़ी राशि खर्च की जा रही है। अब सीवर कनेक्शन योजना से लोगों को सीवर की सुविधा मिलेगी। साथ ही यमुना प्रदूषित होने से बच जाएगी।

पांच साल में 787 कालोनियों में डाली गई सीवर लाईन

राष्ट्रीय राजधानी की 787 कॉलोनियों में सीवर लाईन डाला गया है। जल बोर्ड के करीब 5.5 लाख उपभोक्ता है। दिल्ली जल बोर्ड लोगों के सीवर कनेक्शन को निकटतम मैनहोल से जोड़ने का काम प्राथमिकता पर कर रहा है। तमाम जगहों पर सीवर लाईन को डालने का काम हो रहा है। डीजेबी ने पूरी दिल्ली के लिए सीवरेज मास्टर प्लान 2031 बनाया है।

सड़क पर उतरे हजारों जेएनयू छात्र, लगा लंबा जाम

फोटो : रंजन डिमरी

'प्रदूषण नियमों को उल्लंघन करने वालों पर तेज होगी कार्रवाई'

नई दिल्ली। पर्यावरण सचिव सी के मिश्रा ने कहा कि सरकार प्रदूषण रोधी नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई तेज करेगी। मिश्रा ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तर पदेश के मुख्य सचिवों के साथ उत्तरी राज्यों में गंभीर वायु प्रदूषण के विषय पर उच्च स्तरीय बैठक करने के बाद यह बात कही।

सीके मिश्रा ने मीडिया से बातचीत में कहा, वह निर्णायक कार्रवाई करेंगे। उल्लंघन करने वालों को दंडित किया जाएगा। अगले पंद्रह दिनों में वह उल्लंघनकर्ताओं और अवैध निर्माणकर्ताओं पर कार्रवाई तेज करेंगे तथा उत्सर्जन कम करने के लिए भी पहल की जाएगी। नई प्रौद्योगिकी पर भी काम चल रहा है। उत्तरी राज्य पिछले एक महीने से भयंकर वायु प्रदूषण से जूझ रहे हैं। इन राज्यों में वायु गुणवत्ता आपात सूचकांक तक पहुंच गई। दिवाली के बाद राष्ट्रीय राजधानी में वायु जहरीली हो गई।

कच्ची कॉलोनी वालों से रजिस्ट्री का किया वादा

लोगों की चिंता दूर करते मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की नीयत पर उठाए सवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र में कच्ची कालोनियों का बिल नहीं लाने पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने मीडिया से इस संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि शीतकालीन सत्र में बिल नहीं लाने से यह साफ हो गया है कि कच्ची कालोनियों की रजिस्ट्री पर केंद्री की नियत खराब है। उन्होंने दिल्ली में आप सरकार बनने के बाद 12 नवंबर 2015 को कच्ची कालोनियों को नियमित करने का प्रस्ताव भेजा था। फिर 4 साल लगातार रजिस्ट्री के लिए संघर्ष किया, दबाव बनाया।

अरविंद केजरीवाल ने बताया कि केंद्र कच्ची कालोनियों की रजिस्ट्री का काम रोकने के लिए सभी तरह के प्रयास किए। सेटलाईट सर्वे को मना किया। टीएसएम सर्वे कराने को कहा, जिससे चार-पांच साल का समय लग सके। वह फिर भी नहीं माने और केंद्र सरकार पर कच्ची कालोनियों की रजिस्ट्री के लिए नियम बनाने का चार साल दबाव बनाए रखें। उसी दबाव में कुछ दिनों पहले केंद्रीय कैबिनेट ने कच्ची कालोनियों की रजिस्ट्री के बिल को मंजूरी तो दे दी, लेकिन अब फिर से इसे लटका दिया गया। कच्ची कालोनियों में रहने वाले चिंता न करें, वह सारी कालोनियों को पक्का कराकर ही चैंन की सांस लेंगे। केजरीवाल हाथ में रजिस्ट्री दिलाएगा। कच्ची कालोनी में रहने वाले लाखों लोगों को उनका हक दिलवा कर ही दम लूंगा।

अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने सीसीसीटी कैमर, मोहल्ला क्लीनिक योजना लटकाया। लेकिन बाद में उन्होंने तमाम प्रयास कर उसे लागू कराया। अब कच्ची कालोनियों की रजिस्ट्री कराकर ही दम लेंगे। इसके लिए उन्हें चाहें जो करना पड़े।

छह हजार करोड़ से हुआ कच्ची कालोनियों का कायापल्ट

पांच साल पहले कच्ची कालोनियों का हाल बेहाल था। उन्होंने वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव के दौरान कच्ची कालोनियों में जाते थे तो वहां रह रहे लोगों की परेशानी से रूबरू होते थे। उन्होंने तभी लोगों से वादा किया था कि सरकार बनने के बाद कच्ची कालोनियों को नरकीय जीवन से बाहर निकाला जाएगा। पिछले पांच साल में कच्ची कालोनियों का कायापल्ट हुआ है। सड़कों का निर्माण कराया गया। सीवर लाईन बिछाई गई। अब 24 घंटे व दो सौ यूनिट तक मुफ्त बिजली व पानी मिल रहा है। विधायक निधि से कच्ची कालोनियों में गेट लगवाया गया। मोहल्ला क्लीनिक का सबसे ज्यादा फायदा इन कालोनियों में रह रहे लोगों को हो रहा है। पिछले पांच साल में कच्ची कालोनियों में रह रहे लोगों का जीवन स्तर बिल्कुल बदल गया है।

वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार दर्ज, लेकिन अब भी खराब श्रेणी में

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार हुआ लेकिन वह लगातार दूसरे दिन खराब श्रेणी में बनी हुई है। सोमवार को सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) राष्ट्रीय राजधानी में 207 दर्ज की गई जबकि यह रविवार को इसी समय 254 दर्ज की गई थी।

रविवार रात में यह गिरकर 198 पहुंच गई थी जो कि मध्यम श्रेणी है। गुड़गांव में सोमवार को वायु गुणवत्ता 138 (मध्यम) जबकि गाजियाबाद में 231, नोएडा में 212 और ग्रेटर नोएडा में 204 दर्ज किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ की वजह से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषक कणों के बिखराव में मदद मिली थी।

स्ट्रीट लाइट योजना में घोटाले का आरोप

सरकार में भ्रष्टाचार के खिलाफ सीबीआई से शिकायत करेगी भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी राजनीति पार्टियों में आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है। भाजपा ने सोमवार को केजरीवाल सरकार पर स्ट्रीट लाइट योजना में घोटाला करने का आरोप मढ़ा। पार्टी नेता का आरोप है कि 2.10 लाख स्ट्रीट लाइट खरीद में करीब सौ करोड़ रुपये का घोटाला किया है।

नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि आप सरकार के सौ करोड़ रुपये के घोटाले को उजागर करते हुये कहा कि डार्क स्पॉट में एलईडी स्ट्रीट लाईट लगाने के नाम पर बड़ी अनियमिततायें की जा रही हैं। केंद्र सरकार ने देश भर में सार्वजनिक मार्गों पर लगे हुये हाई प्रेशर सोडियम वेपर लेम्पों के स्थान पर एलईडी बल्ब लगाने के आदेश दे रखे हैं। केंद्र के आदेश के बावजूद भी दिल्ली सरकार ने गत 5 वर्षों के दौरान राजनीतिक दुर्भावना के चलते केंद्र सरकार के आदेश का अनुपालन नहीं किया। इसके कारण लोक निर्माण की सड़कों पर उच्च वॉट के एक लाख बल्ब नहीं लगाये गये। इसका फायदा उठाते हुये कुछ समय पूर्व आम आदमी पार्टी सरकार ने तीनों डिस्काम के माध्यम से इन बल्बों को खरीदने और लगाने का निर्णय लिया।

गुप्ता के अनुसार आप सरकार ने इन तीनों निजी कंपनियों को अवैध रूप से सौ करोड़ रुपये का बजट आवंटित कर दिया। उन्होंने सीबीआई जांच की मांग करते हुये कहा कि पैसा कमाने के इस गैरकानूनी तरीके को बंद किया जाना चाहिये।

हैरान करने वाली बात यह है कि आप सरकार ने निविदा करने का दायित्व सरकार को या किसी सरकारी एजेंसी को न सौंपकर बिजली वितरित करने वाली तीन प्राइवेट कंपनियों बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड, बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड तथा टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड को सौंप दिया। उनको इन बल्बों को प्राप्त करने और लगाने का काम सौंपा गया। इसके लिये 7 वर्षों के स्थान पर 3 वर्षों की गारंटी मांगी गई।

पुलिस के बदले अन्य सुरक्षा बल की तैनाती से इनकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने अदालतों में पुलिस की जगह किसी अन्य सुरक्षा बल की तैनाती से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करने से सोमवार को इनकार कर दिया। इस महीने की शुरुआत में दिल्ली पुलिस और वकीलों के बीच हुई झड़प के मद्देनजर सुरक्षा की मांग करते हुए दो वकीलों ने यह याचिका दायर की थी।

मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति सी हरिशंकर की पीठ ने यह कहते हुए याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया कि वकीलों और पुलिस के बीच स्थिति को सुलझाने की जरूरत है और इस तरह की याचिकाएं इसमें मदद नहीं करेंगी।

पीठ ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो केन्द्र सरकार पुलिस को अतिरिक्त प्रशिक्षण देने पर भी विचार कर सकती है। अदालत में केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व अधिवक्ता अनिल सोनी ने किया।

● हाईकोर्ट ने याचिका पर नहीं की सुनवाई

सबसे खराब पानी के मुद्दे पर भाजपा ने किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में पीने के पानी की गुणवत्ता देश में सबसे खराब बताने वाली भारतीय मानक ब्यूरो की रिपोर्ट पर भाजपा ने दिल्ली सरकार की घेराबंदी तेज कर दी है। प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली भर में प्लेकार्ड लेकर प्रदर्शन किया और पानी के सैम्पल एकत्र किये।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी की अगुवाई में सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं ने 400 स्थानों पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली वालों को स्वच्छ पानी मुहैया कराने में नाकाम है। देश के 20 शहरों के पानी पर हुये सर्वे में राजधानी दिल्ली का पानी सबसे ज्यादा जहरीला पाया गया। दिल्ली में पानी के 11 सैम्पल लिये गये थे जो 19 मापदंडों पर फेल पाये गये। प्रदर्शनकारियों ने पानी के सैम्पल भी एकत्र किये। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व दिल्ली के प्रभारी श्याम जाजू ने मोती नगर में, मनोज तिवारी ने रेल भवन पर, नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता आईटीओ, सांसद मीनाक्षी लेखी कस्तूरबा नगर, प्रदेश महामंत्री कुलजीत सिंह चहल ने उपमुख्यमंत्री आवास पर समेत अन्य नेताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन किया। मोती नगर में जनसभा को सम्बोधित करते हुये श्याम जाजू ने कहा कि पानी को लेकर दिल्ली में त्राहि-त्राहि मची हुई है लेकिन केजरीवाल सरकार चैन की नींद सो रही है।

लेखी का तंज-प्रदूषित हवा के साथ दूषित पानी मुफ्त

नई दिल्ली की सांसद मीनाक्षी लेखी ने दिल्ली सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार प्रदूषित हवा के साथ दूषित पानी मुफ्त दे रही है। संसद के शीत कालीन सत्र में शून्य काल के दौरान लेखी ने निंदा करते हुए कहा कि आप सरकार प्रदूषण और स्वच्छ पानी की सप्लाई को लेकर पूरी तरह से विफल रही है। लेखी के अनुसार आज दिल्ली को 11000 लीटर गैलन पानी की जरूरत है। सरकार साफ पानी पानी पहुँचाने के बजाये आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मुफ्त सब्सिडी जनता के बीच बाँटकर गुमराह करने का काम कर रही है। आज स्थिति इतनी गंभीर हो चली है कि पानी की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और दिल्ली सरकार आँख मूँद कर बैठी है। केजरीवाल ने नयी स्कीम चला दी है प्रदूषित हवा के साथ प्रदूषित पानी भी मुफ्त।

संक्षिप्त समाचार

सोना तस्करी में एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने एक व्यक्ति को जूसर मशीन, ब्लूटूथ स्पीकर्स में सोना छुपाकर लाने के आरोप में गिर तार किया है। सीमा शुल्क विभाग ने एक बयान में कहा कि दुबई से आए एक यात्री को बृहस्पतिवार को आगमन द्वार पर ही रोक लिया गया। उसके सामान की तलाशी लेने के बाद 462 ग्राम सोने के दो सामान बरामद किए गए। बरामद सोने की कीमत 15.96 लाख रुपए है, इसे एक जूसर मशीन, ब्लूटूथ स्पीकरों में छुपाकर रखा गया था। अधिकारी ने बताया कि सोना जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त ने 1.11 करोड़ रुपए के 3.2 किलोग्राम सोने की तस्करी करने और पिछली सात यात्राओं के दौरान 1.12 करोड़ रुपए का सोना गैर-कानूनी तरीके से यहां लाने की बात स्वीकार की है।

मदनगीर इलाके में युवक की हत्या

नई दिल्ली। मदनगीर इलाके में एक युवक की तीन लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त मनोज उर्फ लवी के रूप में हुई है। वह मदनगीर इलाके में रहता था और एक दंत चिकित्सक के पास सहायक का काम करता था। पुलिस को घटना की सूचना रविवार रात 11 बजकर 12 मिनट पर दी गई। पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर के अनुसार मनोज के परिजनों ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। शव पर धारदार हथियार से हमले निशान पाए गए हैं। आंबेडकर नगर पुलिस थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। शुरूआजी जांच में पता चला है कि युवक और तीन लोगों के बीच तीखी नोक झोंक हुई जिसके बाद उन्होंने कथित तौर पर उस पर चाकू से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किए जा रहे हैं।

पुस्तक का लोकार्पण 21 नवंबर को

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार अकु श्रीवास्तव की हाल ही में प्रकाशित पुस्तक 'चुनाव 2019 कहानी मोदी 2.0 की' का लोकार्पण केंद्रीय कानून, संचार तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद 21 नवंबर को शाम पांच बजे रफी मार्ग स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब के स्पीकर हाल में करेंगे। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार राहुल देव तथा सी वोटर के संस्थापक और चुनाव विश्लेषक यशवंत देशमुख विशिष्ट अतिथि होंगे।

संसद में साइकिल पर सवार होकर जाते सांसद मनोज तिवारी।

आम लोगों के लिए आज से खुलेगा व्यापार मेला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रगति मैदान में लगा 39वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला मंगलवार से आम लोगों के लिए खुलेगा। यह 27 नवंबर तक चलेगा। मेले में करीब 25 हजार लोगों के रोजाना पहुंचने की उम्मीद है। इस बार हॉल नंबर 7 से 12ए के बीच ही मेले का आयोजन किया गया है। ट्रेड फेयर में भारतीय संस्कृति के साथ आधुनिक व उन्नत तकनीक भी विभिन्न पवेलियनों में देखन को मिलेगी।

दिल्ली मंडप में सरकार के कामों का ब्योरा

दिल्ली के मंडप में इस बार राजधानी के विकसित ढांचे और डिजिटल पहल की झांकी प्रदर्शित की गई है। यहां उन 70 सेवाओं की भी झांकी दिखाई जाएगी जिन्हें डोर-टू-डोर स्टेप डिलीवरी से जोड़ा गया है। इसके अलावा मंडप में इस बार मोहल्ल क्लीनिक, डेंगू अभियान, महिलओं के लिए बसों में मुफ्त सफर भी दर्शकों के बीच प्रदर्शित किया गया है।

उप्र. मंडप में दिखेगी राम मंदिर की झलक

अयोध्या में तो राम मंदिर बनने में समय लगेगा लेकिन प्रगति मैदान में इसके दर्शन किए जा सकते हैं। उत्तर प्रदेश मंडप अबकी बार राम मंदिर को ही समर्पित है। हॉल नंबर 8 के मुख्य द्वार पर यूपी मंडप बनाया गया है। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की झलकियां मंडप में दर्शकों को देखने को मिलेगी।

मेले में लोगों को प्रगति मैदान में गेट नम्बर 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8 और 9 से प्रवेश नहीं मिलेगी। यहां आने लोगों को सिर्फ गेद नंबर 10 प्रगति मैदान मेट्रो स्टेशन और गेट नंबर 1 (भैरो रोड) से ही प्रवेश मिलेगा। यहां आने वाले दर्शक दिल्ली के 66 मेट्रो स्टेशनों पर ट्रेड फेयर की टिकट ले सकते हैं। प्रगति मैदान मेट्रो स्टेशन पर टिकट नहीं मिलेगा।

शनिवार व रविवार को टिकट होगा मंहगा

आम दर्शकों के लिए 19 नवंबर से व्यापार मेला खुलेगा। जिसमें बच्चों के लिए 40 रुपये, वयस्कों के लिए 60 रुपये का टिकट होगा। शनिवार और रविवार को वयस्कों का टिकट 120 रुपये तो बच्चों का टिकट 60 रुपये का मिलेगा। मंगलवार से वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगों के लिए प्रवेश नि:शुल्क रखा गया है।

जावडेकर ई-रिक्शा और मनोज तिवारी साइकिल से पहुंचे संसद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वायु प्रदूषण के प्रति अपनी चिंता का इजहार करते हुए कई सांसद सदस्य संसद के शीतकालीन सत्र में हिस्सा लेने के लिए सोमवार को मास्क पहन कर आए। कुछ सांसदों ने साइकिल और कुछ ने संसद पहुंचने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग किया।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर इलेक्ट्रिक कार से संसद भवन पहुंचे। जावड़ेकर ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार धीरे-धीरे इलेक्ट्रिक कारों का इस्तेमाल बढ़ा रही है क्योंकि ये प्रदूषण मुक्त हैं। उन्होंने प्रदूषण से निपटने में सार्वजनिक परिवहन या इलेक्ट्रिक वाहनों आदि का इस्तेमाल करने का आह्वान किया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने संसद भवन परिसर में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने प्रदूषण के विरोध स्वरूप मास्क पहना। उनका विरोध वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि को लेकर था।

गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से दिल्ली वायु प्रदूषण की वजह से लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। सोमवार को दिल्ली में वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार हुआ लेकिन, यह लगातार दूसरे दिन खराब श्रेणी में रही। राष्ट्रीय राजधानी में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 207 दर्ज किया। रविवार को इसी समय वायु गुणवत्ता सूचकांक 254 दर्ज किया

गंभीर प्रदूषण से संकट में है राग दरबारी

उत्तर पश्चिम दिल्ली से सांसद हंसराज हंस ने जताई चिंता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण से आम आदमी ही नहीं, बल्कि सुर-संगीत पर भी असर पड़ने की बात कहते हुए पंजाब के प्रसिद्ध गायक एवं भाजपा सांसद हंसराज हंस ने सोमवार को लोकसभा में इस विषय को उठाया और सरकार से कदम उठाने की मांग की।

शून्यकाल में उत्तर पश्चिम दिल्ली से लोकसभा सदस्य हंस ने कहा कि दिल्ली में कई नामी कलाकार रहते हैं जिनके गले खराब हैं। राग दरबारी के लिए संकट पैदा हो गया है। इनके सुर-संगीत की हिफाजत के लिए सभी को प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के इस पक्ष की ओर भी सभी लोगों को गौर करना चाहिए।

जदयू के कौशलेंद्र कुमार ने जलवायु परिवर्तन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि मौसम के बदलते मिजाज को कैसे ठीक किया जाए, इस पर सदन को चर्चा करनी चाहिए। कांग्रेस के जसबीर सिंह गिल ने कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण के लिए पंजाब में किसानों द्वारा खेतों में पराली जलाए जाने को जिम्मेदार ठहराया जाता है। उन्होंने पराली का निपटारा करने वाले कृषि उपकरणों की खरीद के लिए किसानों को 50 से 80 फीसदी सब्सिडी देने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को दिए जाने वाले ये उपकरण इसी मौसम में दिए जाएं।

● पराली निपटान के उपकरणों पर सब्सिडी की कांग्रेस ने उठाई मांग

कच्ची कॉलोनियों से संबंधित बिल नहीं लाने का आप करेगी विरोध

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने कहा कि अगर भाजपा संसद के शीतकालीन सत्र में कच्ची कॉलोनियों को नियमित करने संबंधी विधेयक नहीं लाई तो वह सड़क से संसद तक विरोध प्रदर्शन करेगी।

आप प्रवक्ता एवं नेता राघव चढ्ढा ने कहा कि संसद के मौजूदा सत्र में, आप विधायक इन कॉलोनियों को नियमित किए जाने के विषय पर अन्य विधायकों के बीच सहमति बनाने और उनका समर्थन हासिल करने की कोशिश करेंगे।

चढ्ढा के अनुसार आप विधायक अनधिकृत कॉलोनियों पर विधेयक पेश किए जाने तक एक भी विधेयक पारित नहीं होने देंगे।

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम
बागवानी विभाग (मुख्यालय)
ई-ब्लॉक, तीसरा तल, डॉ. एस.पी.एम. सिविक सेंटर
जे.एल. नेहरू मार्ग, नई दिल्ली-110002
निविदा आमंत्रण सूचना
दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के अधीन पार्कों में आर्टिस्टिक गजिबो (गार्डन हट्स/रेन शेल्टर्स) के निर्माण के लिए दर अनुबंध" हेतु अनुभवी एवं वित्तीय रूप से सुदृढ़ फर्मों/एजेंसियों/ठेकेदारों/संयुक्त उद्यमों से दो निविदा प्रणाली (तकनीकी एवं वित्तीय) के अंतर्गत खुली ऑनलाइन मद दर निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। सं. डीडीएच/एचक्यू/एसडीएमसी/2019-20/डी/1205/एनआईटी नं. 5 दिनांक 18.11.2019 के माध्यम से जारी की गई ऑनलाइन निविदा सं. 317466 है। ईएमडी: रु. 3.00 लाख, निविदा कीमत: रु. 2000/-, विभिन्न लेखा शीर्ष के अधीन अनुमानित दर अनुबंध राशि: रु. 450 लाख, दर अनुबंध की अवधि: बारह माह। एसडीएमसी में ई-टेंडरिंग के लिए स्वयं का पंजीकरण कराने (यदि पहले से पंजीकृत नहीं है तो) के बाद विस्तृत नियम व शर्तों के साथ निविदा दस्तावेज ई-टेंडर्स http://mcdetenders.com वेबसाइट से डाउनलोड एवं जमा किए जा सकते हैं या एसडीएमसी वेबसाइट www.mcdonline.gov.in /दक्षिणी दिल्ली नगर निगम/टेंडर्स/ई-टेंडरिंग देखें। ऑनलाइन निविदा के लिए हेल्पडेस्क नं. 011-23227413 एवं 011-23227414 पर कॉल करें या mcd-ithelpdesk@mcd.gov.in पर मेल करें। डाउनलोड, निविदा तैयारी एवं होंश जमा तिथि 19.11.2019 को 1001 बजे से 26.11.2019 को 1500 बजे तक। ऑनलाइन निविदा के रि-एनक्रिप्शन की तिथि : 26.11.2019 को 1701 बजे से 27.11.2019 को 1500 बजे तक। तकनीकी निविदा खुलने की तिथि : 27.11.2019 को अप. 3.30 बजे। उपरोक्त निविदा(ओं) के संबंध में संशोधन, स्पष्टीकरण, शुद्धिपत्र, परिशिष्ट, समय विस्तार आदि, यदि कोई हो, के सभी विवरण केवल एसडीएमसी वेबसाइट http://mcdetenders.com, www.mcdonline.gov.in /दक्षिणी दिल्ली नगर निगम/टेंडर्स/ई-टेंडरिंग पर अपलोड किए जाएंगे तथा इन्हें समाचारपत्रों में प्रकाशित नहीं किया जाएगा। निविदादाता इन निविदाओं के संबंध में नवीनतम जानकारी के लिए वेबसाइट नियमित रूप से देखते रहें।
RO No. 108/DPI/S/2019-20
उप निदेशक (बागवानी) मुख्यालय

92 वर्षीय द्रोपदी की देह मेडिकल कॉलेज में रिसर्च को दी दान

गुरुग्राम के अशोक विहार की रहने वाली थीं द्रोपदी इंसा

डेढ़ साल पूर्व उनके बेटे ताराचंद इंसा का शरीर भी किया था दान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के अशोक विहार फेज-3 में बुजुर्ग द्रोपदी इंसा की देह को मेडिकल रिसर्च के लिए सौंपते परिवारजन और साध संगत।

गुरुग्राम की बुजुर्ग माताजी की मृत देह फरीदाबाद के मेडिकल कॉलेज में रिसर्च के लिए दान की गई। परिवार में सदस्य के जाने का तो दुख है, पर परिजनों ने अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। वर्षों से गुरुग्राम में रह रहा यह परिवार मूलरूप से राजस्थान के गुरुसर मोड़िया के निकट गोलूवाला का रहने वाला है।

रुढ़िवादी समाज की सोच से ऊपर उठकर मिलेनियम सिटी गुरुग्राम के अशोक विहार फेज-3 निवासी एक परिवार ने डेरा सच्चा सौदा के गद्दीनशीन संत गुरमीत राम रहीम सिंह इंसा की पावन प्रेरणा से बुजुर्ग माताजी की मृत देह को मेडिकल रिसर्च के लिए ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज फरीदाबाद को सौंप दिया। रविवार 17 नवंबर 2019 को बुजुर्ग द्रोपदी का देहांत हो गया था। अपनी उम्र के हिसाब से जीवन यात्रा को पूर्ण करके गई द्रोपदी का शरीर बेशक मृत हुआ हो, लेकिन परिवार में वे सदा जीवित रहेंगी। द्रोपदी इंसा के परिवार में चार बेटियों के अलावा पुत्र बच्चन सिंह सिंह इंसा, पुत्रवधू गुलशन देवी इंसा, पुत्रवधु राजस्थान में 45 मेंबर मालती इंसा पत्नी ताराचंद इंसा, पौत्र मोहित और सुखजीत हैं। चार बेटियों आशा, नीलम, अल्का और शोभा ने अपनी मां की अर्थी को कंधा दिया और फिर उनकी मृत देह मेडिकल रिसर्च के लिए सौंप दी। इस दौरान बड़ी संख्या मकें गुरुग्राम की साध-संगत मौजूद रही। शाह सतनाम सिंह ग्रीन एस वेलफेयर फोर्स विंग के सेवादार अपनी वर्दी में पहुंचे और द्रोपदी देवी के पार्थिव शरीर को नमन करते हुए नमन किया।

द्रोपदी के बेटे की भी देह की थी दान

जिस समाज में लोग किसी भी तरह का दान देने से कतराते हैं, उसी समाज में द्रोपदी के परिवार ने ऐसी गाथा लिखी है जो सदा याद रखी जाएगी। जब द्रोपदी इंसा जीवित थीं तो उनके सामने ही उनके करीब 55 वर्षीय बेटे ताराचंद का देहांत हो गया था। चूंकि परिवार ने देह दान के लिए डेरा सच्चा सौदा में फार्म भरकर अपनी स्वीकृति दे रखी है। इसी के चलते ताराचंद की देह भी मेडिकल रिसर्च के लिए दान दी गई। यह कार्य बहुत बड़े दिल वाला ही कर सकता है।

बेटियों ने दिया मां की अर्थी को कंधा

रुढ़िवादी समाज की सोच से ऊपर उठकर मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में जब बेटियों ने मां की अर्थी का कांधा दिया तो हर कोई देखता रहा। समाज में इस तरह के बदलाव को दिखाकर कोई वाहवाही नहीं लूटनी, लेकिन बदलाव जरूरी है। यहां बेटियों ने दिखा दिया कि बेटियों को बराबरी का दर्जा देने की बात करने वाले हमारे समाज में बेटियां खुद आगे बढ़कर अपने को स्थापित कर रही हैं। अपनी 92 वर्षीय मां द्रोपदी की अर्थी को कांधा देकर उनकी चार बेटियों आशा, नीलम, अल्का और शोभा ने पूज्य गुरुजी के वचनों पर पुष्प चढ़ाये।

नागरिक अस्पताल में चार डॉक्टरों की तैनाती

पायनियर समाचार पत्र में प्रकाशित खबर पर अधिकारियों ने लिया संज्ञान

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना के नागरिक अस्पताल में डॉक्टरों की नियुक्ति होने से रोगियों की लाइन छोटी हुई।

सोहना नागरिक अस्पताल में डॉक्टरों की कमी को लेकर छपी दैनिक पायनियर समाचार पत्र में खबर का असर हुआ। सर्जन सहित चार एमओ डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है। नागरिक अस्पताल में ही अब छोटे-बड़े ऑपरेशन जल्द होंगे।

दो दिन पहले दैनिक पायनियर समाचार पत्र ने नागरिक अस्पताल में डॉक्टरों की भारी कमी को लेकर समाचार प्रकाशित किया था। प्रशासनिक अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों ने खबर पर संज्ञान लिया है।

नागरिक अस्पताल में एक सर्जन डॉक्टर सहित चार एमओ डॉक्टरों की नियुक्ति कर दी है। एमओ डॉक्टर विशेषकर आपातकाल वार्ड में नियुक्त किए गए हैं। क्योंकि नागरिक अस्पताल के आपतकाल वार्ड में कई-कई दिन दिन तक डॉक्टर नदारद रहते थे।

जिसके कारण यहां पर तैनात नर्स स्टाफ ही जैसे-तैसे रोगियों की देखरेख करके गुरुग्राम के लिए रेफर कर रहा था। इतना ही नहीं एक्सीडेंट, लड़ाई, झगड़ा या किन्ही अन्य कारणों में रोगी को एमएलसी कटवाने के लिए भी गुरुग्राम के सेक्टर-10 तक जाना पड़ता था। जहां से डॉक्टर रोगी को वापस नागरिक अस्पताल में ही भेज देते थे।

एलटी व ओटी व रेडियाग्राफर की नियुक्ति होगी

नागरिक अस्पताल में एक सप्ताह के अंदर लैब ब्रांच के लिए एलटी, ऑपरेशन थीएटर को चालू करने के लिए ओटी और एक्सरा करने के लिए बहुत जल्द रेडियोग्राफर होगा। रोगी को अब स्थानीय अस्पताल में ही ऐक्स-रा कराने की सुविधा मिलेगी।

21 नवंबर को आंखों का ऑपरेशन शिविर

नागरिक अस्पताल में 21 नवंबर को आंखों के ऑपरेशन का एक दिवसीय शिविर लगाया जाएगा। रोगी सुबह आकर अपना पंजीकरण कराएं और जरूरत पड़ने पर उसकी आंख का ऑपरेशन नि:शुल्क कराया जाएगा।

क्या कहना है एसएमओ का

नागरिक अस्पताल के प्रभारी डॉक्टर नवल किशोर ने बताया कि शनिवार को उनके यहां पर एक सर्जन डॉक्टर सहित चार एमओ ने कार्य संभाल लिया है। उन्होंने बताया कि सर्जन डॉक्टर के रूप में डॉक्टर जागिर सिंह आए है। जबकि विशेष रूप से आपातकाल वार्ड में चार अन्य डॉक्टर तैनात हुए हैं।

आपातकाल वार्ड में अब 24 घंटे डॉक्टर मौजूद रहेंगे। एसएमओ डॉक्टर नवल किशोर ने बताया कि सर्जन डॉक्टर की नियुक्ति के बाद से स्थानीय अस्पताल में अब एक्सीडेंट या अन्य किसी कारण से घायल होने वाले रोगी का ऑपरेशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रोगी को गुरुग्राम सहित अन्य किसी अस्पताल के लिए रेफर नहीं किया जाएगा।

स्पाइन केयर और हृदय स्वास्थ्य से जुड़े मधुमेह पर हेल्थ टॉक

गुरुग्राम। कोलंबिया एशिया अस्पताल में मुफ्त हेल्थ टॉक आयोजित किया गया। यहां बताया गया कि हमारी जीवनशैली और गैजेट्स पर बढ़ रही निर्भरता हमारी स्पाइन यानी रीढ़ से जुड़ी लगभग 80 फीसदी समस्याओं का कारण है।

स्पाइन सर्जरी के प्रमुख डॉ. अंकुश गर्ग ने इस अवसर पर कहा कि हम अपनी रीढ़ की कोई देखभाल नहीं करते हैं और हम उम्र के रूप में हम गठिया से ग्रस्त हो जाते हैं जो मुख्य रूप से कमजोर हड्डियों के कारण होता है। स्क्रीनिंग टेस्ट जैसे बोन मिनरल डेंसिटी (बीएमडी) टेस्ट मददगार होते हैं, लेकिन ज्यादातर मामलों में वे उपचार के चरण में आते हैं। इस चर्चा में कार्डियोलॉजी के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. अमित गुप्ता ने कहा कि मधुमेह से पीड़ित लोगों की संख्या में खतरनाक वृद्धि हुई है। खासकर शहरी क्षेत्रों में जहां लोग अप्रतिबंधित कैलोरी लेते हैं और एक गतिहीन जीवन शैली का नेतृत्व करते हैं।

ऊंच-नीच का भेद नहीं मानते भारतीय संस्कृति

गुरुग्राम। भारतीय संस्कृति ऐसी है, जहां पर ऊंची-नीच, बड़े-छोटे, धनवान-निर्धन, जाति-वर्ण का भेद नहीं है। गीता में भी कहीं पर इसका उल्लेख नहीं है। गीता में कहीं नहीं कहा गया है कि बड़ा कर्म ही श्रेष्ठ होगा। अपने इतिहास पर नजर डालें तो पता चलता है कि अपनी संस्कृति में किसी भी काल में कोई भेद नहीं रहा। यह बात गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने यहां न्यू कालोनी के दशहरा मैदान में दिव्य गीता सत्संग के चौथे और अंतिम दिन अपने मुखारबिंद से प्रवचन देते हुये कही। भारतीय संस्कृति पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये स्वामी गीतानंद जी ने कहा कि अपनी संस्कृति, अपने देश में ऐसा नहीं कि सम्मान केवल धनवानों, ऊंचे पद वालों का हुआ हो। यहां परम्पराओं का सम्मान हुआ है। भारत में शबरी का सम्मान आज भी सुरक्षित है। कोई नहीं भूला है और भूलेंगे भी नहीं।

उस भीलनी शबरी के झूठे बेर खाकर श्रीराम ने ऊंच-नीच के भेद को दूर किया। वहीं उसी काल में शूर्पणखा भी हुई, जो कि राजघराने की पुत्री थी लेकिन उसे कहीं सम्मान नहीं मिला। साम्राज्यशाली कंस का कहां सम्मान हुआ। इतना कुछ होते हुये भी कंस हमेशा भयभीत रहता था। कन्हैया ने कंस को ऊंचे आसन से नीचे ला पटका और उसी कन्हैया ने निर्धन सुदामा को सब कुछ दिया।

योग, ध्यान शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य की कुंजी

गुरुग्राम। न्यू कालोनी के दशहरा मैदान में चार दिन तक योग और ध्यान का अभ्यास कराया गया। यहां चार दिन तक हुये दिव्य गीता सत्संग कार्यक्रम से इतर सुबह के समय योग और ध्यान की कक्षायें लगाई गई। जिनमें काफी संख्या में पुरुष, महिलाओं ने शिरकत की। ध्यान साधना गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कराई। उन्होंने मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए ध्यान को महत्व देने की बात कही।

उन्होंने कहा कि ध्यान साधना हमारी पौराणिक पद्धति है। इसके जरिये हम सीधे भगवान से भी जुड़े सकते हैं। उन्होंने सभी से कहा कि अपने बच्चों को भी ध्यान की आदत डालें। उन्हें अपनी संस्कृति से जोड़ें। वहीं चार दिन तक योग की कक्षाओं में योगाचार्य गोपाल ने योग कराया। भव्य पंडाल में लोग सुबह ही पहुंच जाते और फिर योग के जरिये निरोग होने के गुर सीखते। योगाचार्य गोपाल ने यहां बताया कि योग निरोग रहने का सबसे बढ़िया उपाय है। इसके जरिये हम अपने रोगों को भगा सकते हैं।

गुरुग्राम के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में होगा भोजपुरी महाकुंभ

पूर्वांचल की 12 संस्थाएं मना रही हैं डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-4 स्थित जिमखाना क्लब में बैठक के दौरान एकत्रित पूर्वांचल की 12 संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य।

महापुरुष किसी एक जाति, धर्म के नहीं होते। पूरे समाज के वे होते हैं और सभी समाज के लिए उनके संदेश होते हैं। इंसानियत और मानवता का पाठ पढ़ाकर जो दुनिया से विदा हो गये, उन्हीं में से एक भारत के प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद की जयंती यहां गुरुग्राम में भव्यता के साथ मनाई जा रही है।

आगामी एक दिसम्बर को यहां के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में पूर्वांचल की 12 संस्थायें इस जयंती को एक होकर मना रही हैं। इसी को लेकर यहां सेक्टर-4 के हुडा जिमखाना क्लब में संस्थाओं के पदाधिकारियों ने बैठक आयोजित की। बैठक में समाजसेवी राजेश पटेल, अमिताभ कश्यप, एनके सिंह, दिलीप सिंह, उमेश, बी.बी. झा, राजेंद्र कुमार, सतेंद्र सिंह, एमडी शमसुल, रघुबीर सिंह, आजम खान, अकबर खान, राहुल, मुपेंद्र, गोपाल, प्रदीप कनौजिया, संदीप मंडल, अशोक कुमार आदि ने भाग लेकर जयंती का प्रारूप तैयार किया। सभी ने एक स्वर में कहा कि डा. राजेंद्र प्रसाद की जयंती से समाज को न केवल एकता का संदेश दिया जायेगा, बल्कि समाजसेवा के क्षेत्र में भी अग्रणी रहने का प्रण लिया जायेगा। महापुरुषों के जीवन से हमें सीख लेकर आगे बढ़ना है। किसी को नीचा दिखाकर नहीं बल्कि खुद को बेहतर बनाकर हमें समाज को दिशा देनी है। राजेश पटेल के मुताबिक ताऊ देवीलाल स्टेडियम में होने वाले इस भोजपुरी महाकुंभ नामक कार्यक्रम में कलाकारों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। एक दिसंबर दोपहर एक बजे से देर शाम तक यह कार्यक्रम चलेगा। सभी संस्थाओं, पदाधिकारियों, सदस्यों को कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है।

साहित्य में विशाल और भव्य शिक्षा प्रक्रिया मौजूद : सुमी गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हिंदी साहित्य की समृद्ध विरासत का जश्न मनाने और युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के प्रयास में तत्सत फाउंडेशन, गेल, गलगोटियास विश्वविद्यालय, डब्ल्यूएई कॉर्प और श्रवंथी समूह के तत्वाधान में पाखी महोत्सव 'द फेस्टिवल ऑफ होप' आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में तत्सत फाउंडेशन की निदेशक सुमी गुप्ता बतौर मुख्यातिथि कहा, 'साहित्य और संस्कृति साथ-साथ चलते हैं। आधुनिक समय और बदलती नई तकनीकों के साथ, हमें 21 वीं सदी की शिक्षण पद्धतियों को पेश करने की जरूरत है, जहां हम सिखा सकते हैं कि कैसे और कहां अपने जीवन में साहित्य को शामिल करते हुए काम करना है। साहित्य अपने आप में विशाल, संपूर्ण और भव्य है जहां सीखने को बहुत कुछ है।

पाखी महोत्सव विचारों के भव्य आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है, और हम हिंदी साहित्यकारों और शिक्षाविदों से कुछ आकर्षक नई अंतर्दृष्टि की आशा कर रहे हैं।' महोत्सव हिंदी साहित्य के क्षेत्र में अग्रणी नामों के साथ पुरस्कार विजेता और प्रसिद्ध लेखकों, विचारकों, लेखकों, निबंधकारों, कवियों, शिक्षाविदों, रंगमंच और फिल्मी हस्तियों, संगीतकारों और लोक कलाकारों, बुद्धिजीवियों और राजनेताओं सहित पूर्व प्रमुखों को लाता है। इस कार्यक्रम में सुमी गुप्ता सहित विभिन्न क्षेत्रों की गई गणमान्य हस्तियां और हिंदी हार्टलैंड के कई अन्य प्रमुख कलाकार शामिल हुए।

ऐसे कार्यक्रम हिंदी साहित्य और कला को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम है। हिंदी कला और साहित्य की समृद्ध विरासत ने पाखी के माध्यम से अद्वितीय ऊंचाइयों को प्राप्त किया है, यह नए लेखकों और कलाकारों को प्रोत्साहित करता है, और प्रसिद्ध कलाकारों को जीवन भर के पुरस्कारों के साथ सम्मानित करता है, जो साहित्य, संस्कृति, परंपरा, विरासत, शिक्षा को एक बड़ा बढ़ावा देता है, जिसके चलते इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है।

नाटक के जरिये बेटियों के सपनों को पूरा करने का दिया संदेश

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से ब्रेकथ्रू संस्था की टीम ने गुरुग्राम के फर्रुखनगर ब्लॉक के गांव भांगरोला में रात्रि चौपाल का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के बच्चे-तारों की टोली के रोशन तारा ने गीतों व डान्स परफॉर्म करके की।

महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यकारी अधिकारी पीओ सुनैना ने कहा कि जब तक लड़कियों को शिक्षित नहीं किया जाएगा। तब तक बराबरी का समाज नहीं बन सकता। महिला एवं बाल विकास विभाग की सीडीपीओ नूपुर शर्मा ने कहा कि लड़कियों के सपनों को पूरा करने में माता-पिता का सहयोग मिलना बहुत जरूरी है। उनके सहयोग के बिना लड़कियां अपने सपनों को पूरा नहीं कर सकती। सुपरवाइजर सुषमा, आंगनवाड़ी वर्कर, सुमन, सरिता, अनिता और नीलम हेल्पर, आशा व भांगरोला गांव के सरपंच ईश्वर सिंह ब्रेकथ्रू संस्था धन्यवाद किया। और इसके इलावा भांगरोला गांव से सैकड़ों की संख्या में लोगों ने अपनी भागीदारी निभाई।

युवा संसद स्पर्धा में विद्यार्थियों ने ज्वलंत मुद्दों पर की बहस, रखे विचार

गुरुग्राम के गांव वजीराबाद के स्कूल में हुआ आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के गांव वजीराबाद स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में युवा संसद प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।

जिला के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय वजीराबाद में आयोजित युवा संसद में गुरुग्राम की मेयर मधु आजाद व उपायुक्त अमित खत्री ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ मेयर व उपायुक्त ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित करके किया। युवा संसद में विद्यार्थियों द्वारा समाज के गंभीर व ज्वलंनशील मुद्दों पर चर्चा की गई।

युवा संसद में सदन की कार्यवाही को प्रत्यक्ष रूप देकर समझाने का प्रयास किया गया। सत्ता पक्ष व विपक्ष की बहस में विभिन्न मुद्दों जैसे ट्रिपल तलाक, प्रदूषण की गंभीर समस्या, सुरक्षा व्यवस्था, प्राकृतिक आपदा, अर्थव्यवस्था में रुपये की स्थिति आदि सहित कई महत्वपूर्ण मुददों पर बहस की गई। इस मौके पर अपने संबोधन में उपायुक्त अमित खत्री ने विद्यार्थियों को संसद की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार के बारे में बताया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों द्वारा संसद की भांति ही एक सैटअप तैयार किया गया था, ताकि संसद की कार्यप्रणाली को अन्य विद्यार्थी भी बारीकी से समझ सकें। कार्यक्रम में उपायुक्त ने लोकतांत्रिक प्रणाली के बारे में अपने विचार रखते हुए कहा कि हमारे देश की लोकतांत्रिक प्रणाली दुनिया मे सबसे बड़ी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए समाज में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है, ताकि देश की अर्थव्यवस्था अच्छी व बेहतर हो सके। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत व सशक्त बनाने के लिए जरूरी है कि समाज में 18 वर्ष या इससे अधिक आयु के व्यक्ति अपने मताधिकार का प्रयोग करके एक ऐसी सरकार का चयन करें जो समाज में सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य करवाए। उन्होंने इस अवसर पर विद्यार्थियों को मतदान प्रक्रिया के बारे में भी आवश्यक जानकारी दी।

संक्षिप्त समाचार

राज्य क्षमता निर्माण पर हिपा में दो दिवसीय कार्यशाला

गुरुग्राम। स्ट्राइव प्रोजेक्ट के तहत स्थानीय हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) में राज्य क्षमता निर्माण को लेकर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस कार्यशाला में देश भर के पांच राज्यों के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के अध्यक्ष व प्राचार्य ने भाग लिया। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर मुख्यातिथि के तौर पर उपस्थित कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण हरियाणा के निदेशक प्रभजोत सिंह ने कहा कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में क्षमता निर्माण के स्तर को बढ़ाने के उद्देश्य से इस दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। ताकि आईआईटी में प्रशिक्षण लेने वाला व्यक्ति पूर्ण रूप से सक्षम व स्वावलंबी बन सके। उन्होंने कहा कि इन दो दिनों में स्ट्राइव प्रोजेक्ट के तहत विभिन्न पहलुओं को लेकर चिंतन किया जा जाएगा। श्री सिंह ने बताया कि स्ट्राइव प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए भारत सरकार और वर्ल्ड बैंक द्वारा सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत देश भर की 500 आईआईटी को शामिल किया गया है, जिनमें 400 सरकारी आईआईटी व 100 प्राइवेट आईआईटी शामिल है। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट के तहत सभी आईआईटी के ट्रैनिंग स्किल्स बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। पहले चरण में हरियाणा की 16 आईआईटी को शामिल किया गया है, जबकि दूसरे चरण की शुरुआत अगले वर्ष की पहली तिमाही में की जाएगी।

भीतरघात करने वाले नेताओं की होगी शिकायत

नूंह। विधानसभा चुनाव में भाजपा के साथ भीतरघात कर दूसरी पार्टी के नेताओं का सहयोग करने वाले नेता अब फिर से भाजपा की राह पर चलने लगे हैं, लेकिन पार्टी को ऐसे नेताओं के बारे में सब कुछ पता है। ऐसे नेताओं की भाजपा में अब दाल गलनी आसान नहीं होगी। ऐसे नेताओं की जल्द आलाकमान से शिकायत की जाएगी। यह बात बीजेपी नेता नसीम अहमद के भतीजे फकरुद्दीन तिगांव ने कही। उन्होंने कहा है कि जिन लोगों ने भाजपा में रहकर चुनाव में दूसरी पार्टियों का सहयोग किया है। वो सभी पार्टी की नजर में हैं। प्रदेश में भाजपा सरकार फिर से बनने पर ऐसे नेता अपने काम कराने के मकसद से भाजपा की राह पर चल रहे हैं। अपने आपको लोगों की नजरों में भाजपा से जुड़ा दिखाने के लिए फेसबुक पर भी बीजेपी की पोस्ट डाल रहे हैं, लेकिन जनता को भी ऐसे नेताओं के बारे में सब कुछ पता है। बीजेपी कार्यकर्ता फकरुद्दीन का कहना है कि सीएम का खुला ऐलान है, जिन लोगों ने भाजपा में रहकर पार्टी के साथ भीतरघात किया है। उन्हें पार्टी में रखने की कोई गुंजाइस नहीं है। अब देखना होगा कि क्या बीजेपी पार्टी ऐसे नेताओं को फिर से शामिल कर पाती है या नहीं।

घर में घुसे हथियार से लैस बैखोफ बदमाश, मामला दर्ज

नूंह। नूंह जिले के पिनगवां में रविवार देर रात दो नकाबपोश बदमाश हथियार सहित एक मकान में घुस गए। बदमाशों की आहट से परिवार के सदस्य जाग गए, पड़ोस के लोग भी जाग गए तो बदमाशों ने भागने में ही अपनी गनीमत समझी। पीड़ित परिवार पूरी तरह से डरा हुआ है। हालांकि पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़ित साहिद खान पुत्र हुसैन खान निवासी पिनगवां ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि रविवार रात वह अपने मकान में सोया हुआ था, तभी देर रात करीब 12 बजे दो नकाबपोश हथियार सहित मकान में घुस आए। बताया कि बदमाशों की आहट से उसकी मां जग गई। दोनों बदमाश घर की तलाशी लेते हुए उसके कमरे में घुस आए। पत्नि की खीख सुनकर पड़ोस के लोग जाग गए। बदमश अपने को घिरा समझकर नौ दो ग्यारह हो गए। वहीं इस मामले में पिनगवां थाना प्रभारी समसुद्दीन का कहना है कि बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, जांच जारी है, जल्द ही बदमाशों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

एनजीटी की टीम ग्राम पंचायतों का दौरा करेगी

सोहना। एनजीटी की टीम सोहना के दो और गुरुग्राम की एक ग्राम पंचायत का दौरा करेगी। इस दौरान टीम ग्राम पंचयतों में हो रही सफाई व कूड़ा उठाने के कार्य का जायजा लिया जाएगा। मालूम रहे कि सोहना खंड के सात ग्राम पंचायत बादशाहपुर टैठड़, दौला, मंडावर, अभयपुर, खेड़ला, दमदमा, बहलपा व हसनपुर में नालियों की सफाई और कूड़ा उठाने की जिम्मेदारी परमहंस इंटरप्राइजेज एजेंसी को एक वर्ष के लिए दी गई थी। चार दिन पहले बीडीपीओ जगराम ने टीम का गठन करके ग्राम पंचायत मंडावार सहित तीन गांवों का दौरा किया था। दौरे के दौरान बीडीपीओ को गांव मंडावर में साफ-सफाई नाममात्र पाई गई थी। जिसकी शिकायत बीडीपीओ ने उच्चाधिकारियों को करते हुए सफाई एजेंसी पर 5100 रुपये का जुर्माना लगाया था। अब यह मामला एनजीटी के पाले में है। एनजीटी की टीम 30 नवंबर से पहले ग्राम पंचायत बादशाहपुर टैठड़, मंडावर और गुरुग्राम खंड की हसंनपुर पंचायत का दौरा करेगी। बीडीपीओ जगराम सिंह ने बताया कि उन्होंने बताया कि खंड की पांच अन्य ग्राम पंचायतों को सूचित कर दिया है। क्योंकि एनजीटी की टीम अन्य गांवों में भी जा सकती है।

सरपंच के पति को जान से मारने की धमकी, मामला दर्ज

फर्रुखनगर। खंड के गांव खंडेवला के सरपंच पति को गांव के रहने वाले एक युवक द्वारा गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का मामला पुलिस ने दर्ज कर लिया है। समाचार लिखे जाने तक किसी की गिरफ्तार नहीं हुई है। सरपंच सूरजमुखी के पुत्र कपिल पहलवान को 2015 में गोली मार कर दी गई थी। धमकी देने वाले का भाई कपिल की हत्या के मामले में नामजद है। पुलिस को दिए बयाम में गांव खंडेवला की सरपंच सुरजमुखी के पति प्रेमचंद राठी ने बताया कि 17 नवंबर को रात्रि करीब साढ़े गांव खंडेवला निवासी बलजीत उसके घर के सामने पिकअप गाड़ी लेकर आया और गाली गलौज करने लगा। जब वह घर से बाहर निकला तो वह जान से मारने की धमकी देने लगा।

उद्योगों में आरक्षण के खिलाफ लामबंद हो रहे मजदूर संगठन

राजेश दास। फरीदाबाद

प्रदेश की भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार आने वाले दिनों में औद्योगिक क्षेत्र में हरियाणा के लोगों के लिए 75 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए विधानसभा में बिल लाने वाली है। जजपा सुप्रीमो दुष्यंत चौटाला ने इस मुद्दे को अपने चुनावी एजेंडे में शामिल किया था। अब सरकार में भागीदारी मिलने पर जजपा मतदाताओं से किए गए अपने इस वायदे को पूरा करना चाहती है। यदि सरकार वास्तव में विधानसभा में इस बिल को पास कराने में कामयाब हो जाती है, तो प्रदेश में सरकार के प्रति अविश्वास की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। पहले से ही मंदी की मार और अन्य कई तरह की परेशानियां झेल रहे उद्योग इस बिल के पूरी तरह खिलाफ है। इस पर मजदूर संगठन भी लामबंद होने शुरू हो गए हैं। मजदूर नेताओं का कहना है कि औद्योगिक नगरी फरीदाबाद में बाहरी लोग ज्यादा संख्या में रहते हैं। जिले के उद्योगों में विभिन्न राज्यों के रहने वाले करीब 90 प्रतिशत लोग काम कर रहे हैं। यदि सरकार ने आरक्षण लागू कर दिया, तो इन मजदूरों की आने वाली पीढ़ियों के लिए रोजगार का संकट उत्पन्न हो जाएगा। सरकार ने यदि अपना यह फैसला जबरन लागू किया, तो इसका जमकर विरोध किया जाएगा।

भेदभाव की राजनीति: औद्योगिक क्षेत्र में फरीदाबाद को अलग पहचान दिलाने में यहां आए प्रवासी मजदूरों ने अहम भूमिका निभाई है। इस औद्योगिक क्षेत्र को बसे करीब 70 साल हो चुके हैं। शुरुआती दौर में उद्योगों के लिए अन्य राज्यों के कुशल मजदूरों को यहां लाया गया था। खुद स्थापित होने के बाद इन मजदूरों ने अपने सगे-संबंधियों को भी यहां बुलाना शुरू कर दिया। प्रवासी मजदूरी ने यहां पर आवास का प्रबंध भी कर लिया और ये मजदूर यहीं के होकर रहे गए। ज्यादातर उद्योगों में मजदूरों की तीसरी व चौथी पीढ़ी तक काम कर रही है। अनेक मजदूरों के परिवारों ने अपने उद्योग-धंधे स्थापित कर लिए हैं, जो प्रदेश और देश के विकास में अहम भूमिका अदा करते हैं। इस बीच अन्य प्रवासी मजदूरों का भी यहां आना जारी रहा। मजदूर नेताओं का कहना है कि प्रदेश के लोगों के लिए आरक्षण लागू कर सरकार भेदभाव करेंगी, जिसके दुष्परिणाम आने वाले समय में नजर आने लगेंगे।

उद्योगों पर बुरा असर

इस फैसले का शहर के उद्योगों पर बुरा असर पड़ सकता है। सरकार की तरफ से थोपे जाने वाले इस फैसले का शहर के उद्योगपति तो पहले से ही जमकर विरोध कर रहे हैं। अब मजदूर संगठन भी सरकार के इस फैसले के खिलाफ कदम उठाने की तैयारी कर रहे हैं। मजदूर नेताओं का कहना है कि उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के दादा पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला ने भी अन्य तरीके से उद्योगों में आरक्षण का प्रयास किया था। उस दौरान यहां से बड़े उद्योग परेशान होकर पलायन कर गए थे, जिसका असर शहर में आज तक देखने को मिलता है। सरकार द्वारा आरक्षण थोपे जाने पर उद्योगों में मजदूरों द्वारा प्रदर्शन अथवा हड़ताल भी की जा सकती है, जिसका असर कहीं न कहीं उद्योगों पर पड़ेगा। इसलिए सरकार को कोई भी कदम उठाने से पहले इस मामले में पुनर्विचार कर लेना चाहिए।

समस्याओं का समाधान नहीं

मजदूर संगठनों का कहना है कि सरकार उद्योगों के मजदूरों की समस्याओं का समाधान करने की बजाय उनका दमन करने की तैयारी कर रही है। मजदूरों की खून-पसीने की कमाई से हर महीने ईएसआईसी के पास करोड़ों रुपये जाते हैं। इसके बावजूद मजदूरों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। ईएसआई की डिस्पेंसरियों में मजदूरों के परिवारों के इलाज के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जाती है। मजदूरों के लिए करोड़ों रुपये की लागत से ईएसआई मेडिकल बना है, लेकिन सुविधाओं की कमी और सरकार की लापरवाही की यह मेडिकल कॉलेज सफेद हाथी बन गया है। इस अस्पताल में पर्याप्त सुविधाओं की कमी के कारण मरीजों को निजी अस्पतालों में रैफर किया जा रहा है।

योग्य व्यक्ति को मिले काम

मजदूर नेता बेचू गिरी का कहना है कि मजदूर की कोई जाति, धर्म या प्रांत नहीं होता। मजदूर की सिर्फ योग्यता देखी जाति है, उसी के आधार पर उसे काम दिया जाना चाहिए। इसलिए सरकार को मजदूरों को प्रांत के हिसाब से बांटने का प्रयास बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए।

देश को खंडित न करें

मजदूर नेता एसडी त्यागी ने कहा कि एक तरफ केंद्र सरकार कश्मीर से धारा 370 हटाकर एक देश-एक कानून का नारा दे रही है। दूसरी तरफ प्रदेश सरकार देश की अखंडता को नुकसान पहुंचाने का काम कर रही। वह वोट बैंक के चक्कर में इस तरह की राजनीति हो रही है।

मौलिक अधिकार का हनन

एसयूसीआई कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य डॉ. जेपी गौड़ का कहना है कि किसी भी राज्य का व्यक्ति किसी भी राज्य में जाकर रह और काम कर सकता है, यह उसका मौलिक अधिकार है। इसलिए 75 प्रतिशत आरक्षण के फैसले की सभी को कड़े शब्दों में निंदा करनी चाहिए।

नफरत पैदा हो सकती है

सीआईटीयू के जिला महासचिव लाल बाबू का कहना है कि सरकार के इस फैसले से नफरत पैदा होगी। देश के किसी भी हिस्से में रहकर काम करना व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। यदि सरकार आरक्षण लागू करती है, तो मजदूर द्वारा इसका जमकर विरोध किया जाएगा।

पहल : सर्वोदय अस्पताल में बोनमैरो पहुंचाने के लिए बनेगा ग्रीन कॉरीडोर

फरीदाबाद। शहर के मेडिकल इतिहास में एक बड़ी घटना यह होने वाली है कि सेक्टर आठ स्थित अस्पताल में एक रोगी का बोनमैरो ट्रांसप्लांट किया जाएगा। यह बोनमैरो अहमदाबाद के अपोलो अस्पताल से लाया जाएगा। इसके लिए दिल्ली और फरीदाबाद के बीच ग्रीन कॉरीडोर बनाया जाएगा। ग्रीन कॉरीडोर से शारीरिक तत्व या अंग फरीदाबाद पहुंचने का यह पहला मामला होगा।

सर्वोदय अस्पताल के प्रवक्ता नवीन कौशिश ने बताया कि यहां के एक रोगी के लिए एक स्वयंसेवी संस्था बोनमैरो उपलब्ध करवा रही है। अहमदाबाद से बोनमैरो दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचेगा। वहां एयरपोर्ट पर बोनमैरो की कोई स्केनिंग नहीं की जाएगी। ताकि बोनमैरो को किसी रेडियो एक्टिविटी से क्षति न पहुंचे। इसके एयरपोर्ट अथॉरिटी के साथ आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गई हैं। वहां से बोनमैरो को 18-19 नवंबर की मध्यरात्रि में कभी भी फरीदाबाद लाया जाएगा। उस समय दिल्ली और फरीदाबाद के बीच ट्रेफिक कम होगा। पूरे रूट पर सुरक्षाकर्मी बोनमैरो के वाहन को ट्रेफिक क्लीयर करेंगे। उसे यहां पहुंचते ही पहले से तैयार डाक्टर मरीज में ट्रांसप्लांट करने की प्रक्रिया शुरू कर देंगे।

बिजली कर्मी नेताओं ने की लंबित मांगें पूरी करने की मांग

फरीदाबाद। हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड वर्कर्स यूनियन के प्रांतीय प्रधान बिजेंद्र बेनीवाल, महासचिव सुनील खटाना, मुख्य संगठन कर्ता महावीर पहलवान का सोमवार को बल्लभगढ़ यूनिट द्वारा मान-सम्मान आयोजित किया गया। यूनिट प्रधान कर्मवीर यादव, सचिव मदनगोपाल शर्मा आदि नेताओं ने सभी नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रान्तीय प्रधान बिजेंद्र बेनीवाल ने हरियाणा सरकार से कर्मचारियों की लंबित पड़ी मांगों को तुरंत प्रभाव से यथाशीघ्र लागू करने पर जोर दिया। प्रांतीय महासचिव सुनील खटाना ने कहा कि एक्सग्रेसिया पोलिसी का लाभ सरकार को कच्चे पक्के सभी कर्मचारियों को बिना किसी भेदभाव के दिया जाना चाहिये, बिजली निगम में खाली पड़े हजारों रिक्त पदों को जल्दी भरने का काम करें।

सरपंच परिवार पर जानलेवा हमले के विरोध में लगाया जाम

फरीदाबाद। सरपंच के परिवार पर रविवार की दोपहर को करीब दर्जन भर हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया था, जिसमें परिवार के दो सदस्य और एक कर्मचारी घायल हुआ था। इसके विरोध में ग्रामीणों ने सोमवार सुबह गांव के बाहर जाम लगा दिया। गुस्साए लोग आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आरोपियों को जल्दी ही गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने जाम खोल दिया।

फज्जूपुर खादर गांव की सरपंच मंजू बाला का परिवार रविवार को किसी रिश्तेदार की मौत होने पर जाने की तैयारी में था। आरोप है कि तभी करीब सवा 12 बजे कार और बाइक

पर दर्जन भर हमलावर उनके घर पर पहुंचे, जिनमें हाथों में चाकू, रॉड व लाठियों थीं। हमलावरों ने घर में घुसकर सरपंच परिवार के लोगों पर हमला शुरू कर दिया। हमलावरों ने सबसे पहले जगत सिंह भाटी पर चाकुओं से हमला कर दिया। जगत सिंह की मां मुन्नी देवी और एक अन्य युवक जब बचाव में आए, तो हमलावरों ने उनसे भी मारपीट की। शोर मचाने पर हमलावर देसी पिस्तौल से फायर करते हुए कार में बैठकर फरार हो गए। एक हमलावर अपनी बाइक को मौके पर ही छोड़ गया।

इस हमले के विरोध और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सोमवार सुबह करीब नौ बजे गांव के बाहर से गुजरने वाले सड़क पर ग्रामीणों ने जाम लगा दिया और वाहनों की कतार लग गईं। जाम की सूचना पाकर तिगांव और छांयसा थानों की पुलिस पहुंची। थाना छांयसा के अतिरिक्त प्रभारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि आरोपी साहूपुरा खादर गांव निवासी राकेश और उसके तीन बेटों सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीम लगी है। पुलिस तरफ से आश्वासन मिलने पर करीब एक घंटे बाद जाम खोल दिया।

केजीपी में हुई सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत, एक गंभीर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केजीपी (कुंडली गाजियाबाद पलवल) एक्सप्रेस वे पर बीती रात एक तेज रफ्तार ट्रक के चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने से पीछे आ रही बाइक उससे बुरी तरह टकरा गई। इस हादसे में एक युवक की मौके पर मौत हो गई। अन्य दो घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उनमें से एक और को मृत घोषित कर दिया। जबकि तीसरे युवक को गंभीर हालत में दाखिल कर लिया गया है।

थाना छांयसा पुलिस के मुताबिक गौतमबुद्ध नगर के गांव खेलभाव निवासी 35 वर्षीय सिकंदर, 35 वर्षीय छोटू और 32 वर्षीय लख्मी राजमिस्त्री हैं। तीनों ने यहां के गांव सुनपेड़ में एक मकान को बनाने का ठेका लिया हुआ है। तीनों रोज बाइक पर यहां काम करने के लिए आते हैं। रविवार रात करीब आठ बजे तीनों एक ही बाइक पर घर वापस जाने के लिए केजीपी से गुजर रहे थे।

छांयसा इलाके के पास उनके आगे एक तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने न जाने किस वजह से ब्रेक लगा दी। बाइक चला रहा सिकंदर वाहन पर काबू नहीं रख सका और बाइक सीधे ट्रक के नीचे जा घुसी। सिकंदर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि छोटू और लख्मी को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें दिल्ली रेफर कर दिया। दिल्ली में डाक्टरों छोटू को भी मृत घोषित कर दिया। जबकि लख्मी को इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

घटना के बाद कार्रवाई करता पुलिसकर्मी। इनसेट में मृतक की फाइल फोटो।

सत्यनिष्ठ जीवन शैली का संदेश दिया छात्रों ने

फरीदाबाद। सराय ख्वाजा स्थित राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की जूनियर रेडक्रास और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड के सदस्य छात्रों ने 'सत्यनिष्ठा और ईमानदारी-एक जीवन शैली' का संदेश प्राचार्य नीलम कौशिक के नेतृत्व में दिया। कार्यक्रम संयोजक रविंद्र कुमार मनचन्दा ने बच्चों से कहा कि हम सब अपने अपने कार्यों से बंधे हैं। देश के सच्चे नागरिक होने के नाते हमें इस बारे ध्यान रखना होगा कि हम अपना कार्य सत्यनिष्ठा और ईमानदारी से पूर्णता की ओर ले जाएं। केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों के अनुपालन में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सतर्कता जागरूकता माह 28 अक्तूबर से तक मनाया जा रहा है। इस वर्ष का थीम 'ईमानदारी-एक जीवन शैली' है। बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए कर्मचारियों, आम लोगों, बच्चों, युवाओं और जनता में जागरूकता के लिए इस माह दौरान स्कूलों तथा कॉलेज में इंटीग्रिटी क्लब्स की स्थापना की गई है।

डॉक्टरों को अमरीकी आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉक्टर वसंत लाड़ ने बताया, कैसे करें नाड़ी परीक्षण

फरीदाबाद। यहां के रिवाजपुर स्थित सेंटर फार वेलबीइंग 'जीवाग्राम' में अमेरिका में कार्यरत आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. वसंत लाड़ ने 'नाड़ी परीक्षण' विषय पर विशेष वर्कशाप का आयोजन किया। जीवा आयुर्वेद द्वारा निर्मित इस वेलनेस सेंटर में देश भर के आयुर्वेद डॉक्टर्स ने हिस्सा लिया।

डॉ. लाड़ ने कार्यशाला के दौरान समझाया कि डॉक्टर्स नाड़ी परीक्षा के द्वारा किस प्रकार रोगी की स्वास्थ्य अवस्था के बारे में सटीक निदान कर सकते हैं। इस कार्यशाला में संवाद द्वारा सभी डॉक्टर्स को इस प्राचीन-शास्त्रीय तकनीक की गहराई से जानकारी प्राप्त हुई। डॉ. वसन्त लाड़ विश्वस्तर पर आयुर्वेद के क्षेत्र में अग्रणी चिकित्साकों में से एक हैं, जिन्होंने आयुर्वेद डॉक्टर्स के लिए कई बुक्स लिखी हैं। इसके बाद जीवा आयुर्वेद के डायरेक्टर डॉ. प्रताप चैहान के सेशन का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने आयुर्वेद और नाड़ी परीक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।

डीईआईसी में अब तक 380 बच्चों को मिला इलाज

कविता। फरीदाबाद

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत पांच साल पहले बीके सिविल अस्पताल में डिस्ट्रिक अर्ली इंटरवेनशन सेंटर (डीईआईसी) खोला गया था, जो संसाधनों के अभाव का शिकार है। सेंटर में आने वाले बच्चों को या तो बाहर इलाज के लिए रेफर कर दिया जाता है, या फिर बीके अस्पताल में ही उनका इलाज किया जाता है। बच्चों की जांच के लिए विभाग की 11 मोबाइल टीमें शहर के आंगनवाड़ी और सरकारी स्कूलों में लगी हुई हैं, जिसमें पिछले पांच वर्षों के दौरान अब तक 380 बच्चों को ही इस योजना का लाभ मिल पाया है। बीके अस्पताल में डीईआईसी सेंटर विक्षिप्त व मानसिक व अन्य जन्मजात बीमारियों से ग्रस्त बच्चों के इलाज के लिए ओपीडी कमरा नंबर 23 में शुरू किया गया था। इसके चिकित्सकों व स्टाफ को प्रशिक्षण भी दिया गया था।

अब इस सेंटर में संसाधन न होने के कारण यहां आने वाले बच्चों को अन्य शहरों में रेफर किया जा रहा है। इसलिए कुछ बच्चों के माता पिता जाने से मना कर देते हैं। यदि सेंटर में सभी संसाधन उपलब्ध होते, तो किसी बच्चे को यहां से रेफर न होना पड़ता।

11 टीमें विशेष बच्चों को कर रहीं चिन्हित

डिप्टी सिविल सर्जन व स्कूल हैल्थ इंचार्ज डॉ. गीता पालिया ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के

तहत 0 से 18 वर्ष के बच्चों में चार प्रकार की परेशानियों की जांच की जा रही है, जिनमें जन्मजात कोई विकार, बीमारी, विकलांगता और विकास में रुकावट की जांच शामिल है। शहर में 11 टीमें आंगनबाड़ी में पढ़ने वाले शून्य से छह साल तक के बच्चों और सात से आठ साल तक के सरकारी स्कूलों के बच्चों की जांच करती है। टीमें विकारग्रस्त ग्रस्त बच्चों को इलाज के लिए बीके अस्पताल में निशुल्क उपचार के लिए भेजती है। उन्होंने बताया कि अब तक ऐसे 380 बच्चों का इलाज किया जा चुका है। वह विभाग को लगातार पत्र लिखकर इसकी प्रगति रिपोर्ट देती हैं।

आंकड़ों की जुबानी

डॉ. गीता पालिया ने बताया कि वर्ष अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक 66 बच्चों की परेशानी दूर हुई। इसके अलावा अप्रैल 2018 से मार्च 2019 तक 47 बच्चों की परेशानी समाप्त की गई। इसी तरह वर्ष 2019 में अप्रैल से अक्टूबर माह तक 267 बच्चों की परेशानी दूर हुई है।

बच्चों को दी कानूनी जानकारी

फरीदाबाद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीपक गुप्ता के दिशा निर्देशानुसार और मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं प्राधिकरण की सचिव मोना सिंह की देख-रेख में बाल दिवस के उपलक्ष्य में पांच स्थानों पर कानूनी जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया।

ये पांच शिविर गवर्नमेंट हाई स्कूल दयालपुर, गवर्नमेंट हाई स्कूल मच्छगर, गवर्नमेंट हाई स्कूल कौराली, गवर्नमेंट हाई स्कूल सेक्टर सात और गवर्नमेंट हाई स्कूल पाली में आयोजित किए गए। इनमें पैनल एडवोकेट रामवीर तंवर, रंजीता पटेल, जीत रावत, नरबीर सिंह व ज्योति बत्रा ने बच्चों को उनके

कानूनी अधिकारों से अवगत कराया। पैनल अधिवक्ताओं ने बाल संरक्षण कानून, बाल श्रम निषेध अधिनियम, शिक्षा का अधिकार जैसे विषयों पर बारीकी से जानकारी दी। रविंद्र गुप्ता पैनल एडवोकेट ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक बच्चा न सिर्फ अपने परिवार का, बल्कि पूरे समाज तथा देश का भविष्य भी होता है। बच्चे हम सभी के जीवन को सरस एवं खुशहाल बनाते हैं। शिविर में एक बच्चे ने पैनल एडवोकेट से सवाल किया कि यदि उसे आस-पड़ोस या कहीं भी कोई बाल श्रमिक दिखाई दे, तो वह क्या करे। पैनल एडवोकेट ने कहा कि किसी बच्चे को बालश्रम करते देखें, तो सीधे प्राधिकरण के हेल्पलाइन 0129 2261898 पर दें।

संक्षिप्त समाचार

फरीदाबाद में एनएसयूआई ने फूंका अमित शाह का पुतला

फरीदाबाद। एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने जिला उपाध्यक्ष विकास फागना ने नेतृत्व में गृह मंत्री अमित शाह का पुतला फूंका। विकास का कहना है कि अमित शाह व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परामर्श व आदेश पर गांधी परिवार की एसपीजी सुरक्षा हटाए जाने को लेकर कांग्रेसी आहत हैं। इसलिए कार्यकर्ताओं के साथ बाटा चौक पर प्रदर्शन किया। विकास ने कहा कि देश ने राजनीतिक प्रतिशोध व व्यक्तिगत बदले की आग का एक और मंजर देख लिया है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह व्यक्तिगत नफरत के चलते, बदले की आग व राजनीतिक प्रतिशोध में इतने अंधे हो गए हैं कि उन्हें न कानून की चिंता है, न संविधान की मर्यादाओं की कद्र है, जो सरकार व मोदी-अमित शाह की जोड़ी का तानाशाही रवैया दिखाता है। यह बड़े ही आश्चर्य की बात है कि जिस परिवार से दो पूर्व प्रधान मंत्री ने उग्रवाद के चलते अपनी जान की सर्वोच्च कुर्बानी दी, जिनके प्रति सुरक्षा कारण देखते तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी ने एसपीजी कानून संशोधन कर उन्हें स्पेशल प्रोटेक्शन कवर का प्रावधान किया, ताकि गांधी परिवार का कोई अन्य व्यक्ति हेतरेड का शिकार न हो, परंतु उनकी एसपीजी सुरक्षा वापिस ले ली गई। इस मौके पर पुनीत शर्मा, सुधाकर, अतुल, आकाश, नीरज, विशाल, विपिन, राहुल, गौरव, महेश, हरिओम, साहिल आदि मौजूद थे।

ग्लोबल क्लाइमेट एक्शन समिट 2019 का किया आयोजन

फरीदाबाद। एमवीएन अरावली हिल्स ने ग्लोबल क्लाइमेट एक्शन सम्मिट 2019 का अयोजन किया, जिसका उद्देश्य था वैश्विक स्तर पर द्रुत गति से होने वाले जलवायु-परिवर्तन और उसके दुष्प्रभाव पर प्रकाश डालना। इस प्रतिदर्शात्मक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एमवीएन विद्यालय की सभी शाखाओं से कक्षा नवमी एवं दशवीं के कुल 42 छात्रों ने भाग लिया। छात्रों ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के रूप में भाग लिया। इस कार्य समिति में जलवायु-परिवर्तन से संबंधित मुद्दे उठाए गए और प्रतिनिधिमंडल ने समस्या का हल ढूंढ़ने पर विशेष ज़ोर दिया। पूर्व छात्रों से सुसज्जित कार्यकारी समिति ने सम्मेलन का संचालन किया और उसमें भाग लेने वाले प्रतिनिधियों के संयमित आचरण और कार्य-संचालन का मूल्यांकन किया। विशेष उल्लेख, उच्च संस्तुति, और सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि के पुरस्कार दिए गए। इस मंच ने छात्रों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का अवसर दिया और नए-नए अनुभवों के द्वार खोले। विद्यालय-प्रबंधन ने छात्रों को समुचित गंभीरता और परिपक्वता से इस ज्वलंत विषय को उठाने और उस पर समुचित चिंतन-मनन हेतु बधाइयां दीं। सम्मेलन का आयोजन पूर्णत: सफल रहा।

ओम योग संस्थान का 21वां वार्षिकोत्सव आयोजित

फरीदाबाद। पूज्यपाद स्वामी चितेश्वरानंद महाराज जी, परम श्रद्धेय योगिराज डॉ. ओमप्रकाश महाराज जी तथा स्वामी देवव्रत आचार्य जी के पावन सान्निध्य में तीन से 17 नवंबर तक यजुर्वेद पारायण यज्ञ, सवा लाख गायत्री महायज्ञ एवं गायत्री मंत्र जाप का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जौनपुर के सांसद श्याम सिंह यादव, पूर्व विधायक नगेन्द्र भड़ाना, सूर्यदेव त्यागी, एके त्यागी, स्वामी ऋषिपाल, डॉ. संदीप योगाचार्य, डॉ. मलय, डॉ. राशि, डॉ. अंजू, डॉ. नरेन्द्र, सतवीर आर्य, मुरलीधर याज्ञिक, राधेश्याम नागर, श्रद्धाराम, जगदीश, चारण सिंह, प्रमोद भड़ाना आदि गणमान्यों और जन समूह ने यज्ञ में पूर्ण आहुति देकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

युवा महोत्सव में छात्राओं ने किया बेहतर प्रदर्शन

बल्लभगढ़। एसडीएमआईटी कॉलेज, मंझावली में नौ से 11 नवंबर तक आयोजित युवा महोत्सव, 2019 में यहां के राजकीय कन्या महाविद्यालय की छात्राओं का प्रदर्शन शानदार रहा, जिसमें छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में सात पुरुस्कार प्राप्त किए। छात्राओं ने कार्टूनिंग प्रथम, बेस्ट ऑफ द बेस्ट में द्वितीय, पोस्टर मेकिंग में द्वितीय, कोलॉज में तृतीय, रंगोली में तृतीय, पेंटिंग में तृतीय, हरियाणवी स्किट में तृतीय स्थान प्राप्त किये। सभी छात्राओं को प्रधानाचार्य अमीता सूद, महोत्सव की प्रभारी सपना सचदेवा, ऊषा, रमणप्रीत, सौरव त्रिपाठी, चंद्र शेखर, धर्मवीर ने बधाई दी। इन छात्राओं ने इंटर जोनल यूथ फास्ट्रीयल, एमडीयू, रोहतक में में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए तीन पुरस्कार जीते, जिनमें बेस्ट ऑफ द बेस्ट में द्वितीय, पोस्टर मेकिंग में द्वितीय तथा कार्टूनिंग में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सार्वजनिक सूचना

टाइप-2 एनबीएफसी-एनडी-गैसर्स जेराफिन फिनवेस्ट प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधन और नियंत्रण में बदलाव

मैसर्स जेराफिन फिनवेस्ट प्राइवेट लिमिटेड, जिसका पंजीकृत मुख्यालय 101, रोहित हाउस, 3, टॉलस्टॉय मार्ग, कनाट प्लेस, नई दिल्ली-110001 में स्थित है, में समय के अभाव और सभी निदेशकों के व्यवसाय/व्यक्तिगत गतिविधियों में शामिल होने की वजह से प्रबंधन और नियंत्रण में प्रस्तावित बदलाव के लिए कंपनी सर्कुलर डीएनबीएस (पीडी) सीसी. संख्या 11/01/.01/99-2000, तारीख 15 नवंबर, 1999 के पैराग्राफ 2 (2) (बी) के संदर्भ में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के प्रावधानों के अनुसार यह सूचना दी गई है। इसे कंपनी सर्कुलर डीएनबीएस (पीडी) सीसी संख्या 12/02/.01./99-2000 तारीख 13 जनवरी, 2000 के पैराग्राफ ए (5) (पपप) (ए) और कंपनी सर्कुलर डीएनबीएस (पीडी) सीसी संख्या 63/02.02 / 2005-06 तारीख 14 जनवरी, 2006 के पैराग्राफ 2 (पप) के साथ, और 9 जुलाई, 2015 की सर्कुलर संख्या डीएनबीआर (पीडी) सीसी संख्या 065/03.10.001/2015-16 को आरबीआई के पिछले सर्कुलरों के साथ पढ़ा जाए।

यह सूचित किया जाता है कि कंपनी को जेराफिन फिनवेस्ट के प्रबंधन और नियंत्रण में बदलाव के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से मंजूरी पत्र मिल गया है, ज्यादा जानकारी के लिए देखें 16 अक्टूबर, 2019 की डीएनबीएस (एनडी) संख्या 1539/सीएमएस/05.24.001/2018-19.

यह सूचित किया जाता है कि भारतीय रिजर्व बैंक के मंजूरी पत्र के अनुसार प्रस्तावित प्रबंधन में शामिल होंगे श्री अमरप्रीत सिंह और श्री पुनीत भास्कर और मैसर्स ड्रूम टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड शेयरधारक होंगी।

यदि किसी व्यक्ति का हित कंपनी के प्रबंधन एवं नियंत्रण में प्रस्तावित बदलाव की वजह से प्रभावित होने की संभावना हो तो वह इस सूचना के प्रकाशित होने के 30 दिन के अंदर कंपनी और भारतीय रिजर्व बैंक, डिपार्टमेंट ऑफ नॉन-बैंकिंग सुपरविजन, नई दिल्ली को अपनी आपत्ति को एक हलफनामे के जरिये भेज सकता है। उसके विरोध (यदि कोई हो) की प्रकृति और हित एवं आधार भारतीय रिजर्व बैंक, डिपार्टमेंट ऑफ नॉन-बैंकिंग सुपरविजन, नई दिल्ली को ऑरिजनल प्रति के तौर पर भेजनी होगी और इसकी कॉपी कंपनी को उसके ऊपर दिए गए पते पर पंजीकृत कार्यालय को भेजनी होगी।

मैसर्स जेराफिन फिनवेस्ट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से
हस्ता/-
हरीश चंद्र अग्रवाल
निदेशक
डीआईएन- 01716444

पता - सैट नंबर 1104, प्लॉट नंबर-11, नवयुग अपार्टमेंट्स, द नवयुग सी.जी.एच.एस लिमिटेड, नियर गोल्ड सोक, सेक्टर-43, गुड़गांव-122002, हरियाणा

तारीख : 7 नवंबर, 2019
स्थान: नई दिल्ली

ग्लोबल वार्मिंग पर बिल गेट्स के टिप्स

● कहा- जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए कृषि की बेहतर सूचनाओं की जरूरत

भाषा। नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने सोमवार को कहा कि बेहतर सांख्यिकीय सूचनाएं तथा नवोन्मेषी उपायों से कृषि क्षेत्र पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम किया जा सकता है। उन्होंने कृषि-सांख्यिकी पर 8वें वैश्विक सम्मेलन में यहां कहा कि छोटे किसानों पर आने वाले समय में जलवायु परिवर्तन का असर बढ़ेगा। ऐसे में कृषि क्षेत्र में निजी क्षेत्र के लिए अवसर बढ़ेंगे तथा वे उपज बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

गेट्स ने कहा, ऐसे समय में जब हमें उत्पादन बढ़ाना है, जलवायु परिवर्तन इसे मुश्किल बना रहा है। बदलता मौसम किस तरह से हमारे फसलों और उत्पादकता को प्रभावित करता है, इसे समझने के लिए नए उपायों के इस्तेमाल के साथ कृषि-सांख्यिकी में सर्वश्रेष्ठ कार्यों की जरूरत है। उन्होंने भारत के मृदा स्वास्थ्य कार्ड का जिक्र करते हुए कहा कि मृदा की गुणवत्ता के आंकड़ों से किसानों को यह तय करने में मदद मिलेगी कि किस उर्वरक का इस्तेमाल करें। अभी मौजूदा आंकड़ों के साथ अतिरिक्त आंकड़े जोड़ने तथा विस्तार से मृदा मानचित्रण के अवसर हैं। उन्होंने कहा, बेहतर मृदा, बेहतर सूचनाएं और बेहतर सांख्यिकी जलवायु परिवर्तन के नुकसान को कम करने में मदद करेगी।

नई दिल्ली में सोमवार को बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष बिल गेट्स के साथ एनआइटीआइ आयोग के वाइस-चेयरमैन राजीव कुमार ने एनआइटीआइ आयोग का वर्किंग पेपर 'हेल्थ सिस्टम ऑन ए न्यू इंडियाः बिल्डिंग ब्लॉक्स' जारी किया

गेट्स ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का मुद्दा जटिल है। बीजों की नई किस्म का विकास तथा किसानों के बीच उनके वितरण समेत विभिन्न प्रकार के दखल की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन से छोटे किसान सर्वाधिक प्रभावित होते हैं। ए किसान बहुत गरीब हैं और उनके बच्चे कुपोषित हैं। उन्होंने कहा कि यह भारत में एक मुद्दा है। उन्होंने कहा, एक मौसम का सूखा या बाढ़ इन परिवारों की सारी बचत बर्बाद करने के लिए काफी है। आने वाले समय में सूखा और बाढ़ दोनों की आवृत्ति बदलने वाली है। जलवायु परिवर्तन का असर बढ़ेगा।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा, भारत कृषि केंद्रित अर्थव्यवस्था है। सरकार को नीति अनाने के लिए आंकड़ों की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि भारत में सांख्यिकी का विषय ऐतिहासिक है। मौर्य साम्राज्य के दौरान कौटिल्य के सिद्धांतों में इस बात का विस्तार से वर्णन है कि कृषि, जनसंख्या तथा आर्थिक गणना से संबंधित जानकारियां किस तरह से जुटाई जाएं।

शिवसेना के पास मुंबई महापौर का पद बना रहना तय

भाषा। मुंबई

देश की सबसे अमीर नगरपालिका के चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार नहीं उतारने के निर्णय के बाद शिवसेना के पास मुंबई महापौर का पद बने रहना सोमवार को लगभग तय हो गया है।

शिवसेना की उम्मीदवार किशोरी पेडणेकर ने 22 नवम्बर को होने वाले महापौर पद के चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने का सोमवार को अंतिम दिन था। इससे पहले भाजपा विधायक आशीष शेलार ने कहा कि भाजपा मुंबई महापौर के चुनावों में अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के पास संख्या बल नहीं है और विपक्षी दलों के साथ शामिल होकर पार्टी अपनी विचारधारा के साथ समझौता नहीं करेगी।

शेलार ने दावा किया कि 2022 में भाजपा के पास संख्या होगी और पार्टी अपने बलबूते महापौर चुनाव में जीत दर्ज करेगी। शिवसेना ने भाजपा के समर्थन से बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में दो दशकों से अधिक समय तक शासन किया है। भाजपा के चुनाव नहीं लड़ने के फैसले से शिवसेना के महापौर पद पर कब्जा बरकरार रखने का मार्ग प्रशस्त हो गया। बीएमसी की कुल 227 सीटें है। इन पार्षदों द्वारा महापौर का चुनाव किया जाता है। वर्तमान में शिवसेना के पास बीएमसी में 84 सदस्य है और भाजपा के पास 82 सदस्य है। वर्ष 2017 में भाजपा ने इस पद के लिए शिवसेना के विश्वनाथ महादेश्वर का समर्थन किया था।

प्रभादेवी से चार बार पार्षद रही पेडणेकर ने सोमवार को महापौर पद के लिए नामांकन दाखिल किया जबकि पार्षद मलाड सुहास वडकर ने उपमहापौर पद के लिए नामांकन दाखिल किया। गौरतलब है कि गत 21 अक्टूबर को महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव के परिणामों की घोषणा होने के बाद मुख्यमंत्री पद के बंटवारे को लेकर शिवसेना और भाजपा के बीच खींचतान चलती रही है और इस वजह से सरकार गठन में गतिरोध बना रहा।

शिवसैनिकों ने मेट्रो के खिलाफ किया प्रदर्शन, तीन गिरफ्तार

मुम्बई (भाषा)। शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को यहां मेट्रो- 3 परियोजना के निर्माण कार्य के खिलाफ प्रदर्शन किया और यहां एक ठेकेदार के वाहन को नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि दक्षिण मुम्बई के ठाकुरद्वार पर प्रदर्शन के दौरान उत्पात मचाने और अन्य आरोपों को लेकर शिवसेना के तीन कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। ए लोग 33.5 किलोमीटर लंबे भूमिगत कॉरीडोर के निर्माण कार्य के चलते लोगों को हो रही परेशानियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रणय अशोक ने पीटीआई भाषा से कहा, हमने शिवसेना के तीन कार्यकर्ताओं को धाराओं-146 (दंगा फैलाना), 336 (दूसरों की जिंदगी खतरे में डालना) और 337 (किसी अन्य की जिंदगी खतरे में डालकर उसे चोट पहुंचाना)समेत भादंसं की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया है।

न्यायाधीश आर भानुमति उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम की सदस्य बनीं

भाषा। नई दिल्ली

भारत के प्रधान न्यायाधीश पद से न्यायाधीश रंजन गोगोई के सेवानिवृत्त होने के बाद उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम में नए सदस्य के तौर पर न्यायाधीश आर भानुमति शामिल होंगी। कॉलेजियम में उच्चतम न्यायालय के पांच सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश होते हैं।

न्यायाधीश भानुमति पिछले 13 वर्षों में न्यायाधीश रूमा पाल के बाद कॉलेजियम का हिस्सा बनने वाली दूसरी महिला होंगी। न्यायाधीश पाल 2006 में सेवानिवृत्त होने से पहले कॉलेजियम का सदस्य बनने वाली अभी तक की आखिरी महिला थीं। उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम में शीर्ष न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए चयन करने और नामों की सिफारिश करने के लिए सदस्य के तौर पर पांच सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश होते हैं। उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए लोगों के नामों की सिफारिश करने वाले कॉलेजियम में उसके सदस्यों के तौर पर उच्चतम न्यायालय के तीन सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश होते हैं।

सीजेआई के तौर पर 17 नवंबर को न्यायाधीश गोगोई की सेवानिवृत्ति के साथ ही न्यायाधीश भानुमति उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के वरिष्ठता क्रम में पांचवें नंबर पर आ गई हैं और इससे वह स्वत: ही कॉलेजियम का हिस्सा बन जाएंगी। भारत के नए प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे के अलावा न्यायाधीश एन वी रमन, न्यायाधीश अरुण मिश्रा, न्यायाधीश आर एफ नरीमन और न्यायाधीश भानुमति कॉलेजियम का हिस्सा होंगे। न्यायाधीश भानुमति 1988 में तमिलनाडु में जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनी थीं। उनकी तीन अप्रैल 2003 को मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के तौर पर पदोन्नति की गई।

भाजपा ने कांग्रेस विधायक पर लगाया बार-बार जाति बदलकर चुनाव लड़ने का आरोप

भोपाल (भाषा)। कांग्रेस के विधायक जयपाल सिंह जज्जी पर विभिन्न चुनावों में जाति बदलने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने सोमवार को कहा कि वह उन्हें अयोग्य कराने के लिए चुनाव आयोग और उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी। प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता दीपक विजयवर्गीय ने कहा, हम जज्जी को विधानसभा सदस्यता (विधायक) से अयोग्य कराने के लिए चुनाव आयोग और उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अशोक नगर से कांग्रेस विधायक जज्जी ने राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए अलग-अलग चुनावों में अपनी जाति बदली।

नई दिल्ली में सोमवार को एक बैठक के दौरान भूटान के विदेश मंत्री के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

क्विक न्यूज

सांभर झील में आठ दिनों में लगभग 17000 प्रवासी पक्षियों की मौत

जयपुर (भाषा)। राजस्थान के जयपुर, नागौर और अजमेर जिलो मे फैली सांभर झील मे पिछले आठ दिनो मे लगभग 17000 प्रवासी पक्षियों की मौत हो चुकी है। जयपुर जिला कलेक्टर जगरूप सिंह यादव ने बताया कि पक्षियो की मौत संभवतया बोटुलिज्म के कारण हुई है। बोटुलिज्म का अर्थ है मृत पक्षियो के जीवाणुओ से पक्षियो मे पनपी अपंगता। मुख्य वन्यजीव संरक्षक अरिंदम तोमर ने सोमवार को बताया कि मृत पक्षियो की संख्या मे वृद्धि हुई है और दस नवम्बर से यह संख्या लगभग 17000 तक पहुंच गई है। उन्होने बताया कि मृत पक्षियो के कंकालो को नष्ट कर दिया गया है। जयपुर मे अब तक 8500 पक्षियो की मौत हो चुकी है। नार्थन शोवलर्स, रूडी शेलडक, प्लोवर्स, एवोसेट्स सहित कई प्रवासी पक्षियो की सांभर झील मे मौत हो चुकी है। अधिकारियो ने पक्षियो की मौत बर्ड फ्लू के कारण होने से इंकार किया है। उल्लेखनीय है कि नमक के लिए दुनियाभर मे प्रसिद्ध सांभर झील के इलाके मे पिछले कुछ दिनो मे कई सौ प्रवासी पक्षियो की मौत हो चुकी है।

खादी ग्रामोद्योग के तीन करोड़ रुपए के घोटाले में मामला दर्ज

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) की रांची इकाई के कुछ अधिकारियो द्वारा अज्ञात लोगो को करीब तीन करोड़ रुपए जारी करने के मामले मे जांच शुरू कर दी है। यह मामला 2016 से 2018 के बीच का है और सबसे पहले आंतरिक जांच मे यह गड़बड़ी सामने आई। इस संबंध मे जांच एजेंसी ने चार व्यक्तियो तथा एक कंपनी के खिलाफ मामले दर्ज किए है। सीबीआई द्वारा रांची की विशेष अदालत मे दायर मामले मे केवीआईसी के तत्कालीन उप निदेशक आर बी राम (अब मृत्यु हो चुकी है) और कार्यकारी सुनील कुमार ने कथित रूप से कुछ लोगो के साथ मिलकर साजिश रची और सामान्य वित्तीय नियमो (जीएफआर) सहित कंपनी की प्रक्रियाओ का उल्लंघन करते हुए संदिग्ध इकाइयो के लोगो को 2.85 करोड़ रुपए जारी किए। सीबीआई ने केवीआईसी के एक वरिष्ठ अधिकारी की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। केवीआईसी सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रम मंत्रालय के तहत काम करता है। करीब 1.57 करोड़ रुपए की राशि खादी सुधार और विकास कार्यक्रम, मधु मिशन, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत खर्च की जानी थी। यह राशि चेन्नई की दो कंपनियो को जारी कर दी गई। इसी तरह केवीआईसी ने साजसज्जा मे सुधार, प्रचार और भंडार प्रबंधन के नाम पर रखी गई 42.60 लाख रुपए की राशि एक व्यक्ति को जारी कर दी।

ग्रामीण विद्युतीकरण घोटाले में कोड़ा की याचिका पर सुनवाई टली

रांची (भाषा)। झारखंड उच्च न्यायालय मे राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण घोटाला मामले मे झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की मामले को खारिज करने की याचिका पर सुनवाई सोमवार को समयाभाव के कारण टल गई। झारखंड उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति अनुभा रावत चैधरी की पीठ मे पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थी। लेकिन समय की कमी के चलते मामले मे सुनवाई नही हो सकी।मधु कोड़ा एवं उनके सहयोगी विनोद सिन्हा ने उच्च न्यायालय मे क्वैशिंग (निरस्तीकरण) याचिका दाखिल की है।

अदालत ने फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रवर्तक मलविंदर सिंह की ईडी हिरासत बढ़ाई

आरएफएल मामला

भाषा। नई दिल्ली

यहां की एक अदालत ने धनशोधन मामले में फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रवर्तक मलविंदर सिंह और रेलीगेयर इंटरप्राइजेज लिमिटेड के पूर्व सीएमडी सुनील गोधवानी की ईडी हिरासत की अवधि सोमवार को 23 नवम्बर तक बढ़ा दी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रेलीगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड (आरएफएल) के कोष के कथित गबन के संबंध में धनशोधन का मामला दर्ज किया था। विशेष न्यायाधीश संदीप यादव ने एजेंसी के विशेष लोक अभियोजक नीतेश राणा द्वारा पेश की गई एक याचिका पर दोनों आरोपियों की ईडी हिरासत की अवधि बढ़ाई। अपनी याचिका में ईडी ने सिंह और गोधवानी से पूछताछ के लिए उनकी 11 और दिन की हिरासत मांगी थी। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलों पर विचार करते हुए कहा कि प्रभावी और सार्थक जांच के लिए आरोपियों को हिरासत में लेकर और पूछताछ किए जाने की जरूरत है। न्यायाधीश ने कहा, इसलिए आरोपियों को 23 नवम्बर तक ईडी की हिरासत में भेजा जाता है।

आरोपियों को हिरासत में भेजे जाने का अनुरोध करते हुए ईडी ने अदालत को बताया कि आरोपियों का उन लोगों के साथ आमना-सामना कराना है जिन्होंने जांच के दौरान सबूतों का खुलासा किया था। राणा ने अदालत को बताया, अन्य संबंधित व्यक्तियों को सम्मन जारी किए गए हैं और अगले कुछ दिनों में आरोपियों का इन लोगों से आमना-सामना कराना है। आरोपियों ने उनके समक्ष रखे गए विभिन्न प्रश्नों के अस्पष्ट उत्तर दिए है। आरोपी लोगों ने इस याचिका का विरोध किया और कहा कि ईडी पहले ही पर्याप्त समय तक उनसे पूछताछ कर चुकी है। ईडी ने सिंह और गोधवानी को धनशोधन मामले में 14 नवम्बर को गिरफ्तार किया था। मामले से जुड़े एक वकील ने बताया कि ईडी ने दोनों आरोपियों को 14 नवम्बर को यहां जेल के भीतर अपनी हिरासत में लिया था जहां वे कथित घोटाले के संबंध में दिल्ली पुलिस द्वारा दायर एक मामले में बंद है।

नीतीश कुमार से निकटता के कारण शायद कटा टिकट : सरयू राय

● रघुवर दास के खिलाफ नामांकन पत्र दाखिल किया

भाषा। जमशेदपुर

झारखंड के पूर्व मंत्री सरयू राय ने सोमवार को कहा कि भाजपा द्वारा उन्हें टिकट नहीं देने की एक वजह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ उनकी नजदीकी हो सकती है। राय जमशेदपुर (पूर्व) सीट से मुख्यमंत्री रघुबर दास के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने सोमवार को नामांकन पत्र भी दाखिल कर दिया।

राय ने पीटीआई-भाषा से कहा, उम्मीदवारों की सूची को मंजूरी देने वाले भाजपा संसदीय बोर्ड के कम से कम तीन सदस्यों ने मुझे बताया कि नीतीश कुमार द्वारा 2017 में मेरी पुस्तक का विमोचन किए जाने को लेकर कड़ी नाराजगी जताई गई और संभवत: यही मुझे टिकट नहीं दिए जाने का एक कारण बना। राय ने कहा कि वह इसे समझ नहीं पा रहे हैं क्योंकि नीतीश ने 2017 में एक बार फिर भाजपा से हाथ मिलाकर बिहार में राजग सरकार का गठन किया। राय के दावे पर भाजपा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बिहार के मुख्यमंत्री से निकटता के कारण टिकट दिए जाने से मना करने के राय के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर भाजपा के प्रदेश महासचिव दीपक प्रकाश ने कहा, मैं इस पर टिप्पणी नहीं कर सकता क्योंकि यह पार्टी के संसदीय बोर्ड का फैसला है। राय ने कहा, मेरी पुस्तक गैर-राजनीतिक विषय पर थी और नीतीश कुमार से इसका विमोचन कराना कोई अपराध नहीं है। राय ने झारखंड के मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और उन्होंने जमशेदपुर (पूर्व) सीट से मुख्यमंत्री रघुबर दास के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया। उन्होंने कहा, यह (कुमार द्वारा पुस्तक का विमोचन) भाजपा द्वारा मुझे टिकट नहीं दिए जाने का एक कारण हो सकता है।

कुमार ने दिसंबर 2017 में पटना में किताब समय का लेख का विमोचन किया था। राय ने दावा किया कि जद(यू) के साथ ही झामुमो ने चुनाव में उनका समर्थन करने का वचन दिया है। नीतीश कुमार की पार्टी जद(यू) झारखंड चुनाव में अकेले चुनाव लड़ रही है। रघुवर दास के खिलाफ राय के मैदान में उतरने से जमशेदपुर (पूर्व) सीट पर चुनाव दिलचस्प हो गया है। दास ने 1995 में इस सीट पर पहली बार जीत हासिल की थी। वह छठी बार जीत के लिए यहां से किस्मत आजमा रहे हैं। जमशेदपुर (पूर्व) सीट से दास ने भाजपा उम्मीदवार के तौर पर नामांकन पत्र दाखिल किया वहीं राय ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर परचा दाखिल किया है।

आईआईटी-एम के दो छात्र भूख हड़ताल पर बैठे

फातिमा आत्महत्या मामला

भाषा। चेन्नई

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास की छात्रा फातिमा लतीफ के आत्महत्या के मामले में संस्थान के दो छात्रों ने सोमवार को अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ शिक्षकों के आचरण के खिलाफ आंतरिक जांच की मांग की। गौरलतब है कि मानविकी में प्रथम वर्ष की छात्रा फातिमा लतीफ ने नौ नवंबर को छात्रावास में आत्महत्या कर ली थी। छात्रा के परिवार ने आईआईटी-मद्रास के संकाय के एक वरिष्ठ सदस्य पर उसे आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था। जांच केंद्रीय अपराध शाखा को सौंप दी गई है।

मानविकी के अंतिम वर्ष के छात्र अजहर मोइदीन और इसी विषय में पीएचडी कर रहे जस्टिन जोसेफ ने आज हाथ में तख्तियां लिए भूख हड़ताल शुरू की और आंतरिक जांच, निष्पक्ष और बिना पूर्वाग्रह के जांच और शिकायत निवारण समिति का गठन करने की भी मांग की। अजहर ने पीटीआई-भाषा से कहा, हमारी प्रमुख मांग संकाय सदस्य के आचरण के खिलाफ आंतरिक जांच करना है। फतिमा के परिवार ने भी आईआईटी के निदेशक को लिखे पत्र में संकाय सदस्यों के आचरण को लेकर आंतरिक जांच की मांग की है और हम उनकी मांगों का समर्थन कर रहे हैं। इसके साथ ही अन्य मांगें भी हैं। प्रबंधन के उन्हें बातचीत के लिए बुलाने के सवाल पर उन्होंने कहा, उन्होंने हमसे मिलने की इच्छा जाहिर की है, उनके समय तय करने के बाद हम उनसे मुलाकात करेंगे।

विपक्षी पार्टियों ने भी सरकार पर दबाव बढ़ाया है। छात्रा के पिता ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी और राज्य पुलिस प्रमुख से मुलाकात भी की थी। वहीं आईआईटी-एम ने कहा है कि वह पुलिस जांच में पूर्ण सहयोग करेंगे और सभी संबंधितों पक्षों से अपील की कि वे संस्थान के बारे में कोई अफवाह न फैलाएं और जांच पूरी होने दें। इस बीच, पुलिस से जुड़े सूत्रों ने संकेत दिया कि मामले में पूछताछ जारी है लेकिन इस पर विस्तृत जानकारी नहीं दी।

भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों ने संस्थान के अंदर छात्रों के समक्ष पेश होने वाली परेशानियों पर एक आंतरिक सर्वेक्षण कराने की अपील भी की है, जिसकी छात्र परिषद में सर्वसम्मति से पारित एक प्रस्ताव में मांग की गई थी। उसने एक बयान में कहा, प्रशासन के हमारी सभी मांगें जल्द से जल्द पूरी करने का ई-मेल सभी छात्रों को भेजने के बाद ही हम भूख हड़ताल खत्म करेंगे।

आईआईटी-मद्रास के दो छात्रों-अजहर मोइदीन और जस्टिन जोसेफ ने सोमवार को चेन्नई में 19 वर्षीय छात्रा फातिमा लतीफ की कथित आत्महत्या मामले में निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की

पाक ने राजौरी में एलओसी के पास संघर्षविराम का किया उल्लंघन

भाषा। जम्मू

पाकिस्तानी सैनिकों ने सोमवार को जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में अग्रिम चौकियों और एलओसी के पास के गांवों पर मोर्टार से गोले दागकर संघर्षविराम का उल्लंघन किया। एक रक्षा प्रवक्ता ने इस बारे में बताया। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू कश्मीर के राजौरी, पुंछ, कुपवाड़ा जिले के गांवों और अग्रिम चौकियों पर गोलाबारी कर संघर्षविराम का उल्लंघन किया। प्रवक्ता ने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने बिना किसी उकसावे के सुंदरबनी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास शाम सवा चार बजे से छोटे हथियारों से गोलीबारी कर और मोर्टार से गोले दागकर संघर्षविराम का उल्लंघन किया। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना ने इसका करारा जवाब दिया है। पाकिस्तान की तरफ से रविवार को केरनी और पुंछ के कस्बा इलाके में मोर्टार से गोले दागे गए थे। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान रेंजर्स ने देर रात कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अग्रिम चौकियों पर गोलीबारी की। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ऐसी हरकतें करता रहता है।

20 लाख रुपए का मुआवजा, सरकारी नौकरी का भरोसा मिलने के बाद संगरूर में दलित प्रदर्शन खत्म

भाषा। चंडीगढ़

निर्ममतापूर्वक पिटाई और मूत्र पीने के लिए विवश किए गए 37 वर्षीय दलित जगमेल सिंह की मौत के बाद पंजाब के संगरूर जिले में जारी प्रदर्शन सोमवार को पंजाब सरकार की मदद की पेशकश के बाद खत्म कर दिया गया।

पंजाब सरकार ने मृतक की पत्नी को 20 लाख रुपए मुआवजा और उसके बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने का वादा किया, जिसके बाद ही यह प्रदर्शन खत्म किया गया। लेहरा-सूनाम रोड को अवरुद्ध करते हुए प्रदर्शनकारियों ने मृतक के परिजन को सरकारी नौकरी और उनके परिवार को 50 लाख रुपए मुआवजा दिए जाने की मांग की थी। गौरतलब है कि चांगलीवाला गांव के रहने वाले इस दलित व्यक्ति का 21 अक्टूबर को रिंकू नाम के व्यक्ति और कुछ अन्य व्यक्तियों के साथ विवाद हुआ था, लेकिन ग्रामीणों के हस्तक्षेप से मामला सुलझ गया था। इसके बाद सात नवंबर को रिंकू ने उसे अपने घर बुलाया और इस मामले को लेकर उससे बहस की और उस दौरान चार लोगों ने उसे एक खंभे से बांधकर लोहे की छड़ से पीटा और जब उसने पानी मांगा, तो उसे मूत्र पीने के लिए मजबूर किया गया। दलित ने गत शनिवार को पीजीआईएमईआर में दम तोड़ दिया था।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के राजनीतिक सचिव संदीप संधू ने कहा कि अनुसूचित जाति जनजाति अधिनियम के तहत दिए गए 8.15 लाख रुपए सहित मृतक के परिजन को कुल 20 लाख रुपए बतौर मुआवजा दिए जाएंगे। संधू ने यहां मृतक के परिवार से मिलने के बाद कहा कि जगमेल के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी दी जाएगी। इस बीच, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रैंक के एक अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में भी जांच की जाएगी कि मामले में पुलिस की ओर से तो कोई चूक नहीं हुई और सभी चार आरोपियों के खिलाफ सात दिन के भीतर चालान भी जारी कर दिया जाएगा। सरकार मृतक के बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी उठाएगी। उन्होंने कहा कि घर की मरम्मत के लिए 1.25 लाख रुपए भी दिए गए हैं। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) और भाजपा ने मामले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि राज्य में जंगल राज चल रहा है।

राज्यसभा में सदस्यों ने कहा जेटली की कमी खलेगी

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्यसभा में सोमवार को पूर्व वित्त मंत्री तथा उच्च सदन के पूर्व नेता अरुण जेटली का जिक्र करते हुए सदस्यों ने कहा कि सदन में उनकी कमी बहुत खलेगी। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन आज, उच्च सदन में जेटली तथा अन्य वर्तमान सदस्य राम जेठमलानी एवं तीन पूर्व सदस्यों जगन्नाथ मिश्र, सुखदेव सिंह लिबरा एवं गुरदास दासगुप्ता को श्रद्धांजलि दी गई। बैठक दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। राष्ट्रगान की धुन बजाए जाने के साथ बैठक की शुरुआत हुई। इसके बाद सभापति ने जेटली, जेठमलानी, मिश्र, लिबरा एवं दासगुप्ता के निधन का जिक्र किया। जेटली को एक उत्कृष्ट राजनीतिज्ञ बताते हुए नायडू ने कहा कि उनकी प्रखर मेधा हर क्षेत्र में जाहिर होती थी। हर विषय पर गहरा ज्ञान रखने वाले जेटली ने न केवल समय समय पर सरकार के लिए संकट मोचक की भूमिका निभाई बल्कि कई अहम विधाई कामकाज संपन्न कराने में और सदन की गरिमा बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

नायडू ने कहा कि पेशे से अधिवक्ता जेटली अप्रैल 2000 से 24 अगस्त 2019 को उनके निधन तक उच्च सदन के सदस्य रहे। 66 वर्षीय जेटली ने विभिन्न मंत्रालयों का प्रभार संभाला और जीएसटी, बेनामी कानून, दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता संबंधी विधेयकों के पारित होने में तथा रेल बजट का आम बजट में विलय करने में अहम भूमिका निभाई। उच्च सदन के वर्तमान सदस्य राम जेठमलानी के निधन का जिक्र करते हुए नायडू ने कहा कि प्रख्यात कानूनविद रहे जेठमलानी छह बार उच्च सदन में कर्नाटक, राजस्थान, बिहार का प्रतिनिधित्व किया।

जेठमलानी का आठ सितंबर को 95 साल की उम्र में निधन हो गया था। जगन्नाथ मिश्र का जिक्र करते हुए सभापति ने कहा कि आचार्य विनोबा भावे के भूदान आंदोलन से जुड़े रहे मिश्र अर्थशास्त्र के प्राध्यापक थे और उर्दू को बढ़ावा देने में उनका योगदान था। मिश्र का 19 अगस्त को 82 साल की उम्र में निधन हो गया था। उच्च सदन में अप्रैल 1988 से दो बार बिहार का प्रतिनिधित्व किया था। गुरदास दासगुप्ता और सुखदेव सिंह लिबरा का भी जिक्र किया और कहा कि गरीबों, दलितों और पिछड़े वर्गों की आवाज उठाने वाले इन नेताओं ने अपने अपने स्तर पर राजनीति में अमिट छाप छोड़ी।

गुरदास दासगुप्ता का 31 अक्टूबर को 82 साल की उम्र में और लिबरा का छह सितंबर को 86 साल की उम्र में निधन हो गया था। लिबरा ने जुलाई 1988 से मई 2004 तक उच्च सदन में पंजाब का और दासगुप्ता ने मार्च 1985 से अप्रैल 2000 तक तीन बार पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व किया था। सदन के नेता थावरचंद गहलोत ने कहा कि जेटली का निधन उनके लिए निजी क्षति है। सदन में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य गुलाम नबी आजाद ने कहा कि सदस्यों के साथ जेटली के मधुर रिश्ते सदन के गर्मागर्म माहौल में विभिन्न मुद्दों पर उपजी कड़वाहट को मिठास में बदल देते थे। हमने मीडिया के साथ इतने अच्छे संबंध रखने वाला मंत्री और नेता नहीं देखा। जेटली अपने जीवनकाल के आखिरी समय में बीमार थे लेकिन मीडिया तथा दोस्तों के साथ उनके रिश्तों में कोई कमी नहीं आई।

आजाद ने कहा कुछ लोगों के जाने से केवल पार्टी को ही नहीं बल्कि पूरे देश को नुकसान होता है। तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि राजनीतिक मतभेद चाहे कितने ही रहें, संसद में आने वाले नए सांसदों के लिए जेटली से बेहतर परामर्शदाता और कोई नहीं मिल सकता था। मीडिया के साथ खास रिश्तों के चलते एक बार उन्होंने जेटली को प्लान्टेशन मैनेजर कहा था और जेटली ने उनकी इस टिप्पणी को मुस्कुराते हुए, सकारात्मक तरीके से लिया था। जेठमलानी का जिक्र करते हुए आजाद ने कहा शायद जेठमलानी एकमात्र वकील और खिलाड़ी थे जो 90 साल से अधिक उम्र होने के बाद भी वकालत करते थे और जिंदादिली से खेलते थे। राकांपा के शरद पवार ने कहा जिन नेताओं को आज मैं श्रद्धांजलि दे रहा हूं, उन सभी के साथ मुझे कभी न कभी काम करने का अवसर मिला था। इन नेताओं की अपनी अपनी विशेषता थी और अपने अपने स्तर पर इन नेताओं ने लोगों की सेवा की।

शिवसेना के संजय राउत ने कहा कि जेटली के निधन से उनकी पार्टी का भी गहरा नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा जेटली से हमने सीखा कि रिश्ते कैसे निभाए जाते हैं। भाजपा के जे पी नड्डा ने जेटली को मृदुभाषी, ज्ञान का भंडार एवं विशाल व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि पार्टी की विचारधारा की स्वीकार्यता बढ़ाने में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। राम जेठमलानी की खासियत यह थी कि वह विरोधी वातावरण में भी अपनी बात पूरे तर्क के साथ रखते थे। कांग्रेस के आनंद शर्मा ने कहा मृदुभाषी जेटली का स्वभाव ऐसा था कि वैचारिक मतभेद कभी मनभेद में नहीं बदले। दूसरों को साथ लेकर चलने की अरुण जेटली की क्षमता न होती तो सरकार के कई काम आसानी से नहीं होते। सपा के रामगोपाल यादव, अन्नाद्रमुक के नवनीत कृष्णन, बीजद के प्रसन्न आचार्य, जदयू के रामचंद्र प्रसाद सिंह, टीआरएस के डॉ केशव राव, माकपा सदस्य टी के रंगराजन, द्रमुक के तिरूचि शिवा, बसपा के वीर सिंह, वाईएसआर कांग्रेस के विजय साई रेड्डी, एमडीएमके सदस्य वाइको, आरपीआई के रामदास अठावले, भाकपा सदस्य विनय विश्वम और राजद के मनोज कुमार झा ने भी दिवंगत नेताओं के बारे में अपने अपने विचार व्यक्त किए।

श्रीनगर में सार्वजनिक परिवहन की गाड़ियां सडकों पर बढ़ी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में सोमवार को सार्वजनिक परिवहन सेवा में काफी सुधार देखने को मिला। वहीं राज्य का विशेष राज्य का दर्जा खत्म करने के केंद्र के फैसले के खिलाफ लंबे बंद के बाद घाटी में जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य होने की ओर बढ़ रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, समूचे कश्मीर में सार्वजनिक परिवहन के कई माध्यम बहाल हो गए हैं। मिनी बसों ने कई मार्गों पर चलना शुरू कर दिया है। जिलों के अंदर और अन्य जिलों के बीच संपर्क में भी खासा सुधार हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि जिलों के बीच में कैब सेवा पहले से ही चल रही थी लेकिन पिछले कुछ दिनों में समूची घाटी में जिलों के अंदर भी कैब सेवा में खासा इजाफा हुआ है। पुलिस ने सड़क किनारे रेहड़ी लगाने वालों पर कार्रवाई की है। वे रोज टीआरसी चौक-लाल चौक पर रेहड़ी लगाते थे। शहर में यातायात जाम की समस्या को देखते हुए रेहड़ी वालों को सोमवार को खड़े होने की इजाजत नहीं दी गई।

बेंगलुरू में कर्नाटक के शिक्षामंत्री सुरेश कुमार उप चुनाव में महालक्ष्मी लेआउट विस क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी के गोपालइया के समर्थन में रोड शो करते हुए

जम्मू कश्मीर में जल्द ही निवेशक सम्मेलन आयोजित होगा: मुर्मू

एजेंसी। गांदेरबल

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल जी सी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि निवेशक शिखर सम्मेलन जल्द ही आयोजित किया जाएगा ताकि इस केन्द्र शासित प्रदेश के विकास और युवाओं के वास्ते रोजगार के अवसरों को पैदा करने के लिए यहां निवेश आकर्षित किया जा सके।

अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को हटाए जाने के बाद पहले इस सम्मेलन को टाल दिया गया था। मुर्मू ने कहा कि जम्मू और कश्मीर के युवाओं के लिए लगभग 30,000 से 40,000 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने निवेशक सम्मेलन को सफल बनाने के लिए लोगों का सहयोग मांगा।

उपराज्यपाल ने कहा, हम यहां निवेश आकर्षित करना चाहते हैं ताकि लोगों को रोजगार मिल सके और इसका संपूर्ण विकास हो सके। इसलिए हम निवेशक सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी कर रहे है जिसे जल्द ही आयोजित किया जाएगा। इसके लिए हम लोगों का सहयोग चाहते हैं और पुलिस की इसमें एक बड़ी भूमिका रहेगी।

वह यहां मणिगाम में पुलिस प्रशिक्षण स्कूल में जम्मू-कश्मीर पुलिस के नए भर्ती हुए।,145 कर्मियों की पासिंग आउट परेड को संबोधित कर रहे थे।

पहले यह निवेशक शिखर सम्मेलन अगस्त में आयोजित होना था लेकिन संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हटाए जाने के बाद घाटी में बंद के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। उपराज्यपाल ने कहा कि सरकार का उद्देश्य क्षेत्र की सुरक्षा और विकास करना है ताकि लोग शांति से रह सके।

शिवसेना ने किसानो के लिए मामूली आर्थिक सहायता को लेकर भाजपा पर साधा निशाना

मुंबई। शिवसेना ने बेमौसम बारिश से किसानों की नष्ट हुई फसल के लिए महाराष्ट्र के राज्यपाल द्वारा घोषित मामूली वित्तीय सहायता के लिए सोमवार को भाजपा पर निशाना साधा। भाजपा कुछ दिन पहले तक शिवसेना की सहयोगी थी। राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने जिन किसानों की खरीफ की फसल को नुकसान पहुंचा उन्हें राहत पहुंचाने के लिए दो हेक्टेयर तक प्रति 8,000 रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी। बागवानी और बारहमासी फसलों के लिए दो हेक्टेयर तक प्रति हेक्टेयर 18,000 रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी। शिवसेना ने अपनी पार्टी के मुखपत्र सामना में कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने मामूली राहत से राज्य के प्रभावित किसानों को निराश किया है। संपादकीय में कहा गया है, महाराष्ट्र के किसान यह उम्मीद कर रहे थे कि राज्यपाल उनके लिए बड़े राहत पैकेज की घोषणा करेंगे।

भाजपा ने सीट बंटवारा समझौता नहीं होने के लिए आजसू पार्टी पर मढ़ा दोष

एजेंसी। जमशेदपुर

झारखंड विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारा समझौता नहीं हो पाने के लिए भाजपा ने सोमवार को राजग के घटक आजसू पार्टी पर ठीकरा फोड़ा। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष लक्ष्मण गिलुआ ने दावा किया कि दो-तीन सीटों को छोड़कर आजसू पार्टी से भाजपा की चुनावी संभावनाओं को कोई नुकसान नहीं होगा।

गिलुआ ने पीटीआई-भाषा से कहा, भाजपा ने 2014 के विधानसभा चुनाव में आजसू को आठ सीटें दी थी। इस बार पार्टी 13-14 सीटों पर विचार करने के लिए तैयार थी, लेकिन आजसू के अध्यक्ष सुदेश महतो 18 से 22 सीटों के अपने दावे पर अड़े हुए थे।

आजसू प्रमुख सुदेश महतो ने पूर्व में कहा था कि भाजपा के विचार के लिए उनकी पार्टी ने 17 उम्मीदवारों की सूची दी थी। गिलुआ ने आजसू पार्टी के क्षेत्रीय दर्जे का हवाला देते हुए कहा, भाजपा राष्ट्रीय पार्टी है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए। उन्हें आनुपातिक रूप से सीटों पर सहमत होना चाहिए था।

भाजपा ने 30 नवंबर से 23 दिसंबर के बीच पांच चरण में होने वाले चुनाव के लिए अब तक 73 उम्मीदवारों की घोषणा की है। दूसरी तरफ आजसू 81 सदस्ईय विधानसभा के लिए अब तक 27 उम्मीदवारों की सूची जारी कर चुकी है। अब तक जारी सूची के मुताबिक, राजग के भागीदारों के बीच 19 निर्वाचन क्षेत्रों में मुकाबला होगा। हालांकि, दोनों ओर से आधिकारिक तौर पर यह नहीं कहा गया कि क्या दोनों पार्टियों की राहें अलग हो चुकी हैं। ऐसे में चुनाव पश्चात गठबंधन की संभावना खुली हुई है।

कूच बिहार में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करती हुईं

एनआरसी की तरह कैब वैध नागरिकों को शरणार्थी बनाने का एक और जाल है: ममता

एजेंसी। कूचबिहार

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विवादास्पद नागरिकता (संशोधन) विधेयक (कैब), 2019 लाए जाने की योजना के लिए सोमवार को केन्द्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह प्रस्तावित विधेयक बंगालियों और हिंदुओं को देश के वैध नागरिकों के रूप में बाहर करने के लिए एनआरसी की तरह एक और जाल है।

संसद के सोमवार से शुरू हुए शीतकालीन सत्र में कैब, 2019 को लाए जाने की उम्मीद है। लोकसभा द्वारा आठ जनवरी को इस विधेयक को पारित किए जाने के बाद इसे राज्यसभा में पेश नहीं किया गया था और लोकसभा भंग होने के कारण इस विधेयक की अवधि समाप्त हो गई थी।

उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार करने में विफल रहने के लिए भी केन्द्र की आलोचना की। बनर्जी ने कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए कदम उठाने के बजाय एयर इंडिया जैसे सार्वजनिक उपक्रमों को बेचने में दिलचस्पी ले रही है।

बनर्जी ने कहा, केन्द्र कैब को लाने की योजना बना रही है लेकिन मैं आपको बता दूं कि यह एनआरसी की तरह एक और जाल है। यह वैध नागरिकों की सूची से बंगालियों और हिंदुओं को बाहर करने और उन्हें अपने ही देश में शरणार्थी बनाने की एक साजिश है।

इस विधेयक के कानून बनने के बाद बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई धर्म के मानने वाले अल्पसंख्यक समुदायों को सात साल भारत में गुजारने पर और बिना उचित दस्तावेजों के भी भारतीय नागरिकता मिल सकेगी। बनर्जी ने कहा, हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद हमने कूचबिहार जिले में शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करने के लिए कई कदम उठाए थे। लेकिन हमने कभी भी कोई शर्त नहीं लगाई कि उन्हें इस देश में छह साल तक रहना होगा।

बाढ़ से हुए नुकसान के लिए केन्द्र सरकार ने अब तक फूटी कौड़ी भी नही दी : भनोत

भोपाल। मध्य प्रदेश के वित्त मंत्री तरूण भनोत वर्मा ने सोमवार को भाजपा नीत केन्द्र सरकार पर मध्य प्रदेश की कांग्रेस नीत सरकार के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि हाल ही में मानसून के दौरान प्रदेश में बाढ़ से हुए नुकसान के लिए केन्द्र सरकार ने अब तक राज्य को एक फूटी कौड़ी भी नहीं दी है। भनोत ने बताया, इस साल मानसून के दौरान हुई भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से मध्य प्रदेश में बिहार एवं कर्नाटक से ज्यादा नुकसान हुआ। लेकिन बार-बार अनुरोध करने के बाद भी केन्द्र सरकार ने वित्तीय सहायता के रूप में अब तक मध्य प्रदेश को एक फूटी कौड़ी भी नहीं दी है। वहीं, दूसरी ओर केन्द्र सरकार ने बिहार एवं कर्नाटक को वित्तीय सहायता मुहैया करा दी है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। केन्द्र को सभी राज्यों के साथ एक जैसा व्यवहार करना चाहिए। बिहार में जनता दल (यूनाइटेड)-भाजपा की गठबंधन वाली सरकार है, जबकि कर्नाटक में भाजपा का शासन है। भनोत ने कहा, बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने केन्द्रीय सर्वेक्षण की टीमें पहले ही दो बार मध्य प्रदेश को दौरा कर चुकी हैं। अब तक केन्द्र से कोई मदद हमें नहीं मिला है। अब सर्दी का मौसम भी शुरू हो गया है। हम अब भी वित्तीय मदद की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हमने केन्द्र से 1100 करोड़ रूपए से अधिक की वित्तीय सहायता उपलब्ध करने की मांग की है। भनोत ने बताया, मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मध्य प्रदेश में आई बाढ़ के लिए सहायता प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात भी की थी। भनोत ने कहा कि हमारे लिए बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई करना आसान नहीं है, क्योंकि जीएसटी लागू होने के बाद हमारे पास धन जुटाने का कोई दूसरा विकल्प बचा नहीं है।

भाजपा निर्दलीय के तौर पर उपचुनाव लड़ने वाले बागी नेता को निष्कासित करेगी

बेंगलुरू। कर्नाटक में आगामी उपचुनाव के लिए टिकट बंटवारे पर बगावत करने वालों के खिलाफ कदम उठाते हुए सत्तारूढ़ भाजपा ने होसकोटे से निर्दलीय के रूप में चुनाव में उतरे बागी शरत बचेगौड़ा को निष्कासित करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा ने सोमवार को इसकी घोषणा करते हुए शरत बचेगौड़ा के पिता और चिकबल्लापुरा से भाजपा सांसद बी एन बचेगौड़ा के खिलाफ भी कार्वाई के संकेत दिए। शरत के पिता भी चुनाव के लिए प्रचार अभियान से दूरी बनाए हुए हैं। (शरत को निष्कासित करने पर) फैसला हो चुका है, उनके पार्टी में रहने का सवाल ही नहीं उठता है। एदियुरप्पा ने कहा कि शरत और उनके पिता को विश्वास में लेने के बाद ही कांग्रेस के निष्कासित विधायक एमटीबी नागराज को होसकोटे से टिकट दिया गया। नागराज हाल में भाजपा में शामिल हुए थे। नागराज के लिए प्रचार के बाद होसकोटे में संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने शरत के पिता बी एन बचेगौड़ा के खिलाफ भी कार्वाई के संकेत दिए। पार्टी से टिकट नहीं मिलने और नागराज को उतारे जाने के बाद शरत ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन पत्र दाखिल किया है। जद (एस) ने शरत का समर्थन किया है और कहा है कि वह होसकोटे से उम्मीदवार नहीं उतारेगी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पर टिप्पणी से नाराज अन्नाद्रमुक ने रजनीकांत पर साधा निशाना

चेन्नई। अभिनेता रजनीकांत ने कहा है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी ने इस पद पर पहुंचने के बारे में सपने में भी नहीं सोचा होगा और उन्होंने इस पद पर अन्नाद्रमुक नेता की पदोन्नति को चौंकाने वाला करार दिया। राजनीति में आने का ऐलान कर चुके अभिनेता के सामने 2021 में होने वाले अगले विधानसभा चुनावों की चुनौती है। उन्होंने राजनीति में अपने पदार्पण का संकेत देते हुए कहा, कल भी कुछ चौंकाने वाला हो सकता है। सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक ने इस बयान के बाद रजनीकांत पर निशाना साधते हुए कहा था कि मुख्यमंत्री इस पद पर किसी संयोग की वजह से नहीं पहुंचे हैं बल्कि जमीनी स्तर पर करीब 45 सालों तक कड़ी मेहनत की बदौलत वहां पहुंचे हैं।

प्रदेश के मत्स्य विकास मंत्री डी जयकुमार ने कहा कि 2021 में जो एकमात्र चौंकाने वाली चीज होगी वह यह कि तमिलनाडु के लोग उस साल तय चुनावों में एक बार फिर अन्नाद्रमुक को जनादेश देंगे। जयकुमार ने कहा कि सत्ताधारी दल को इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि उन्हें (संभवत: रजनीकांत) भरोसा है कि इससे उन्हें फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा, तमिलनाडु में 2021 में जो एकमात्र चौंकाने वाली चीज होगी वह यह कि अन्नाद्रमुक सत्ता में बनी रहेगी। प्रदेश में अगले विधानसभा चुनाव 2021 में होने हैं। रजनीकांत की फिल्म शिवाजी के एक लोकप्रिय संवाद का इस्तेमाल करते हुए जयकुमार ने कहा कि अन्नाद्रमुक एक शेर है जो अपने विरोधियों से एक हाथ से निपट लेगी।

अन्नाद्रमुक के प्रवक्ता आर एम बाबू गुरुगावेल ने कहा कि रजनीकांत को अभिनेता के तौर पर ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए बल्कि अपना राजनीतिक संगठन या पार्टी बनाने के बाद ही ऐसा करना चाहिए। फिल्म जगत में अपने समकालीन और मक्कल निधी मैयम के संस्थापक कमल हासन के सिनेमा उद्योग में 60 साल पूरा होने के अवसर पर रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में रजनीकांत ने यह भी कहा कि पलानीस्वामी ने अपनी सरकार के कम समय तक चलने के सभी दावों को झूठा साबित कर दिया। उन्होंने कहा, दो साल पहले, माननीय ईडापड्डी (पलानीस्वामी) ने तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनने के बारे में सोचा भी नहीं होगा...चौंकाने वाली चीजें होती हैं। पलानीस्वामी के नेतृत्व वाली सरकार के शुरुआती दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी ने ए पूर्वानुमान व्यक्त किया था कि सरकार ज्यादा वक्त तक नहीं चलेगी।

चिदंबरम ने जमानत याचिका खारिज करने के आदेश को दी चुनौती

नई दिल्ली। आईएनएक्स मीडिया धन शोधन मामले में तिहाड़ जेल में बंद पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने उनकी जमानत याचिका रद्द करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को सोमवार को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। प्रधान न्यायाधीश शरद अरविन्द बोबडे, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति सूर्य कांत की तीन सदस्ईय पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने चिदंबरम की याचिका का उल्लेख किया और इसे सुनवाई के लिए शीघ्र सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। पूर्व वित्त मंत्री करीब 90 दिन से जेल में बंद हैं। पीठ ने सिब्बल से कहा, हम देखेंगे और यह भी कहा कि जमानत याचिका मंगलवार या बुधवार को सुनवाई के लिए ली जाएगी। उच्च न्यायालय ने 15 नवंबर को चिदंबरम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि पहली नजर में उनके खिलाफ गंभीर किस्म के आरोप है।

विजयवाड़ा में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी राजभवन में राज्यपाल विश्वभूषण हरीचंदन को सम्मानित करते हुए

महाराष्ट्र का घटनाक्रम

शिवसेना-राकांपा की साझीदारी

महाराष्ट्र का घटनाक्रम तर्क व उम्मीदों के विपरीत होने के बावजूद नई राजनीति का प्रारम्भ हो सकता है। सत्ता का खेल वैचारिक व सांप्रदायिक विभाजन तोड़ता तथा स्थानीय उम्मीदों को देखते हुए बहुसंख्यकवाद के घमंड को चुनौती देता है। कांग्रेस-रांकापा गठबंधन के साथ शिवसेना के सरकार बनाने के प्रयास प्रदेश में भाजपा के बिना राजनीति के प्रयास हैं। सवाल है कि क्या यह परस्पर आशंकायें दूर कर अपने मतदाताओं को संतुष्ट कर सत्ता का साझा करेगा। लेकिन यह गठजोड़ बहुदलीय विमर्श में विश्वास पैदा कर सकता है जो एक पार्टी के प्रभुत्व से काफी बाधित हुआ है। भाजपा के मुख्यमंत्री उम्मीदवार देवेंद्र फडनवीस अपने सहयोगी शिवसेना की आधे कार्यकाल की मुख्यमंत्री शर्त नहीं स्वीकार कर सके हैं। लेकिन अब नया गठजोड़ उभरने के बाद वे दावा कर रहे हैं कि निर्दलीयों को मिला कर उनकी संख्या पूरी है। चाहे यह सच हो या नहीं, पर इसने दबाव पैदा किया है।

अनेक प्रकार से भाजपा उसी जाल में फंस रही है, जिसमें कभी कांग्रेस फंसी थी। वह अपने सहयोगियों व क्षेत्रीय नेताओं को कमजोर कर अपनी शक्ति बढ़ा रही है। राज्य में पैर जमाने का थोड़ा अवसर मिलने से कांग्रेस को खुशी होगी, पर इस समझौते से वह और सिकुड़ सकती है। कुल मिला कर अपने दुश्मन के दुश्मन, यानी आक्रामक हिंदुत्व वाली शिवसेना का समर्थन करने से उसका अल्पसंख्यक कार्ड प्रभावित हो सकता है। हालांकि, अतीत में वह शिवसेना के साथ सहज रही है तथा शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की ट्रेड यूनियनों से अपने विरोधियों का मुकाबला करने के साथ

आपातकाल व राष्ट्रपति उम्मीदवारों के लिए उसका समर्थन पाने में सफल रही। विद्रोही कांग्रेस नेता अब्दुल सत्तार शिवसेना के साथ जाकर भी जीतने में सफल रहे जिससे स्पष्ट है कि राज्य चुनावों में स्थानीय उम्मीदवार की मजबूती मुख्य तत्व है। चुनाव प्रचार में केन्द्रीय नेताओं के समर्थन के बिना कांग्रेसी विधायक चुनाव जीतने में सफल रहे हैं। ये विधायक नई सरकार का हिस्सा बनने के लिए बेताब हैं। यदि पार्टी उनकी बात नहीं मानती तो वे विरोधियों के साथ चले जाएंगे और राज्य में कांग्रेस का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा। लेकिन भाजपा को बाहर रखने के लिए शिवसेना का साथ भी एक समस्या है। एक राष्ट्रवादी पार्टी के रूप में कांग्रेस के पास कोई और विकल्प नहीं है। वह अपने सहयोगी व कद्दावर नेता शरद पवार को भी नाराज नहीं कर सकती है। भाजपा द्वारा कार्यकर्ताओं व नेताओं पर जांच एजेंसियों द्वारा अनेक हमलों के बावजूद उन्होंने महाराष्ट्र व देश की राजनीति में अपनी प्रासांगिकता सिद्ध की है। सभी पार्टियों से बातचीत की क्षमता के कारण वे माहिर रणनीतिकार व सुपर-सीएम सिद्ध हुए हैं। यह स्थिति पवार के लिए बहुत अच्छी है। वे उप-मुख्यमंत्री पद के साथ कुछ महत्वपूर्ण मंत्रालय ले सकते हैं, जबकि उनके ऊपर नेतृत्व का कोई बोझ नहीं होगा। इसके साथ ही वे शिवसेना के एकमात्र मित्र के रूप में उभरे हैं। शिवसेना स्वयं को पीड़ित की तरह पेश कर रही है जिसे 30 वर्ष से दबाया गया है। वह केवल महाराष्ट्र में अधिकार चाहती थी, जो भाजपा ने नहीं दिया था। बालासाहेब के निधन के बाद अब वह आदित्य ठाकरे या उनके पिता उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनवाना चाहती है। आदित्य की मुंबई में स्वीकार्यता है और उद्धव मराठी मानुस का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। लेकिन शिवसेना को रांकापा व कांग्रेस के सामने झुकना पड़ा है। नया भाजपा-विरोधी गठबंधन एक-दूसरे की आवश्यकताओं की पूर्ति के कारण सफल हो सकता है।

मुसलमानों का सशक्तीकरण आवश्यक

सरकार को मुस्लिम समुदाय का आर्थिक व सामाजिक सशक्तीकरण करना चाहिए ताकि वह समग्र सामाजिक सुधारों के लिए अपने उपयुक्त समाधान तलाश सके।

मोइन काज़ी
लेखक नीति आयोग की राष्ट्रीय समिति के सदस्य हैं)

मुस्लिम भारत की जनसंख्या में दूसरा सबसे बड़ा हिस्सा हैं। वे देश की जनसंख्या का लगभग 14 प्रतिशत, यानी लगभग 172 मिलियन हैं। लेकिन वे इतने हाशियाकृत हैं कि महत्वपूर्ण सार्वजनिक क्षेत्रों में उनकी उपस्थिति लगभग नगण्य है। मुस्लिम लगातार भयानक आर्थिक वंचना का शिकार हैं। उनकी स्थिति इतनी दयनीय है कि अन्य सभी नीतियों की तुलना में आर्थिक सुधारों को वरीयता मिलनी चाहिए। वास्तव में, सामाजिक व शैक्षणिक स्थितियों तथा बहुचर्चित जेंडर सुधार भी आर्थिक बेहतरी के उपोत्पाद की तरह स्वत: सामने आ सकते हैं। सफलता के लगभग सभी मानकों पर वे अपने जनसंख्या आंकड़ों की तुलना में बहुत पीछे हैं, फिर चाहे वह मुस्लिम आईएएस की संख्या हो या पुलिस व सेना में उनकी संख्या, भारत की सर्वोच्च 500 फर्मों में मुस्लिम-स्वामित्व वाली कंपनियां, मुस्लिम सीईओ का प्रतिशत या राष्ट्रीय अखबारों के संपादकों की संख्या। इसके साथ ही करोड़ों मुस्लिम भयानक गरीबी का शिकार हैं।

मुस्लिमों का पिछड़ापन देश को उसकी मूल्यवान प्रतिभा के पांचवें भाग से वंचित कर रह है। आर्थिक समस्याओं का समाधान नागरिक अधिकारों के उपचार के बिना नहीं हो सकता है, पर आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने वाले सार्वजनिक व निजी प्रयासों से उनको राहत मिल सकती है। सरकार आक्रामक रूप से मुसलमानों के पर्सनल कानूनों में सुधार के एजेंडे पर चल रही है तथा मुस्लिम महिलाओं के वास्तविक सरोकारों पर ध्यान देने का वादा कर रही है। लेकिन मुसलमानों के लिए आर्थिक पिछड़ापन एक बहुत कठोर व कटु यथार्थ है और राज्य इससे अपनी आंखें नहीं बंद कर सकता है, खासकर ऐसे समय जब उसने समुदाय के सामाजिक मुद्दों पर नजरें गड़ा रखी हैं। इसका अर्थ मुसलमानों की राष्ट्रीयता की शुद्धता पर सवाल होंगे जिस प्रकार उच्च जातियां तथाकथित पिछड़ी जातियों की आध्यात्मिकता पर सवाल उठाती थीं। मुस्लिमों में भारतीय और मुसलमान होने के बीच द्वैध का भाव है, पर वे पूरी ईमानदारी से इस पहचान का पालन कर रहे हैं। उन्होंने न राष्ट्रवाद छोड़ा है और न धर्म का त्याग किया है।

समुदाय के लिए आर्थिक एजेंडा उन सुधारों की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है जिनका प्रयास सरकार कर रही है। जेंडर सुधार पर मचे सारे शोर-शराबे से यह छवि बनती है कि सिविल कोड सर्वाधिक महत्वपूर्ण है और यह अनेक समस्याओं का समाधान करने वाली जादुई औषधि है। अधिकांश मुसलमान इन सामाजिक सुधारों को समुदाय के सामने आर्थिक मोर्चे पर मौजूद सर्वाधिक भयानक समस्याओं से ध्यान हटाने की चाल है। सरकार को इस मामले पर कार्रवाई करनी चाहिए। यदि नई आर्थिक उपलब्धियों से भारत में मुस्लिम यथार्थ की नकारात्मक छवि सुधर सके तो यह अर्थनीति व राजनीति, दोनों के लिए अच्छा होगा। देश की अर्थव्यवस्था में शानदार प्रगति के बावजूद मुसलमानों की आर्थिक स्थिति दूसरों की तुलना में काफी खराब हुई है। गरीब मुसलमान गरीब हिंदुओं की तुलना में बहुत अधिक गरीब हैं और उनको निम्न हिंदू जातियों और दलितों के साथ रखा जा सकता है। लगभग सभी आर्थिक या सामजिक मामलों में मुसलमान सबसे नीचे हैं।

2000 के दशक मध्य में सरकार ने दो अध्ययन समितियों का गठन किया था। 2006 की सच्चर कमेटी रिपोर्ट तथा 2007 की मिश्र आयोग रिपोर्ट ने मुसलमानों के खिलाफ अत्यधिक भेदभाव तथा अन्य सामाजिक समूहों की तुलना में उनकी सामजिक-आर्थिक वंचना स्वीकार की है।

केन्द्र की किसी सरकार ने इनकी लगभग किसी भी संस्तुति का क्रियान्वयन नहीं किया। सच्चर रिपोर्ट ने कहा था कि मुसलमानों को भारत की आर्थिक प्रगति में 'साझा समानता का लाभ' नहीं मिला है और वे 'अधिकांश मानव विकास सूचकांकों में बहुत अधिक पीछे हैं।' मुस्लिम परंपरागत रूप से कारीगर और हिंदू व्यापारी रहे हैं। मशीनीकरण ने अधिकांश कारीगरी कौशलों को पीछे धकेल दिया और अधिकांश कारीगरों का कौशल निरर्थक हो गया। इसके उलट हिंदू व्यापारी और बिजनेसमैन देश की बढ़ती आर्थिक प्रगति से लाभान्वित हुए।

सच्चर रिपोर्ट के बाद प्रो. अमिताभ कुंडू की अध्यक्षता वाली कमेटी ने मुसलमानों की स्थिति का आंकलन किया। 2014 में पेश अपनी रिपोर्ट में उन्होंने यह तथ्य रेखांकित किया कि मुस्लिम शिक्षा की स्थिति बहुत खराब है। इस समुदाय में ग्रेजुएशन अटेनमेंट रेट-जीएआर तथा मीन इयर्स आफ स्कूलिंग-एमवाईएस बहुत कम तथा ड्रापआउट दर बहुत अधिक है। इसके समुदाय पर दीर्घकालीन नकारात्मक प्रभाव पड़े हैं और इसका समग्र प्रभाव व्यापक रूप से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर पड़ा है।

लेकिन इस समुदाय का पिछड़ापन दूर करने के अनेक तरीके हैं। चूंकि, संविधान और अदालतों ने निर्धारित किया है कि धर्म पिछड़ापन मामने का कोई आधार नहीं होगा, इसलिए अल्पसंख्यक समूहों को वंचित वर्गों को मिलने वाले लाभों के दृष्टिकोण से 'पिछड़ा' नहीं माना जाता है। इसके लिए तीन मुख्य कारण बताए गए हैं। पहला, यह सेक्युलरवाद की संगति में नहीं है। दूसरा, चूंकि मुसलमानों में जाति व्यवस्था नहीं है, इसलिए उनको विशेष राहत देने के लिए सामाजिक पिछड़ेपन का मानक प्रयोग नहीं हो सकता है तथा तीसरा, यह राष्ट्रीय एकता सिद्धान्त के विपरीत होगा।

भारत में आरक्षण संविधान में निर्धारित सामाजिक न्याय के आधार पर निर्धारित किया गया है। संविधान में ऐतिहासिक रूप से हाशियाकृत समुदायों के लिए आरक्षण का प्राविधान है जिनको अब पिछड़ी जातियां कहा जाता है। लेकिन संविधान इनमें से किसी श्रेणी को परिभाषित नहीं करता है जिसे आरक्षण का लाभ दिया जा सके। आरक्षण का एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण आधार 'वर्ग' शब्द की व्याख्या है। विशेषज्ञों का तर्क है कि सामाजिक पिछड़ापन एक गतिशील व विकासमान श्रेणी है जिसमें जाति भेदभाव का एक आधार है। जेंडर, संस्कृति, आर्थिक स्थितियां, शैक्षिक पिछड़ापन, सरकारी नीतियां व अन्य कारकों का प्रभाव सामाजिक स्थितियों पर पड़ सकता है जिसका नतीजा वंचना और सामाजिक पिछड़ापन है। इसके साथ ही सामाजिक पिछड़ेपन की अवधारणा भी बदल सकती है क्योंकि राजनीतिक अर्थशास्त्र जाति-आधारित बंद व्यवस्था से ज्यादा खुली व्यवस्था, वैश्विक रूप से समाहित तथा बाजारोन्मुख व्यवस्था में बदल सकती है जो उच्च गतिशीलता व शहरीकरण पैदा करती है। हम यह परिवर्तन काफी तेज गति से होता देख रहे हैं जो संविधान-निर्माताओं की कल्पना से आगे जाता है। हमें सक्रिय रूप से पिछड़ापन निर्धारित करने के नए मानक तय करने होंगे ताकि जाति-आधारित परिभाषाओं पर निर्भरता घटाई जा सके। इससे नए समूहों को सामाजिक इंजीनियरिंग के माध्यम से सकारात्मक कार्रवाई के लाभ उठाने का अवसर मिलेगा क्योंकि सकारात्मक कार्रवाई के औजारों से नए अन्याय भी विकसित हो सकते हैं। नए परिभाषित 'पिछड़े' समूहों में मुसलमानों को भी सकारात्मक कार्रवाई के कुछ रूपों से लाभ मिल सकते हैं।

भारत में 3,743 'पिछड़ी' जातियां व उप-जातियां हैं जो कुल जनसंख्या का लगभग आधा हिस्सा हैं। इसलिए जातीय कल्याण की संभावना अनन्त है। ब्रिटिश पत्रकार एडवर्ड लूस ने अपनी पुस्तक 'इन स्पाइट आफ द गाड्स' में लिखा है कि यह 'लोकतांत्रिक दुनिया में संरक्षण की सबसे व्यापक व्यवस्था है।' लाभ की इस संभावना के कारण आश्चर्य नहीं कि इस मामले में प्रतियोगिता घातक हो जाती है। भारत में मुसलमानों के प्रति जारी भारी भेदभाव को देखते हुए हमें सामाजिक पिछड़ेपन की सतही व्याख्याओं से आगे जाना होगा जो ऐतिहासिक रूप से अति-सरलीकृत श्रेणियां से विकसित होती हैं। बढ़ते सांप्रदायीकरण के व्यापक परिदृश्य में सरकार को समुदाय को आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त बनाना चाहिए ताकि यह सामाजिक सुधार के अपने समग्र व उपयुक्त तरीके तलाश सके। सरकार के शिखर पर सभी राजनीतिक पार्टियों ने तथाकथित मुस्लिम वोटबैंक सुनिश्चित करने के लिए 'रणनीतिक सेक्युलरवाद' का रास्ता अपनाया है। इस दृष्टिकोण से मुस्लिमों की बेहतरी में थोड़ा योगदान करने के बावजूद देश के बहुसंख्य हिंदू गुस्सा नहीं होते हैं। सामाजिक व राजनीतिक हाशियाकरण बढ़ने से भारत के मुसलमानों को खासकर तगड़ा धक्का लगेगा और उनकी आर्थिक संभावनायें कमजोर होंगी।

भारत की मुस्लिम जनसंख्या के आकार को देखते हुए इससे समग्र आर्थिक विकास भी प्रभावित होगा। ऐसे में हमारे जीवन की व्यापक विविधता के बावजूद उस पर एक पहचान थोपना उचित नहीं होगा। पूरी जनसंख्या को समान बनाने के लिए लगातार समान व मानक संस्कृति तलाशने के बजाय हमें स्थिर व आधुनिक लोकतंत्र बनने का प्रयास करना चाहिए जहां सभी रंगों को पूर्ण महत्व मिल सके। सभ्यता की गतिशीलता इसी से निर्धारित होगी। मुस्लिम व गैर-मुस्लिम विमर्श को आगे बढ़ाने के बजाय सरकार को समुदाय की आर्थिक समस्याओं को संबोधित करना चाहिए।

हिंसा व राष्ट्र-विरोधी भावनाओं की ओर मुसलमानों का कोई झुकाव नहीं है। उनका विश्वास शांतिपूर्ण सह अस्तित्व तथा परस्पर सम्मान को बढ़ावा देता है। उदारवादी मुसलमानों ने इसके समुचित प्रमाण दिए हैं। भारत को बहुलतावादी समाज और जीवन्त सभ्यता के रूप जीवन्तता बनाए रखते हुए मुसलमानों व अन्य के बीच यह असंतुलन पहचानना और इसे दूर करना होगा।

पर्यावरण संरक्षण में शाकाहार की भूमिका

> मनुष्यों के लिए भोजन एवं अन्य उत्पादों हेतु पशुओं के साथ बरती जाने वाली क्रूरता अपरिमेय है। पर्यावरण के लिए शाकाहार अपनाना अत्यंत लाभप्रद होता है।

लेखिकाएं दिल्ली विश्वविद्यालय से संबंधित हैं।

वाणी कनौजिया **मेघा जैन**

बाढ़, सूखा एवं भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के द्वारा पर्यावरण पर मानव गतिविधियों के प्रभ्भव आज के समय का कठोर यथार्थ बन गए हैं। खेदजनक रूप से, ग्रह पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते बहुत से जीवन प्रभावित होते हैं। ऐसा प्राथमिक रूप से अनंत उपभोग के लिए सीमित संसाधनों के अंधाधुंध इस्तेमाल की वर्तमान पद्धति के कारण होता है। इसके पीछे अहम कारणों में से एक है खुराक का संघटन, जो पर्यावरण के मुद्दों को और बढ़ा देता है। निस्संदेह, धरती को बचाने एवं जलवायु परिवर्तन की गति को मंद करने के लिए, हमारी जीवन शैली, खुराक, पर्यावरण के प्रति रवैया तथा अन्य बहुत से आदतों का पुनरावलोकन किए जाने की आवश्यकता है। शाकाहारी उत्पादों पर निर्भरता समस्या का एक वैकल्पिक एवं टिकाऊ भावी समाधान हो सकता है।

वेजन उत्पाद क्या होते हैं और ये अलग किस्म का शाकाहार कैसे हैं? अकसर यह सवाल पूछा जाता है। इसका जवाब यह है कि आमतौर से शाकाहारी मांस व मांस उत्पादों का सेवन नहीं करते हैं, पर वे दूध पीते हैं तथा चीज़, दही व कुछ लोग तो अंडे भी खाते हैं। इसके उलट, वेजन, मांस, अंडे, चीज़, मेयोनीज़, शहद, व्हे, जिलेटिन का प्रयोग नहीं करते तथा दूध भी नहीं पीते हैं। संक्षेप में, वे उन सभी चीजों का प्रयोग नहीं करते हैं जो पशुओं से किसी न किसी प्रकार जुड़ी होती हैं। ज्यादा अतिवादी वेजन ऐसे कपड़ों व अतिरिक्त वस्तुओं का प्रयोग नहीं करते हैं जो जानवरों से बनती हैं, जैसे चमड़ा, ऊन, मोती, आइवरी जड़े पियानो आदि। वेजनवाद शाकाहार का अतिवादी रूप से जिसे 1944 में परिभाषित किया गया था। हालांकि, मांस प्रयोग से बचने की अवधारणा प्राचीन भारतीयों व पूर्वी व भूमध्यसागरीय समाजों में विकसित हुई थी।

महात्मा गांधी इस तथ्य के बावजूद वेजन थे कि उनको 1918 के सत्याग्रह में अपने गिरते स्वास्थ्य के कारण मांस उत्पादों के प्रयोग के लिए कहा गया था, पर उन्होंने इनकार कर दिया था। उनके अनुसार, दूध उत्पादन के लिए मवेशियों पर होने वाले अत्याचार को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। महात्मा गांधी की प्राथमिक विचारधारा पशुओं के सच्चे कल्याण तथा उनको वध व मनुष्यों के दुर्व्यवहार से रक्षा प्रदान करना था। वेजनवाद शाकाहारी उत्पादों की उत्पादन प्रक्रियाओं पर भी ध्यान देते हैं। उदाहरण के लिए गायों व भैंसों का दूध निकालने के लिए बच्चों को उनकी मां के दूध से वंचित किया जाता है।

इसी प्रकार, मुर्गियों को अंडा उत्पादन के लिए पिंजड़ों में बंद रखा जाता है तथा क्रूर कृत्रिम वीर्यरोपण किया जाता है। इसके बजाए, उनको स्वाभाविक रूप से मुक्त परिवेश में अंडे देने का अवसर मिलना चाहिए। यही बात डेरी फार्मों में गायों व भैंसों पर भी लागू होती है। खाद्य व मनुष्यों के लिए अन्य उत्पाद पैदा करने के लिए जानवरों के प्रति क्रूरता बरती जाती है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक वेजन को हर वर्ष लगभग 200 जानवरों की रक्षा करनी चाहिए।

नैतिक आयामों के अलावा वेजनवाद के लाभ पर्यावरण के लिए असाधारण हैं। आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोध से पता चला है कि मांस व डेयरी उत्पादों का प्रयोग बंद करने से प्रत्येक व्यक्ति का कार्बन पाद चिन्ह 73 प्रतिशत कम हो सकता है, यदि सभी लोग मांस, अंडे व डेयरी उत्पादों का प्रयोग बंद कर दें तो पशुपालन के लिए वैश्विक क्षेत्र में 75 प्रतिशत की कमी आएगी। ये क्षेत्र अमेरिका, चीन, आस्ट्रेलिया व यूरोपीय संघ को मिलाकर उसके बराबर है। इसके कारण, न केवल ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में भारी कमी आएगी बल्कि इससे कृषि के लिए काफी भूमि मुक्त हो सकेगी। यह वन्य जीवों के बड़े पैमाने पर विनाश का भी कारण है। इससे पानी की बचत भी होगी, जो ज्यादा अनाज पैदा करने के काम आता है, ताकि मवेशियों को खिलाया जा सके जो केवल घास पर जीवित नहीं रह सकते। नीदरलैंड में कराए गए एक हालिया अध्ययन से संकेत मिलता है कि जैव प्रोटीन के स्थान पर वनस्पति प्रोटीन के प्रयोग से ग्रीनहाउस प्रभाव न्यूनतम हो सकता है। वनस्पति प्रोटीन को जैव प्रोटीन में बदलने के पर्यावरण पर हानिकारक प्रभाव पड़ते हैं। चराई भूमियों के कारण मृदा का खनिज स्तर घटता है तथा स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों पर पशुपालन क्षेत्रों में भारी दबाव पड़ता है।

अमेरिकी डायटिटिक एसोसिएशन तथा कनाडा के डायटीशियनों के अनुसार, वेजन उत्पादों का प्रयोग कोलेस्ट्राल स्तर तथा संतृत्व वसा घटाने में मददगार है। इससे शरीर भार सूचकांक पर भी सकारात्मक असर पड़ता है, जिससे कैंसर व हृदय रोग का खतरा कम हो जाता है। लेकिन, वेजन उत्पाद भी इस बहस से मुक्त नहीं है कि खाद्य उत्पादों के मिश्रण गलत तरीके से बनाए जाते हैं। अनेक वेजन उत्पाद स्वस्थ विकल्प नहीं हो सकते क्योंकि वे मानव शरीर को एनीमिया, रिकेट्स, किरेटनिज्म आदि से मुख्यत: इसलिए सुरक्षा नहीं दे पाते क्योंकि अधिकांश वेजन उत्पादों में प्रोटीन, कैल्शियम, आयोडीन, विटामिन बी-12, विटामिन डी तथा मेगा-3 फेटी एसिड्स नहीं होते हैं।

इसके अतिरिक्त, यदि हम पूरी तरह वनस्पति आधारित चीजों पर निर्भर हो जाएं तो इससे ग्रासरी उत्पादों का उपभोग बढ़ेगा तथा यह बढ़ती मांग के कारण प्राकृति संसाधनों के विनाश का कारण बन सकता है। जिसके चलते भूमि उपयोग पद्धति बदलेगा तथा वर्षा वन पूरी तरह नष्ट हो सकते हैं। विभिन्न अध्ययनों से पुष्ट हुआ है कि हमारे उपभोग पैटर्न से पर्यावरण पर बोझ बढ़ रहा है। वर्तमान बोझ की तुलना में 2050 तक इसमें 90 प्रतिशत वृद्धि हो सकती है, यदि हम वर्तमान गति से मांसाहारी वस्तुओं का प्रयोग करते रहेंगे।

सावयवी खेती के परम्परागत तरीके एक टिकाऊ जीवन शैली व स्वस्थ धरती सुनिश्चित कर सकते हैं। शुद्ध वेजन बनना कठिन है, पर वेजनवाद की दिशा में उठाए जाने वाले छोटे कदमों से भी कुछ समय में टिकाऊ जीवन शैली विकसित होगी। हम सबको याद रखना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन मानवीय गतिविधियों व हमारी जीवन शैली का परिणाम है। इससे हमारे ग्रह की सीमाएं प्रभावित हो सकती हैं। जो आज मानवता के लिए सुरक्षित स्थान है तथा धरती की पारिस्थितिकी से बाहर जाना हमारे लिए अस्थिरता का कारण बन सकता है।

आप की बात

बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं

माननीय संपादक जी,
पायनियर हिंदी,
एक खबर के अनुसार भारत में रोज़ाना 62 पैदल यात्री सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं जबकि चार वर्ष पूर्व ये आंकड़ा 34 का था। वर्तमान समय में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में पैदल यात्रियों के संख्या 15 फीसदी है। चार साल में 80 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि ये दर्शाती हैं के देश में पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए कुछ नहीं हो रहा है। सरकारों का ध्यान तेज रफ्तार से गाड़ियां दौड़ाने में है, हाईवे, एक्सप्रेसवे इसीलिए बनाये जा रहे हैं। ज्यादातर हाईवे, एक्सप्रेसवे और अन्य सड़कों के डिजाइन त्रुटिपूर्ण हैं, स्थानीय यातायात के लिए उचित प्रावधान नहीं है और पैदल यात्रियों के लिए तो कोई व्यवस्था ही नहीं है, जिस वजह से पैदल यात्री जान जोखिम में डाल कर सड़क पार करते हैं और दुर्घटना का शिकार होते हैं। शहरों में भी सुरक्षा के नाम पर सेंट्रल वर्ज और फुटपाथों पर ऊंची ऊंची रेलिंग लगा दी गई है मगर पैदल यात्रियों के लिए पुल, सबवे, ज़ेबरा क्रासिंग आदि कुछ भी नहीं है, इस कारण लोग दुर्घटना का शिकार होते हैं। सरकार जिस तरह से गाड़ियों के सुरक्षा मानक कड़े कर रही है उसी तरह पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी कड़े मानक बनाए जाएं।

– **ब्रजेश माथुर**, गाजियाबाद

जैव विविधता की अनिवार्यता

बदलते वैश्विक परिवेश और जलवायु में होते परिवर्तन को देखते हुए मानव के अस्तित्व के लिए जैव विविधता अति आवश्यक है. जीवन का हर रूप एक दूसरे पर इतना निर्भर है कि किसी एक प्रजाति पर संकट आने से दूसरे में असंतुलन की स्थिति पैदा हो जाती है. यदि पौधों और प्राणियों की प्रजातियां संकट की स्थिति में होती है तो इससे पर्यावरण में गिरावट उत्पन्न होती है और अंततोगत्वा मनुष्य का अपना अस्तित्व भी खतरे में पड़ सकता है. आज यह अति अनिवार्य है कि मानव को पर्यावरण-मैत्री संबंधी पद्धतियों के प्रति जागरूक किया जाए और विकास की ऐसी व्यवहारिक गतिविधियां अपनाई जाए जो दूसरी जीवों के साथ समन्वित हो और सतत पोषणीय हो. इस तथ्य के प्रति भी जागरुकता बढ़ रही है कि संरक्षण तभी संभव है और दीर्घकालिक होगा, जब स्थानीय समुदायों व प्रत्येक व्यक्ति की इसमें भागीदारी होगी. इसके लिए स्थानीय स्तर पर संस्थागत संरचनाओं का विकास आवश्यक है. केवल प्रजातियों का संरक्षण और आवास स्थान की सुरक्षा ही अहम समस्या नहीं है बल्कि संरक्षण की प्रक्रिया को जारी रखना भी उतना ही जरूरी है।

– **सूर्यभानु बांधे,** रायपुर, छत्तीसगढ़

भारत के उपेक्षित विद्वान

भारत में समय समय पर विद्वानों को जन्म होता रहता है ,और वह अपने ज्ञान के बल पर पूरे विश्व का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इसी कड़ी में एक नाम आता है बिहार के वशिष्ठ नारायण सिंह का जिन्होंने अपनी विद्वत्ता के दम पर आइंस्टीन के सापेक्षता के सिद्धांत तक को चुनौती दी थी। वशिष्ठ जी को बचपन से ही गणित में रुचि थी। जिस समय वह पटना साइंस कालेज में पढ़ाई कर रहे थे तभी कैलिफोर्निया विविद्यालय के प्रोफेसर जॉन कैली की नजर उन पर पड़ी और 1965 में वह अमेरिका चले गए 1969 में कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से पीएचडी की डिग्री धारण की इसके पश्चात वाह वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर से लेकर नासा तक में काम किया। 1971 में वह फिर भारत लौट आए और लौटने के पश्चात आईआईटी कानपुर ,आईआईटी मुंबई, एएसआई कोलकाता में नौकरी की। 1973 में शादी के पश्चात वह सिजोफ्रेनिया से पीड़ित हो गये , उसके बाद से उनका जीवन बड़ा कष्टमय बीता। दुख की बात है कि भारत जैसे देश में उनके निधन पर एम्बुलेंस तक उपलब्ध नहीं हो पाई।

– **अभिनव दीक्षित**, बांगरमऊ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

मैंने अयोग्य ठहराए विधेयक आर. शंकर को एमएलसी व मंत्री बनाने का वादा किया है। मैं अपने वादे पूरे करता हूं।

– **बी.एस. येदियुरप्पा**
कर्नाटक के मुख्यमंत्री

यदि आप मंत्री बनाने की बात करेंगे तो जनता उनको वोट देगी क्योंकि उनका विधायक मंत्री बनेगा। यह मतदाताओं को ललचाना है।

– **एच.डी. देवगौड़ा**
जेडीएस संरक्षक

बिजनेस समूह, राजनीतिक पार्टियों व व्यक्ति अपने हित में टीवी चैनल व अखबार खोल रहे हैं। इससे पत्रकारिता के मूल्य कमजोर हुए हैं।

– **एम. वेंकैया नायडू**
उप राष्ट्रपति

पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर दस जिलों में ई-पीएचसी शुरू

पूरी तरह पेपरलेस है इलाज की नयी व्यवस्था, डॉक्टर और मरीज दोनों होंगे ऑनलाइन

● पीएम के संसदीय क्षेत्र व सीएम के जिले में सुविधा उपलब्ध

सतीश सिंह। लखनऊ

डॉक्टरों की कमी का संकट झेल रहे स्वास्थ्य विभाग को समस्या से निजात दिलाने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने प्रदेश में पीपीपी मॉडल पर 10 ई-पीएचसी की शुरूआत की है। पूरी तौर पर पेपरलेस ई-पीएचसी में इलाज को लेकर डॉक्टर और मरीज दोनों ऑनलाइन होते हैं। यह ई-पीएचसी महत्वाकांक्षी जिलों के अलावा पीएम नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी और सीएम योगी आदित्यनाथ के जिले गोरखपुर में पॉयलट प्रोजेक्ट के तौर पर खोली गयी है। वाराणसी और गोरखपुर में ई-पीएचसी से अर्बन एरिया को जोड़ा गया है, जबकि अन्य आठ स्थानों पर ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों को शामिल किया है। पॉयलट प्रोजेक्ट के तौर पर तीन वर्ष के लिए संचालित योजना के सकारात्मक परिणाम आये तो विभाग स्तर पर इस योजना से अन्य जिलों को भी आच्छादित करने की योजना है।

ई-पीएचसी में सेवा प्रदाता एजेंसी के माध्यम से दूर बैठे डॉक्टर ऑनलाइन वीडियो कंसल्टेशन के माध्यम से मरीजों से संवाद स्थापित कर मर्ज के आधार पर अपना प्रिसक्रिप्शन सीधे तौर पर ऑनलाइन पीएचसी पर मौजूद फार्मासिस्ट को भेजे देते हैं। जिसके आधार पर फार्मासिस्ट दवाएं उपलब्ध कराते हैं। गोरखपुर और वाराणसी में फार्मासिस्ट को दवाएं देने की जरूरत नहीं पड़ती है क्योंकि इन दोनों स्थानों पर ऑटोमेटेड मेडिसिन डिस्पेंसिंग मशीन लगाई गई है, जो प्रिसक्रिप्शन के आधार पर सीधे मरीज को दवाएं देती हैं। बस उन दवाओं को फार्मासिस्ट को दिखाना पड़ता है। यदि मरीज के जांच की आवश्यकता हुई तो डॉक्टर जांच की जानकारी सीधे लैब टेक्नीशियन के कम्प्यूटर पर भेज देते हैं और मौके पर मौजूद लैब टेक्नीशियन सैम्पल ले लेता है। अगले दिन जैसे डॉक्टर यूनिक आईडी के आधार पर प्राप्त जांच रिपोर्ट को अपने कम्प्यूटर पर देखता है, वैसे ही वह फार्मासिस्ट को अपना प्रिसक्रिप्शन भेज देता है। जांच की आवश्यकता महसूस नहीं हुई तो मरीज को दस मिनट के अंदर इलाज मिल जाता है। यदि मरीज को हायर सेंटर भेजने की आवश्यकता होती है तो डॉक्टर उसे हायर सेंटर भी रेफर कर देते हैं।

इन स्थानों पर ई-पीएचसी की सुविधा उपलब्ध: बहराइच जिले के मोतीपुर ब्लॉक के अंतर्गत लौकाही, बलरामपुर जनपद में बलरामपुर ब्लॉक में बघनी, चंदौली जिले के धानापुर ब्लॉक में कमालपुर, चित्रकूट जिले के मानिकपुर ब्लॉक में ऊंचाडीह, फतेहपुर जिले के असोथर ब्लॉक में ललौली, श्रावस्ती जिले के जमुनाहा ब्लॉक में नासिरगंज, सिद्धार्थनगर जिले के खुनियाव ब्लॉक में मधोवापार कलां, सोनभद्र जिले के बभनी ब्लॉक में सतबहनी, वाराणसी के वाराणसी पेरी अर्बन ब्लॉक में सारनाथ और गोरखपुर के गोरखपुर अर्बन में रामपपुर पीएचसी शामिल है।

ट्रिपल पी मोड पर सुविधा उपलब्ध: इन स्थानों पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ट्रिपल पी मोड पर सेवा प्रदाता एजेंसी के माध्यम से सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसके लिए हैदराबाद की मेसर्स डॉकऑनलाइन कसंल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स बायोसेफ लैब इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से एमओयू किया गया है। एमओयू के तहत स्वास्थ्य विभाग की तरफ से केवल भवन उपलब्ध कराये गये हैं। जबकि ऑनलाइन डॉक्टर्स की उपलब्धता के लिए डॉकऑनलाइन ने हैदाराबाद में दस हिन्दी भाषी डॉक्टरों का एक पैनल नियुक्त किया है। जो सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक ऑनलाइन उपलब्ध रहते हैं। डॉकऑनलाइन प्रिसक्रिप्शन के साथ ही दवाएं भी मरीज को उपलब्ध कराता है। जबकि बायोसेफ की तरफ से लैब की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। डाक्टर के अलावा नर्स लैब टेक्नीशियन और फार्मासिस्ट भी सेवाप्रदाता एजेंसी के होते हैं। जांच में 21 तरह की जांच शामिल की गयी है।

मरीज का होता है रजिस्ट्रेशन: ऑनलाइन प्रिसक्रिप्शन के लिए मरीज की यूनिक आईडी के आधार पर उसका रजिस्ट्रेशन किया जाता है और थम्ब इम्प्रेशन के जरिए दर्ज रिकार्ड के आधार पर मरीज का पूरा विवरण दर्ज हो जाता है।

यूपी को देश का पहला टीबी मुक्त राज्य बनाने का लक्ष्य: राज्यपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल तथा इण्डियन रेडक्रास सोसाइटी की उत्तर प्रदेश शाखा की अध्यक्ष आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि प्रदेश के सभी जिलों का भ्रमण कर टीबी मरीजों का पता लगाकर उत्तर प्रदेश को देश का पहला टीबी मुक्त राज्य बनाने का मेरा लक्ष्य है। राज्यपाल सोमवार को कैसरबाग स्थित रेडक्रास भवन के सभागार में अपने सम्मान में आयोजित स्वागत एवं अभिनन्दन समारोह को संबोधित कर रही थी।

राज्यपाल ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि इण्डियन रेडक्रास का उद्देश्य मानव सेवा तथा असहाय लोगों की सहायता करना है। उन्होंने कहा कि रेडक्रास के सदस्यों का पीड़ित मानवता की सेवा करना तथा दूसरों को इसके लिये प्रोत्साहित करना ही मकसद है। उन्होंने कहा कि मैं जिस जिले में जाती हूं, वहां रेडक्रास की मीटिंग करती हूं तथा 18 वर्ष से कम उम्र के टीबी मरीजों को गोद लेने के लिये प्रेरित करती हूँ। अब तक 6 हजार टीबी मरीजों को विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं द्वारा गोद लिया जा चुका है। राज्यपाल ने कहा कि रेडक्रास सोसाइटी को राजनैतिक अड्डा नहीं बनने देना चाहिए। इसे केवल अपने उद्देश्यों की पूर्ति तक ही सीमित रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि रेडक्रास सोसाइटी द्वारा प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित लोगों एवं मरीजों के लिये एम्बुलेन्स सेवा उपलब्ध कराना तथा बच्चों के लिये टीकाकरण आदि के अनेक कार्यक्रम किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सोसाइटी के सदस्य नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए समाज के सभी वर्गों विशेषकर निर्धन और असहाय लोगों का विशेष ध्यान रखेंगे तथा गांवों में आयुष्मान योजना की सुविधा के संबंध में जागरूकता लाकर पात्रों को इस सुविधा का लाभ दिलाने में सहयोग प्रदान करेंगे। इस अवसर पर इण्डियन रेडक्रास सोसाइटी की उत्तर प्रदेश शाखा के सभापति एवं विधायक सुरेश श्रीवास्तव, सोसाइटी के महासचिव डॉ. श्याम स्वरूप, उप सभापति डॉ. हिमाबिन्दु नायक, सेण्ट जॉन एम्बुलेन्स के उप सभापति संजीव मेहरोत्रा ने अपने विचार व्यक्त किये।

जनशिकायतों का सही निस्तारण न होने पर दो कर्मचारी निलंबित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● मुख्य सचिव ने गाजियाबाद में नगर निगम व पुरानी सब्जी मण्डी का किया औचक निरीक्षण

मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने नगर निगम गाजियाबाद का औचक निरीक्षण कर जन शिकायतों का निस्तारण सही न पाये जाने पर दो सम्बन्धित कर्मचारियों को निलम्बित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम गाजियाबाद के विकास कार्यों में गतिशीलता लायी जाए तथा जनता की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं यथाशीघ्र निस्तारण प्रत्येक दशा में सुनिश्चित कराया जाये। उन्होंने आगंतुकों के लिये शिकायत, स्वागत कक्ष में बैठने के लिए टूटा फर्नीचर होने पर निर्देश दिये कि आगंतुकों के बैठने के लिये बेहतर फर्नीचर की व्यवस्था करायी जाए। उन्होंने पुरानी सब्जी मण्डी का निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था मानकों के अनुसार न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुये निर्देश दिये कि ढेर लगे कूड़े एवं पॉलीथीन कतई नहीं नजर आनी चाहिये। उन्होंने तीन शिकायतकर्ताओं से सीधे फोन पर बात कर समस्या का निस्तारण किये जाने की जानकारी लेकर दोषी सेनेटरी इंस्पेक्टर सतीश एवं विद्युत इंस्पेक्टर विशम्भर शर्मा को अपने दायित्वों में लापरवाही बरतने के कारण तत्काल निलम्बित करने के आदेश दिए।

राजेन्द्र कुमार तिवारी ने नगर निगम के द्वारा संचालित किए जा रहे विकास कार्यक्रमों की गहनता के साथ समीक्षा के दौरान पाया कि अवस्थापना विकास निधि एवं 14 वें वित्त आयोग के माध्यम से जो विकास कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं उनका रखरखाव पंजिका में अधिकारीगण सही प्रकार से नहीं कर रहे हैं तथा विकास कार्य का संपन्न होने के बाद भुगतान भी निर्धारित समय अवधि के भीतर नहीं पाया गया। उन्होंने गहन समीक्षा के दौरान यह भी पाया कि वर्ष 2019.20 में जो विकास कार्य स्वीकृत हुए हैं उनमें अभी तक कार्य प्रारंभ भी नहीं किया गया है जिस पर मुख्य सचिव ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य अभियंता को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। वहीं दूसरी ओर मौके पर उपस्थित नगर आयुक्त दिनेश चंद को आगामी एक माह के भीतर सभी कार्य को ठीक करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि नगर निगम के माध्यम से जो विकास कार्य संपादित किए जा रहे हैं उनका सही रखरखाव किया जाए तथा जो कार्य स्वीकृत है उनको निर्धारित समय अवधि के भीतर पूर्ण कराने की कार्रवाई सभी विभागीय अधिकारी करायें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री की स्पष्ट मंशा है कि जनता की समस्याओं एवं शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई कराते हुए उनका निराकरण करने की कार्रवाई करायी जाये।

पर्यटकों के आतिथ्य व सुरक्षा का रखें पूरा ध्यान

● पर्यटन एवं धर्मार्थ कार्य मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने की मौनी बाबा मेले की तैयारियों की समीक्षा

● पर्याप्त संख्या में तैनात रहेगा सुरक्षा बल, मेला परिसर में बनेगा थाना: अवनीश अवस्थी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पर्यटन एवं धर्मार्थ कार्य मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि मेले में आने वाले पर्यटकों के रात्रि विश्राम के लिये रैन बसेरे व अस्थायी पंडालों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। उन्होंने कहा कि पर्यटकों के लिये पेयजल, चिकित्सा सुविधा, सुलभ शौचालयों के निर्माण को निर्धारित समय में ही पूर्ण कर लिया जाय। इसके साथ ही पर्यटकों के सुरक्षा एवं शांति की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने यह निर्देश सोमवार को लोकभवन में आयोजित बैठक में 15 दिसम्बर से जनपद बांदा में लगने वाले मौनी बाबा मेले की तैयारियों की समीक्षा के दौरान दिए। उन्होंने लोक निर्माण एवं ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिकारियों को सड़क चौड़ीकरण कार्य को मेले से पूर्व पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये। पर्यटन मंत्री ने अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी से कहा कि सम्बन्धित अधिकारियों को इस सम्बन्ध में अपने स्तर से भी पत्र प्रेषित कर यथोचित निर्देश जारी कर दें। पर्यटन एवं धर्मार्थ कार्य मंत्री ने मुख्य अभियंता विद्युत को जनपद बांदा में 13 से 18 दिसम्बर तक लगातार 24 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नगर विकास व जल संस्थान को मेले के दौरान पानी के 8 टैंकर उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। डॉ. तिवारी ने राज्य मद से ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज विभाग को शौचालयों के निर्माण के साथ स्वच्छ भारत मिशन की प्रदर्शनी लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेले के दौरान जगह-जगह कैम्प लगाकर पर्यटकों को चिकित्सा सुविधा मुहैया करायें। अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा कि मेले के दौरान पर्यटकों की सुरक्षा हेतु गृह विभाग एवं पीएसी द्वारा पर्याप्त संख्या में महिला व पुरूष सिपाहियों की तैनाती की जायेगी। इसके अतिरिक्त मेला परिसर में थाना की स्थापना भी की जायेगी। उन्होंने कहा कि मेले का सूचना विभाग तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा व्यापक प्रचार-प्रचार सुनिश्चित किया जायेगा। श्री अवस्थी ने पर्यटन मंत्री को मेले के दौरान जिला प्रशासन, कृषि, खादी एवं ग्रामोद्योग, अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत, खेल, पर्यटन, परिवहन, उद्योग एवं श्रम विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों के साथ-साथ इन विभागों द्वारा लगायी जा रही प्रदर्शनी के बारे में भी अवगत कराया।

शहीद की पत्नी को 25 लाख और परिवार के एक सदस्य को नौकरी

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने जम्मू-कश्मीर में हुए आईईडी विस्फोट में शहीद जवान आगरा निवासी संतोष सिंह भदौरिया को भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने शहीद जवान की पत्नी को 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता तथा परिवार के एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने संतोष सिंह भदौरिया की शहादत को शत-शत नमन करते हुए उनके परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है।

सभी अराजपत्रित पुलिस कर्मियों को मिलेगी विशेष सराहनीय प्रविष्टि

● डीजीपी ने बेहतर ढंग से कर्तव्यों के निर्वहन के लिए की पुलिसजनों की सराहना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी ओपी सिंह ने बीते दिनों विभिन्न त्योहारों को सकुशल सम्पन्न कराने और अयोध्या प्रकरण पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सूबे में शांति व कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अपने बेहतर कर्तव्यपालन के लिए सभी अराजपत्रित पुलिस कर्मियों को विशेष सराहनीय प्रविष्टि प्रदान करने का निर्णय किया है।

डीजीपी ने इस संबंध में सभी जोनल एडीजी,आईजी, रेंज के आईजी, डीआईजी और जिलों के पुलिस कप्तानों व पीएसी के सेनानायकों को निर्देश जारी किए हैं। डीजीपी ने कहा है कि विगत में विभन्न त्योहारों मसलन, दशहरा, चेहल्लुम, दीपावली, बारावफात, कार्तिक पूर्णिमा आदि एवं अयोध्या प्रकरण में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अवसर पर विधि व्यवस्था के दृष्टिगत प्रदेश के सभी पुलिस कर्मियों द्वारा बेहतर ढंग से कार्य निष्पादन किया गया। जिसके चलते सभी पर्व सकुशल व शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुए और कानून व्यवस्था उच्च कोटि की रही।

अत: प्रदेश के पुलिस कर्मियों के मनोबल को बढ़ाने और उनके उत्साहवर्धन के लिए उन्हें विशेष सराहनीय प्रविष्ट प्रदान करने की घोषणा की जाती है। डीजीपी ने निर्देशित किया है कि सभी अराजपत्रित पुलिस कर्मियों की चरित्र पंजिका में विशेष सराहनीय प्रविष्ट अंकित की जाए।

अधिकारी समय से निपटाएं जनसमस्याएं: केशव मौर्य

● उप मुख्यमंत्री ने सुनीं लोगों की फरियाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने सरकारी आवास 7 कालीदास मार्ग स्थित कैम्प कार्यालय पर जन सुनवाई की विभिन्न जिलों से आने वाले लोगों की समस्याएं सुनी और उसका मौके पर निस्तारण किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने प्रदेश के दूरदराज जिलों से आए विभिन्न लोगों की समस्याओं को सुना साथ ही संबंधित अधिकारियों को समस्याओं को निर्धारित समय सीमा के अन्दर निस्तारण के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि समस्याओं का निराकरण त्वरित गति से किया जाए। उपमुख्यंत्री ने जोर देते हुये कहा कि निस्तारण गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए ताकि किसी फरियादी को दुबारा उस समस्या के निदान हेतु परेशान न होना पड़े। श्री मौर्य ने कहा कि जन समस्याओं का त्वरित निस्तारण कराना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। कहा कि अधिकारी शासन की मंशा को समझें और सरकार की प्राथमिकताओं व जन आकांक्षाओं के अनुरूप अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। जन समस्याओं के निराकरण मे किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता किसी भी दशा मे क्षम्य नहीं होगी। उन्होने जनता दर्शन मे समस्यायें लेकर आये कई लोगों की समस्याओं के निदान हेतु सम्बन्धित जिलाधिकारियों से वार्ता भी की। जनता दर्शन में आवास आवंटन, चिकित्सा सुविधा, भूमि विवाद, आदि से सम्बन्धित विभिन्न मामले आये। जनता दर्शन मे पीलीभीत, गोरखपुर, बुलन्दशहर, बस्ती, प्रतापगढ़, गाजीपुर, चन्दौली, रायबरेली, जौनपुर, कन्नौज, इटावा, मैनपुरी, हाथरस, शाहजहांपुर आदि जिलों के लोग अपनी समस्याएं लेकर आये थे।

सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए गठित होगी विशेषज्ञों की समिति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने के लिए लोक कलाओं की विभिन्न विधाओं के विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने के निर्देश उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के निदेशक को दिये हैं। जिससे समिति से प्राप्त सुझावों के आधार पर ही कार्यक्रमों का आयोजन किया जाये।

उन्होंने कहा है कि समिति में विशेषज्ञ कलाकारों के साथ-साथ स्थानीय युवा कलाकारों को भी शामिल करें, जिससे वे विशेषज्ञ कलाकारों एवं जनता के सामने अपनी कला का प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि परम्परागत लीक से हटकर कुछ नया करने की कोशिश की जानी चाहिए, जिससे देश-विदेश के लोग भी कायक्रम देखने आयें। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज की शासी निकाय व कार्यकारणी परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल ने निदेशक से कहा कि बैठक के लिए निर्धारित तिथि से पहले सभी संबंधित राज्यों को बैठक से संबंधित एजेण्डा भेजना सुनिश्चित करें, जिससे वे इसका विधिवत अध्ययन कर बैठक में अपने सकारात्मक सुझाव दे सकें। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों से अच्छी तरह समन्वय बनाकर रखा जाय, जिससे बैठक में किसी तरह की भ्रम की स्थिति पैदा न हो। उन्होंने कहा कि उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के हों और इनका नियमित रूप से आयोजन किया जाना चाहिए। इससे न केवल लोक कलाओं को संरक्षित करने में मदद मिलेगी, बल्कि इससे पर्यटन क्षेत्र को भी लाभ होगा। प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री डॉ. नीलकण्ठ तिवारी ने बैठक में सुझाव दिया कि पूरे सांस्कृतिक जोन की सांस्कृतिक मैपिंग कराई जाय, जिसमें क्षेत्र विशेष की सांस्कृतिक धरोहर को शामिल किया जाय।

पीएफ घोटाले को लेकर बिजली कर्मियों का 48 घंटे का कार्य बहिष्कार शुरू

● बिजली कर्मी आवेश में आकर गलत कदम न उठाएं, सरकार पूरी तरह उनके साथ: श्रीकांत शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के अवाहन पर उप्र के सभी ऊर्जा निगमों के तमाम 45 हजार बिजली कर्मचारी एवं अभियन्ताओं ने सोमवार से प्रात: 8 बजे से 48 घण्टे का कार्य बहिष्कार प्रारम्भ कर दिया है। कार्य बहिष्कार से विद्युत उत्पादन गृहों की शिफ्ट, 400 केवी पारेषण और सिस्टम ऑपरेशन की शिफ्ट को अलग रखा है जिससे बिजली का ग्रिड पूरी तरह से ठप न हो। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि यदि 48 घण्टे के शांतिपूर्ण कार्य बहिष्कार से सरकार न चेती तो मजबूरन शिफ्ट में कार्यरत बिजली कर्मी भी आन्दोलन में सम्मिलित होने के लिए बाध्य होंगे। वहीं ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने कहा कि बिजली कर्मी आवेश में आकर गलत कदम न उठाएं सरकार पूरी तरह उनके साथ है।

प्रदेश भर में सोमवार की सुबह 8 बजे से ही बिजली कर्मचारी व अभियन्ता बिजली घरों और दफ्तरों से काम छोड़कर निकल गए और दिनभर विरोध प्रदर्शन करते रहे। लखनऊ में लेसा व मध्यांचल सहित सभी दफ्तरों के बिजली कर्मचारी व अभियन्ता काम छोड़कर शक्तिभवन मुख्यालय पर एकत्र हुए। परियोजनाओं पर प्रात: 8 बजे से ही मुख्य गेट पर बिजली कर्मचारियों ने विरोध सभायें की और जमकर नारेबाजी की। इसी प्रकार जिला मुख्यालयों पर सभी दफ्तरों व बिजली उपकेन्द्रों के कर्मचारी एक स्थान पर एकत्र हुए और विरोध सभा की। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने 48 घण्टे के कार्य बहिष्कार के लिए प्रबन्धन व नौकरशाहों के हठवादी रवैये को जिम्मेदार ठहराया है। संघर्ष समिति का कहना है कि बिजली कर्मचारियों के प्राविडेन्ट फंड की घोटाले में डूब गयी 26 अरब रूपये की धनराशि के भुगतान की जिम्मेदारी लेकर प्रदेश सरकार को गजट नोटिफिकेशन जारी करने से रोकने में सबसे बड़ी भूमिका ऊर्जा विभाग के नौकरशाहों की है जो सरकार को गुमराह कर रहे हैं। संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि वे तत्काल 26 अरब रूपये के भुगतान की मांग नहीं कर रहे हैं बल्कि 26 अरब रूपये के भुगतान की गारण्टी की मांग कर रहे हैं जिससे बिजली कर्मचारी निश्चिन्त होकर अपने कार्य में जुटे रह सकें। वर्ष 2000 में ऐसी ही गारण्टी उप्र सरकार ले चुकी है एवं इसका गजट उपलब्ध है।

बजट मैनेजमेंट में सहायक सिद्ध होगा ऑनलाइन मानीटरिंग सिस्टम: डीजीपी

पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यशाला में 26 जिलों, तीन जोन व 6 परिक्षेत्रों के डीडीओ व एकाउंटेंट ने हिस्सा लिया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी ओपी सिंह ने ऑनलाइन बजट मानीटरिंग सिस्टम कार्यशाला में पुलिस महकमे में तैनात सभी डीडीओ एवं अकाउंटेंट से ऑनलाइन बजट मानीटरिंग सिस्टम सॉफ्टेवेयर की उपयोगिता के संबंध में चर्चा की। उन्होंने प्रशिक्षकों को सॉफ्टवेयर की उपयोगिता तथा आने वाली समस्याओं के बारे में डीडीओ और अकाउंटेंट को विस्तृत जानकारी देने के निर्देश दिए। इस मौके पर डीजीपी ने कहा कि ऑनलाइन बजट मानीटरिंग सिस्टम के माध्यम से बजट की त्वरित जानकारी के साथ-साथ बजट मैनेजमेंट में भी यह सहायक सिद्ध होगा।

पुलिस मुख्यालय स्थित ट्रेनिंग सेंटर में सोमवार को ऑनलाइन बजट मानीटरिंग सिस्टम कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रदेश पुलिस द्वारा विकसित साफ्टवेयर एप्लीकेशन मानीटरिंग सिस्टम का शुभारंभ बीती 14 नवंबर को डायल-112 मुख्यालय में किया गया था। ऑनलाइन बजट मानीटरिंग सिस्टम पर आयोजित इस कार्यशाला में 26 जिलों, तीन जोन एवं 9 परिक्षेत्रों से डीडीओ एवं एकाउंटटेंट द्वारा हिस्सा लिया गया। कार्यशाला में समस्त को साइट का ऑनलाइन डेमो कराया गया। बजट मानीटरिंग सिस्टम कैसे उचित रूप से उपयोग करें एवं साफ्टवेयर के विभिन्न चरणों को किस प्रकारण पूर्ण किया गया जाए आदि महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर सभी को प्रशिक्षित किया गया। डीजीपी ने कार्यशाला में उपस्थित समस्त प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमें और अधिक आर्गनाइज करेगा। बजट मानीटरिंग सिस्टम से बजट के बारे में जानकारी, प्लानिंग व व्यय करने में भी उपयोगी होगा। उन्होंने प्रशिक्षकों को निर्देशित किया कि इस सिस्टम को लेकर डीडीओ और एकाउंटेंट की समस्त जिज्ञासाओं को दूर करें। कार्यशाला में एडीजी पीएचक्यू एवं आईजी बजट पीएचक्यू सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नागरिकता संशोधन विधेयक के खिलाफ पूर्वोत्तर भारत में जबर्दस्त प्रदर्शन

पीएम का पुतला फूंका

भाषा। गुवाहाटी/शिलांग

प्रस्तावित नागरिकता (संशोधन) विधेयक 2019 के खिलाफ पूर्वोत्तर राज्यों में सोमवार को प्रदर्शन हुए और असम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका गया। विरोध रैलियां संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन निकाली गई हैं। इस विधेयक को इसी सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। गुवाहाटी में विभिन्न स्थानों पर धरने दिए गए और युवा संगठन एजेवाईसीपी ने राज्य के विभिन्न स्थानों पर मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनेवाल का पुतला दहन किया।

ये प्रदर्शन नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन (एनईएसओ) और इसके घटक कृषक मुक्ति संग्राम समिति , असम जातियाताबाडी युबा छात्र परिषद (एजेवाईसीपी) और लेफ्ट डेमोक्रेटिक मंच , असम समेत अन्य ने आयोजित किया था। एनईएसओ के तहत क्षेत्र के छात्र संगठन आते हैं। एनईएसओ ने पूर्वोत्तर राज्यों के राज्यपालों के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को नागरिकता (संशोधन) विधेयक के खिलाफ ज्ञापन भेजे। एनईएसओ और एएएसयू ने अन्य के साथ मिलकर गुवाहाटी के उज़ान बाजार में स्थित अपने मुख्यालय से राजभवन तक रैली निकाली और विधेयक के खिलाफ नारेबाजी की। एनईएसओ और एएएसयू के सलाहकार समुज्जल भट्टाचार्य ने कहा, असम और पूर्वोत्तर अवैध बांग्लादेशियों के लिए डंपिग ग्राउंड नहीं है। असम समझौते के तहत हम पहले ही 1971 तक असम में अवैध तरीके से घुसने वाले हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही बांग्लादेशियों को अपना चुके हैं। हम अब उस साल के बाद असम में घुसने वालों को नहीं अपनाएंगे। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार 2014 को कट ऑफ तारीख तय करके 43 सालों में देश में घुसने वाले अवैध बांग्लादेशियों को असम पर थोपने की कोशिश कर रही है। हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। हम इसका विरोध करते हैं। भट्टाचार्य ने कहा, यह आंदोलन असम और पूर्वोत्तर में चलता रहेगा।

विधेयक के कानून बनने से बहुत सी समस्याओं के हल होने के असम के मंत्री हेमंता बिस्वा सरमा और अन्य के दावे पर भट्टाचार्य ने कहा, वे भाजपा का वोट बैंक सुरक्षित रखना चाहते हैं। वे (भाजपा) अवैध बांग्लादेशियों का वोट चाहते हैं। उनके पास दिल्ली (संसद) में संख्या बल है और वह विधेयक को हम पर थोपेंगे। उन्होंने कहा, हम नागरिकता संशोधन विधेयक को स्वीकार नहीं करेंगे। इसलिए हमने विधेयक के खिलाफ आंदोलन शुरू किया है। एएएसयू के अध्यक्ष दीपांक नाथ ने कहा कि नागरिकता संशोधन विधेयक असमी समुदाय को खत्म करने वाला है। यह असमी लोगों को विलुप्त कर देगा। यह और बांग्लादेशियों के असम में घुसने के लिए दरवाजे खोल देगा। मेघालय में खासी स्टूडेंट्स यूनियन ने तीसरे सचिवालय के पास विवादित विधेयक के खिलाफ धरना दिया और कहा कि इसका समूचे क्षेत्र के लोगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। मिजो जिरलाई पव्ल (एमजेडपी) ने विधेयक के खिलाफ सोमवार को आईजोल में एक रैली निकाली।

जमशेदपुर में आयोजित पांच दिवसीय संवाद कार्यक्रम में परंपरागत नृत्य प्रस्तुत करते कलाकार

बेंगलुरु में मच्छर जनित बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए आवासीय क्षेत्रों में फागिंग कराई जा रही है

राजस्थान में निकाय चुनाव का परिणाम आज, अपने प्रत्याशियों पर है दलों की नजर

भाषा। जयपुर

राजस्थान के 49 नगर निकायों में 2,000 से अधिक पार्षदों पदों के लिए हुए मतदान का परिणाम मंगलवार को आएगा। इस बीच सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा ने अपने अपने प्रत्याशियों पर नजर रखना शुरू कर दी है ताकि परिणाम के बाद किसी भी तरह की सौदेबाजी नहीं सके। राज्य निर्वाचन विभाग के सूत्रों ने बताया कि सभी निर्धारित केन्द्रों पर मतगणना सुबह आठ बजे शुरू होगी। इसके लिए सुरक्षा व अन्य बंदोबस्त कर लिए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि राज्य में तीन नगर निगमों, 18 नगर परिषद और 28 नगरपालिकाओं यानी कुल 49 निकायों में सदस्य पार्षद पद के लिए शनिवार को मतदान हुआ था। चुनाव में कुल 71.53 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

इन 49 निकायों में कुल 2,105 वार्डों में चुनाव होना था जिनमें से 14 वार्डों में पार्षद निर्विरोध चुने जा चुके हैं। बाकी 2,081 वार्ड में 7,942 उम्मीदवार अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं जिनमें 2,832 महिलाएं और 5,109 पुरुष प्रत्याशी शामिल हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार नगर निकायों में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव 26 नवंबर और उपाध्यक्ष पद के लिए 27 नवंबर को करवाया जाएगा। इस बीच कांग्रेस और भाजपा ने प्रमुख निकायों में अपने-अपने वार्ड पार्षद प्रत्याशियों को इकट्ठा कर किसी होटल, रेसार्ट या अन्य स्थान पर भेज दिया है। इसी तरह कई जगह निर्दलीय प्रत्याशियों की बैठकें भी हो रही हैं ताकि किसी भी तरह का समीकरण बनने पर साथ मिलकर एक राय तय की जा सके।

आइडिया पेमेंट्स बैंक समेटेगा कारोबार

मुंबई (भाषा)। आदित्य बिड़ला आइडिया पेमेंट्स बैंक अपना कारोबार समेटने जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को बताया कि कंपनी के स्वेच्छा से अपना कारोबार समेटने का आवेदन करने के बाद उसके परिसमापन को मंजूरी दे दी गई है। रिजर्व बैंक ने एक अधिसूचना में कहा, आदित्य बिड़ला आइडिया पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को स्वेच्छा से परिसमाप्त करने के आवेदन पर बंबई उच्च न्यायालय ने 18 सितंबर 2019 को आदेश जारी कर दिया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि बंबई उच्च न्यायालय ने डेलॉइट ताउचे तोमस्तु इंडिया एलएलपी के वरिष्ठ निदेशक विजयकुमार वी. अय्यर को इसके लिए परिसमापक नियुक्त किया है। इस साल जुलाई की शुरुआत में आदित्य बिड़ला आइडिया पेमेंट्स बैंक ने अपना कारोबार समेटने की घोषणा की थी। कंपनी ने इसके पीछे अहम वजह अप्रत्याशित घटनाक्रम के चलते कारोबार का अव्यवहारिक होना बताई थी।

उम्मीद है, ममता बुलबुल से हुए नुकसान की मुझे जानकारी देंगी

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल को चक्रवात बुलबुल की वजह से हुए नुकसान के बारे मे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा जानकारी नही देने पर नाखुशी जताते हुए राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि वह आशा करते है कि कुछ दिनो मे मुख्यमंत्री ने उन्हे सूचित करेगी। धनखड़ ने कहा कि संविधान के मुताबिक, यह मुख्यमंत्री का कर्तव्य है कि वह अहम घटनाक्रमो से राज्यपाल को अवगत कराएं। उन्होने यहां पत्रकारो से कहा, बुलबुल निश्चित रूप से महत्वपूर्ण घटनाक्रम है और मुख्यमंत्री के लिए जरूरी है कि वह इस घटनाक्रम के संबंध मे राज्यपाल को सभी आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराएं। राज्यपाल ने कहा, मुझे यकीन है कि वह कुछ दिनो मे मुझे जानकारी देंगी। पश्चिम बंगाल सरकार ने शनिवार को कहा था कि बुलबुल से राज्य को 23,811 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है और तीन जिलो के करीब 35 लाख लोग प्रभावित हुए है। धनखड़ ने कहा कि उन्होने 30 जुलाई को राज्यपाल का पद संभाला था और तब से 100 दिनो से ज्यादा का समय बीत गया है और इस दौरान हुए कई अहम घटनाक्रमो से मुख्यमंत्री ने उन्हे अवगत नही कराया है, जबकि ऐसा करना उनका संवैधानिक दायित्व है। राज्यपाल ने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी के इस आरोप का फिर खंडन किया है कि वह राज्य मे समानांतर सरकार चला रहे है। उन्होने कहा, मुख्यमंत्री ने इस बारे मे कभी पत्र नही लिखा है कि राज्यपाल अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर गए है। राज्यपाल का कई मुद्दो पर मुख्यमंत्री के साथ वाक युद्ध चल रहा है।

डिवाइडर से टकराई, बाइक दो की मौत व एक घायल

बरेली। तेजी से आ रही है मोटरसाइकिल अचानक बेकाबू होकर सड़क के बीच में डिवाइडर से टकरा गई जिससे उस पर सवार दो युवकों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया बारादरी थाना क्षेत्र की गोपाल नगर कॉलोनी निवासी 19 वर्षीय सानू पुत्र राजकुमार सिंह और यहीं के रहने वाले योगेंद्र गंगवार के बेटे गौरव की बीती रात बारादरी थाना क्षेत्र में दोहरा मोड़ पर हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई जबकि 12 तारीख की सनराइज कॉलोनी निवासी अश्वनी कुमार पुत्र सुरेश गंभीर रूप से घायल हो गया पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतकों के घरवालों ने बताएगी दुर्घटना के शिकार तीनों युवक आपस में गहरे दोस्त थे और कल शाम को मोटरसाइकिल से अपने किसी काम से घर से निकले थे रात में तीनों लोग एक ही मोटरसाइकिल से घर वापस लौट रहे थे लेकिन जब उनकी बाइक डोगरा मोड़ पर पहुंची तभी अचानक बेकाबू हो गई और सड़क के बीच होने से टकरा गई जिससे उस पर सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने तीनों को अस्पताल ले जाने की कोशिश की लेकिन तब तक सानू और गौरव की मौत हो चुकी थी।

पति को जमानत पर छुड़ाने का झांसा देकर किया दुष्कर्म

बरेली। जेल में बंद पति को जमानत पर छुड़ाने के लिए मदद मांगने गयी महिला के साथ एक व्यक्ति ने दुष्कर्म किया। पीड़िता जब थाने पहुंची तो पुलिस ने उसकी नहीं सुनी। सीबीगंज क्षेत्र की एक कॉलोनी निवासी महिला ने कप्तान को बताया कि उसका पति दो वर्ष से जेल में बंद है। पति के जेल में बंद होने पर उसने खोखा में बीड़ी, तम्बाकू की दुकान रख ली। उसकी दुकान सीबीगंज के गांव सनौआ का एक व्यक्ति आता था। एक दिन उसने कहा कि कचहरी में उसकी अच्छी जान पहचान है। वह उसके पति की जमानत करा सकता है। उसके सामने फोन पर बड़े बड़े वकीलों से बातें करने का नाटक करता था। पीड़िता को यकीन हो गया कि पति की जमानत करा सकता है। एक दिन आरोपी ने उसे अपने पास बुलाया और जबरन दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने पति की जमानत न होने देने की धमकी दी। रूपये ठगने का भी आरोप लगाया है।

पचपन लाख के गांजा के साथ एक गिरफ्तार

बरेली। पुलिस ने आज एक ट्रक में ले जाए जा रहे गांजे से भरे 8 बोरी बरामद किए जिनका वजन 2 कुंटल 2 किलो था बरामद किए गए गांजे की कीमत लगभग 5500000 बताई जाती है पुलिस ने ट्रक के ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया और जेल भेजा।बारादरी थाना इंचार्ज नरेश कुमार त्यागी के नेतृत्व में उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह संजीव दुबे हेड कांस्टेबल बृजेश मिश्रा कांस्टेबल राजेश यादव अखिलेश भानु प्रताप अंकित चौधरी और सत्येंद्र कुमार ने आज बारादरी थाना क्षेत्र के रूहेलखंड चौकी से सोवती होटल से कुछ आगे बीसलपुर मोड़ पर वाहन चैकिंग के दौरान एक ट्रक को रोककर जब उसकी चेकिंग की तब उसमें गांजे से भरे 8 बोरी बरामद हुए जिसका वजन 2 कुंटल 2 किलो था।

मुसलमान मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के बहकावे में आने वाला नहीं: शहाबुद्दीन

बरेली। तन्जीम उलमा-ए-इस्लाम के महासचिव मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की बैठक पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बाबरी मस्जिद अयोध्या पर हक्के मिल्कियत के मुकदमे में सुप्रीम कोर्ट की जानिब से जो फैसला सुनाया गया है उस पर फैसला आने से पहले मुस्लिम संगठनों और मुस्लिम लीडराआन ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट जो भी फैसला देगा उसको हम मानेंगे इसमें मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड भी शामिल था। मगर आज बोर्ड की लखनऊ में बैठक हुई उसमें ये निणर्य लिया गया कि फैसले के खिलाफ रीव्यू पीटिशन दाखिल की जायेगी और 5 एकड़ जमीन नहीं लेने का भी ऐलान किया। मौलाना ने इस पर कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के लोग अयोध्या के मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं और नहीं चाहते हैं कि अयोध्या मुद्दा खत्म हो इसको जिंदा रख कर इसी तरह की राजनीति की बिसात बिछाते रहे, बोर्ड देश में हिन्दू-मुस्लिम भाई चारा और अमन व शातिं के बने अच्छे वातावरण को भगं करना चाहता है। जबकि हकीकत यह है कि बोर्ड सिर्फ देश के 25 फीसद नुमाइंदगी करता है और 75 फीसद मुस्लिम आबादी बोर्ड के खिलाफ है। मौलाना ने आगे कहा कि अब इस मुद्दे को यही छोड़ कर आगे बढ़ने की बात करना चाहिए ताके इस मामले को लेकर दुवारा देश का महोल खराब न हो अब इस विवाद का दरवाजा हमेशा के लिए बन्द हो जाना चाहिए, इस मुद्दे कि वजह से देश के मुसलमानों ने जान व माल का बहुत ज्यादा नुकसान उठाया है। अब मुसलमान नही चाहता है कि इस मुद्दे कि वजह से उसकी नयी नस्ल (नौजवानों) को मुश्किलों और मुसीबतों का सामना करना पड़े, मुसलमानों ने सबर व तहामुल्ल के साथ फैसले को तसलीम किया है। क्योंकि मुसलमान नही चाहता की देश एक बार फिर नफरत की भेंट चढ़ जाये।मौलाना ने आगे कहा कि आम मुसलमान मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के बहकावे में आने वाला नहीं है, बाबरी मस्जिद के असल पक्षकार श्री इकबाल अंसारी ने स्पष्ट कर दिया है कि हम रिव्यू पीटिशन नहीं दाखिल करेंगे और पाचं एकड़ की जमीन पर मस्जिद बनायेंगे, ये सही फैसला है।

पेज एक का शेष

हजारों छात्रों...

कर रहे हैं शहर में कोई अप्रिय घटना न हो। एक बयान में दिल्ली पुलिस ने कहा कि उसने प्रदर्शनकारी छात्रों पर बल प्रयोग नहीं किया। बयान में कहा गया ' प्रदर्शन के दौरान किसी भी समय पानी की बौछार, आंसू गैस या लाठी चार्ज नहीं किया गया। महिला प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए पर्याप्त संख्या में महिला कर्मियों को तैनात किया गया था।' वही जेएनयू में छात्रावास शुल्क वृद्धि का मुद्दा सोमवार को लोकसभा में उठा और बसपा के एक सदस्य ने सरकार के इस कदम को निंदनीय बताया। बसपा के दानिश अली ने नियम 377 के तहत जेएनयू के विषय को उठाते हुए कहा कि जब से केंद्र में राजग की सरकार आई है, शिक्षा का व्यावसायीकरण होता जा रहा है। कई केंद्रीय विश्वविद्यालय इसका शिकार हैं। इस बीच, छात्रों ने दोहराया कि वे तब तक नहीं झुकेंगे जब तक सरकार फीस वृद्धि वापस नहीं ले लेती। एक प्रदर्शनकारी छात्र ने कहा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय को अवैध मसौदा आईएचए नियमावली और कार्यकारी परिषद के इसे स्वीकार करने के अवैध फैसले को वापस लेने की घोषणा करे। छात्रों के निर्वाचित प्रतिनिधि जेएनयू छात्रसंघ और जेएनयू शिक्षक संघ को पक्षकार माना जाए। यह आश्वासन दिया जाए कि नियमावली पर कोई भी फैसला उचित और स्थापित प्रक्रिया के तहत लिया जाएगा। आइशी घोष ने कहा कि उन्होंने जेएनयू से शांतिपूर्ण मार्च निकाला। उन्होंने कहा, पुलिस को लगा कि दो पदाधिकारियों को हिरासत में ले लेने से आंदोलन खत्म हो जाएगा, लेकिन हर छात्र एक नेता है। हम सब एक साथ लड़ रहे हैं। दिल्ली पुलिस परेशान है। जब तक बढ़ा शुल्क और आईएचए नियम वापस नहीं हो जाते, हम अपना प्रदर्शन जारी रखेंगे। इससे पहले संसद मार्च से रोके जाने के बाद प्रदर्शन कर रहे छात्र सफदरजंग मकबरे के पास धरना देकर बैठ गए तथा हिरासत में लिए गए अपने साथियों को रिहा करने और मंत्रालय के अधिकारियों के बैठक कराने की मांग करने लगे। दिल्ली पुलिस के शीर्ष अधिकारियों ने उनसे बातचीत शुरू की तथा अनुरोध किया कि वे कानून अपने हाथ में न लें। छात्रों के संसद मार्च के चलते लुटियंस दिल्ली के कुछ हिस्से में यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। इसके अलावा नेल्सन मंडेला मार्ग, अरबिंदो मार्ग और बाबा गंग नाथ मार्ग वाहन बेहद धीमी गति से चल रहे थे। इसके चलते ऑफिस जाने और शाम को आने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर वाहनों की लंबी कतार लगी रही। संसद के पास दिल्ली मेट्रो के तीन प्रवेश और निकासी मार्गों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और उद्योग भवन तथा पटेल चौक पर ट्रेनों का ठहराव रोक दिया गया। चार घंटे बाद सेवा फिर शुरू की गई। मार्च और पुलिस के कथित लाठीचार्ज में घायल छात्रों की तस्वीरों को साझा करने के लिए छात्रों ने ट्वीटर का सहारा लिया। माइक्रोब्लागिंग साइट पर यह 'इमरजेंसी इन जेएनयू' हैशटैग के साथ यह ट्रेंड कर रहा था। पुलिस के आला अधिकारियों के लिए आज का दिन बेहद मशक्कत भरा रहा। पुलिस के खिलाफ नारा लगा रही भीड़ को वे नियंत्रित करने में लगे रहे। तीन दिन से विश्वविद्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्र अपनी मांगों की ओर संसद का ध्यान दिलाने के लिए बैनरों के साथ आज सड़कों पर उतरे। जेएनयूएसयू के उपाध्यक्ष साकेत मून ने कहा, 'पुलिस कह रही है कि वह मानव संसाधन मंत्रालय के अधिकारियों से मिलाने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल लेकर जाएगी। हमने फैसला किया है कि हमारे जिन साथियों ने अनजान जगह पर हिरासत में रखा गया पहले उन्हें छोड़ा जाए तभी हम प्रतिनिधिमंडल को भेजेंगे। हम एचआरडी पैनल में प्रतिनिधित्व चाहते हैं।' इससे पूर्व सैकड़ों पुलिसकर्मियों ने बाबा गंगनाथ मार्ग पर छात्रों को आगे बढ़ने से रोक दिया। विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से आगे बढ़ने पर 600 मीटर की दूरी पर ही छात्रों को रोक दिया गया। कुछ छात्रों ने जब आगे बढ़ने की कोशिश की तो उन्हें बलपूर्वक रोक दिया गया। शुरुआत में विश्वविद्यालय परिसर के बाहर से अवरोधक हटा दिए गए और छात्रों को मार्च करने की इजाजत दी गई। लेकिन बाद में प्रदर्शनकारियों को रोक दिया गया। प्रदर्शन में शामिल कुछ छात्र नेता जब आगे बढ़ने पर अड़ गए तो उन्हें हिरासत में ले लिया गया।बाद में, छात्र लोधी रोड के पास सफदरजंग के मकबरे तक आगे बढ़ने में सफल रहे, लेकिन उन्हें फिर से रोक दिया गया और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने की कोशिश की। एक छात्रा प्रियंका ने कहा, शुल्क वृद्धि को आंशिक तौर पर वापस लेकर हमें लॉलीपॉप थमाया जा रहा है। मैं अपने परिवार में पहली ऐसी लड़की हूं जो विश्वविद्यालय पहुंची हूं। मेरी तरह कई अन्य हैं। शिक्षा कुछ धनी लोगों का ही अधिकार नहीं है। नाम जाहिर न करने की शर्त पर एक अन्य छात्र ने कहा, हमने अपने कुलपति को लंबे समय से नहीं देखा है। यह समय है कि वह आएं और हमसे बात करें। शिक्षकों और अन्य माध्यम से हमसे अपील करने से अच्छा है कि उन्हें हमसे बात करनी चाहिए। विश्वविद्यालय के शिक्षक संघ ने विश्वविद्यालय परिसर की मौजूदा स्थिति को लेकर चिंता जाहिर की है।

मामला देखने...

जैन शामिल हैं। सुब्रह्मण्यम ने कहा, समिति छात्रों और प्रशासन से तत्काल बातचीत आरंभ करेगी और उठाए जाने वाले कदमों के बारे में सिफारिश देगी। यूजीसी समिति की कार्यप्रणाली के लिए आवश्यक समर्थन मुहैया कराएगी।

मोदी ने...

हुई विषेष चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि इस सदन ने कई ऐतिहासिक पल देखे हैं और कई बार इतिहास को मोड़ने का भी काम किया है। उन्होंने राज्यसभा सदस्यों को रुकावट के बजाय संवाद का रास्ता चुनने का सुझाव दिया और, सदन के सुचारू कामकाज में योगदान के लिए राकांपा एवं बीजद की खुले दिल से सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी लोगों को राकांपा और बीजद से सीख लेनी चाहिए क्योंकि उनके सदस्य कभी आसन के समक्ष नहीं आते। सत्ता पक्ष (भाजपा-राजग) और अन्य पार्टियों को इनसे यह सीखने की जरूरत है कि आसन के सामने आए बगैर भी वे अपनी राजनीतिक को आगे बढ़ा सकती हैं। भरे सदन में प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ को महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक संकट के बीच राकांपा की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाने के तौर पर लिया गया। सोनिया से मिलने के बाद जिस तरह पवार ने तिकड़ी के सरकार बनाने पर तस्वीर साफ नहीं की, उससे उक्त अनुमान को और बल मिल गया है। कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से मुखातिब पवार ने यह भी कहा कि बैठक में साझा न्यूनतम कार्यक्रम पर भी कोई चर्चा नहीं हुई। वे लोग (पवार-सोनिया) सरकार गठन के मसले पर समाजवादी पार्टी और स्वाभिमानी शेतकारी संगठन जैसे उन छोटे दलों के साथ विचार-विमर्श करना चाहते हैं जिन्होंने कांग्रेस और राकांपा के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ा था। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि दोनों नेताओं की बातचीत से महाराष्ट्र में नई सरकार की तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हालांकि सूत्रों ने दावा किया कि पवार-सोनिया ने शिवसेना, राकांपा, कांग्रेस गठबंधन की सरकार के गठन से जुड़े तमाम पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। मुमकिन है कि अगले कुछ दिनों में स्थिति एकदम स्पष्ट हो जाए।बाद में,कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया कि शरद पवार ने आज कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकात की और उन्हें महाराष्ट्र के राजनीतिक हालात से अवगत कराया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अगले एक या दो दिनों में राकांपा और कांग्रेस के प्रतिनिधि दिल्ली में फिर मिलेंगे और आगे की दिशा अथवा रणनीति पर चर्चा करेंगे ।सोनिया और पवार की मुलाकात से पहले महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण समेत प्रदेश कांग्रेस के कई अन्य नेताओं ने पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ तफसील से बात की। कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि केरल इकाई से संबद्ध कांग्रेसी नेता महाराष्ट्र में शिवसेना के खिलाफ हैं। उन्हें आशंका है कि इससे दक्षिण भारत में कांग्रेस को नुकसान हो सकता है। उधर, शिवसेना लगातार इस बात पर जोर दे रही है कि महाराष्ट्र अगला मुख्यमंत्री उसका ही होगा। उसने यह दावा भी किया कि तीनों पार्टियां साझा न्यूनतम कार्यक्रम पर सहमत हो गई हैं गौरतलब है कि गत 24 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से नई सरकार को गठन को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। भाजपा-शिवसेना को पूर्ण बहुमत मिला था लेकिन मुख्यमंत्री पद की जिद के चलते दोनों के रास्ते अलग हो गए। इसके बाद से शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाने की कवायद में जुटी हुई है। प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में नया अध्याय जोड़ने की मारामारी में मराठा छत्रप शरद पवार निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

भारतीय अंतरिक्ष...

प्रमुख दमित्री लोस्कुतोव ने सोमवार को दुबई एयरशो 2019 में तास समाचार एजेंसी से कहा, कोस्मोनॉट प्रशिक्षण केंद्र में गगनयात्रियों की शिक्षा और प्रशिक्षण अगले वर्ष शुरू होना है लेकिन यह भारत की ओर से चयन पर निर्भर करता है कि वह आखिरकार किसका चयन करता है और प्रशिक्षण के लिए रूस भेजता है। उन्होंने बताया कि भारत का अपना खुद का मानवयुक्त कार्यक्रम तैयार करने का इरादा है। अभी तक भारतीय अंतरिक्ष यात्री द्वारा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र तक उड़ान की योजना नहीं बनाई गई है।

न्यायमूर्ति बोबड़े...

नरेन्द्र मोदी और उनके मंत्रिमंडल के अनेक सदस्यों के अलावा पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह भी उपस्थित थे। इस अवसर पर पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई के अलावा पूर्व प्रधान न्यायाधीश आर एम लोढा, तीरथ सिंह ठाकुर और जे एस खेहड़ भी उपस्थित थे। दरबार कक्ष में पहुंचने के बाद पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई ने केन्द्रीय मंत्रियों और राजनीतिक व्यक्तियों से मुलाकात की और उनसे हाथ मिलाया। प्रधान न्यायाधीश पद की शपथ ग्रहण करने के बाद न्यायमूर्ति बोबडे उच्चतम न्यायालय पहुंचे और उन्होंने अपना पदभार ग्रहण किया। अभूतपूर्व सद्भावना कदम के तहत प्रधान न्यायाधीश बोबडे ने खचाखच भरे न्यायालय कक्ष में जमैका के मुख्य न्यायाधीश ब्रायन साइक्स और भूटान उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश के. शेरिंग के साथ मंच साझा किया। उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश खन्ना सहित अनेक वरिष्ठ अधिवक्ता, प्रधान न्यायाधीश के रिश्तेदार और अनेक मित्र न्यायालय कक्ष में उपस्थित थे। वरिष्ठता के नियमों के अनुसार ही पिछले महीने तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में न्यायमूर्ति बोबडे के नाम की सिफारिश की थी। न्यायमूर्ति गोगोई रविवार को सेवानिवृत्त हो गए। प्रधान न्यायाधीश नियुक्त होने के बाद न्यायमूर्ति बोबडे ने कहा था कि वह उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति या उनके नाम को खारिज करने संबंधी कॉलेजियम के फैसलों का खुलासा करने के मामले में पारंपरिक दृष्टिकोण अपनाएंगे।

हिरासत में...

नेशनल कान्फ्रेंस के सदस्य आसन के समीप नारेबाजी करते रहे। प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद अध्यक्ष ने कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी को उनकी बात रखने का मौका दिया। इस दौरान हंगामा कर रहे सदस्य अपनी सीटों पर जाकर बैठ गए। सदन में कांग्रेस के नेता चौधरी ने कहा कि गत पांच अगस्त को गृह मंत्री अमित शाह ने सदन को आश्वासन दिया था कि फारुख अब्दुल्ला को हिरासत में नहीं लिया गया है और उनकी सेहत खराब है। लेकिन वह 108 दिन से हिरासत में हैं। उन्होंने कहा, यह अन्याय और जुल्म क्यों? चौधरी ने मांग की कि नेशनल कान्फ्रेंस नेता अब्दुल्ला को तत्काल रिहा कर सदन में लाया जाए। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के सांसदों को कश्मीर जाने की इजाजत नहीं है और पार्टी नेता राहुल गांधी को श्रीनगर हवाईअड्डे पर रोक लिया गया लेकिन यूरोपीय सांसदों को कश्मीर आने की इजाजत दे दी गई। चौधरी ने आरोप लगाया, यह सभी सांसदों का अपमान है। सरकार जम्मू कश्मीर को आंतरिक मामला बताती है लेकिन उसने इसे अंतरराष्ट्रीय मामला बना दिया। चौधरी ने इस विषय पर सदन में चर्चा की भी मांग की।

पारंपरिक पोशाक...

कर राज्यसभा सचिवालय और सुरक्षा अधिकारियों ने नई ड्रेस की डिजाइन को लेकर कई दौर की बैठकें कीं और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन की मदद से आधुनिक यूनीफॉर्म को अंतिम रूप दिया गया। मार्शलों ने इस बदलाव पर खुशी जाहिर की है। 245 सदस्यीय राज्यसभा का यह 250वां सत्र है। राज्यसभा का गठन 1952 में किया गया था।

दिल्ली में...

के अनुसार, प्रति 10 हजार की आबादी पर एक नमूने का परीक्षण किया जाना चाहिए। इसलिए, 11 की जगह परीक्षण के लिए कम से कम 2500 नमूनों की आवश्यकता होगी। केजरीवाल ने कहा कि वह यह नहीं बता रहे हैं कि पानी के 11 नमूने कहां से लिए गए। उन्होंने कहा, उन्होंने यह नहीं बताया कि नमूने कहां से लिए गए। लेकिन हम पारदर्शी तरीके से हर वार्ड से नमूने लेंगे और उसका परीक्षण करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पहले केंद्रीय जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दिल्ली के पानी को यूरोपीय मानकों से भी बेहतर बताया था। उन्होंने कहा, शेखावत और पासवान केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। वे तय करें कि कौन सही हैं।

लोगों को उकसाने के लिए कई तरकीबें आजमा रहा पाक: डीजीपी

भाषा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के डीजीपी दिलबाग सिंह ने कहा कि पाकिस्तान और आतंकवादियों को पनाह देने वाले लोग हताश हो गए हैं और वे आम लोगों को उकसाने तथा डराने के लिए कई तरकीबें आजमा रहे हैं।

पुलिस के एक प्रवक्ता ने सिंह के हवाले से कहा, पाकिस्तान और आतंकवाद समर्थक हताश हो गए हैं और लोगों को उकसाने और डराने के लिए विभिन्न युक्तियों एवं हिंसा का सहारा ले रहे हैं। लोगों को उनके प्रयासों को विफल करने के लिए चौकन्ना रहना चाहिए। प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि पुलिस महानिदेशक ने यहां जिला पुलिस कार्यालय में जोनल साइबर पुलिस थाना का उद्घाटन किया और जिले में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की समीक्षा की।

उन्होंने बताया कि पुलिस प्रमुख ने अधिकारियों से केंद्र शासित प्रदेश में शांति भंग कर सकने वाले शरारती तत्वों की पहचान करने को कहा है। डीजीपी ने शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए उनसे सजग रहने और शरारती तत्वों की किसी भी गतिविधि को रोकने के लिए पूरी तरह तैयार रहने को कहा है। सिंह ने कहा, आतंकवाद की चुनौती से पूर्व में प्रभावी ढंग से निपटा गया है और इसे पूरी तरह रोकने के लिए और प्रयास करने की जरूरत है। आतंकवाद के मामलों और आतंकवादियों तथा शरारती तत्वों की हिंसा की उचित जांच कर तार्किक परिणति तक लाया जाना चाहिए। शरारती तत्वों पर सख्त कानूनों के तहत मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत में डीजीपी ने कानून-व्यवस्था के महत्त्वपूर्ण विषयों पर, महत्त्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा पर और उठाए गए एहतियाती कदमों तथा विभिन्न तरीकों से सर्विलांस के विषय पर प्रत्एक से जानकारी मांगी।

जम्मू कश्मीर के पुंछ में संदिग्ध आतंकियों की तलाश के लिए अभियान

जम्मू। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधियों के बारे में गुप्त सूचना मिलने के आधार पर सुरक्षा बलों ने तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि सुरनकोट के जंगल क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधि के बारे सूचना मिलने के बाद सेना और पुलिस ने तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि संदिग्ध आतंकियों की तलाश के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

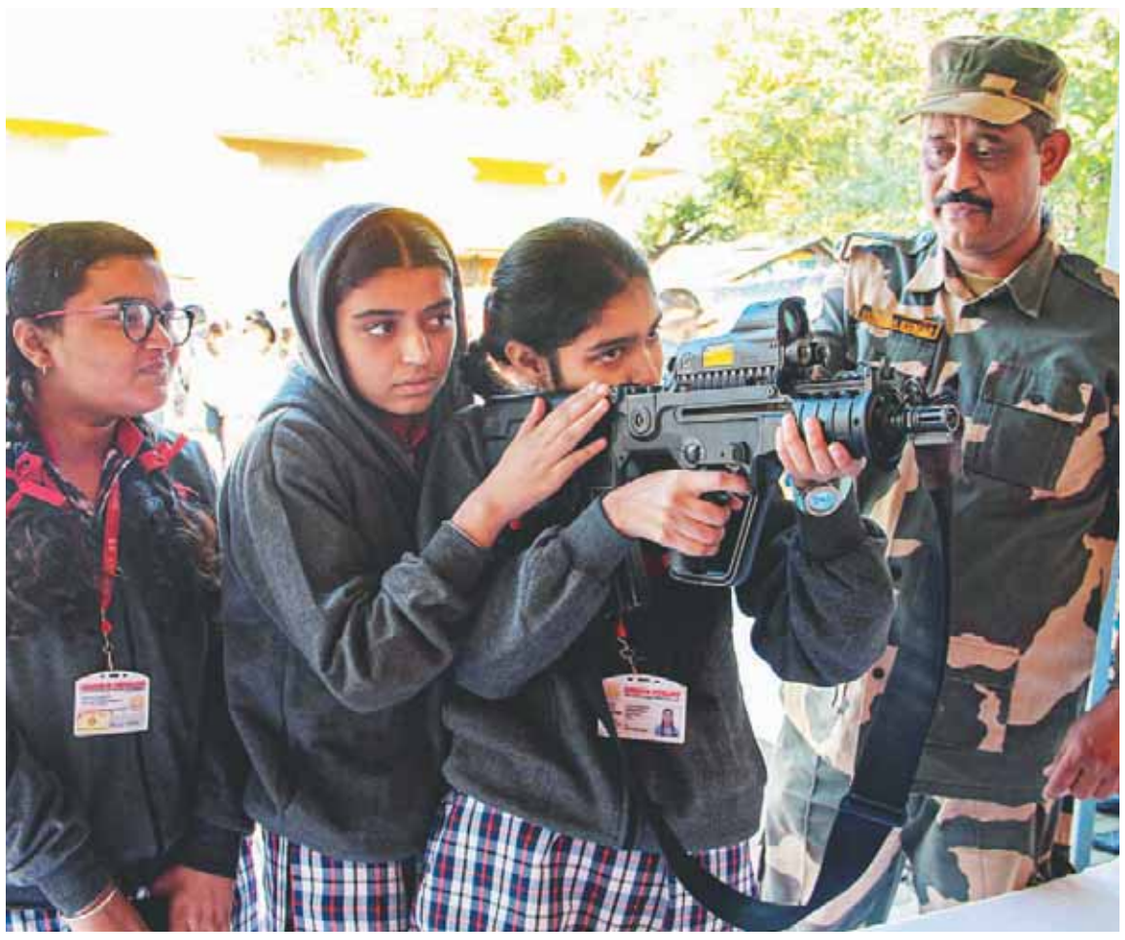

जम्मू में सीमा के पास बीएसएफ द्वारा लगाई गई हथियारों की प्रदर्शनी देखती छात्राएं

दंतेवाड़ा में दो नक्सली गिरफ्तार

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने दो जनमिलिशिया सदस्यों को गिरफ्तार किया है। दंतेवाड़ा जिले के पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यहां बताया कि जिले के कटेकल्याण थाना क्षेत्र के अंतर्गत नडेनार किरीयापारा के जंगल में सुरक्षा बलों ने दो नक्सलियों बामन (27) और हिड़मा पोडियामी (26) को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को कटेकल्याण थाना क्षेत्र के परचेली, कोरोपाल, कलेपाल और नडेनार क्षेत्र में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना मिली थी। सूचना के बाद कटेकल्याण थाना से डीआरजी और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 195वीं बटालियन को गश्त के लिए रवाना किया गया। दल जब नडेनार किरीयारपारा गांव के जंगल में था, तब कुछ संदिग्ध व्यक्ति पुलिस दल को देखकर भागने लगे। बाद में पुलिस दल ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम बामन और हिड़मा पोडियामी बताया। अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों से पूछताछ के बाद सुरक्षा बलों ने एक टिफिन बम, डेटोनेटर और इलेक्ट्रॉनिक वायर मौके से बरामद किया।

क्विक न्यूज

सांस लेने में तकलीफ के कारण अस्तपाल में भर्ती नुसरत जहां

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की सांसद नुसरत जहां को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बशीरहाट की सांसद को रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिवार ने एक बयान में कहा, सांस लेने में तकलीफ के कारण नुसरत को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनको पहले भी अस्थमा की शिकायत रही है। उसने कहा, नुसरत आईसीयू में है लेकिन उनकी हालत स्थिर है और वह होश में हैं।

गुजरात : जाली नोट चलाने की कोशिश करते दो लोग पकड़े गए

राजकोट। गुजरात के राजकोट जिले के जेतपुर में पुलिस ने पान की एक दुकान पर 100 रुपए के जाली नोट चलाने की कोशिश को नाकाम करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर दिया। जेतपुर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों मोहम्मद सिराज हामिद और अमीन कादरी के पास से 46 जाली नोट बरामद किए।उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 489ए और 114 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

बिहार में ट्रैक्टर ट्रॉली के से छह बच्चों की मौत

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज जिले में बरौली थाना अंतर्गत एक गांव के पास सोमवार को मार्बल से लदी एक ट्रैक्टर ट्रॉली के पलट जाने से छह बच्चों की मृत्यु हो गई। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि हादसा नरेंद्र गांव के पास हुआ। उन्होंने बताया कि रास्ते के ऊबड़-खाबड़ होने तथा ओवरलोडिंग के कारण ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई और सड़क किनारे बकरी चरा रहे बच्चे इसकी चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि सभी छह शव निकाल लिए गए हैं और मलबे को हटा दिया गया है। इसके नीचे कोई अन्य बच्चा दबा हुआ नहीं मिला। तिवारी ने बताया कि हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक घटनास्थल से फरार हो गया।

माकपा सांसद इलामारम करीम ने राज्यसभा में कार्य स्थगन का नोटिस दिया

नई दिल्ली। माकपा के राज्यसभा सदस्य इलामारम करीम ने कश्मीर में हालात सामान्य नहीं होने के मुद्दे पर चर्चा कराने की माँग करते हुए राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू को उच्च सदन में कार्यस्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। करीम ने सोमवार को सदन की कार्यवाही के प्रक्रिया संबंधी नियम 267 के तहत भेजे गए नोटिस में सदन की कार्यवाही को स्थगित कर कश्मीर के हालात पर चर्चा कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर को संघ शासित क्षेत्र घोषित किए जाने के बाद अब तक इस क्षेत्र के हालात सामान्य नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन महीने से इलाक़े के लोग संचार साधनों से कटे हुए हैं और राज्य के लगभग सभी प्रमुख नेता नज़रबंद हैं। इससे साफ़ है कि कश्मीर के लोगों के मूल अधिकारों की बहाली सुनिश्चित नहीं हो पाई है।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख के कर वितरण कार्य के लिए बढ़ सकता है वित्त आयोग का कार्यकाल

नई दिल्ली (भाषा)। जम्मू - कश्मीर और लद्दाख के लिए केंद्रीय करों में हिस्सेदारी पर विचार करने के वास्ते वित्त आयोग का कार्यकाल बढ़ सकता है। जम्मू - कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 के तहत जम्मू - कश्मीर राज्य को जम्मू - कश्मीर और लद्दाख दो संघशासित प्रदेशों में विभाजित किए जाने के बाद उनके लिए केन्द्रीय करों में हिस्सेदारी का निर्धारण किया जाना है। पुनर्गठन अधिनियम के मुताबिक , 15 वें वित्त आयोग द्वारा जम्मू - कश्मीर के लिए कर वितरण के बारे में जो सुझाव दिया जाएगा उसे दोनों संघ शासित प्रदेशों में बांटा जाएगा। इससे पहले 14 वें वित्त आयोग की ओर से जम्मू - कश्मीर राज्य को आवंटित राशि को केंद्र सरकार द्वारा दोनों संघ शासित प्रदेशों जम्मू - कश्मीर और लद्दाख के बीच जनसंख्या अनुपात और अन्य मानदंडों के आधार पर बांटा जाएगा। टीआईओएल की ओर से आयोजित कार्यक्रम से इतर 15 वें वित्त आयोग के चेयरमैन एन . के . सिंह ने कहा कि कानून के अनुसार , दोनों संघ शासित क्षेत्रों के अस्तित्व में आने के दिन से उनके लिए कर वितरण को लेकर राष्ट्रपति निर्देश देते हैं। सिंह ने कहा कि यह तारीख 31 अक्टूबर थी , जिस दिन आधिकारिक तौर पर राज्य को दो संघ शासित क्षेत्रों में विभक्त किया गया लेकिन वित्त आयोग को अभी तक राष्ट्रपति की ओर से इस संबंध में कोई टिप्पणी अथवा संदेश नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि जम्मू - कश्मीर और लद्दाख के बीच कर वितरण के मूल्यांकन के लिए अधिक नियम शर्तों की जरूरत होगी। हालांकि, उन्होंने इस दौरान यह नहीं बताया कि सरकार ने 15वें वित्त आयोग का कार्यकाल बढ़ा दिया है अथवा नहीं।

लोकसभा के चार नए सदस्यों ने ली शपथ

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा में चार नए सदस्यों को शपथ दिलाई गई। लोजपा के प्रिंस राज, भाजपा की हिमाद्री सिंह, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के श्रीनिवास दादा पाटिल और द्रमुक के डी एम कथिर आनंद ने शपथ ली। प्रिंस राज बिहार की समस्तीपुर लोकसभा सीट से चुनकर आए हैं। उनके पिता रामचंद्र पासवान के निधन के बाद इस सीट के लिए उपचुनाव हुआ था। मध्य प्रदेश के शहडोल संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित भाजपा की हिमाद्री सिंह 17वीं लोकसभा के पहले सत्र में निजी कारणों से शपथ नहीं ले पाई थीं।

राकांपा के श्रीनिवास पाटिल ने महाराष्ट्र की सतारा लोकसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में जीत दर्ज की है। इस सीट से सांसद रहे उदयन राजे भोंसले कुछ हफ्ते पहले सदन की सदस्यता से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद हुए उपचुनाव में पाटिल ने भोंसले को पराजित कर दिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन को बताया कि उन्होंने भोंसले का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। द्रमुक के कथिर आनंद तमिलनाडु के वेल्लोर लोकसभा सीट से चुनकर आए हैं। इस क्षेत्र में लोकसभा चुनाव के दौरान बड़े पैमाने पर नकदी बरामदगी के चलते यहां का चुनाव रद्द कर दिया गया था। यहां हाल ही में चुनाव संपन्न हुआ था।

ईडी का अदालत से चिदंबरम की जमानत नामंजूर करने के आदेश में भूलवश हुई चूक में सुधार का अनुरोध

भाषा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि वह आईएनएक्स मीडिया धनशोधन मामले में पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम को जमानत देने से इनकार के अपने आदेश में असावधानीवश हुई चूक में सुधार करे। प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी अर्जी में अदालत को सूचित किया कि न्यायमूर्ति सुरेश कैत के 15 नवंबर के आदेश में भूलवशाअसावधानीवश चूक हुई है। इसके साथ ही निदेशालय ने अदालत से इसमें सुधार के लिए अनुरोध किया है।

चिदंबरम की जमानत अर्जी खारिज करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश में किसी अन्य मामले से संबंधित जानकारी पाई गई। यह त्रुटि 41 पन्नों के फैसले के चार पैराग्राफ में है।न्यायमूर्ति कैत ने वर्ष 2017 के उच्चतम न्यायालय के आदेश के कुछ पैराग्राफ इसमें जोड़ दिए जो धन शोधन मामले में दिल्ली के वकील रोहित टंडन की जमानत याचिका खारिज करने से संबंधित हैं।

न्यायाधीश ने टंडन बनाम ईडी मामले में उच्च न्यायालय के 2017 के आदेश का भी जिक्र किया जिसमें यह कहा गया है कि धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अधिसूचित अपराधों के मामले में विशेष अदलतों द्वारा सुनवाई का प्रावधान है। प्रवर्तन निदेशालय ने केंद्र सरकार के स्थाई अधिवक्ता अमित महाजन और वकील राबत नायर के जरिए याचिका दायर की जिसमें उच्च न्यायालय के चिदंबरम की जमानत नामंजूर करने से संबंधित आदेश के पैराग्राफ 35,36,39 और 40 में भूलवश अथवा असावधानीवश हुई त्रुटियों को सुधारने का अनुरोध किया गया है। ईडी ने स्पष्ट किया कि चिदंबरम की याचिका अस्वीकार करने के लिए उसने जो दलीलें दी थीं, यह तथ्य उसका हिस्सा नहीं है। उसने कहा कि टंडन के मामले के तथ्य चिदंबरम मामले में जांच के दस्तावेजों का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि इस मामले में ईडी की जांच से उनका दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है।

टंडन को नोटबंदी से संबंधित धन शोधन के मामले में वर्ष 2016 में गिरफ्तार किया गया था। इस बीच, पी.चिदंबरम दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा धन शोधन मामले में जमानत अर्जी खारिज करने के आदेश के खिलाफ सोमवार को उच्चतम न्यायालय गए। आईएनएक्स मीडिया धन शोधन मामले में ईडी ने 74 वर्षीय चिदंबरम को 16 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था।

जमशेदपुर में नामांकन पत्र दाखिल करने से पूर्व एक मंदिर में पूजा अर्चना करते झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास

संसद में पेश किया जाएगा डेटा संरक्षण विधेयक

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार ने संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक को पेश करने की पूरी तैयारी कर ली है। यह विधेयक लोगों की निजी जानकारियां उनकी मर्जी के बिना उपयोग करने पर प्रतिबंध लगाएगा। प्रस्तावित विधेयक में लोगों की निजता का उल्लंघन करने वाली इकाइयों पर भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, डेटा संरक्षण विधेयक को संसद के मौजूदा सत्र में सदन में पेश किया जाएगा। व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक-2018 का मसौदा न्यायमूर्ति बी. एन. श्रीकृष्ण की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों पर आधारित है। इस उच्च स्तरीय समिति का गठन सरकार ने डेटा संरक्षण से जुड़े मसलों पर सुझाव देने के लिए किया था।

विधेयक में व्यक्तियों से जुड़ी निजी जानकारियों को देश से बाहर भेजने पर प्रतिबंध और कई शर्तें लगाने के साथ भारतीय डेटा संरक्षण प्राधिकरण गठित करने का प्रावधान है। यह प्राधिकरण निजी जानकारियों के किसी भी तरह के दुरुपयोग को रोकेगा। विधेयक में डेटा संग्रह करने वाली किसी इकाई के नियमों का उल्लंघन करने पर उसके वैश्विक कारोबार (टर्नओवर) का चार प्रतिशत या 15 करोड़ रुपए जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है।

मुठभेड़ में माओवादियों के मारे जाने की घटना की न्यायिक जांच पर विचार नहीं कर रही केरल सरकार : विजयन

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कथित मुठभेड़ में चार माओवादियों के मारे जाने की हाल की घटना की न्यायिक जांच फिलहाल करवाने से सोमवार को इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस की ओर से यदि कोई त्रुटि हुई है तो उसका पता लगाने के लिए मजिस्ट्रेट जांच चल रही है। राज्य विधानसभा में वह अपने पहले के रुख पर कायम रहे कि पुलिस ने गोलियां तभी चलाईं जब माओवादियों ने उन पर हमला किया। विजयन ने एक सवाल के जवाब में सदन में कहा, इस वक्त हम न्यायिक जांच के बारे में विचार नहीं कर रहे। उन्होंने कहा कि माओवादियों का एजेंडा लोकतांत्रिक संस्थाओं को नष्ट करना और अशांति फैलाना है। विजयन ने कहा, पुलिस ने आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं। माओवादी पुलिस की ड्यूटी में बाधक बन रहे थे। पुलिस की ओर से कोई चूक होने के आरोपों को हम देख रहे हैं। मजिस्ट्रेट जांच जारी है। बीते 28 अक्टूबर को पलक्कड़ जिले के अट्टापेडी में पुलिस के दो दिन के तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ में चार माओवादी मारे गए थे। विपक्ष ने आरोप लगाया था कि वाम सरकार माओवादियों को जिंदा पकड़ने के बजाए उन्हें मार रही है।

सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के 6,000 से ज्यादा मुकदमे लंबित: पटनायक

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सोमवार को कहा कि राज्य के सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के 6,817 मुकदमे विभिन्न अदालतों में लंबित हैं। विधानसभा में बीजद सदस्य सुधीर कुमार समल द्वारा उठाए गए एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने यह जानकारी दी।

राज्य सरकार ने मामलों में तेजी लाने के लिए सतर्कता अदालतों में अभियोजन पक्ष के अधिकारियों को नियुक्त किया है और विभिन्न सतर्कता संभाग के एसपी त्वरित सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए सतर्कता अदालतों के विशेष न्यायाधीशों के साथ नियमित बैठकें कर रहे हैं।

मेघालय के उग्रवादी संगठन एचएनएलसी को सरकार ने किया प्रतिबंधित

भाषा। नई दिल्ली

मेघालय में सक्रिय उग्रवादी समूह हिनीवट्रेप नेशनल लिबरेशन काउंसिल (एचएनएलसी) को उसकी हिंसात्मक एवं विध्वसंक गतिविधियों के कारण केंद्र सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया है। गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि एचएनएलसी, उसके सभी धड़ों, शाखाओं और उससे जुड़े संगठनों ने भारतीय संघ से राज्य के उन क्षेत्रों को अलग करने के अपने उद्देश्य की सार्वजनिक घोषणा की है, जिनमें मुख्य रूप से खासी और जयंतिया जनजातियां रहती हैं।

उसने कहा कि यह समूह जबरन धन वसूलने के लिए आम लोगों को डराता-धमकाता और परेशान करता है, जबरन वसूली एवं धमकाने के लिए पूर्वोत्तर के अन्य उग्रवादी समूहों से संबंध रखता है और इसने अपने सदस्यों को पनाह और प्रशिक्षण देने के लिए बांग्लादेश में शिविर स्थापित किए हैं। केंद्र सरकार का यह भी मानना है कि एचएनएलसी की गतिविधियों से भारत की संप्रभुता एवं अखंडता को खतरा है। मंत्रालय ने कहा कि यदि इन गतिविधियों को तत्काल नियंत्रित नहीं किया गया तो एचएनएलसी स्वयं को फिर से एकजुट करेगा और सशक्त बनाएगा, अपने सदस्यों की संख्या बढ़ाएगा, अत्याधुनिक हथियार खरीदेगा, आम नागरिकों और सुरक्षा बलों के जीवन को खतरा पहुंचाएगा और अपनी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को बढ़ाएगा। अधिसूचना में कहा गया है कि केंद्र सरकार अवैध गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम 1967 की धारा तीन की उपधारा (एक) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एचएनएलसी, उसके सभी धड़ों, शाखाओं और इससे जुड़े संगठनों को अवैध घोषित करती है। मंत्रालय ने एक आम नागरिक की हत्या समेत एचएनएलसी द्वारा हाल में की गई हिंसात्मक घटनाओं, इसके 16 सदस्यों की गिरफ्तारी, चार हथियारों की बरामदगी, इसके 14 सदस्यों के आत्मसमर्पण और लोगों के अपहरण की घटनाओं को भी सूचीबद्ध किया।

भाजपा बताए कि उसे चुनावी बॉन्ड के जरिए कितने हजार करोड़ रुपए का चंदा मिला: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए सोमवार को दावा किया कि चुनावी बॉन्ड से गुमनाम चंदे और धनशोधन में बढ़ोतरी होगी। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने सवाल किया कि सत्तारूढ़ पार्टी को बताना चाहिए कि चुनावी बॉन्ड के माध्यम से उसे कितने हजार करोड़ रुपए का चंदा मिला। उन्होंने ट्वीट किया, आरबीआई ने चुनावी बॉन्ड का विरोध किया कि इससे गुमनाम चंदा व धनधोधन में बढ़ोतरी होगी। अब मोदी सरकार बताए कि कितने हजार करोड़ के इलेक्टोरल बॉन्ड जारी हुए?

सुरजेवाला ने सवाल किया, भाजपा को कितने हजार करोड़ मिले? क्या यह एक हाथ लें और दूसरे हाथ दें वाली बात है? क्या ए है हजारों करोड़ की भाजपा का मंत्र? उन्होंने जिस मीडिया रिपोर्ट का हवाला दिया उसमें दावा किया गया है कि चुनावी बॉन्ड की व्यवस्था की आधिकारिक घोषणा से पहले रिजर्व बैंक ने इस कदम का विरोध किया था।

भगवान अयप्पा की पूजा-अर्चना के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

भाषा। सबरीमला

केरल के सबरीमला में भगवान अयप्पा के विश्व प्रसिद्ध मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं और सोमवार तड़के से मंदिर के बाहर लंबी कतारें लगी हुई हैं। पुलिस ने बताया कि दो माह तक चलने वाली मंडला-मकरविलक्कू पूजा के लिए 16 नवंबर से मंदिर के कपाट खुलने के बाद से अब तक 70 हजार श्रद्धालु यहां पूजा-अर्चना कर चुके हैं।मंदिर में भारी भीड़ को देखते हुए श्रद्धालुओं ने पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के आरोप लगाए हैं। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने सबरीमला पर उच्चतम न्यायालय के पिछले वर्ष 28 सितंबर के फैसले पर अमल करने का निर्णय किया था जिसके बाद व्यापक पैमाने पर हिंसा हुई थी। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस ने पाबंदियां लगाई थीं। इस बार किसी प्रकार की पाबंदी नहीं होने के कारण श्रद्धालु प्रसन्न हैं।

इस संबंध में एक श्रद्धालु ने कहा कि वह शांति के वातावरण को देखते हुए और पूजा-अर्चना के वास्ते आने वालों के लिए किसी प्रकार की पाबंदी नहीं होने से खुश हैं।मंदिर के मुख्य पुजारी ए के सुधीर नंबूदरी ने तड़के सुबह मंदिर का गर्भगृह खोला और नैब्याभिषेक के अलावा विशेष पूजा अर्चना की। उच्चतम न्यायालय द्वारा 2018 में सबरीमला मंदिर में 10 से 50 वर्ष उम्र की महिलाओं को प्रवेश देने सहित अन्य धार्मिक मामलों को वृहद पीठ को भेजे जाने के कुछ दिन बाद वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए शनिवार को मंदिर के कपाट खोले गए थे। हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने भगवान अयप्पा के मंदिर में प्रतिबंधित आयु वर्ग की महिलाओं को प्रवेश देने के अपने पिछले आदेश पर रोक नहीं लगाई है, इसके बावजूद शनिवार को आंध्र प्रदेश से 30 लोगों के समूह में शामिल 10 महिलाओं को पम्पा से ही लौटा दिया गया क्योंकि उनकी उम्र 10 से 50 साल के बीच थी। केरल सरकार ने पिछले साल युवा महिला श्रद्धालुओं को मंदिर आने के दौरान सुरक्षा मुहैया कराई थी लेकिन इस बार उसने स्पष्ट कर दिया है कि वह प्रचार के लिए आने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित नहीं करेगी। केरल के कानून मंत्री ए के बालन ने रविवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय की ओर से 28 सितंबर 2018 को सभी उम्र की महिलाओं को सबरीमला मंदिर में प्रवेश देने के आदेश पर वस्तुत: रोक लग गई है और सरकार केवल अदालत के आदेश के आधार पर ही कार्वाई कर सकती है।

क्विक न्यूज

वैश्विक स्तर पर 2020 में सार्वजनिक क्लाउड सेवाओं का राजस्व 17 प्रतिशत बढ़ने का अनुमानः गार्टनर

बेंगलुरु। वैश्विक स्तर पर सार्वजनिक क्लाउड सेवाओं का राजस्व 2020 में 17 प्रतिशत बढ़कर 266.4 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा। गार्टनर इंक ने यह अनुमान लगाया है। इससे पिछले कैलेंडर साल में यह 227.8 अरब डॉलर रहा था। गार्टनर के उपाध्यक्ष, अनुसंधान सिड नाग ने कहा कि इस समय क्लाउड अपनाने का काम मुख्यधारा में है। उन्होंने कहा कि क्लाउड में निवेश से जुड़ी उम्मीदें काफी अधिक है। अगली पीढ़ी के समाधानों को अपनाने का मतलब है कि यह हमेशा क्लाउड विस्तारित समाधान होगा। अनुसंधान कंपनी ने कहा कि सॉफ्टवेयर एज ए सर्विस (एसएएएस) सबसे बड़ा बाजार खंड बना रहेगा। इसके अगले साल बढ़कर 116 अरब डॉलर पर पहुंच जाने का अनुमान है। दूसरा सबसे बड़ा बाजार खंड क्लाउड प्रणाली ढांचागत सेवाओं (आईएएएस) का है, जिसके 2020 में बढ़कर 50 अरब डॉलर पर पहुंच जाने का अनुमान है। इसमें सालाना आधार पर 24 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।

रीयल एस्टेट क्षेत्र को पांच साल में मिला 14 अरब डॉलर का विदेशी निजी इक्विटी निवेश

बेंगलुरु । देश के रीयल एस्टेट क्षेत्र में 2015 से 2019 की तीसरी तिमाही के बीच करीब 14 अरब डॉलर का विदेशी निजी इक्विटी निवेश आकर्षित हुआ है। एनारॉक के ताजा आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इनमें से करीब 8.8 अरब डॉलर यानी 63 प्रतिशत का निवेश वाणिज्यिक रीयल एस्टेट क्षेत्र में आया है। वहीं इसी अवधि में आवास क्षेत्र को डेढ़ अरब डॉलर का विदेशी निजी इक्विटी निवेश मिला है। इस मामले में यह खुदरा क्षेत्र से भी पीछे रहा है। इस क्षेत्र को कुल मिलाकर 1.7 अरब डॉलर अरब डॉलर का निवेश मिला है। वहीं इस दौरान लॉजिस्टिक्स और भंडारगृह क्षेत्र में एक अरब डॉलर से अधिक का विदेशी निजी इक्विटी निवेश आया है। एनारॉक ने कहा कि इस रुख के उलट घरेलू पीई कोषों ने 2015 से भारतीय रीयल एस्टेट क्षेत्र में 2.4 अरब डॉलर डाले हैं। इसमें करीब 1.7 अरब डॉलर या 71 प्रतिशत का निवेश आवास क्षेत्र में किया गया है।

भारत में अमेजन का प्रदर्शन काफी अच्छा : बेजॉस

वाशिंगटन। ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज अमेजन के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेफ बेजॉस ने कहा है कि कंपनी भारत में बेहद अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने भारत में नियामकीय मोर्चे पर स्थिरता की उम्मीद जताई। बेजॉस से पूछा गया था कि डिजिटलीकरण को लेकर भारत की कुछ नीतियां क्या अमेजन के लिए चिंता का विषय है। बेजॉस ने कहा कि हम हमेशा चाहते हैं कि भारत में नियामकीय स्थिरता हो। जो भी नियमन हो समय के साथ उनमें स्थिरता आनी चाहिए। हम इसी की उम्मीद कर रहे हैं। यहां एक कार्यक्रम के मौके पर अलग से बातचीत में बेजॉस ने कहा कि अमेजन भारत में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। भारत में हमारे कारोबार का प्रदर्शन काफी अच्छा है और यह तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने अमेजन के भारतीय परिचालन के प्रमुख अमित अग्रवाल की सराहना करते हुए कहा कि वह असाधारण व्यक्ति है और काफी अच्छा काम कर रहे हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में बेजॉस ने कहा कि वह निश्चित रूप से अंतरिक्ष में जाना चाहेंगे। वह जो भी करते हैं उसका आनंद लेते हैं।

टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लिथियम अरबन के साथ गठजोड़ किया

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स ने सोमवार को कहा कि उसने इलेक्ट्रानिक वाहन उपलब्ध कराने वाली लिथियम अरबन टेक्नोलॉजीज के साथ समझौता किया है। यात्री, माल ढुलाई समेत विभिन्न खंडों में वाहनों के समाधान को लेकर यह समझौता किया गया है।टाटा मोटर्स ने एक बयान में कहा कि समझौते के तहत चालू वित्त वर्ष के अंत तक वह 400 टिगोर इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) लिथियम अरबन को आपूर्ति करेगी। समझौते के तहत कंपनी आने वाले नेक्सोन ईवी जैसे 100 और इलेक्ट्रिक वाहन भी उपलब्ध कराएगी।टाटा मोटर्स के अध्यक्ष (इलेक्ट्रिक मोबिलिटी बिजनेस एंड कॉरपोरेट स्ट्रैटजी) शैलेष चंद्रा ने कहा, यह न केवल टाटा मोटर्स के लिए मील का पत्थर है बल्कि ईवी बाजार में एक बड़ा बदलाव है।

नीति आयोग ने पेश की रूपरेखा

अब मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था बनाने की तैयारी

भाषा। नई दिल्ली

सरकार अब मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था तैयार करने पर विचार कर रही है। यह व्यवस्था उन लोगों के लिए होगी जो अबतक किसी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के दायरे में नहीं आते। नीति आयोग ने सोमवार को इसकी रूपरेखा जारी करते हुए यह बात कही।

इस नई स्वास्थ्य प्रणाली में उनको शामिल नहीं किया जाएगा जो आयुष्मान भारत योजना के दायरे में हैं। हाल में शुरू इस योजना के दायरे में कुल आबादी का 40 प्रतिशत आता है। ये वे गरीब लोग हैं जो स्वयं से स्वास्थ्य योजना लेने की स्थिति में नहीं है।नीति आयोग ने नए भारत के लिए स्वास्थ्य प्रणाली: ब्लाक निर्माण-सुधार के लिए संभावित मार्ग शीर्षक से रिपोर्ट जारी करते हुए यह बात कही। यह रिपोर्ट नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने जारी की। इस मौके पर बिल और मेलिन्डा गेट्स फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष बिल गेट्स भी मौजूद थे। नीति आयोग के सलाहकार (स्वास्थ्य) आलोक कुमार ने कहा कि रिपोर्ट का मकसद मध्यम से दीर्घ अवधि के लिए मध्यम वर्ग से जुड़े लोगों के लिए के स्वास्थ्य प्रणाली का खाका तैयार करना है। इसमें मध्यम वर्ग पर गौर किया गया है क्योंकि गरीबों के लिए पहले ही आयुष्मान भारत योजना शुरू की जा चुकी है जबकि जो आर्थिक स्थिति से सबल हैं, वे चिकित्सा खर्च को उठाने में सक्षम हैं। कुमार ने कहा, करीब 50 प्रतिशत आबादी अभी भी किसी सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़ी नहीं है...उनके लिए उनसे मामूली राशि लेकर ऐसी प्रणाली तैयार करने का विचार है जो मध्यम वर्ग की स्वास्थ्य देखभाल जरूरतों को पूरा कर सके। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग में आने वाले लोगों को अगर देश में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा व्यवस्था के निर्माण के लिए 200 या 300 रुपए देने पड़ते हैं, तो उन्हें कोई समस्या नहीं होगी।

यह योजना व्यवहारिक लग रही है।इस मौके पर बिल गेट्स ने कहा कि युवा आबादी के कारण भारत का भविष्य काफी उज्ज्वल है। उन्होंने रेखांकित किया कि किसी भी देश की मानव पूंजी वहां के नागरिकों के स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण पर किए गए कुल निवेश का जोड़ है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा, हमारा दृष्टिकोण स्वस्थ्य भारत का है और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य के लिए हमें स्वास्थ्य सेवा के हर मोर्चे पर स्वास्थ्य सेवा की डिलिवरी व्यवस्था में निजी एवं सार्वजनिक दोनों स्तरों पर व्यापक बदलाव की जरूरत है...। इस रिपोर्ट में भविष्य की स्वास्थ्य प्रणाली के पांच मुख्य क्षेत्रों को चिन्हित किया गया है। जन स्वास्थ्य का अपूर्ण एजेंडा पूरा करना, बड़ी बीमा कंपनियों में निवेश करके व्यक्तिगत स्वास्थ्य व्यय को घटाना, सेवा वितरण को आपस में जोड़ना, स्वास्थ्य सेवा का बेहतर खरीददार बनाने के लिए नागरिकों का सशक्तिकरण करना और डिजिटल स्वास्थ्य की शक्ति का लाभ पाना इनमें शामिल हैं।

बंगलुरु के पैलेस ग्राउंड में बंगलुरु टेक सम्मेलन 2019 के उद्घाटन के बाद लगी प्रदर्शनी में ड्रोन के बारे में बताते विशेषज्ञ

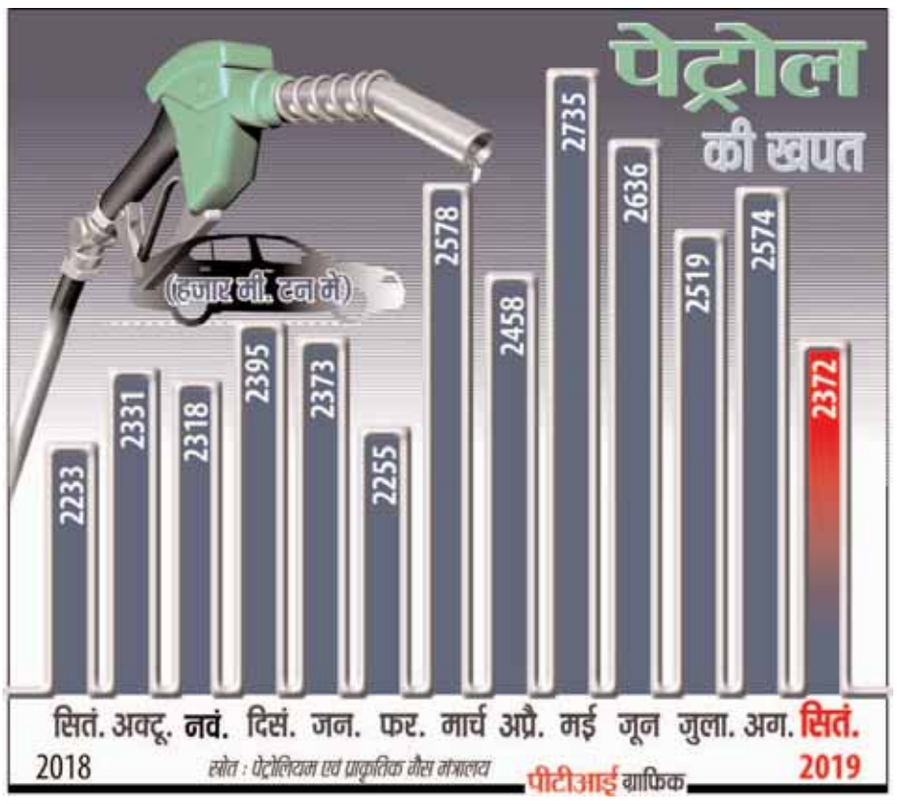

ट्राई को कॉल जोड़ने के शुल्क पर अंतिम राय बन जाने की उम्मीदः अधिकारी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) को कॉल जोड़ने के शुल्क के विवादित मुद्दे पर इस माह के अंत तक अपनी राय को अंतिम रूप दे दिए जाने की उम्मीद है। ट्राई के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। दूरसंचार नियामक ने पिछले सप्ताह उद्योग प्रतिनिधियों और अन्य अंशधारकों के साथ खुली परिचर्चा में इस बात पर विचार विमर्श किया था कि क्या कॉल जोड़ने के शुल्क को समाप्त करने की तारीख को आगे बढ़ाने की जरूरत है। फिलहाल, आईयूसी को समाप्त करने की तिथि एक जनवरी 2020 है। किसी दूसरे नेटवर्क पर की जाने वाली कॉल को जोड़ने पर दिए जाने वाले शुल्क को इंटरकनेक्शन प्रयोग शुल्क या आईयूसी कहा जाता है। इस बैठक में यह विचार किया गया कि क्या आईयूसी को समाप्त करने की एक जनवरी की तारीख को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। ट्राई के एक अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा कि इस बारे में नियामक के नवंबर अंत तक अपनी राय को अंतिम रूप दे दिए जाने की उम्मीद है। हालांकि, अधिकारी ने और ब्योरा देने से इनकार किया। इस अधिकारी ने क्षमता निर्माण और नीति नियमन तथा विकास के लिए बेहतर व्यवहार को साझा करने पर आसियान-ट्राई के कार्यक्रम के मौके पर अलग से बातचीत में यह जानकारी दी। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस जियो ने इससे पहले कहा था कि यदि आईयूसी को समाप्त करने की तारीख को एक जनवरी से आगे बढ़ाया जाता है तो इससे निशुल्क वॉयस कॉल का दौर समाप्त हो जाएगा और शुल्क दरों में बढ़ोतरी हो सकती है, जो उपभोक्ता के हित में नहीं होगा। दूरसंचार आपरेटर को उसके उपभोक्ता द्वारा प्रतिद्वंद्वी के नेटवर्क की गई कॉल को पूरा करने के लिए भुगतान करना होता है। इसके लिए प्रतिद्वंद्वी नेटवर्क को आईयूसी का भुगतान किया जाता है। अभी आईयूसी छह पैसे प्रति मिनट है। इसी मौके पर भारती एयरटेल ने कहा था कि आईयूसी को शून्य पर नहीं लाया जाना चाहिए। एयरटेल ने कहा था कि बिल एंड कीप (एक जूनवरी से शून्य मोबाइल टर्मिनेशन शुल्क) व्यवस्था को कम से कम तीन साल के लिए टाला जाना चाहिए।

अमेरिकी नियामक के बार-बार निरीक्षण से भारतीय दवा निर्यात धीमा पड़ाः सीआईआई

हैदराबाद। दवा क्षेत्र के अमेरिकी नियामक यूएसएफडीए के बार-बार भारतीय दवा कंपनियों के संयंत्रों का निरीक्षण करने के चलते देश के दवा निर्यात में नरमी देखी जा रही है। यह स्थिति तब है जब अमेरिका-चीन के बीच व्यापार युद्ध की वजह से दवा उद्योग के सामने व्यापक अवसर मौजूद हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की दवा उद्योग की राष्ट्रीय समिति के चेयरमैन जी. वी. प्रसाद ने सोमवार को यह बात कही।

प्रसाद डॉक्टर रेड्डी लेबोरेटरीज के को- चेयरमैन और प्रबंध निदेशक भी हैं। उन्होंने कहा कि बार-बार निरीक्षण का भारतीय दवा निर्यात पर प्रभाव पड़ा है और दवा निर्यात में नरमी की एक बड़ी वजह यही है।

उन्होंने कहा कि कई कंपनियों को मिलने वाली अनुमति लटक गई है और जबकि कई को चेतावनी पत्र मिले हैं। इसने नए उत्पादों की पेशकश और उनकी वृद्धि को प्रभावित किया है।उन्होंने कहा कि हर किसी को गुणवत्ता, व्यवस्था, अनुशासन, आंकड़ों के एकीकरण को लेकर अपना स्तर ऊंचा करना होगा। यह सभी बातें उद्योग के लिए महत्वपूर्ण हैं।

प्रसाद के अनुसार वैश्विक दवा उद्योग के लिए दवा बनाने में लगने वाले विभिन्न अवयवों, सामग्री और रसायनों के लिए चीन एक बड़ा स्रोत बाजार है। लेकिन अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध ने पश्चिमी देशों को अपनी एशियाई देशों पर निर्भरता को लेकर पुनर्विचार करने के लिए बाध्य किया है। इसलिए दवा पर लगने वाले शुल्कों पर इसका असर देखा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि सरकार को प्राथमिक स्वास्थ्य पर और निवेश करने की जरूरत है। भारत में अन्य देशों के मुकाबले दवा सस्ती है। इसमें जनता की क्रयशक्ति एक अहम मुद्दा है क्योंकि देश में कोई राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम नहीं है।

सिंगापुर को भारतीय स्टार्टअप में निवेश के लिए बनाना चाहिए एक अरब डॉलर का कोषः विशेषज्ञ

सिंगापुर। सिंगापुर को भारतीय स्टार्टअप में निवेश के लिए एक अरब डॉलर के एक कोष की व्यवस्था करनी चाहिए। विशेषज्ञों ने यह राय प्रकट की है। प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ और उद्यम पूंजी निवेशक मोहनदास पई ने स्टार्टअप पारिस्थितिकी विकसित करने में सिंगापुर और भारत की भागीदारी की अच्छी संभावनाएं जताते हुए कहा कि भारत में कम से कम 1000 स्टार्टअप में निवेश करने के लिए एक अरब डॉलर का कोष बनाया जाना चाहिए। हर साल पांच-छह हजार नए स्टार्टअप सामने आ रहे हैं, ऐसे में यह निवेश 40 हजार स्टार्टअप में होना चाहिए। पई ने सिंगापुर फिनटेक फेस्टिवल 2019 में कहा, 2025 तक हमारे पास एक लाख स्टार्टअप होंगे, जो 500 अरब डॉलर का मूल्यवर्धन करेंगे और 32.50 लाख लोगों को रोजगार देंगे। एपेक्स एवलान कंसल्टिंग के चेयरमैन गिरिजा पांडे ने कहा, हम सिंगापुर से स्टार्टअप में अधिक निवेश चाहते हैं।

इस्पात कबाड़ पुनर्चक्रण नीति अधिसूचितः प्रधान

भाषा। नई दिल्ली

● कबाड़ केंद्रों की स्थापना को बढ़ावा देने के लिए एक व्यवस्था देने की कवायद

सरकार ने कबाड़ के वैज्ञानिक प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण के लिए इस्पात कबाड़ पुनर्चक्रण नीति (एसएसआरपी) अधिसूचित की है। इसका उद्देश्य देश में धातु के कबाड़ों के निस्तारण के लिए इकाई स्थापित करने को बढ़ावा देने के लिए रूपरेखा पेश करना है। केंद्रीय इस्पात एवं पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने लोकसभा में कहा कि यह नीतिगत व्यवस्था संगठित , सुरक्षित और पर्यावरण अनूकूल तरीके से कबाड़ के संग्रह और नष्ट करने संबंधी गतिविधियां सुनिश्चित करेगी। उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान कहा , इस्पात कबाड़ पुनर्चक्रण नीति को सात नवंबर 2019 को भारत के राजपत्र संख्या 345 में अधिसूचित किया गया है। यह नीति विभिन्न स्त्रोतों और उत्पादों से निकलने वाले लोहे के कबाड़ का पुनर्चक्रण करने और धातु को कबाड़ बनाने के केंद्रों की स्थापना को बढ़ावा देने के लिए एक रूपरेखा तैयार करेगी।" प्रधान ने कहा कि इस नीति में कबाड़ नष्ट करने के लिए इकाई तथा कबाड़ प्रसंस्करण केंद्र स्थापित करने , एग्रीगेटर की भूमिका और सरकार , विनिर्माताओं एवं मालिकों की जिम्मेदारी तय करने के लिए दिशानिर्देश दिए गए हैं। इस्पात मंत्री ने कहा , इस नीति के तहत सरकार कबाड़ केंद्र स्थापित नहीं करेगी। सरकार की भूमिका देश में धातु कबाड़ केंद्रों की स्थापना को बढ़ावा देने के लिए एक व्यवस्था देना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कबाड़ की बिक्री के लिए किसी तरह का प्रोत्साहन नहीं दिया है। यह कबाड़ की बिक्री के समय मौजूदा बाजार स्थितियों और दिशानिर्देशों से तय होगा।

भेल ने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना में दो और पंपिंग इकाइयां चालू की

भाषा। नई दिल्ली

बिजली उपकरण और इंजीनियरिंग उत्पाद बनाने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (भेल) ने तेलंगाना में कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के लिए दो और पंपिंग इकाइयां चालू की है। यह पंपिंग इकाइयां पेकेज 6 (7 गुना 116 मेगावाट) और पैकेज 8 (7 गुना 139 मेगावाट) के लिए चालू की गई हैं। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

बयान के अनुसार भेल परियोजना के तहत अब तक 14 पंपिंग इकाइयों को चालू कर चुकी है और इन सभी को निर्धारित समय रिकार्ड छह महीने के भीतर चालू किया गया है। एक पंपिंग इकाई 89 क्यूमेक्स (घन मीटर प्रति सेकेंड) पानी 100 से 125 मीटर तक खींच सकती है।कालेश्वरम नई सिंचाई परियोजना है और इसका विकास तेलंगाना सरकार का सिंचाई और सीएडी (आई एंड सीएडी) विभाग कर रहा है। पैकेज राज्य के 6 पेड्डापल्ली जिले में जबकि पैकेज 8 करीमनगर जिले में स्थित है। इस परियोजना के तहत पैकेज छह में पानी को श्रीपद एलामपल्ली जलाशय से लेकर मेदाराम जलाशय में डाला जाएगा जबकि पैकेज आठ में पैकेज सात (रागमपेट गांव के पास) से निकले जल को उठाकर मिड मनार जलाशय में डाला जाएगा।

लंबित भुगतान जारी करने के लिए उपराज्यपाल से हस्तक्षेप का आग्रह किया

एजेंसी। जम्मू

● इसके अलावा लघु उद्योग विकास निगम के जरिए आपूर्ति की गई सामग्री का 72 करोड़ रुपए से अधिक का बकाया है

जम्मू-कश्मीर के उद्योगपतियों के संगठन ने यहां की इकाइयों के सैकड़ों करोड़ों रुपए के लंबित बकाया को जारी करने के लिए उपराज्यपाल जी सी मुर्मू से हस्तक्षेप की अपील की है। इन इकाइयों द्वारा सरकारी विभागों को विभिन्न उत्पादों की आपूर्ति की गई है, जिसका भुगतान बकाया है। बारी ब्रह्मना इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (बीबीआईए) ने दावा किया है कि लघु स्तर के उद्योगों (एसएसआई) द्वारा बिजली विकास निगम (पीडीडी) को सीधे की गई आपूर्ति का करीब 200 करोड़ रुपए का बकाया है। इसके अलावा लघु उद्योग विकास निगम (एसआईसीओपी) के जरिए आपूर्ति की गई सामग्री का 72 करोड़ रुपए से अधिक का बकाया है। यह भुगतान पिछले छह माह से अधिक से लंबित है। बीबीआईए के अध्यक्ष ललित महाजन ने यहां उद्योग संगठन की बैठक के बाद कहा कि इसके अलावा एसआईसीओपी विभिन्न सरकारी विभागों को एसएसआई द्वारा आपूर्ति किए गए सामान का 450 करोड़ रुपए का भुगतान जारी करने में विफल रहा है। उन्होंने उपराज्यपाल से पीडीडी, लोक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग और अन्य सरकारी विभागों को आपूर्ति किए गए सामान के लंबित भुगतान को जारी करने के लिए तत्काल आदेश देने की अपील की है।

आर्थिक सुस्ती की चिंता से सेंसेक्स 72 अंक टूटा

● एस बैंक ने लगाया चार प्रतिशत का गोता

भाषा। मुंबई

आर्थिक नरमी को लेकर बढ़ती चिंता के बीच निजी बैंक , आईटी और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में गिरावट से सेंसेक्स में सोमवार को 72 अंक की गिरावट दर्ज की गई।

सेंसेक्स सुबह में बढ़त के साथ खुला और आईटी , बैंकिंग और पेट्रोलियम एवं गैस कंपनियों की शेयरों में गिरावट से दोपहर बाद के कारोबार में इसमें गिरावट देखी गई।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 72.50 अंक यानी 0.18 प्रतिशत गिरकर 40,284.19 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार , नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 10.95 अंक यानी 0.09 प्रतिशत घटकर 11,884.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एस बैंक में सबसे ज्यादा 4.08 प्रतिशत तक की गिरावट रही। इसके अलावा , बजाज ऑटो , महिंद्रा एंड महिंद्रा , हीरो मोटोकॉर्प , एचडीएफसी बैंक , ओएनजीसी और टीसीएस के शेयर 2.05 प्रतिशत तक गिर गए। इसके विपरीत , भारती एयरटेल , टाटा स्टील , सन फार्मा , पावरग्रिड , इंडसइंड बैंक , एक्सिस बैंक , भारतीय स्टेट बैंक , वेदांता और टाटा मोटर्स के शेयर 4.60 प्रतिशत तक चढ़े। कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक बाजारों से सकारात्मक रुख के बावजूद आर्थिक वृद्धि में और गिरावट की आशंकाओं से घरेलू शेयर बाजार में धारणा कमजोर रही। कई रपटों में देश की आर्थिक वृद्धि दर में और सुस्ती आने की आशंका जताई गई है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा ," ऐसा लगता है कि कंपनियों के दूसरी तिमाही नतीजों आने के बाद और इस हफ्ते प्रमुख आंकड़े जारी नहीं होने से बाजार उतार - चढ़ाव भरे दौर में जाता दिख रहा है।

रूहानी ने दी चेतावनी, असुरक्षा बर्दाश्त नहीं करेगा ईरान

● रूहानी ने कहा, विरोध प्रदर्शन करना लोगों का अधिकार है, लेकिन प्रदर्शन और दंगों में फर्क है। हम समाज में असुरक्षा नहीं ला सकते

एएफपी। तेहरान

ईरान में दो दिन से चल रही व्यापक हिंसा में दो लोगों के मारे जाने के बीच देश के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने रविवार को चेतावनी दी कि दंगा प्रभावित ईरान में असुरक्षा के लिए कोई स्थान नहीं है।

रूहानी ने कहा, विरोध प्रदर्शन करना लोगों का अधिकार है, लेकिन प्रदर्शन और दंगों में फर्क है। हम समाज में असुरक्षा नहीं ला सकते। देश में पेट्रोल के दाम में बढ़ोतरी को प्रदर्शनों का कारण माना जा रहा है, लेकिन रूहानी ने पेट्रोल के दामों में वृद्धि का बचाव किया। सरकार का कहना है कि यह ऐसा कदम है जो आर्थिक सुस्ती के वक्त में समाज कल्याण के कार्यक्रम को वित्तीय सहायता देगा।

गौरतलब है कि ईरान सरकार ने घोषणा की थी कि हर माह शुरुआती 60 लीटर पेट्रोल की खरीद पर कीमत में 50 फीसदी बढ़ोतरी की जाएगी और इस सीमा से अधिक पेट्रोल खरीदने पर कीमत में 300 फीसदी बढ़ोतरी की जाएगी। इस घोषणा के कुछ घंटे बाद ही ईरान में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। ईरान के शीर्ष नेता अयातुल्ला खामेनी ने पेट्रोल के दाम बढ़ाने के सरकार के फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि जो लोग विरोध प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, वे डाकू हैं और उन्हें ईरान के दुश्मनों का समर्थन प्राप्त है।

वाशिंगटन ने प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग की और संचार प्रतिबंध की निंदा की है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव स्टेफनी ग्रिशम ने एक बयान में कहा, अमेरिका शासन के खिलाफ ईरानी लोगों के शांतिपूर्ण विरोध का समर्थन करता है।

ईरान ने दंगाइयों के प्रति समर्थन व्यक्त करने पर अमेरिका की निंदा की

तेहरान (एएफपी)। ईरान ने पेट्रोल के दाम में वृद्धि के खिलाफ उसके यहां हुए हिंसक प्रदर्शन के दो दिन बाद दंगाइयों के प्रति अमेरिका द्वारा समर्थन प्रकट करने की निंदा की। विदेश मंत्रालय ने रविवार देर रात एक बयान में कहा वह ईरान के कुछ शहरों में हुई हिंसा से जुड़े दंगाइयों के समूह के प्रति अमेरिका के विदेश मंत्री माईक पोम्पिओ के समर्थन प्रकट करने पर प्रतिक्रिया दे रहा है और वह ऐसे समर्थन एवं दखलअंदाजी वाले बयान की निंदा करता है। शुक्रवार को ईरान में प्रदर्शन हुआ था। उससे महज कुछ घंटे पहले घोषणा की गई थी कि प्रति माह पेट्रोल के दाम पहले 60 लीटर के लिए 10000रियाल की जगह अब 15000 रियाल प्रति लीटर और उससे अधिक मात्रा लेने पर 30000 रियाल प्रति लीटर का भुगतान करना होगा। शनिवार को पोम्पियो ने ट्वीट किया कि अमेरिका आपके (प्रदर्शनकारियों) के साथ साथ है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अब्बास मौसावी ने रविवार देररात एक बयान में उनके बयानों की निंदा की। उन्हें यह कहते हुए उद्धृत किया गया है, ईरान के मर्यादापूर्ण लोग अच्छी तरह जानते हैं कि ऐसी कपटपूर्ण टिप्पणी में कोई ईमानदार सहानुभूति नहीं है।

अमेरिका जाने वाले छात्रों में चीन के बाद सर्वाधिक संख्या भारतीयों की

वाशिंगटन (भाषा)। भारत ने वर्ष 2018-19 में दो लाख से अधिक छात्रों को अमेरिका भेजा जबकि चीन लगातार दसवें साल सर्वाधिक छात्रों को अमेरिका भेजने वाला देश बना हुआ है। सोमवार को जारी रिपोर्ट 2019 ओपन डोर्स रिपोर्ट ऑन इंटरनेशनल एजुकेशन एक्सचेंज के मुताबिक अमेरिका में विदेशी छात्रों की संख्या अकादमिक वर्ष 2018-19 में सर्वाधिक रही। यह लगातार चौथा वर्ष है जब दस लाख से अधिक विदेशी छात्र अमेरिका पहुंचे। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2018 में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विदेशी छात्रों का योगदान 44.7 अरब डॉलर रहा जो पूर्ववर्ती वर्ष के मुकाबले 5.5 फीसदी अधिक है। हालांकि चीन वर्ष 2018-19 में 3,69,548 छात्रों के साथ लगातार दसवें साल अमेरिका में विदेशी छात्रों का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। इस अवधि में भारत ने 2,02,014 छात्रों को अमेरिका भेजा, यह संख्या चीन के बाद सर्वाधिक है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका जाने वाले कुल विदेशी छात्रों की संख्या 10,95,299 रही जो पिछले वर्ष के मुकाबले 0.05 फीसदी अधिक है और अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले कुल छात्रों का 5.5 फीसदी है। कुल विदेशी छात्रों में से 50 फीसदी से अधिक छात्र भारत और चीन से हैं। यह रिपोर्ट इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशल एजुकेशन और विदेश मंत्रालय के ब्यूरो ऑफ एजुकेशन ऐंड कल्चरल अफेयर्स की ओर से जारी की गई है।

गोटाबाया राजपक्षे ने श्रीलंका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली

भाषा। कोलंबो

श्रीलंका में गृहयुद्ध के दौरान विवादस्पद रक्षा सचिव रहे गोटबाया राजपक्षे ने देश के नए राष्ट्रपति के रूप में अनुराधापुर के रूवानवेली सेया में शपथ ली।

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने जय श्री महाबोधि में पूजा-अर्चना की। राजपक्षे ने शपथग्रहण करने से पहले एक ट्वीट में कहा, जीत के लिए कोशिश करने से ज्यादा जरूरी होता है जीत को बनाए रखना। राजपक्षे के बड़े भाई महिंदा राजपक्षे भी इस शपथग्रहण समारोह में मौजूद थे। महिंदा 2005 से 2015 तक देश के राष्ट्रपति रह चुके हैं। उनके अलावा पूर्व मंत्री बासिल राजपक्षे और बड़ी संख्या में सांसदों ने इस समारोह में हिस्सा लिया।

चुनाव आयोग ने रविवार को परिणाम जारी करते हुए घोषणा की थी कि राजपक्षे (70 वर्षीय) ने प्रेमदास (52 वर्षीय) को 13 लाख से अधिक मतों से पराजित किया। आयोग ने बताया कि राजपक्षे को 52.25 प्रतिशत (69,24,255) मत मिले जबकि प्रेमदास को 41.99 प्रतिशत (55,64,239) वोट प्राप्त हुए। अन्य उम्मीदवारों को 5.76 प्रतिशत वोट मिले। चुनाव आयोग के अध्यक्ष महिंदा देशप्रिय ने कहा कि चुनाव में कुल मिलाकर लगभग 83.73 प्रतिशत मतदान हुआ।

श्रीलंका सभी से मैत्रीपूर्ण संबंध रखेगा, अंतरराष्ट्रीय शक्तियों के संघर्ष में तटस्थ रहेगा: गोटबाया

कोलंबो (भाषा)। श्रीलंका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने सोमवार को अपने शपथग्रहण समारोह में नपा-तुला भाषण दिया। उन्होंने कहा कि उनका देश सभी देशों से मैत्रीपूर्ण संबंध रखना चाहता है और अंतरराष्ट्रीय शक्तियों के आपसी संघर्ष में तटस्थ बना रहना चाहता है। श्रीलंका में गृहयुद्ध के दौरान विवादस्पद रक्षा सचिव रहे 70 वर्षीय राष्ट्रपति का बयान काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि प्राचीन समय से ही हिंद महासागर में यह देश अपने स्थान और समुद्री रास्ते की वजह से महत्वपूर्ण कारोबारी स्थान रहा है। यहां चीन अपना दबदबा बढ़ा रहा है जिससे भारत के लिए चिंता बढ़ रही है। राजपक्षे को रविवार को राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल हुई। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सजीत प्रेमदास को 13 लाख वोटों से हराया। अनुराधापुर स्थित रुवनवेली सेया से राष्ट्र के नाम अपने पहले संबोधन में राजपक्षे ने विदेश नीति और सतत विकास के बारे में चर्चा की। न्यूज फर्स्ट की खबर के मुताबिक विदेश नीति के बारे में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने कहा कि श्रीलंका सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बरकरार रखेगा लेकिन वह अंतरारष्ट्रीय शक्तियों के बीच आपसी संघर्ष के प्रति तटस्थ रहेगा। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का समर्थन करने की बात कही और श्रीलंका को सतत विकास में दुनिया के अग्रणी देशों में लाने का संकल्प लिया। राष्ट्रपति ने यह आश्वासन दिया कि उनके प्रशासन में भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राजपक्षे को लिट्टे के साथ श्रीलंका के 30 साल पुराने गृहयुद्ध को खत्म करने का श्रेय जाता है। देश में सिंहली बौद्ध उन्हें जहां युद्ध नायक के रूप में देखते हैं, वहीं तमिल अल्पसंख्यक उन पर भरोसा नहीं करते हैं।

श्रीलंका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे सोमवार को शपथ ग्रहण समारोह के बाद राष्ट्र को संबोधित करते हुए

क्विक न्यूज

पाकिस्तान ने सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सोमवार को सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया, जो 650 किलोमीटर तक सभी तरह के हथियार ले जाने मे सक्षम है। सेना ने इसकी घोषणा की। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाहीन- ढ्ढ मिसाइल के परीक्षण का उद्देश्य सेना सामरिक बल कमान (एएसएफसी) की अभियान संबंधी तैयारियो को परखना था। पाकिस्तानी सेना के सशस्त्र बलो के मीडिया विंग इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि शाहीन-ढ्ढ, 650 किलोमीटर की दूरी तक हर प्रकार के हथियार ले जाने मे सक्षम है।

चीन ने अमेरिका से दक्षिण चीन सागर में शक्ति प्रदर्शन बंद करने की अपील की

बैंकॉक। चीन ने अमेरिका की सेना से विवादित दक्षिण चीन सागर मे शक्ति प्रदर्शन बंद करने की अपील की है। चीन के रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बैंकॉक मे संवाददाताओ से कहा कि बीजिंग चाहता है कि अमेरिका दक्षिण चीन सागर मे उकसावे वाले कार्य बंद करे। चीन के रक्षा मंत्री जनरल वी फेंग ने एशिया के रक्षा अधिकारियो की बैठक से इतर अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क एस्पर से मुलाकात की। इसके बाद प्रवक्ता कर्नल वु कियान ने सोमवार को संवाददाताओ से बात की है। चीन के रक्षा मंत्री से मिलने के बाद एस्पर ने कहा कि बातचीत मे प्रगति हुई है और दोनो ही पक्ष इसके बाद लगातार बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए है।

काबुल में सैन्य प्रशिक्षण केंद्र को निशाना बनाकर कई विस्फोट

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी मे सोमवार को एक सैन्य प्रशिक्षण केंद्र को निशाना बनाकर एक के बाद एक कई विस्फोट हुए। इसमे अफगानिस्तान के कम से कम चार सैन्यकर्मी घायल हो गए। पुलिस और गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह बताया। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता नसरत रहीमी ने ट्वीट कर बताया कि बम धमाको का निशाना काबुल के पश्चिमी हिस्से मे स्थित काबुल सैन्य प्रशिक्षण केंद्र था। उन्होने कहा कि ए आत्मघाती हमले थे। फिलहाल हमले की जिम्मेदारी किसी ने नही ली है। लेकिन तालिबान और इस्लामिक उग्रवादी यहां हमले करते रहे है।

बोलीविया में हिंसक घटनाओं में कमी आई है: सरकार

ला पाज ,18 नवंबर (एएफपी) बोलीविया की अंतरिम सरकार ने कहा है कि देश मे कुछ दिनो से चल रहे हिसक प्रदर्शनो मे काफी कमी आई है। वही पूर्व राष्ट्रपति इवो मोरालस के समर्थको ने फिलहाल देश का नेतृत्व संभाल रही सांसद जीनिन अनेज के इस्तीफे की मांग की है। अंतरिम गृह मंत्री अर्तूरो मुरीलो ने कहा कि हिसाग्रस्त स्थानो की संख्या कम होकर आधी हो गई है। अंतर-अमेरिकी मानवाधिकार आयोग के अनुसार हिसा की वजह से कम से कम 23 लोगो की मौत हो गई।

चीन ने विमान वाहक पोत के ताइवान जलडमरूमध्य से गुजरने की पुष्टि की

एएफपी। बीजिंग

चीन ने सोमवार को पुष्टि की कि देशी तकनीक से तैयार उसका पहला विमान वाहक पोत नियमित प्रशिक्षण और परीक्षण के लिए ताइवान जलडमरूमध्य से गुजरा। ताइवान ने इससे पहले चीन पर आगामी चुनावों के मद्देनजर डराने-धमकाने का आरोप लगाया था।

यह पोत बीजिंग का दूसरा विमानवाहक है और एक बार आधिकारिक तौर पर इसे सेवा में शामिल किए जाने के बाद यह चीन की नौसैन्य ताकत में जबर्दस्त इजाफा करेगा। विवादित दक्षिण चीन सागर के आस-पास क्षेत्रीय पड़ोसियों एवं स्वशासित ताइवान से चीन के संबंध फिलहाल तनावपूर्ण चल रहे हैं। इस पोत को अभी कोई नाम नहीं दिया गया है। नौसेना के प्रवक्ता चेंग देवेई ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा कि इस विमान वाहक ने वैज्ञानिक शोध परीक्षणों एवं नियमित प्रशिक्षणों के लिए दक्षिणी चीन सागर में प्रवेश से पहले रविवार को संवेदनशील जलक्षेत्र को पार किया।

चेंग ने कहा कि परीक्षण के लिए उतारे जाने वाले पोतों के लिए क्षेत्र पार जाना सामान्य बात है। उन्होंने विस्तार से जानकारी दिए बिना कहा, यह किसी खास लक्ष्य पर केंद्रित नहीं था और मौजूदा स्थिति से इसका कोई लेना-देना नहीं है। पोत इस जलडमरूमध्य से ऐसे समय में गुजरा है जब ताइवान में जनवरी में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। ताइपे के विदेश मंत्री जोसफ वु ने रविवार को ट्वीट किया कि चीन, ताइवान के चुनावों में हस्तक्षेप की मंशा रखता है। साथ ही कहा, मतदाताओं को डराया-धमकाया नहीं जा सकता। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने पोत की गतिविधियों पर करीब से नजर रखने के लिए पोतों एवं विमानों को भेजा है। साथ ही कहा कि अमेरिकी एवं जापानी पोतों ने जलडमरूमध्य में उसका पीछा किया। ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानने वाले चीन ने द्वीप के आस-पास सैन्य अभ्यास उस वक्त से बढ़ा दिए थे जब से बीजिंग को नापसंद करने वाले त्साई इंग वेन 2016 में सत्ता में आए थे। वेन इस बार फिर से चुनाव मैदान में हैं।

कैलिफोर्निया में गोलीबारी में चार लोगों की मौत

लॉस एंजिलिस, अमेरिका (एएफपी)। कैलिफोर्निया में एक मकान के पीछे के आंगन में फुटबाल मैच देख रहे लोगों पर रविवार को बंदूकधारियों ने गोलीबारी की जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। लॉस एंजिलिस से करीब 320 किलोमीटर दूर फ्रेस्नो में एक मकान के पीछे एकत्र करीब 35 लोगों की भीड़ पर कम से कम एक व्यक्ति ने गोलीबारी कर दी। फ्रेस्नो के उप पुलिस प्रमुख माइकल रीड ने संवाददाताओं से कहा, तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि चौथे व्यक्ति को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। गोलीबारी में घायल हुए छह लोगों का उपचार किया जा रहा है। रीड ने बताया कि सभी हताहतों की आयु 25 से 35 वर्ष के बीच है। उन्होंने कहा, हमारी संवेदनाएं पीड़ितों के साथ हैं। हम अपराधियों को न्याय के दायरे में लाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। रीड ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि गोलीबारी में कितने हमलावर शामिल थे।

नेपाल के प्रधानमंत्री ने कहा- किसी को भी एक इंच भी जमीन नहीं लेने देंगे

कालापानी विवाद

भाषा। काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने कहा है कि वह भारत से कालापानी क्षेत्र से अपने सशस्त्रबलों को हटाने को कहेंगे और यह कि उनकी राष्ट्रभक्त सरकार अपनी एक इंच जमीन पर भी किसी को अतिक्रमण करने नहीं देगी।

भारत ने इसी माह के प्रारंभ में नवसृजित केंद्रशासित प्रदेशों - जम्मू कश्मीर और लद्दाख तथा भारत के मानचित्र जारी किए थे। भारत के मानचित्र में इन केंद्र शासित प्रदेशों को दर्शाया गया था। इन मानचित्रों में पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर, नवसृजित केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर का हिस्सा जबकि गिलगित बाल्तिस्तान केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख का हिस्सा है। छह नवंबर को नेपाल सरकार ने कहा था कि मीडिया की खबरों से कालापानी भारतीय मानचित्र में शामिल किए जाने की ओर उसका ध्यान गया।

ओली ने कहा कि सरकार विवादित कालापानी क्षेत्र से भारतीय सशस्त्र बलों को हटाने के लिए कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि नेपाल सरकार किसी को भी नेपाल की सरजमीं का एक इंच का भी अतिक्रमण नहीं करने देगी। नेपाली प्रधानमंत्री के निजी सचिव की ओर जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, हमारी राष्ट्रभक्त सरकार किसी को भी नेपाल की सरजमीं का एक इंच भी अतिक्रमण नहीं करने देगा। पड़ोसी देश भारत को कालापानी क्षेत्र से अपने जवानों को वापस बुला लेना चाहिए। उन्होंने इसपर बल दिया कि उनकी सरकार कूटनीति के माध्यम से कालापानी मुद्दे का हल चाहती है।

प्रधानमंत्री का बयान ऐसे समय में आय है जब मुख्य विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने अपने सहयोगी संगठन नेपाल स्टूडेंट्स यूनियन को इस मांग के साथ सड़क पर उतार दिया कि विवादित सीमा क्षेत्र से भारतीय सैनिकों की वापसी हो। नेपाल के बड़े राजनीतिक दलों ने भारत सरकार के नए मानचित्रों पर आपत्ति की है जिनमें कालापानी को भारत की सीमा के अंदर दिखाया गया है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि नेपाल सरकार इस बात पर स्पष्ट है कि कालापानी नेपाल का है। कुछ दिन पहले ओली द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं ने सलाह दी थी कि इस मुद्दे का कूटनीति के माध्यम से समाधान करने के लिए भारत के साथ उच्च स्तरीय राजनीतिक बातचीत शुरू की जानी चाहिए।

मुफ्त में ट्रंप को एक और शिखर सम्मेलन का मौका नहीं देंगे : उत्तर कोरिया

एपी। सियोल

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के साथ एक और शिखर बैठक की संकेत देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्वीट के जवाब में उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि वह अमेरिका को डींग हांकने देने के लिए तब तक एक और मौका देने का इच्छुक नहीं है जबतक उसे इसके बदले में कुछ ठोस नहीं दिया जाता।

विदेश मंत्रालय के सलाहकार किम काई ग्वान का सोमवार को दिया गया बयान अमेरिकी रियायत के लिए उत्तर कोरिया की तरफ से किया गया नया आह्वान है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने ट्रंप प्रशासन को इस साल के अंत तक परमाणु कूटनीति को उबारने के लिए कोई परस्पर स्वीकार्य शर्त रखने की समयसीमा दी थी। उत्तर कोरिया से कूटनीतिक संबंध बरकरार रखने की पहल के तहत दक्षिण कोरिया के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास बंद करने के फैसले के बाद ट्रंप ने एक ट्वीट में किम से अनुरोध किया था कि करार को पूरा करने के लिए तेजी से कार्वाई करें और दोनों के बीच एक और शिखर सम्मेलन के संकेत दिते हुए लिखा था सी यू सून (जल्द मिलेंगे)। लेकिन किम काई ग्वान ने दोहराया कि उनकी सरकार का मानना है कि अमेरिका को उन नीतियों को रद्द करना चाहिए जिन्हें उत्तरकोरिया बातचीत जारी रखने के लिहाज से शत्रुतापूर्ण मानता है।

आधिकारिक कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने उनके बयान को उद्धृत करते हुए कहा , यद्यपि (उत्तर कोरिया और अमेरिका में) पिछले साल जून से तीन शिखर सम्मेलन और अन्य बैठकें हो चुकी हैं लेकिन संबंधों में बहुत सुधार नहीं हुआ है और अमेरिका सिर्फ अपने मतलब के लिए और समय लेने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, हम ऐसी और बैठकों के इच्छुक नहीं है जिनसे हमें कोई फायदा नहीं हो।

चिली के राष्ट्रपति ने संघर्ष से निपटने के लिए पुलिस के बल प्रयोग की निंदा की

सैंटियागो (एएफपी)। राष्ट्रपति सेबस्टियन पिनेरा ने चिली में बीते चार हफ्ते से जारी हिंसक संघर्ष से निपटने के पुलिस के तौर तरीकों की पहली बार निंदा की है। चिली के लोग सामाजिक एवं आर्थिक असमानता का विरेध कर रहे हैं। वह देश के उस राजनीतिक संभ्रांत वर्ग का भी विरोध कर रहे हैं जो देश के चुनिंदा अमीर परिवारों से आते हैं और यहां की सियासत में जड़े जमाए हुए हैं। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान महीने भर में 22 लोगों की मौत हो गई है और 2,000 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। राष्ट्रपति ने रविवार को राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा, बल का अत्याधिक प्रयोग हुआ। उत्पीड़न और अपराध को अंजाम दिया गया। सभी के अधिकारों का सम्मान नहीं हुआ। प्रदर्शन शुरू होने के बाद से ही पुलिस पर बर्बरता और मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लग रहे हैं। इस आरोपों के चलते संयुक्त राष्ट्र ने जांच के लिए यहां दल भेजा। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी एक मिशन यहां भेजा।

हांगकांग विश्वविद्यालय परिसर से पुलिस को दूर रखने के लिए प्रदर्शनकारियों ने लगाई आग

हांगकांग की पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी के परिसर के पास प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाई गई आग का दृश्य

एएफपी। हांगकांग

हांगकांग विश्वविद्यालय में एकत्र लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को भीतर आने से रोकने के लिए सोमवार को परिसर के मुख्य द्वार पर आग लगा दी।

दरअसल, एक पुलिस अधिकारी को तीर लगने के बाद पुलिस ने चेतावनी दी थी कि यदि उस पर घातक हथियारों का इस्तेमाल किया गया तो वह गोलीबारी करेगी।छह महीने से अशांत चल रहे शहर में पुलिस की चेतावनी से तनाव और बढ़ गया है। चीन ने बार-बार चेतावनी दी है कि वह असंतोष को सहन नहीं करेगा और इस बात को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है कि चीन इस अशांति को समाप्त करने के लिए सीधा हस्तक्षेप कर सकता है। हांगकांग पॉलीटेक्निक यूनिवर्सिटी (पॉलीयू) के प्रवेश द्वार पर सोमवार तड़के आग लगने से पहले कई विस्फोट सुने गए, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को रोकने की कोशिश में आग लगाई। पुलिस ने बताया कि उसने सोमवार तड़के विश्वविद्यालय के निकट एक प्रदर्शन स्थल पर तीन गोलियां चलाईं और ऐसा माना जाता है कि इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ।

एक प्रदर्शनकारी की ओर से चलाया गया तीर रविवार को एक पुलिस अधिकारी के पैर में लग गया था। शहर पुलिस ने बताया कि लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों का केंद्र एक विश्वविद्यालय है जहां सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प हुई। वैश्विक आर्थिक केंद्र में जून महीने से ही प्रदर्शन जारी है जहां लोग चीनी शासन के तहत समाप्त हो रही स्वतंत्रता के खिलाफ गुस्से का इजहार कर रहे हैं। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने इस हफ्ते संकट पर तीखी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि इससे एक देश, दो व्यवस्था को खतरा है। 1997 में ब्रिटेन द्वारा हांगकांग को चीन के हवाले किए जाने के बाद यहां इसी प्रारूप के तहत शासन चल रहा है। विश्वविद्यालय में रविवार को सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से बचाने और पास के क्रॉस हार्बर सुरंग में नाकेबंदी जारी रखने का संकल्प जताया। यह सुरंग कई दिनों से बंद है।

इंदिरा नूई नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी में शामिल

भाषा। वाशिंगटन

पेप्सिको की पूर्व अध्यक्ष भारतीय अमेरिकी इंदिरा नूई को अमेजन के सीईओ जेफ बेजोस के साथ प्रतिष्ठित नेशनल पोर्ट्रेट गैलेरी में शामिल किया गया है। नूई को उनकी उपलब्धियों, अमेरिका के साझा इतिहास, विकास एवं संस्कृति पर उनके प्रभाव के कारण इस गैलेरी में शामिल किया गया है।

नूई ने गैलरी में शामिल किए जाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा, एक प्रवासी, एक दक्षिण एशियाई प्रवासी और एक महिला को पोर्ट्रेट गैलरी में शामिल किया जाना... दिखाता है कि यहां लोग सकारात्मक प्रभाव डालने वाले लोगों की ओर देखते हैं और उनकी उपलब्धियों को सराहते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को स्वयं को दोयम दर्जे का नागरिक नहीं समझना चाहिए। नूई ने कहा, यह मायने नहीं रखता कि आपका जन्म कहां हुआ हैं और आपकी विरासत क्या थी। मुझे लगता है कि यदि आप मेहनत करते हैं, आप अपने काम में सकारात्मक योगदान देते हैं और आप ईमानदार हैं, तो अमेरिका आपको वह बनने का बड़ा अवसर मुहैया कराता है जो आप बनना चाहते हैं।

नूई (64) को अमेजन संस्थापक जेफ बेजोस, फ्रांसिस अर्नोल्ड, लिन-मैनुअल मिरांडा और अर्थ, विंड एंड फायर बैंड के साथ प्रतिष्ठित नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी में शामिल किया गया है। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन समेत कई जानी-मानी हस्तियों ने शिरकत की। नूई ने कहा कि इससे लोगों को यह संदेश मिलता है कि अमेरिका एक ऐसा देश है जहां आप अपना भविष्य बना सकते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम जैसे लोगों ने आगे बढ़कर महिलाओं के लिए मार्ग प्रशस्त किया है जिससे उन्हें सभी की तरह समान, शक्तिशाली और योगदान देने वालों के तौर पर देखा जा रहा है, और इसलिए महिलाओं को स्वयं को दोयम दर्जे का नागरिक नहीं समझना चाहिए। उन्हें पता होना चाहिए कि वे भी परिदृश्य में शामिल हो गई हैं और आपकी कोई भी पृष्ठभूमि कोई भी हो, आपके योगदान पर ध्यान दिया जाएगा।

नूई ने कहा, मुझे लगता है कि यही अहम बात है। भारतीय अमेरिकी होना, पोर्ट्रेट गैलरी में कारोबारी अग्रणियों के साथ शामिल किया जाना, इस बात का प्रमाण है कि यह देश आपके योगदान की परवाह करता है और इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां से आए हैं और आप कौन हैं। उन्होंने कहा, आज बहुत विशेष दिन है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुझे पोर्ट्रेट गैलरी की महत्ता समझ आने लगी है। मुझे इसके बारे में पता नहीं था, क्योंकि मैं कभी इसमें शामिल नहीं रही।

चोटिल बुमराह, हार्दिक आईपीएल से दूर रहेंगे

● बोल्ट, कुलकर्णी को टीम से जोड़ना पड़ाः जहीर

भाषा। मुंबई

पूर्व तेज गेंदबाज और मुंबई इंडियंस के क्रिकेट निदेशक जहीर खान ने सोमवार को कहा कि जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या की फिटनेस से जुड़ी चिंता ने टीम को दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रायल्स से क्रमशः ट्रेंट बोल्ट और धवल कुलकर्णी को ट्रेड करने के लिए प्रेरित किया हार्दिक को पीठ दर्द की शिकायत के बाद सर्जरी करनी पड़ी जबकि बुमराह भी पीठ में दर्द के कारण पिछले कुछ समय से मैदान से दूर है। जहीर ने एक वीडियो संदेश में कहा, चोट की समस्या के कारण हमारे लिए आईपीएल का आगामी सत्र काफी चुनौतीपूर्ण होने वाला है। हार्दिक को पीठ की सर्जरी करनी पड़ी जबकि बुमराह भी पीठ दर्द की समस्या से परेशान है। जेसन बेहरेनडार्फ भी ऐसी समस्या से जूझ रहे है। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों के ट्रेड के समय यह हमारे लिए चिंता की एक बात थी। हमें लगा कि गेंदाबाजी विभाग को मजबूत करने की जरूरत है इसी को देखते हुए हमने कैपिटल्स और रायल्स के साथ ट्रेड किया। आईपीएल के 2020 सत्र के लिह्यए 19 दिसंबर को कोलकाता में खिलाड़ियों की नीलामी का आयोजन होगा।

अच्छा है कि अब मानसिक स्वास्थ्य पर बात हो रही है : स्मिथ

ब्रिस्बेन। आस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा कि उन्हे खुशी है कि अब क्रिकेटरो के मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा होने लगी है क्योकि व्यस्त कार्यक्रम के चलते यह समस्या बड़ी हो गई है। स्टार हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल और नए खिलाड़ी निक मेडिनसन तथा विल पुकोवस्की ने मानसिक मसलो से निपटने के लिए क्रिकेट से ब्रेक ले लिया है। स्मिथ ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा , आजकल कार्यक्रम काफी व्यस्त है। इतने लंबे समय तक लगातार अच्छा खेल पाना मुश्किल है, खासकर तेज गेदबाजो के लिए। अच्छी बात है कि अब इस मसले पर बात होने लगी है और हम खिलाड़ियो को शारीरिक और मानसिक रूप से तरोताजा रखने पर जोर दे रहे है। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने भी इससे पहले यही बात कही थी। स्मिथ ने कहा कि आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अब अपनी सोने की आदतो और तनाव के बारे मे टीम प्रबंधन को बताने लगे है जिससे उनके स्वास्थ्य को बेहतर समझने मे मदद मिल रही

दिन-रात टेस्ट मैच का क्रेज

कोलकाता में दिनरात टेस्ट मैच के लिए टिकट लेने वालों की उमड़ी भीड़

महिला बिग बैश लीग में भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन के लिए एमिली प्रतिबंधित

होबार्ट। होबार्ट हरिकेंस की विकेटकीपर एमिली स्मिथ को क्रिकेट आस्ट्रेलिया की भ्रष्टाचार रोधी नीति के उल्लंघन के कारण सोमवार को महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) से प्रतिबंधित कर दिया गया। क्रिकेट आस्ट्रेलिया की वेबसाइट के अनुसार, एमिनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया जो दो नवंबर को बर्नी के वेस्ट पार्क मे खिलाड़ियो और मैच अधिकारियो के लिए सीमित क्षेत्र मे बनाया गया था और इसमे सिडनी थंडर केखिलाफ हरिकेंस की अंतिम एकादश की भी जानकारी थी। माना जा रहा है कि अंतिम एकादश का इस्तेमाल मैचो पर सट्टेबाजी और नकद पुरस्कार देने वाली फेंटसी लीग के लिए किया जा सकता था।

पूर्व राष्ट्रमंडल चैम्पियन से खेलेंगे विजेंदर

दुबई। भारतीय मुक्केबाजी स्टार विजेंदर सिंह 22 नवंबर को अपने अगले पेशेवर मुकाबले में दो बार के पूर्व राष्ट्रमंडल सुपर मिडिलवेट चैम्पियन घाना के चार्ल्स एडमू से खेलेंगे। विजेंदर ने इस साल जुलाई में अमेरिका में पदार्पण करके माइक स्नाइडेर को हराकर लगातार 11वीं जीत दर्ज की। वह दस राउंड के मुकाबले में एडामू से खेलेंगे जो 47 मुकाबलों में से 33 जीत चुका है। दो महीने से कठोर अभ्यास करने के बाद अब मैं जीत के साथ आगाज करने को पूरी तरह से तैयार हूं। मेरे लिए यह अगले साल होने वाले विश्व खिताब मुकाबले की तैयारी जैसा होगा।

बांग्लादेश के पूर्व तेज गेंदबाज साथी खिलाड़ी के साथ मारपीट के आरोप में निलंबित

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व तेज गेंदबाज शहादत हुसैन को टीम के साथी खिलाड़ी अराफत सन्नी से मारपीट के आरोप में नेशनल क्रिकेट लीग (एनसीएल) के मौजूदा सत्र से बाहर कर दिया गया। यह घटना ढाका डिविजन और खुलना डिविजन के बीच खुलना में खेली गई दो दिवसीय मैच के दौरान घटी। खबरों के मुताबिक अराफत ने जब गेंद को एक तरफ से चमकाने को लेकर हुसैन पर टिप्पणी की तब वे अपना आपा खो बैठे। हुसैन ने 2005 से 2015 के बीच बांग्लादेश के लिए 38 टेस्ट, 51 एकदिवसीय और छह टी20 मैच खेले है। 33 साल के इस खिलाड़ी ने 100 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए है। इस मामले में वह एक साल के लिए निलंबित हो सकते है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी ने क्रिकबज से बताया, इस मामले में खिलाड़ी को बीसीबी की किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेने से एक साल के लिए रोका जा सकता है। इसके अलावा उन्हें 50,000 टाका का जुर्माना भी देना होगा। हुसैन ने फैसले को स्वीकार कर लिया है और अपने घर लौट गए। हमने मैच रेफरी की रिपोर्ट को तकनीकी समिति को दिया है और वे इस खिलाड़ी के भविष्य पर फैसला करेंगे लेकिन तब तक उन्हें एनसीएल में भाग लेने से रोक दिया गया है।

इमरान ने सरफराज को घरेलू क्रिकेट पर फोकस करने की सलाह दी

कराची। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने टीम से बाहर कप्तान सरफराज खान को राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए घरेलू क्रिकेट पर फोकस करने की सलाह दी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के मुख्य सरपरस्त और विश्व कप विजेता पूर्व कप्तान इमरान ने मिसबाह उल हक को मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता बनाने का भी समर्थन किया। सरफराज के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा , मुझे नहीं लगता कि एक खिलाड़ी के फार्म और प्रदर्शन को टी20 क्रिकेट से आंकना चाहिए बल्कि टेस्ट और वनडे इसकी कसौटी होना चाहिए। सरफराज राष्ट्रीय टीम में लौट सकता है लेकिन उसे घरेलू क्रिकेट पर फोकस करना चाहिए। विकेटकीपर बल्लेबाज को पीसीबी ने तीनों प्रारूपों की टीम से पिछले महीने हटा दिया था। मिसबाह के बारे में इमरान ने कहा , मिसबाह को कप्तान बनाने का कदम अच्छा है क्योंकि वह ईमानदार और निष्पक्ष है। उसके पास अपार अनुभव भी है। उसके मार्गदर्शन में टीम यकीनन अच्छा प्रदर्शन करेगी।

साइना कोरिया मास्टर्स से हटी

● श्रीकांत की नजरें अच्छे प्रदर्शन पर

भाषा। ग्वांगजू (कोरिया)

फार्म में वापसी करने वाले किदांबी श्रीकांत मंगलवार से यहां क्वालीफायर के साथ शुरू हो रहे कोरिया मास्टर्स विश्व टूर सुपर 300 टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे जबकि साइना नेहवाल इस प्रतियोगिता से हट गई हैं। इस साल इंडिया ओपन के फाइनल में जगह बनाने के बाद से श्रीकांत का प्रदर्शन काफी अच्छा नहीं रहा लेकिन पिछले हफ्ते हांगकांग ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाने के बाद दुनिया के इस पूर्व नंबर एक खिलाड़ी का मनोबल बढ़ा होगा। श्रीकांत पुरुष एकल में अपने अभियान की शुरुआत हांगकांग के वोंग विंग की विन्सेंट के खिलाफ करेंगे। दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने विन्सेंट के खिलाफ 10 मैचों में जीत दर्ज की है जबकि तीन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। विन्सेंट अगस्त में अपने पिता के निधन के बाद वापसी कर रहे हैं। खराब फार्म से जूझ रही दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी साइना नेहवाल ने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है लेकिन उनके अगले हफ्ते लखनऊ में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय विश्व टूर सुपर 300 टूर्नामेंट में खेलने की संभावना है। साइना के हटने के बाद महिला एकल में भारत का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा। पुरुष एकल में दुनिया के 16वें नंबर के खिलाड़ी समीर वर्मा को पहले दौर में शीर्ष वरीय चीन के शी युकी से भिड़ना है जबकि उनके बड़े भाई सौरभ वर्मा को क्वालीफायर का सामना करना है। पिछले साल सारलोरलक्स ओपन का खिताब जीतने वाले शुभंकर डे पहले दौर में ओलंपिक चैंपियन और दूसरे वरीय चीन के चेन लोंग के खिलाफ शुरुआत करेंगे। दुनिया के 44वें नंबर के खिलाड़ी शुभंकर को इस साल स्विस ओपन में चेन लोंग के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी। इन दोनों के बीच यह अब तक हुआ एकमात्र मुकाबला था। युगल में कोई भारतीय खिलाड़ी हिस्सा नहीं ले रहा है।

भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को हराकर चौथा टी20 मैच जीता

● पांच मैचों की श्रृंखला में 4-0 से आगे

भाषा। प्रोविडेंस

श्रृंखला पहले ही जीत चुकी भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वर्षाबाधित चौथे टी20 मैच में वेस्टइंडीज को पांच रन से हराकर चौथा टी20 मैच भी अपनी झोली में डाला। भारतीय महिला टीम अब पांच मैचों की श्रृंखला में 4-0 से आगे है। चौथा मैच बारिश के कारण प्रति टीम नौ ओवर का कर दिया गया। भारत ने सात विकेट खोकर 50 रन बनाए। पूजा वस्त्रकार (10) दोहरे अंक तक पहुंचने वाली अकेली भारतीय रही। मेजबान के लिए हेली मैथ्यूज ने 13 रन देकर तीन विकेटलिए जबकि एफी फ्लेचर और शेनेटा ग्रिमंड को दो दो विकेट मिले। भारतीय टीम ने गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में काफी अनुशासन दिखाया। वेस्टइंडीज की टीम नौ ओवर में पांच विकेट पर 45 रन ही बना सकी। आफ स्पिनर अनुजा पाटिल ने दो विकेट लिए जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव को एक एक विकेट मिला। पांचवां ओर आखिरी मैच गुरूवार को खेला जाएगा।

दिल्ली ने सुपर लीग के लिए क्वालीफाई किया

● सैयद मुश्ताक अली टी20ः ओड़िशा को 20 रन से हराया

भाषा। सूरत

आलराउंडर ललित यादव के तीन विकेट से दिल्ली ने सोमवार को यहां सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट के ग्रुप ई मैच में ओड़िशा को 20 रन से हराकर शीर्ष पर रहते हुए सुपर लीग के लिए क्वालीफाई किया।

दिल्ली की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 149 रन बनाए और फिर ओड़िशा को 18 .। ओवर में 129 रन पर समेटकर जीत दर्ज की। टीम ने सात मैचों में 22 अंक हासिल किए। खराब फार्म से जूझ रहे सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने दिल्ली की ओर से 33 गेंद में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से सर्वाधिक 33 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज हितेन दलाल और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे ध्रुव शोरे (26) अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे। ओड़िशा की ओर से अभिषेक राउत ने 21 रन देकर दो विकेट हासिल किए जबकि गोविंदा पोदार, सूर्यकांत प्रधान, पप्पू राय और शुभम नायक ने एक-एक विकेट चटकाया। इसके जवाब में यादव (10 रन पर तीन विकेट), पवन नेगी (38 रन पर दो विकेट) और नितीश राणा (छह रन पर दो विकेट) की फिरकर के सामने ओड़िशा की टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम को हार का सामना करना पड़ा। ओड़िशा ने 7.2 ओवर में 36 रन तक ही पांच विकेट गंवा दिए थे। सूर्यकांत ने 20 गेंद में 48 रन की पारी खेली लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। ग्रुप ई के एक अन्य मैच में चिंतन गजा (15 रन पर चार विकेट) और हार्दिक पटेल (17 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के बाद क्षितिज पटेल की 36 गेंद में नाबाद 44 रन की पारी की बदौलत गुजरात ने जम्मू-कश्मीर को आठ विकेट से हराया। टास हारकर बल्लेबाजी करने उतरी जम्मू-कश्मीर की टीम 18.3 ओवर में 101 रन पर ढेर हो गई। पीयूष चावला ने 19 रन देकर दो जबकि अक्षर पटेल ने 23 रन देकर एक विकेट चटकाया। इसके जवाब में गुजरात ने क्षितिज (नाबाद 44), चिराग गांधी (32) और उर्विल पटेल (22)की पारियों की बदौलत 13.3 ओवर में दो विकेट पर 102 रन बनाकर जीत दर्ज की।

मेघालय पर हरियाणा की जीत में चमके हर्षल

मुंबई। हर्षल पटेल के हरफनमौला खेल के दम पर हरियाणा ने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्राफी के ग्रुप डी मैच मे मेघालय को 99 रन से हराकर लीग चरण के अपने अभियान को शानदार तरीके से खत्म किया। हरियाणा ने पहले ही 21 नवंबर से खेली जाने वाली सुपर लीग के लिए क्वालीफाई कर लिया है। ग्रुप से तालिका मे शीर्ष पर रहते हुए मुंबई ने भी सुपरलीग का टिकट कटाया है।

पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर हरियाणा ने पटेल के 40 गेद मे 82 रन के दम पर छह विकेट पर 202 रन बनाने के बाद मेघालय की पारी को नौ विकेट पर 103 रन पर रोक दिया। दाएं हाथ के मध्यम गति के गेदबाज पटेल ने 22 रन देकर तीन विकेट चटकाए। ग्रुप के एक अन्य मैच मे मध्यप्रदेश ने रोमांचक मुकाबले मे पुडुच्चेरी को पांच रन से हराया।आशुतोष शर्मा की 84 रन की पारी से मध्यप्रदेश ने छह विकेट पर 177 रन बनाए। पुडुच्चेरी के लिए अनुभवी विनय कुमार ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पुडुच्चेरी के लिए अरुण कार्तिक ने 60 और पारस डोगरा ने 41 रन का योगदान दिया लेकिन वे टीम को जीत नही दिला सके। ग्रुप के तीसरे मुकाबले मे बंगाल ने शानदार गेदबाजी के बाद बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर असम को आठ विकेट से शिकस्त दी। दोनो टीमे पहले ही सुपर लीग की दौड़ से बाहर हो गई थी। असम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 140 रन बनाए। शिव शंकर राय ने 41 जबकि रियान पराग ने 31 रन का योगदान दिया। बंगाल की ओर से इशान पोरेल ने 23 रन देकर तीन विकेट लिए। मनोज तिवारी के नाबाद 43 और विवेक सिंह की 46 रन की पारी से बंगाल ने 16.5 ओवर मे ही दो विकेट पर 141 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।

बिक्री सूचना

निम्नलिखित सम्पत्ति नीचे वर्णित वाद में बकाया राशि की वसूली के लिए"जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध

1. अरविंद कुमार, सी.एस. कॉम. नंबर 16/18 (206/18) में
आस्ति का वर्णन :
मेक : शेव्रोले सेल
रजि. नंबर : UP14FT6569
विनिर्माण वर्ष : 2016
2. सचान प्रमोद, सी.एस. कॉम. नंबर 21121/2016 में
आस्ति का वर्णन :
मेक : महिन्द्रा क्वान्टो
रजि. नंबर : UP14CL9072
विनिर्माण वर्ष : 2015
3. अमित सोलंकी, सी.एस. कॉम. नंबर 620851/16 में
आस्ति का वर्णन :
मेक : बीएमडब्ल्यू 320डी
रजि. नंबर : HR26BB3508
विनिर्माण वर्ष : 2010

नीलामी की तिथि एवं समय :
09 दिसम्बर, पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 01.00 बजे तक
3. स्थान : गोदरा यार्ड, खेवट नंबर 166/1, निकट अतुल कटारिया चौक, ज्ञान देवी स्कूल के पीछे, सेक्टर-17, सुखराली, गुरूग्राम-122022
4. सम्पर्क व्यक्ति : राजीव रंजन ; मोबाइल नंबर : 8584878409

बिक्री की शर्तें

उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।

इच्छुक बोलीदाताओ को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के पक्ष में दिल्ली में देय डीडी/पीओ के माध्यम से ईएमडी जमा करनी होगी। सफल अनुमोदित बोलीदाता को बिक्री राशि पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट/ आरटीजीएस/ एनईएफटी के माध्यम से अनुमोदन की तिथि से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।

इच्छुक बोलीदाता उपरोक्त दृष्टिबंधित वाहन के विस्तृत विवरण तथा निरीक्षण के लिए आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्रथम तल, एसडी टावर, कम्युनिटी सेंटर, प्लॉट नंबर-7, रोहिणी, सेक्टर-8, नई दिल्ली-110085 पधार सकते हैं।

परिवहन विभाग
दिल्ली परिवहन विभाग
(रा0 रा0 क्षेत्र, दिल्ली सरकार)
आई0पी0 एस्टेट : नई दिल्ली-110002

दिल्ली परिवहन निगम/FCMS Project (कलस्टर बसों) में अनुबंध पर संवाहक पद (आरंभ में एक वर्ष/अथवा दिल्ली परिवहन निगम की प्रतीक्षा सूची में रखा जाएगा) के साक्षात्कार हेतु सूचना:

दिल्ली परिवहन निगम/**FCMS Project (Cluster Buses)** में रोजगार निदेशालय द्वारा प्राप्त सूची के अनुसार अभियर्थियो को अल्पावधि अनुबंध आधार पर संवाहक पर (आरंभ में एक वर्ष/अथवा दिल्ली परिवहन निगम की प्रतीक्षा सूची में रखा जाएगा) पर भर्ती हेतु साक्षात्कार के लिए निम्नलिखित तिथि व क्रम संख्या/विवरण अनुसार कार्मिक विभाग दिल्ली परिवहन निगम आई0पी0 मुख्यालय, इन्द्रप्रस्थ नई दिल्ली-110002 में सभी जरूरी दस्तावेजों सहित **(Employment Exchange ID, Valid Conductor License issued STA Delhi, Valid First Aid, ID proof, Disability Certificate (for PHP Candidates), All Educational Certificates with Original Photocopy and Three latest Passport size photograph (not more than two month with date mentioned) and two Postcard Photograph size (4"x 6") Color)** प्रस्तुत हो।

रोजगार निदेशालय द्वारा प्रायोजित क्रम संख्या के आधार पर पंजीकृत अभियार्थियों का साक्षात्कार हेतु	साक्षात्कार दिनांक (10:00 AM to 14:00 PM)
2011102789-2011106728	22-11-19 (FRI)
2011106746-2011111027	25-11-19 (MON)
2011111054-2011116212	26-11-19 (TUE)
2011116222-2011121470	27-11-19 (WED)
2011121471-2011127745	28-11-19 (THURS)
2011127747-2011133073	29-11-19 (FRI)
2011133077-2011138860	02-12-19 (MON)
2011138884-2011144933	03-12-19 (TUE)
2011144991-2011150981	04-12-19 (WED)
2011151000-2011157118	05-12-19 (THURS)
2011157125-2011162664	06-12-19 (FRI)
2011162665-2011168132	09-12-19 (MON)
2011168140-2011174022	10-12-19 (TUE)
2011174033-2011180340	11-12-19 (WED)
2011180351-2011186787	12-12-19 (THURS)
2011186795-2011193121	13-12-19 (FRI)
2011193122-2011196802	16-12-19 (MON)
2011196810-2011200520	17-12-19 (TUE)
Absentee candidates from above dates	18-12-19 (WED)

अतः उपरोक्त सभी अभियार्थियों को निर्देश दिये जाते हैं कि वह निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें।

(1) सभी अभियार्थियों से अनुरोध है कि उपरोक्त निर्धारित दिनांक व समय पर इस कार्यालय में उपस्थित हों, अन्यथा यह समझा जायेगा कि उसे उपरोक्त संवाहक (अनुबंध) पर रोजगार की जरूरत नहीं है। अतः उसके आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा और न ही भविष्य में इस पर विचार किया जायेगा।
(2) अभियर्थियों की आयु 18-35 वर्ष (इस विज्ञापन की तिथि को) से अधिक न हो। यदि कोई **SC/ST/OBC** से सम्बंधित है तो उनको भारत सरकार द्वारा जारी नियमानुसार छूट दी जोयगी।
(3) अभ्यर्थियों को परिसर के अंदर मोबाईल फोन, ब्लूटुथ, ईरफाने व अन्य कोई भी संचार उपकरण लाने की अनुमति नहीं है।
(4) सफल उम्मीदवारों को प्रतीक्षा सूची में रखा जाएगा और भविष्य में आवश्यकतानुसार वरीयता को ध्यान में रखते हुये उनको नियम की सेवाओं से समायोजित किया जायेगा।
(5) प्रार्थी को यह स्पष्ट बताना होगा कि उसने दिल्ली परिवहन निगम में कार्य किया है या नहीं। यदि यह पाया गया कि उसे दिल्ली परिवहन निगम से किसी भी कारणवश मैडिकल अनफिट/निकाले गए/**TERMINATED** प्रत्याशियों के सख्त निर्देश है कि वह इस अवसर में शामिल न हो अन्यथा सख्त कार्यवाही की जाएगी।
(6) उपरोक्त विवरण दिल्ली परिवहन निगम की वैबसाइट **www.dtc.nic.in** पर भी उपलब्ध है।

हस्ता/-
प्रबन्धक (कार्मिक)

DIP/Shabdarth/1019/19-20

ओजस्वी ट्रेड्स इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फाइनैंस लिमिटेड
केएच. नंबर 300, गोपी राम बिल्डिंग, सुल्तानपुर ग्राम, नई दिल्ली-110030
फोन नंबर : 09810836602, फैक्स : 0124-4699333
सीआईएन : एल67120डीएल1990पीएलसी042059
वेबसाइट : **www.ojswi.in** ई-मेल आईडी : **corporate.ojswi@gmail.com**
30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही और अर्द्ध वर्ष हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण

(रू. लाख में, सिवाय प्रति शेयर अर्जन)

क्र. स.	विवरण	तिमाही समाप्त 30सितम्बर,2019 (अलेखापरीक्षित)	अर्द्ध वर्ष समाप्त 30सितम्बर,2019 (अलेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्त 30सितम्बर,2018 (अलेखापरीक्षित)
1	परिचालन से कुल आय	89.29	159.97	66.90
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों से पूर्व)	(11.80)	(44.49)	(20.40)
3	शुद्ध लाभ/(हानि) कर पूर्व (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	(11.80)	(44.49)	(20.40)
4	शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	(11.80)	(44.49)	(20.40)
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) शामिल है]	(11.80)	(44.49)	(20.40)
6	इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रू. 10/-प्रति शेयर)	675	675	675
7	संचेय (पुनर्मूल्यन संचेय छोड़कर)	-	-	-
8	प्रति शेयर अर्जन (रू. 10/- प्रत्येक का) (जारी तथा बंद प्रचालनों हेतु)			
	1. मूल	(0.02)	(0.66)	(0.30)
	2. तनुकृत	(0.02)	(0.66)	(0.30)

नोट्स :-
(1) 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही हेतु उपरोक्त परिणाम लेखापरीक्षा समिति द्वारा पुनरीक्षित तथा निदेशक मंडल द्वारा उनकी 16 नवम्बर, 2019 को सम्पन्न बैठक में अनुमोदित किए गए हैं। कम्पनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा उपरोक्त परिणामों का "सीमित पुनरीक्षण" किया गया है।
(2) उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन और अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत मेट्रोपोलिटन स्टॉक एक्सचेन्ज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एमएसईआई) में प्रस्तुत किए गए तिमाही परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। उक्त तिमाही परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेन्ज वेबसाइट **www.msei.in** तथा कम्पनी की वेबसाइट **www.ojswi.in** पर उपलब्ध है।

कृते एवं हिते निदेशक मंडल
हस्ता./-
संदीप गर्ग
निदेशक
(डीआईएन : 00021295)

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 16 नवम्बर, 2019

महिला ट्रैप में श्रेयसी राष्ट्रीय चैंपियन

● राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप

● राजेश्वरी कुमारी को मात दी

भाषा। नई दिल्ली

मौजूदा राष्ट्रमंडल चैम्पियन श्रेयसी सिंह ने 63वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप में महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में खिताब जीता।

बिहार की रहने वाली श्रेयसी ने फाइनल में पंजाब की राजेश्वरी कुमारी को मात दी। उसने 50 में से 42 शाट निशाने पर लगाए जबकि राजेश्वरी ने 38 शाट लगाए। यह श्रेयसी के कैरियर का चौथा व्यक्तिगत राष्ट्रीय खिताब है जबकि ट्रैप में उसने पहली बार खिताब जीता है। क्वालीफिकेशन दौर में राजेश्वरी ने 125 में से 118 स्कोर किया। श्रेयसी ने 112 का स्कोर करके चौथा स्थान हासिल किया। मध्यप्रदेश की प्रगति दुबे ने कांस्य पदक जीता। राजेश्वरी ने पंजाब की इनाया विजय सिंह और प्रभसुखमन कौर के साथ महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में टीम वर्ग का स्वर्ण पदक जीता। पंजाब की तिकड़ी ने 319 अंक बनाए जबकि राजस्थान ने 311 अंक बनाकर दूसरा और मध्यप्रदेश ने तीसरा स्थान हासिल किया। दिल्ली की वर्धा शर्मा ने शूटआफ में जूनियर महिला ट्रैप स्पर्धा का स्वर्ण जीता जबकि मप्र की मनीषा कीर ने रजत पदक हासिल किया। प्रीति रजत को कांस्य पदक मिला। मनीषा, प्रीति और नीरू ने मप्र को स्वर्ण दिलाया। हरियाणा को रजत और दिल्ली को कांस्य पदक मिला।

रीजीजू ने ओलंपिक चैनल को हिन्दी सेवा शुरू करने पर बधाई दी

एजेंसी। **नई दिल्ली**

खेल मंत्री किरेन रीजीजू और भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने ओलंपिक चैनल के हिन्दी सेवा शुरू करने को सोमवार को शानदार पहल करार दिया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के ओलंपिक चैनल हिन्दी चैनल की शुरुआत 13 नवंबर को हुई थी। खेल के प्रशंसक आधिकारिक ओलंपिक चैनल की वेबसाइट और इसके मोबाइल ऐप पर डिजिटल सामग्री का उपयोग कर सकते हैं। इस पहल की सराहना करते हुए रीजीजू ने ट्वीट किया, मुझे बेहद खुशी हो रही हैं की ओलंपिक चैनल में हिंदी अब एक आधिकारिक भाषा हैं। अब इस माध्यम से भारत के ओलंपिक सफर और अपने चहेते खिलाड़ियों के बारे में हिंदी में जान सकते है। इस फैसले से ओलंपिक अभियान को भारत में बहुत बढ़ावा मिलेगा। बत्रा ने आईओसी अध्यक्ष थामस बाक को पत्र लिख कर इस शुरुआत के लिए आभार व्यक्त किया और इसे शानदार पहल करार दिया। बत्रा ने अपने पत्र में कहा, इस पहल के माध्यम से भारत और दुनिया भर के हिन्दी भाषी लोग ओलंपिक चैनल का लुत्फ उठा पाएंगे और स्थानीय खिलाड़ियों से जुड़ी जानकारी को बेहतर तरीके से हासिल कर पाएगे। इस पहल से भारत में ओलंपिक अभियान को और मजबूती मिलेगी। आईओसी वैश्विक ओलंपिक चैनल के महाप्रबंधक मार्क पार्कमैन ने कहा, बढ़ते हुए बाजारों में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने का यह शानदार तरीका है। इसमें लोगों को ओलंपिक की महान कहानियों के बारे में ऐसे समझाया जाता है जिसमें वह आसानी से समझ सके। हिन्दी ओलंपिक चैनल डाट काम और उसके मोबाइल एप्लिकेशन पर वैश्विक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दी जाने वाली 12 भाषाओं में से एक है। इससे अब प्रशंसकों और उपयोगकर्ताओं के पास ओलंपिक चैनल का हिंदी में अनुभव करने का विकल्प होगा। इस में प्रशंसकों के पास स्थानीय खिलाड़ियों की जानकरियों के साथ ओलंपिक पर बनी भारतीय एथलीटों, टीम और खेलों से जुड़ी वृत चित्र को देखने का विकल्प होगा।

रीजीजू ने विश्व पैरा चैम्पियनशिप के पदक विजेताओं को नकद राशि से सम्मानित किया

नई दिल्ली। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप मे पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियो को सोमवार को नकद राशि से सम्मानित किया। दुबई मे हुए इन खेलो मे भारतीय खिलाड़ियो ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप मे भारतीय खिलाड़ियो ने दो स्वर्ण, दो रजत और पांच कांस्य पदक सहित कुल नौ पदक जीते। भारतीय खिलाड़ियो ने इसके साथ ही तोक्यो 2020 पैरालंपिक खेलो के लिए 13 कोटे भी हासिल किए। पैरालंपिक के लिए भारत अब तक 23 कोटा हासिल कर चुका है। भाला फेंक के एफ64 और एफ46 प्रतियोगिता के स्वर्ण पदक विजेताओ संदीप चौधरी और सुंदर सिंह को 20-20 लाख रुपए इनाम के तौर पर दिए गए। इस दौरान संदीप चौधरी एफ 44 भाला फेंक स्पर्धा मे 66.18 मीटर की दूरी के साथ विश्व रिकार्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। सुंदर सिंह ने कंधे की चोट के बावजूद पुरुषो की एफ46 भाला फेंक स्पर्धा मे अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। भाला फेंक (एफ 44) मे ही रजत पदक जीतने वाले सुमित अंतिल को 14 लाख रुपए का पुरस्कार मिला। ऊंची कूद के टी63 स्पर्धा मे रजत जीतने वाले शरद कुमार को भी यही पुरस्कार राशि दी गई। पांच कांस्य पदक विजेताओ को आठ-आठ लाख रुपए का पुरस्कार दिया गया। इसमे विनय कुमार लाल (पुरुषो की 400 मीटर, टी44), योगेश कथुनिया (पुरुष चक्का फेंक, एफ56), मरियप्पन थंगावेलु (पुरुषो की ऊंची कूद, टी63), निषाद कुमार (पुरुषो की ऊंची कूद, टी47) और अजीत सिंह (पुरुषो की भाला एफ 46) शामिल है। इस मौके पर रीजीजू ने कहा, मै देश, मंत्रालय और सरकार की ओर से इस प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियो को सलाम करता हूं। हमने यह सुनिश्चित किया है कि आपको सही समय पर वित्तीय सहायता मिल सके। उन्होने कहा कि मुझे उम्मीद है कि आप भविष्य मे भी देश के लिए पदक जीतते रहेगे। हम आपकी प्रशिक्षण सुविधा को सुधारने की कोशिश पर ध्यान दे रहे है और आपको हर संभव मदद करेंगे।

अफगानिस्तान के खिलाफ अंडर–19 भारतीय टीम की अगुआई करेंगे प्रियम गर्ग

नई दिल्ली। विजय हजारे ट्राफी में हाल में दोहरा शतक जड़ने वाले मुंबई के बाएं हाथ के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को अफगानिस्तान के खिलाफ पांच एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के पहले दो मैचों में लिए भारत की मजबूत अंडर 19 टीम में जगह मिली है। प्रियम गर्ग की अगुआई वाली भारतीय टीम अगले साल होने वाले अंडर 19 विश्व कप की तैयारी कर रही है और फिलहाल विभिन्न संयोजनों को आजमाया जा रहा है। पांच मैचों की श्रृंखला के मुकाबले लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 22, 24, 26, 28 और 30 नवंबर को खेले जाएंगे। पहले दो मैचों के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है: यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, अर्जुन आजाद, प्रियम गर्ग (कप्तान), शाशवत रावत, कुमार कुशाग्र , दिव्यांश जोशी, मानव सुतार, रवि बिश्नोई, कार्तिक त्यागी, आकाश सिंह, अथर्व अंकोलेकर, विद्याधर पाटिल, सीटीएल रक्षण और क्रुथिक कृष्णा।

ओमान के खिलाफ नजरें बदले पर नहीं, अंकों पर: छेत्री

एजेंसी। मस्कट (ओमान)

कप्तान सुनील छेत्री ने मंगलवार को यहां ओमान के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप क्वालीफायर मुकाबले से पूर्व कहा कि मेजबान टीम के खिलाफ भारत की नजरें बदला लेने पर नहीं बल्कि पूरे अंक हासिल करने पर टिकी होगी। भारत को सितंबर में गुवाहाटी में ओमान के खिलाफ।-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा था। छेत्री ने ट्रेनिंग सत्र के दौरान कहा, हम बदलाव लेने के बारे में नहीं सोच रहे, बिलकुल भी नहीं। अंत में अंक मायने रखते हैं। यह डर्बी नहीं है क्योंकि वे हमारे पड़ोसी नहीं हैं। उनहोंने कहा, ए क्वालीफायर हैं और हमारे दिमाग में सिर्फ एक चीज है, मैदान पर उतरो, सर्वश्रेष्ठ प्रयास करो और नतीजा हासिल करो। मेरे कहने का मतलब है कि मैदान पर उतरो और अच्छ प्रदर्शन करो, विशेषकर विरोधी के मैदान पर होने वाले मुकाबलों में। ओमान के स्ट्राइकर अल मंधार क्वालीफायर के चार मैचों में पहले ही चार गोल दाग चुके हैं लेकिन प्रीतम कोटल का मानना है कि उनकी टीम सकारात्मक नतीजा हासिल करने में सफल रहेगी। कोटल ने कहा, अल मंधार ही नहीं, अल अलवाई, अल घसानी जैसे स्ट्राइकर भी रक्षा पंक्ति के लिए समान खतरा हो सकते हैं। वे तेज हैं, वे तेजी से अपनी जगह बदलते हैं और लंबी दूरी से गोल कर सकते हैं। उनके लंबी दूरी के शाट को लेकर हमें अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। पहले चरण में छेत्री ने भारत की ओर से एकमात्र गोल दागा था जिससे ओमान के खिलाफ टीम पहली जीत दर्ज करने की ओर बढ़ रही थी लेकिन अल मंधार ने लगातार दो गोल दागकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

ओमान के खिलाफ भारत के लिए करो या मरो का मुकाबला

● विश्व कप क्वालीफाइंग मैच आज

भाषा। मस्कट

भारतीय टीम : गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, धीरज सिंह, प्रीतम कोताल, निशु कुमार, राहुल भेके, नरेंदर, आदिल खान, सार्थक गोलुइ, सुभाशीष बोस, मंदार राव देसाइ, उदांता सिंह, जैक्वीचंद सिंह, सेमिनलेन डाउंगेल, रेनियर फर्नांडिस, विनित राय, सहल अब्दुल समद, प्रणय हलधर, अनिरुद्ध थापा, लालियांजुआला छांगटे, ब्रेंडन फर्नांडिस, आशिक कुरुनियान, सुनील छेत्री, मनवीर सिंह, फारुख चौधरी। **मैच का समय :** रात 8 . 30 से।

अब तक चारों मैच हार चुकी भारतीय फुटबाल टीम विश्व कप क्वालीफाइंग दौर के करो या मरो के मुकाबले में मंगलवार को ऊंची रैंकिंग वाली ओमान टीम से खेलेगी। गुवाहाटी में सितंबर में खेले गए पहले चरण के मैच में पहले हाफ में सुनील छेत्री के गोल की मदद से भारत ने जीत की उम्मीद बंधाई थी लेकिन आखिरी दस मिनट में ओमान ने दो गोल करके भारत को हराया। इससे पहले 14 नवंबर को बांग्लादेश के खिलाफ ओमान ने 4–1 से शानदार जीत दर्ज की। दूसरी ओर भारत ने एशियाई चैम्पियन कतर से गोलरहित ड्रा खेलने के बाद निचली रैंकिंग वाली अफगानिस्तान और बांग्लादेश टीमों से भी ड्रा खेला। तीन ड्रा और एक हार के बाद भारत ग्रुप ई में तीन अंक लेकर चौथे स्थान पर है जबकि ओमान चार मैचों में नौ अंक के साथ दूसरे स्थान पर है।कतर दस अंक लेकर शीर्ष पर है। ओमान पर अप्रत्याशित जीत से इगोर स्टिमक की टीम की उम्मीदें जीवंत रहेंगी लेकिन हारने से भारत विश्व कप 2022 क्वालीफिकेशन की दौड़ से बाहर हो जाएगा। हारने पर भारत ओमान से नौ अंक पीछे हो जाएगा और उसके तीन मैच बाकी रहेंगे यानी अधिकतम नौ अंक ही मिल सकेंगे। आठों ग्रुप की उपविजेता टीम को भी तीसरे दौर में स्वत: जगह मिलना तय नहीं है। भारत को कतर (26 मार्च), बांग्लादेश (चार जून) और अफगानिस्तान (नौ जून) से खेलने हैं। ओमान के खिलाफ कम से कम एक अंक लेना भारत के लिए अहम होगा क्योंकि इससे एशियाई कप 2023 क्वालीफायर के तीसरे दौर में जगह पाना भारत के लिए आसान होगा। यह टूर्नामेंट 2023 एशियाई कप के लिए संयुक्त क्वालीफाइंग दौर है। आठों ग्रुप से तीसरे स्थान की टीमें और चौथे स्थान की सर्वश्रेष्ठ चार टीमें एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में पहुंचेंगी। भारतीय टीम अब सिर्फ छेत्री पर निर्भर नहीं है लेकिन मौकों को भुनाने में नाकाम रहना उसे भारी पड़ा।

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित्
छठवी मंजिल, टॉवर "सी", कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, सी.बी.डी. सेक्टर-21, नया रायपुर, अटल नगर (छ.ग.) 492002
Website-www.markfed.cg.nic.in Email, id : mf_ctrlroom_raipur@gov.in
क्र./विप./G.P.S./4107/2019 न.रा.अ.न., दिनांक 15.11.2019

Chhattisgarh state cooperative Marketing Federation Ltd
Corrigendum For selection of SI for supply, installation, development, implementation and maintenance of GPS based vehicle tracking system

C.G. Markfed has invited the Request for Proposal (RFP) for SELECTION OF SYSTEM INTEGRATOR FOR SUPPLY INSTALLATION, DEVELOPMENT, IMPLEMENTATION AND MAINTENANCE OF GPS BASED VEHICLE TRACKING SYSTEM" through website - https://eproc.cgstate.gov.in dated from 08.11.2019 to 22.11.2019 Detail of amendment in the tender is available on website - https://eproc.cgstate.gov

GENERAL MANAGER
Samvad-23575/6 (Markfed)

बोपन्ना पाकिस्तान के खिलाफ डेविस कप से हटे

● कंधे की चोट के कारण बाहर

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के सीनियर टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना कंधे की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ आगामी डेविस कप मुकाबले से बाहर हो गए हैं जिसके बाद टीम में जीवन नेदुंचेझीयान को जगह मिल सकती है। बोपन्ना ने सोमवार को एमआरआई स्कैन कराने के बाद अपने फैसले से टीम के गैर खिलाड़ी कप्तान रोहित राजपाल को अवगत करा दिया। पाकिस्तान के खिलाफ 29 और 30 नवंबर को खेले जाने वाले मुकाबले के लिए बोपन्ना की जोड़ी दिग्गज लिएंडर पेस के साथ बनाए जाने की संभावना थी। एआईटीए चयन समिति द्वारा घोषित आठ सदस्ईय टीम में बाएं हाथ के नेदुंचेझीयान को तीन रिजर्व खिलाड़ियों में रखा गया था। राजपाल ने पीटीआई से कहा, टीम में रोहन (बोपन्ना) का नहीं होना निराशाजनक है। हम चाहते हैं कि वह अपने कंधे का ख्याल रखे। उन्हें इलाज के लिए इंजेक्शन की जरूरत है। हमारे पास उनके विकल्प के तौर पर जीवन (नेदुंचेझीयान) के रूप में अच्छा खिलाड़ी है। उसके आने से दाएं और बाएं हाथ के खिलाड़ी की अच्छी जोड़ी बनेगी। बोपन्ना देश के शीर्ष युगल खिलाड़ी हैं और उनके हटने से देश को युगल में शीर्ष दो खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में कोर्ट पर उतरना होगा। दिविज शरण पहले ही शादी के कारण टीम से बाहर हैं।

टखने की चोट के कारण मुरली विजय मुश्ताक अली ट्राफी से बाहर

चेन्नई। अनुभवी सलामी बल्लेबाज मुरली विजय टखने मे चोट के कारण 21 नवंबर से सूरत मे होने वाले सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट के सुपर लीग और नाकआउट मैचो मे हिस्सा नही ले पाएंगे। विजय ने हाल मे विजय हजारे ट्राफी (आठ मैचो मे एक शतक से 284 रन) और मौजूदा मुश्ताक अली ट्राफी (छह मैचो मे 127 रन) प्रभावी प्रदर्शन किया। तमिलनाडु क्रिकेट संघ की विज्ञप्ति के अनुसार टीम मे उनकी जगह बाएं हाथ के स्पिनर एम सिद्धार्थ लेगे। सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट के सुपर लीग और नाकआउट मैच 21 नवंबर से एक दिसंबर तक खेले जाएंगे।

कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड
Capri Global Capital Limited **पंजीकृत एवं कार्पोरेट कार्यालय** :– 502, टावर–ए, पेनिन्सूला बिजनेस पार्क, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई–400013
सर्किल कार्यालय :– कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड, द्वितीय तल, 3बी पूसा रोड, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली–110005

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरनिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3(1) के अधीन। अधोहस्ताक्षरी, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरनिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (उक्त अधिनियम) के तहत कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड (सीजीसीएल) का प्राधिकृत अधिकारी है। प्राधिकृत अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के साथ पठित उक्त नियमावली के नियम 3 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अधीन मांग सूचनाएं जारी की थीं, जिनमें निम्नलिखित कर्जदार(रों) ("उक्त कर्जदार(रों)") से उनको जारी की गई संबंधित मांग सूचना(ओं) में वर्णित राशियां, जो नीचे भी दी गई हैं, चुकाने की मांग की गई थी। उपरोक्त के संबंध में, एतद्द्वारा, उक्त कर्जदार(रों) को, एक बार पुन:, यहां नीचे दी गई राशियों का भुगतान सीजीसीएल को, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से भुगतान तथा/अथवा वसूली की तिथि तक, ऋण अनुबंध के साथ पठित अन्य दस्तावेजो/प्रलेखों, यदिकोई, जो उक्त कर्जदार(रों) द्वारा निष्पादित किया गया है, के तहत देय आगे ब्याज सहित, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने हेतु सूचना दी जाती है। उक्त कर्जदार(रों) द्वारा ऋण की प्रतिभूति के लिए निम्नलिखित आस्तियां सीजीसीएल के पास बंधक रखी गई हैं।

क्र. सं.	कर्जदार (रों)/गारंटर (रों) का नाम	मांग सूचना तिथि और राशि	प्रतिभूत आस्ति का वर्णन (अचल सम्पत्ति)
1.	हमारी दिल्ली शाखा की ऋण खाता संख्या LNCGCDELTL0000005624) धारीवाल एंटरप्राइजेज (कर्जदार) दलवीर सिंह धारीवाल, श्रीमती विजय सरोजयनी, उदित धारीवाल (सह–कर्जदार)	15-11-2019 रू. 1,21,48,137/-	प्लॉट नंबर 43, खसरा नंबर 466, ग्राम रोशनपुर, अब संजय एन्क्लेव के नाम से प्रसिद्ध, नजफगढ़, दिल्ली–110043, उसके ऊपर निर्माण, वर्तमान एवं भावी दोनों, सहित।

यदि उक्त कर्जदार सीजीसीएल को उपरोक्तानुसार भुगतान करने में विफल रहेंगे, सीजीसीएल द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 13(4) और लागू नियमों के अधीन उपरोक्त प्रतिभूत आस्तियों के विरूद्ध कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी, जिसकी लागत और परिणामों की जोखिम के लिए उक्त कर्जदार पूर्णरूपेण जिम्मेदार होंगे। उक्त कर्जदार उक्त अधिनियम के तहत, सीजीसीएल की पूर्व लिखित सहमति के बिना, उपरोक्त आस्तियां बिक्री, पट्टा अथवा अन्य प्रकार से अंतरित नहीं कर सकते हैं। कोई भी व्यक्ति जो उक्त अधिनियम के प्रावधानों अथवा तदधीन विरचित नियमों का उल्लंघन करता है अथवा उल्लंघन हेतु अभिप्रेरित करता है, उक्त अधिनियम के तहत दी गई व्यवस्था के अनुसार कारावास तथा/अथवा आर्थिक दण्ड का भागी होगा।

स्थान : दिल्ली एवं एनसीआर हस्ता./–(प्राधिकृत अधिकारी) वास्ते
तिथि : 19–11–2019 कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड

अफगानी टीम ने मारी बाजी

● अफगानिस्तान ने वेस्टइंडीज को को 29 रनों से हराया

● सीरीज 2-1 से जीती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

टी-20 सीरीज के तीसरे और निर्णायक मुकाबले में अफगानिस्तान ने वेस्टइंडीज को 29 रनों हराकर 2-1 से मैच जीत सीरीज जीत लिया।

157 रन का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज निर्धारित ओवर में सात विकेट खोकर 127 रन बना पाई। सबसे अधिक 52 रन होप व लुइस ने 24 रन बनाए। नवीन उल-हक ने 3 विकेट हासिल किए।

इससे पहले विकेटकीपर बल्लेबाज रहमान उल्लाह गुरबाज (52 गेंद में 79 रन) की तूफानी पारी की बदौलत अफगानिस्तान ने वेस्टइंडीज को 157 रन का लक्ष्य दिया। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेई इकाना स्टेडियम में गुरबाज ने किसी भी कैरेबियाई गेंदबाज को नहीं बख्शा और मैदान में हर तरफ करारे शाट जमाए। अफगानिस्तान ने लगातार दूसरी बार टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और 12 रन के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज हजरतुल्लाह जजई (00) और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे करीम जनात (02) पवेलियन लौट गए। दूसरे छोर पर विकेटकीपर बल्लेबाज रहमान उल्लाह गुरबाज ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए इब्राहिम जादरान के साथ स्कोर को 44 रन तक पहुंचाया लेकिन तभी जादरान (01) रन आउट हो गए। गुरबाज ने असगर अफगान के साथ पारी को आगे बढ़ाया और 37 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। अफगान को 14वें ओवर में मिड विकेट पर कीमो पॉल की गेंद पर ब्रैंडन किंग ने जीवनदान दिया। अफगान (24) ने अगली गेंद पर छक्का लगाया, मगर उसके फौरन बाद वह एक और हवाई शॉट खेलने की कोशिश में ब्रैंडन किंग के हाथों कैच आउट हुए। दूसरे छोर पर गुरबाज ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। वह 16वें ओवर में तेज गेंदबाज केसरिक विलियम्स की फुलटॉस पर चोटिल हो गए। मगर उन्होंने बल्लेबाजी जारी रखी और दो चौके और इतने ही छक्के और जड़े। गुरबाज की लय देखकर लग रहा था कि वह शतक पूरा कर लेंगे, मगर वह 17वें ओवर में कैरेबियाई कप्तान कीरोन पोलार्ड की वाइड गेंद को उठाकर मारने की कोशिश में डीप प्वाइंट पर लपके गए। उन्होंने 52 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और पांच छक्के मारे।

मुहम्मद नबी ने स्लाग ओवरों में तेजी से बल्लेबाजी की और स्कोर को 150 रन के पार पहुंचाया। आखिरी ओवर में तेज गेंदबाज कीमो पॉल की पहली गेंद पर छक्का मारने की कोशिश में वह लांग आन पर जेसन होल्डर के हाथों कैच आउट हो गए। उन्होंने सात गेंद पर 15 रन बनाए। नजीबउल्ला जादरान ने 14 रन का योगदान किया। वेस्टइंडीज की तरफ से विलियम्स, शेल्डन कोटरेल और कीमो पॉल ने दो-दो विकेट लिए।

कार्यालय ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम पंचायत भडंगपुर भिम्यारी
विकास खण्ड–हापुड, जनपद हापुड

पत्रांक/मीमो/नि0प0/ग्रा0पं0/2019–1920 दिनांक:– 18.11.2019

–: अल्पकालीन निविदा :–

ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/चौहदंवा वित्त योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यो के लिये पंजीकृत ठेकेदारों से सीलबन्द निविदायें दिनांक 25/11/2019 की सांय 2.30 बजे तक आमन्त्रित की जाती है निविदा प्रपत्र दिनांक 24/11/2019 दोपहर 12 बजे कार्यालय समय में समबंधित ग्राम पंचायत कार्यालय से निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त किये जा सकते है निविदा अधिकृत अधिकारियों द्वारा इच्छुक ठेकेदारों की उपस्थिति में दिनॉक 25/11/2019 की सांय 3.00 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं.	कार्य का नाम	कार्य का स्थल	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र	कार्य अवधि
1	1	शमशानघाट में सौन्दर्य कार्य	129224	2584	150	
2	2	शमशानघाट में शान्तिस्थल के सामने इन्टरलॉकिंग टाईलस	498968	10000	500	
3	3	शमशान में इन्टरलॉकिंग टाईलस	499619	1000	500	

नियम व शर्तें:–
1. अरनेस्ट मनी निविदा डालने के समय एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0/पासबुक के रूप मे दी जा सकती है जो सम्बन्धित ग्राम पंचायत के नाम से बन्धन हो अथवा नकद जमा की जा सकती हैं।
2. कार्य पी0डब्लू0डी0 की विशिष्टियो के अनुरूप होगा
3. निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सम्बन्धित ग्राम पंचायत को होगा।
4. निविदा केवल सरकारी विभाग मे पंजीकृत ठेकेदारो को ही देय होगी।
5. ठेकेदार का पंजीयन उप श्रमायुक्त हापुड़ के यहाँ होना चाहिए तथा ठेकेदार को प्रत्येक कार्य का पंजीकरण उप श्रमायुक्त कार्यालय हापुड़ में कराना अनिवार्य होगा।
6. निविदा प्रपत्र के साथ 100/– का नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर रसीदी टिकिट के साथ लाये।
7. नियमानुसार सभी शासकीय कटौतिया की जायेगी।
8. अन्य नियम व शर्तें लागू रहेंगी।

प्रधान सचिव
ग्राम पंचायत भडंगपुर भिम्यारी ग्राम पंचायत भडंगपुर भिम्यारी
वि0क्षे0 व जनपद हापुड़ वि0ख0 हापुड़

बाला की कहानी निर्देशक अमर कौशिक से मिलने से पहले कुछ और ही थी

मुम्बई। लेखक नीरेन भट्ट ने खुलासा किया है कि फिल्म बाला की कहानी निर्देशक अमर कौशिक से मिलने से पहले कुछ और ही थी। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाली मराठी फिल्म वेंटिलेटर , और फिल्म मेड इन चाइना के लेखक भट्ट ने साथ ही कहा कि वह फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया से काफी खुश हैं। उन्होंने कहा, यह काफी अच्छा है। बधाइयों का तांता लगा है। यह काफी अच्छा अनुभव है। भट्ट ने कहा कि अमर के बतौर क्रिएटिव प्रोड्यूसर फिल्म के साथ जुड़ने के बाद उन्होंने करीब 20 साल की उम्र में बाल उड़ने के अनुभव साझा करने शुरू किए। उन्होंने कहा, यह उस झीझक, आत्मविश्वास की कमी के बारे में है जो आप बाल न होने के कारण महसूस करते हैं। मुझे पता था कि यही वह कहानी है। यह आम समस्या है। यह किसी शहर की नहीं, यह विश्वस्तरीय समस्या है। भट्ट ने कहा, हमने सोचा था कि फिल्म केवल गंजेपन पर आधारित नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा यह खुद में विश्वास रखने और खुद से प्यार करने पर है। इसलिए इसमें दो प्रेम कहानियां हैं, कई बार आपको लगता है कि वह (आयुष्मान) यामी या भूमि के साथ जाएगा लेकिन अंततः यह खुद से प्यार करने की कहानी है। उन्होंने कहा कि फिल्म बाला की कहानी निर्देशक अमर कौशिक से मिलने से पहले कुछ और ही थी।

'पता था, काम पाने के लिए काम करके दिखाना होगा'

'तनु वेड्स मनु' और 'वीरे दी वेडिंग' जैसी फिल्में कर चुकीं अभिनेत्री स्वरा भास्कर किसी भी विषय को लेकर अपने विचारों को व्यक्त करने से पीछे नहीं हटतीं। पायनियर संवाददाता **मुज़्बा हाशमी** के साथ एक विशेष बातचीत में उन्होंने एक ही तरह की फिल्मों में टाइपकास्ट होने से लेकर अपनी आने वाली फिल्म तक के बारे में विस्तार से बताया...

■ आप एक नौसैनिक परिवार में जन्मी थीं, तो फिर अभिनय क्षेत्र में कैसे आना हुआ?

मेरा बचपन सामान्य बच्चों जैसा ही था। मेरे माता-पिता दिल्ली के थे और मेरा पालन-पोषण भी दिल्ली में ही हुआ है। मेरी पीढ़ी के सभी बच्चों की तरह ही मैं भी दूरदर्शन पर आने वाले चित्रहार तथा डीडी मेट्रो पर आने वाला सुपरहिट मुकाबला बड़े चाव से देखा करती थी। मैं भी इन शोज़ का हिस्सा बनना चाहती थी। मैं बड़ी हुई तो जवाहरलाल विश्वविद्यालय में अध्ययन के दौरान ही मुझे अभिनय के क्षेत्र में जाने का विचार आया। मैं परदे पर दिखना चाहती थी अतः एमए करने के बाद मैंने अपने सपने पूरे करने के लिए मुंबई निकल गई।

■ आपने 'माधोलाल कीप वॉकिंग' से अपने अभिनय कॅरियर का प्रारंभ किया था लेकिन ये सफल नहीं रही। क्या आप हतोत्साहित हो गई थीं?

देखिये मेरी पहली फिल्म ये नहीं थी वो कोई और फिल्म थी लेकिन वो रिलीज़ न हो सकी। माधोलाल के रिलीज़ होने तक मैं जान चुकी थी कि फिल्म रिलीज़ करने से ही बात नहीं बनने वाली बल्कि आपको रिलीज़ करने की पूरी प्रक्रिया अपनानी होती है जो अन्य फिल्मों में भी किया जाता है। अतः आपको उन्हीं प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना होता है जो केवल बन कर ही न रह जाएं बल्कि रिलीज़ भी हों। मैंने माधोलाल कीप वॉकिंग के सफल होने के बारे में नहीं सोचा था क्योंकि सफलता का एक पूरा चक्र होता है जिसमें वितरण तथा आर्थिक मामले भी होते हैं। लेकिन इससे मुझे किसी प्रकार की हताशा नहीं हुई। इस फिल्म को अच्छे रिव्यू मिले थे। इसके बाद मैंने 'तनु वेड्स मनु' की और ये पूरी तरह से एक सफल फिल्म साबित हुई और इसे भी लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली। इसे आप मेरा पहला ब्रेक कह सकती हैं।

■ क्या कॅरियर के पहले कुछ सालों के दौरान आप पर टाइपकास्ट होने का खतरा उत्पन्न हो गया था?

आप सही कह रहे हैं। कई लोग आपको समझाते हैं कि तुम्हें क्या करना चाहिये और क्या नहीं करना चाहिये आपको ये भी बताते हैं कि किस प्रकार के रोल करने से आप टाइपकास्ट होकर रह जाओगी। लेकिन मेरे भीतर इस प्रकार का डर कभी रहा ही नहीं। मैं अपने आप में स्पष्ट थी कि मैं एक आदर्श रोल की आजीवन प्रतीक्षा करते हुए खाली नहीं बैठे रह सकती। यदि खाली बैठूं तो मेरे भीतर असंतोष आने लगता है। मुझे ये भी पता था कि मैं किसी स्टारपुत्र या पुत्री जैसा लॉन्च नहीं पा सकती। किसी सुपर स्टार के सामने मुझे करन जौहर और संजय लीला भंसाली जैसे लोग लॉन्च करने नहीं आने वाले। ये कभी नहीं हो सकता। मैंने जान लिया था कि मुझे अच्छा काम पाने के लिए काम करके दिखाना होगा।

यदि आप मेरे कॅरियर पर नजर डालेंगे तो पाएंगे कि मैंने वो सब किया है और हर प्रकार के वैसे नियम और परंपराएं तोड़ी हैं जिन्हें नई अभिनेत्रियों के लिए निषिद्ध बताया जाता था। मेरे लिए सबसे अच्छा ब्रेक मुख्य नायिका की सहेली का साबित हुआ और इसे भी इंडस्ट्री में निषेध माना जाता था। इसके बाद रांझना में बिंदिया का रोल था जो परित्यक्त प्रेयसी थी। इसके बाद सलमान की फिल्म प्रेम रतन धन पायो में सलमान की बहन का रोल। इसे भी करने को कोई तैयार नहीं था और अंततः निल बटे सन्नाटा में लोगों ने कहा कि मैंने आत्मघाती कदम उठा लिया है। क्योंकि मैं इसमें एक 15 साल की लड़की की मां बनी थी। सबसे नए ऐसे ही रोल में वीरे दी वेडिंग थी जिसमें साक्षी सोनी का हस्तमैथुन का दृष्य था। मैंने टीवी भी ऐसे समय किया था जब लोग इसे अच्छा नहीं मानते थे। इस प्रकार मैंने सभी नियम तोड़े और मैं अन्य अभिनेत्रियों से भी ऐसा ही करने को उत्साहित करती हूं। मैं ऐसा किसी का अनादर करने के लिए नहीं करती हूं बल्कि ऐसा सोचकर करती हूं कि कोई कैसे मेरे जीवन के निर्णय करने की सलाह दे सकता है।

■ इस इंडस्ट्री में आपके सर्वश्रेष्ठ और सबसे बुरा क्षण कौन से थे?

मेरा सबसे बुरा अनुभव तब सामने आया जब एक स्टार ने मुझे सेट पर गाली दी थी क्योंकि वो स्वयं को बहुत कुछ समझते थे। मैं इन सब में नहीं पड़ना चाहती लेकिन ये अनेक लोगों के सामने हुआ था लेकिन किसी ने कुछ भी नहीं कहा। एक ही पल के बाद सब ऐसे व्यवहार कर रहे थे जैसे कुछ हुआ ही न हो। मेरे इस इंडस्ट्री में कई अच्छे अनुभव भी हुए हैं लेकिन उन सभी में सबसे अच्छे अनुभव हैं सूरज बड़जात्या जी के वो संदेश जो वो मुझे भेजते रहते हैं। वो मेरी प्रशंसा करते हैं और मेरा काम देखते रहते हैं और मेरी चिंता भी करते हैं कि मैं ठीक हूं या नहीं।

■ प्रायः देखा गया है कि आपको विभिन्न विषयों पर अपनी अभिव्यक्ति के लिए काफी कुछ सुनना पड़ता है। क्या इस ट्रोलिंग से आप किसी भी प्रकार से प्रभावित होती हैं?

अपने विचारों की अभिव्यक्ति के लिए आपको यदि सुनने को मिले तो ये किसी भी प्रकार से अच्छा अनुभव नहीं होता। लेकिन अब मैं इस प्रकार की बातों पर अधिक ध्यान नहीं देती क्योंकि मैं इन बातों की आदी हो चुकी हूं। लेकिन मुझे दुख इस बात का है या कहें कि ये बात बुरी लगती है कि लोग मेरी बात को अन्यथा ले लेते हैं। ये परिस्थिति सुखद नहीं हो सकती। ये एक प्रकार से अभिव्यक्ति के कारण समानांतर क्षति मानी जा सकती है। लेकिन मैं इस डर से कि लोग मुझे समझ नहीं पाते, बोलना नहीं छोड़ सकती। मैं इसमें कुछ नहीं कर सकती। मुझे याद है कि मैंने पद्मावत फिल्म को लेकर संजय लीला भंसाली को एक खुलापत्र लिखा था जिसपर अनेक लोग मुझ पर कुपित हो गए और फिर सोषल मीडिया पर क्या क्या नहीं कहा गया।

इन लोगों में से कइयों ने तो उस चिट्ठी को पढ़ा तक नहीं था, उन्होंने केवल उसका शीर्षक पढ़ लिया था। जबकि मैं शीर्षक तय नहीं करती, ये काम प्रकाषन विभाग का है। इससे मुझे भी काफी दुख हुआ था। लेकिन चलो कोई बात नहीं। मुझे लगता है कि लोगों को महिलाओं द्वारा किसी विषय पर अभिव्यक्ति की आदत नहीं है। वे इस बात को पसंद नहीं करते। ये बड़ी समस्या है लेकिन मेरी समझ से ये बात बाहर है कि इसमें बुरा मानने की बात ही क्या है।

■ क्या आप अपनी आने वाली फिल्म 'शीर कोरमा' के बारे में कुछ बताएंगी?

ये वास्तव में एक ही लिंग के मुस्लिम दंपत्ति की कहानी पर आधारित है। इसे फराज़ आरिफ अंसारी ने लिखा और निर्देषित किया है। इससे पहले तक इस विषय को बड़े परदे पर नहीं दिखाया गया है। ये लॉन्ग-शॉर्ट फिल्म है। इसका अर्थ ये है कि ये पूरी लंबाई वाली फीचर फिल्म नहीं है। ये मेरे लिए तो सपने के सच होने जैसा अनुभव होगा क्योंकि फराज़ सर ने शबाना आज़मी और दिव्या दत्ता जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का अवसर प्रदान किया है जो मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।

■ क्या आपको लगता है कि ये फिल्म अपने विषय की संवेदनशीलता के कारण किसी विवाद में फंस सकती है?

मैं किसी भी प्रकार के विवाद को लेकर किसी भी प्रकार की भविष्यवाणी नहीं कर सकती। मैं तो केवल इतना कह सकती हूं कि फिल्म अपने उद्देश्य को लेकर पूरी तरह से पवित्र है। मैं ऐसा मानती हूं कि इसे लेकर किसी भी प्रकार का विवाद हो सकता है। मेरे अनुसार फिल्म जनता के बीच एक अच्छा संदेष देने में सफल रहेगी।

प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित फिल्म महोत्सव 27 से

भाषा। नई दिल्ली

आगामी 10वें सीएमएस वातावरण फिल्म मोहत्सव में कुल 170 फिल्में और डॉक्यूमेंट्री दिखाई जाएंगी। इन फिल्मों में से प्रदूषण विषय पर 90 लघु फिल्में हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से आयोजित और सीएमएस वातावरण की ओर तैयार किए जाने वाला यह फिल्म महोत्सव 27 नवंबर से डॉक्टर आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में होगा। प्रकृति को दिखाने वाले इस हरित फिल्म महोत्सव में भारत के साथ-साथ स्विट्जरलैंड, डेनमार्क, कनाडा, नेपाल, अर्जेंटिना, अमेरिका, नीदरलैंड, ईरान, इजराइल, नॉर्वे, जर्मनी और न्यूजीलैंड शामिल हैं। आयोजकों ने बताया, सीएमएस वातावरण वैश्विक फिल्म उत्सव है और प्राकृतिक स्थिति को लेकर लोग भारत में जुटते हैं। यह सिर्फ सिनेमा कला का उत्सव मानने वाला महोत्सव नहीं है बल्कि इसका मकसद फिल्म के माध्यम से जागरूकता फैलाना है।

आमिर ने फिल्म लाल सिंह चढ्ढा का पहला लुक साझा किया

भाषा। नई दिल्ली

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने फिल्म लाल सिंह चढ्ढा में अपने लुक की पहली झलक सोशल मीडिया पर साझा की। आमिर के प्रशंसक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अद्वैत चंदन के निर्देशन में बन रही यह फिल्म टॉम हैंक्स की 1999 में आई फीचर फिल्म फॉरेस्ट गंप की आधिकारिक रीमेक है। इस फिल्म में करीना कपूर खान मुख्य अभिनेत्री हैं। आमिर ने फिल्म से पहले लुक का पोस्टर जारी करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। इस फिल्म में वह शीर्षक भूमिका यानि लाल सिंह चढ्ढा के रोल में नजर आएंगे। इस पोस्टर में खान ट्रेन के डिब्बे में बैठे मालूम हो रहे हैं जो कैमरे की तरफ देखते हुए एक मासूम मुस्कान साथ लिए हुए हैं। उन्हें हल्के गुलाबी रंग की पगड़ी पहनी हुई है और चेहरे पर घनी दाढ़ी-मूंछें नजर आ रही है। उन्होंने इस तस्वीर के साथ लिखा, सत श्री अकाल जी, मैं लाल...लाल सिंह चढ्ढा। इस पोस्टर से कुछ दिन पहले उन्होंने एक छोटा वीडियो क्लिप साझा किया था जिसमें फिल्म का लोगो नजर आया था। वीडियो में एक गाने की चंद पंक्तियां भी थीं, क्या पता हम में है कहानी, या हैं कहानी में हम। खान ने मार्च में अपने जन्मदिन के मौके पर इस फिल्म की घोषणा की थी। फिल्म लाल सिंह चढ्ढा क्रिसमस 2020 पर रिलीज होगी।

दोपहरी लिखने के पीछे का विचार समाज में बुजुर्ग महिलाओं की चिंताओं को बताना है : पंकज कपूर

मुंबई। अभिनेता पंकज कपूर का मानना है कि भले ही फिल्मों में बुजुर्ग लोगों को दिखाने का तरीका पहले से बेहतर हुआ हो लेकिन वास्तविकता यह है कि समाज अब भी इस उम्र के लोगों के साथ संवेदनशील नहीं है और प्रायः उन्हें अकेला छोड़ देता है। अभिनेता ने दोपहरी नाम का एक उपन्यास लिखा है, जिसमें अम्मा बी के जीवन के बारे में बताया गया है। इसमें एक ऐसी बुजुर्ग विधवा की कहानी है जो लखनऊ में अकेले अपनी हवेली में रहती है। यहां वह एक किराएदार साबिहा को रखती है जो उसके जीवन को बदल देती है। इस पूरी किताब में कपूर ने समाज में बुजुर्ग महिलाओं की स्थिति का जिक्र करते हुए यह बताने की कोशिश की है कि ऐसे लोगों के आस-पास रहनेवाले लोग उन्हें किस तरह नजरअंदाज करते रहते हैं। कपूर ने कहा, उनकी इच्छा थी कि लोग अपने आस-पास के लोगों के बारे में सोचना शुरू करें। खास तौर पर ऐसे बुजुर्ग लोगों के बारे में। इन बुजुर्ग लोगों पर कैसे ध्यान दिया जाए और इन्हें कैसे पहचान दी जाए, इस बारे में। अगर वे ऐसा करने में सक्षम नहीं हैं तो एक ऐसा रास्ता तैयार करें जिससे कि वे अपनी क्षमताओं और गुणों को खुद पहचान सकें। इस किताब का उद्देश्य निश्चित उम्र की महिलाओं की चिताओं को बताना था। कपूर ने दोपहरी 1992 में लिखी थी और भोपाल में एक साहित्यिक पत्रिका में इसका प्रकाशन 1994 में हुआ था। अब 27 साल बाद यह एक किताब के रूप में आ रही है।

अक्षय वह असाधारण अभिनेता हैं जो नए निर्देशकों का समर्थन करते हैं: करण

भाषा। मुंबई

फिल्म निर्माता करण जौहर ने सोमवार को कहा कि अभिनेता अक्षय कुमार बॉलीवुड के उन चंद कलाकारों में से हैं जो किसी फिल्म या निर्देशक की बजाए विषय को प्राथमिकता देते हैं। ब्रदर्स और केसरी जैसी एक्शन ड्रामा फिल्मों में काम करने के बाद करण एक बार फिर अक्षय के साथ साझेदारी करने जा रहे हैं। इस बार यह फिल्म हल्के-फुल्के अंदाज वाली होगी जिसका शीर्षक है गुड न्यूज। निर्माता ने कहा कि वह असल में अभिनेता के साथ बड़े बजट की फिल्म बनाने की योजना बना रहे थे लेकिन अक्षय ने इस कॉमेडी फिल्म पर फैसला लिया। करण ने यहां संवाददाताओं से कहा, मुझे ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्में पसंद रही हैं और मैं हमेशा ऐसी फिल्में बनाना चाहता था लेकिन धर्मा (उनका प्रोडक्शन हाउस) ने कभी ऐसी फिल्म नहीं बनाई। मैं अक्षय के पास बड़ी फिल्म लेकर गया था क्योंकि वह बड़े फिल्म स्टार हैं। अक्षय की खास बात यह है कि वह विषय ढूंढते हैं। वह कभी भी फिल्म का बजट या निर्देशक कौन हैं यह नहीं देखते। वह ऐसे सुपरस्टार हैं जो पहली बार निर्देशन कर रहे लोगों की मदद करते हैं और यह किसी फिल्म स्टार में मुश्किल ही देखने को मिलता है। करण गुड न्यूज के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर बोल रहे थे। इस फिल्म का निर्देशन राज मेहता कर रहे हैं जो इसके साथ निर्देशन के क्षेत्र में कदम रहे हैं। फिल्म में करीना कपूर खान, दिलजीत दोसांझ और कियारा आडवाणी भी हैं।